BIBLIOTHECA BUDDHICA. XIII.

MAHĀVYUTPATTI

ИЗДАЛЪ

И. П. Минаевъ.

ВТОРОЕ ИЗДАНІЕ, СЪ УКАЗАТЕЛЕМЪ.

ПРИГОТОВИЛЪ КЪ ПЕЧАТИ

Н. Д. Мироновъ.

РАБОТА ИСПОЛНЕНА НА СЧЕТЪ КАПИТАЛА А. М. КОЖЕВНИКОВА.



САНКТПЕТЕРБУРГЪ, 1911.

ПРОДАЕТСЯ У КОММИССІОНЕРОВЪ ИМПЕРАТОРСКОЙ АКАДЕМІИ НАУКЪ:

И. И. Глазунова и **К. Л. Риккера** въ Санктпетербургѣ;
Н. П. Карбасникова въ Санктпетербургѣ, Москвѣ, Варшавѣ и Вильнѣ;
Н. Киммеля въ Ригѣ;
Н. Я. Оглоблина въ Санктпетербургѣ и Кіевѣ;
Фоссъ (Г. В. Зоргенфрей) въ Лейпцигѣ;
Люзакъ и Комп. въ Лондонѣ.

Цѣна 3 р. = 7 Mrk. 50 Pf.

Напечатано по распоряженію Императорской Академіи Наукъ.
Мартъ 1911 г.
Непремѣнный Секретарь, Академикъ *С. Ольденбургъ.*

ТИПОГРАФІЯ ИМПЕРАТОРСКОЙ АКАДЕМІИ НАУКЪ.
Вас. Остр., 9 лин., № 12.

Предисловіе къ I изданію.

Текстъ Махāвјутпатти изданъ по слѣдующимъ рукописямъ:

1) **P.** Рукопись на четырехъ языкахъ (т. е. санскритскомъ, тибетскомъ, китайскомъ и монгольскомъ) на толстой китайской бумагѣ, изъ библіотеки Имп. Санктпетербургскаго Университета (№ 25.147); 319 листовъ; 13 вершковъ въ длину и 4 вершка въ ширину. Санскритскій текстъ писанъ вдвойнѣ, двумя азбуками: на верхней строкѣ *ланчою*; на нижней строкѣ тибетскою азбукою. Такимъ образомъ, санскритскаго текста на страницѣ по четыре строки: двѣ a) верхнихъ и двѣ b) нижнихъ. Большинство поправокъ и приписокъ встрѣчается на нижнихъ строкахъ, обозначенныхъ: *b*). Поправки, попадающіяся надъ строками, обозначены въ изданіи словами: «на верху». Подъ санскритскимъ текстомъ — слѣдуетъ тибетскій, ниже китайскій и затѣмъ монгольскій.

Эта рукопись представляетъ самый исправный санскритскій текстъ.

На двухъ послѣднихъ листахъ находится слѣдующая приписка:

लद्मोधरः 1) काञ्चनपर्वताभस्त्रिलोकनाथस्त्रिमलप्रहीणः बुद्धो विबुद्धो ऽम्बुजपत्रमेत्रस्तुन्मङ्गलं 2) भवतु शान्तिकरं तवाद्य । तेनोपदिष्टः प्रवरस्त्वकम्प्यः ख्यातस्त्रिलोकै 3) नरदेवपूज्यः

1) Отнесено къ тексту, см. ниже, стр. 117, и во второй разъ приписано на л. 318. — 2) Читай: °पत्त्र नेत्रस्तु°? — 3) Читай: °लोके?

धर्मात्तमः[1] शान्तिकरः प्रज्ञानां[2] तन्मङ्गलं भवतु शान्तिकर तवाद्य ॥

सद्धर्मपुक्षः श्रुतमङ्गलाढ्यः[3] संघो नृदेवासुरदक्षिणीयः । यः[4] श्रीनिवासः प्रवारो गणानां तन्मङ्गलं भवतु शान्तिकरं तवाद्य[5] ॥

नमो बुद्धाय । नमः सर्वमङ्गलतिथिमुहूर्तनक्षत्रराजाय[6] तथागतायार्हते सम्यक्सं-बुद्धाय ॥ तद्यथा । नक्षत्रे नक्षत्रे सर्वमङ्गलतिथिमुहूर्तनक्षत्राणि सर्वार्थसाधुकारिणी[7] स्वाहा ॥

यन्दिशि गन्तुगामतां[8] दिशिमवलोक्य इयन्धारिणी पठित्वा गम्यते महासिद्धि[9] भवति ॥

सर्वमङ्गलधारणी समाप्तः[10]
ये धर्मा हेतुप्रभवा हेतुस्तेषां तथागतो ह्यवदत् ।
तेषाञ्च यो निरोध एवंवादी महाश्रमणः ॥
राजा दानपतिश्चैव ये चन्यो[11] मि सत्वरासय ।
प्रप्नुवन्ति[12] सदा सुखमायुररोगसम्पदः ।
महाव्युत्पत्तिसमाप्ततेति ॥

Въ концѣ выпуска приложено факсимиле перваго листа этой рукописи *. Объ ея происхожденіи см. свѣдѣнія у Васильева въ У. Запискахъ И. Ак. Наукъ, томъ III, стр. 30.

2) **D.** Рукопись Азіатскаго Музея. — На китайской бумагѣ; 2 тетради; въ 1) 1—122 л., во 2) 123—257 л. (14 вершковъ въ длину, $3^3/_4$ въ ширину). Текстъ, какъ санскритскій (по двѣ строки на страницѣ), такъ и тибетскій переводъ (подъ скр. оригиналомъ), писанъ одною азбукою — тибетскою.

На первой страницѣ: नमो रत्नत्रयाय ॥ सद्धर्मोदितः भषोपदेशः व्यवस्थ-प्यते तत्र बुद्धस्य भगवतः नाममाहात्म्यमतिकृत्य (sic) । तथागतस्य पर्यायनामानि ।

На 225 л. об.: महाव्युत्पत्तिः समाप्तिति । इति । मङ्गलं । भवतु ॥

---

1) Читай: धर्मोत्तमः — 2) На строкѣ *b*) प्रज्ञानानां, *a*) तवाद्य — 3) *a*) श्रुति ¨ ¨ ढ्यः — 4) Тибетскою азб.: ह्रीः — 5) Р. तावाद्य — 6) Р. °त्तं°. Все въ скобкахъ. — 7) Читай: °रीणि — 8) Читай: °कामता दिशम°? — 9) Читай: °द्धिर्भवति — 10) Читай: समाप्ता — 11) Читай: चान्ये ऽपि । °राशयः (?) — 12) Читай: प्राप्नु°.

* Факсимиле было приложено лишь къ 1-му изданію и не воспроизведено въ настоящемъ изданіи. Н. М.

Два листа 256—257 съ тибетскимъ послѣсловіемъ. См. O. Boehtlingk, Ueber einige Sanskrit-Werke in der Bibliothek des Asiatischen Departements, въ Bulletin Historico-Philologique, т. II, стр. 345.

3) **M.** Рукопись тамъ-же (Indica № 125 b), на европейской бумагѣ ($11^3/_4$ вершка въ длину, $3^3/_4$ въ ширину). Тибетская азбука. По три строки санскритскаго текста на страницѣ; тибетскій переводъ подъ каждою строкою. По всей вѣроятности списокъ съ T.

На первой страницѣ: नमो भगल्वते (sic) शाक्यमुनये तथागतायार्हत (sic) सम्यक्संबुद्धाय ।

На послѣдней: व्युत्पत्ति समाप्तेति । शुभमस्तु सर्वजगतम्

За тѣмъ одна страница санскритскихъ словъ съ тибетскимъ и монгольскимъ переводомъ. См. A. Schiefner, въ Bulletin Historico-Philologique, т. IV, стр. 286, т. V, стр. 147.

4) **T.** Текстъ, напечатанный въ 123 т. Танжура; экземпляръ (№ 25.252) библіотеки Имп. Санктпетербургскаго Университета; азбука тибетская; печать неясная.

Начало: व्युत्पत्ति समा---, далѣе нѣсколько буквъ вытерто, затѣмъ: नमो भगवते शाक्यमुनये तथागतायार्हत (sic) सम्यक्संबुद्धाय ।

Заканчивается: व्युत्पत्ति समाप्तेति । शुभमस्तु सर्वजगतम् ।

[5) **L.** [1]) Рукопись Азіатскаго Музея. На 1-мъ листѣ стоитъ 1066 и приклеенъ билетикъ: «Санскрито-тибетскій словарь буддійскихъ терминовъ, расположенный по предметамъ. (Санскритскія слова въ семъ экземплярѣ писаны тибетскими буквами)». Кромѣ того на 1-мъ листѣ: व्युत्पत्ति समा (?) नाम विद्दति स्म. — Рукопись на толстой желтой бумагѣ (11 вершковъ въ длину, 2 въ ширину) по четыре строки на страницѣ. И санскритскій и тибетскій тексты писаны тибетской азбукой. На оборотѣ 1-го листа: नमो भगवते शाक्यमुनये

1) Описаніе рукописей L. и S. приведено по замѣткамъ И. П. Минаева въ его экземплярѣ Mahāvyutpatti. Н. М.

तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय. Листы (175) обозначены китайскими цифрами. На послѣдней страницѣ: व्युत्पत्ति समाप्तेति и далѣе शुभमस्तु सर्वज्ञगतमः (?) अनेन पुण्येन नु (?) सर्व दर्षिताः (?) मवास्य (?) निर्जित्य च दोषद्विषः ञ्त्ररतु (?) ज्ञा (?) मृत्युमह्रोर्मिसंकुलात् समुद्धरयं भवसगराज्ञगत्। (sic). Затѣмъ ये धर्मा и т. д. и въ концѣ: मङ्गल श्री ञ्वलज्ञम्बुद्वीपालङ्कारमस्तु शुभं।]

6) **U.** Рукопись библіотеки Императорскаго Санктпетербургскаго Университета № 25.148. На европейской бумагѣ — in fol.; стр. 1—356. Въ концѣ оглавленіе по тибетски. Текстъ (въ 2 столбца) на двухъ языкахъ: тибетскомъ и санскритскомъ; азбука тибетская.

На первомъ листѣ: नमो रत्नत्रयाय। सद्धर्मोदितः भषोपदेशः व्यवस्थप्यते। तत्र बुद्धस्य भगवतः नाममाह्रात्म्यमतिकृत्य (sic)। तथागतस्य पर्यानामानि। (!).

На 353: मह्राव्युत्पत्तिः समाप्तिति (sic)। इति मङ्गलं भवातु (!)।

За симъ два листа тибетскаго послѣсловія. — По всей вѣроятности списокъ съ D.

[7) Къ тому же типу рукописей слѣдуетъ относить S[1]) — рукопись Азіатскаго Музея. Писана на 305 листахъ толстой бѣлой бумаги (11 вершковъ въ длину и $2\frac{1}{2}$ вершка въ ширину) двумя азбуками: *ланчой* и тибетской. Санскритскій текстъ повторяется дважды ланчой (s) и тибетскими письменами. Начинается: नमो रत्नत्रयाय सद्धर्मोदितः (sic) भषोपदेशः (sic) व्यवस्थप्यते। तत्र बुद्धस्य भगवतः (sic) नाममाह्रात्म्यमधिकृत्य तथागतस्य पर्यायनामानिः Оканчивается на 303-мъ листѣ: मह्राव्युत्पत्तिः समाप्तिति। इति मङ्गलं भवातु. Затѣмъ 2 листа тибетскаго послѣсловія. — Рукопись хранится между 2 деревянныхъ досокъ. На 1-й стоитъ 1066 и заглавіе на наклеенной карточкѣ: «Санскрито-Тибетскій словарь буддійскихъ терминовъ, расположенный по предмстамъ. (Санскритскія слова писаны буквами ланча)».]

Въ трехъ рукописяхъ тѣ-же описки и сообщаются санскритскія заглавія нѣкоторыхъ отдѣловъ.

1) См. примѣчаніе на стр. III.

Заглавія эти слѣдующія:

। १। तथागतस्य पर्यायनामानि ॥
। २। नानातथागतनामानि ॥
। ३। बुद्धभूमिः। ॥ ४ ॥ असमसमाः पञ्च स्कन्धाः। ॥ ५ ॥ चत्वारि ज्ञानानि। ॥ ६ ॥ त्रिकायनामानि ॥
। ७। दश तथागतबलानि ॥
। ८। चत्वारि तथागतस्य वैशारद्यानि ॥
। ९। अष्टादशावेणिका बुद्धधर्माः ॥
। १०। द्वात्रिंशत्तथागतस्य महाकरुणाः ॥
। ११। त्रीण्यवेणिकानि स्मृत्युपस्थाननामानि ॥
। १२। चत्वार्यारत्नाणि ॥
। १३। चत्वारि (!) प्रतिसंविदश्च [1]।
। १४। षडभिज्ञानामानि ॥
। १५। अभिज्ञाकर्माणि ॥
। १६। त्रीणि प्रातिहार्याणि ॥
। १७। द्वात्रिंशन्महापुरुषलक्षणानि ॥
। १८। अशीत्यनुव्यञ्जनानि ॥
। १९। सूत्रात उद्धृतानि तथागतमाहात्म्यनामानि ॥
। २०। षष्ट्यङ्गस्वरनामानि ॥
। २१। प्रज्ञापारमितोद्भविता (!) समाधि(सं) नामानि ॥
। २२। बोधिसत्वानां साधरणनामानि ॥
। २३। नानाबोधिसत्वनामानि ॥
। २४। बोधिसत्वसमाधयः ॥

1) S. °सम्वितिश्च

। २५। बोधिसत्वधारण्यः ॥
। २६। बोधिसत्वबलानि ॥
। २७। बोधिसत्ववशिताः [1]) ॥
। २८। बोधिसत्वानां चत्वारि वैशारद्यानि ॥
। २९। अष्टादशावेणिकबोधिसत्वधर्माः ॥
। ३०। बोधिसत्वानां सूत्रान्तनिर्गतानि [2]) कानिचिद्गुणनामानि [3]) ॥
। ३१। दश भूमिनामानि ॥
। ३२। अधिमुक्तिचर्याभूमिनामानि ॥
। ३३। दश धर्मचर्याः ॥
। ३४। दश पारमिताः ॥
। ३५। चत्वारि संग्रहवस्तूनि ॥
। ३६। त्रीणि शिक्षाणि ॥
। ३७। अष्टादश शून्यताः ॥
। ३८। चत्वारि स्मृत्युपस्थानानि ॥
। ३९। चत्वारि प्रहाणानि ॥
। ४०। चत्वारः [4]) ऋद्धिपादाः ॥
। ४१। पञ्चेन्द्रियाणि ॥
। ४२। पञ्च बलानि ॥
। ४३। सप्त बोध्यङ्गानि ॥
। ४४। आर्याष्टाङ्गमार्गनामानि ॥
। ४५। प्रत्येकबुद्धपुद्गलाः ॥
। ४६। श्रावकपुद्गलक्रमाः [5]) ॥

1) Поправка; въ рук.: °शितनिः — 2) Въ рук.: सूत्रान्तनिर्गता — 3) Въ рук.: काञ्चिद्गुण° — 4) Такъ S. — 5) Въ рук. °प्रपुद्गलक्रमा, प्रति°?

1) U. इन्द्रियावानाभिसमयगोत्र, S. нѣтъ — 2) D. U. °र्याप्रमणानि

* Скр. заглавія нѣтъ.

1) D. U. चक्रणी — 2) D. U. संवारामर्याय

* Скр. заглавія нѣтъ.

1) D. U. धातुरनि — 2) D. U. °न्द्रियं अन्तर्गतानि — 3) D. U. S. फलं — 4) D. U. सत्वावसत्वावासा — 5) D. U. S. °सतागानि

* Безъ скр. заглавія.

1) D. U. °र्मः — 2) D. U. S. °लानि — 3) D. U. प्रता° — 4) D. U. चतुर

1) D. U. °तानि — 2) D. U. °हानि, S. °हाणि — 3) D. U. °रगाति — 4) D. U. महार्षयानि

* Безъ скр. заглавія.

1) D. U. उद् पद्निमित्रानि, S. उत्पाद 2) D. U. तिर्थ्रका° — 3) D. U. विभिकाय—

* Безъ скр. заглавія.

। २४१ । पुष्पमुलति (sic) [1]) नामानि ॥
। २४२ । पुष्पगुणनामानि ॥
। २४३ । सर्वधूपनामानि ॥ ॥ २४४–२४५ ॥*
। २४६ । ग्रर्थमह्वाविप्रलत्रघग्रवतनसकसूत्र-
त्वित्तगणना (!) नामानि [2]) ॥
॥ २४७–२५५ ॥ *

1) Читай पुष्पमूलादि° — 2) S. °वि-प्रत्रघग्रवतन्सक°

* Безъ скр. заглавія.

। २५६ । दिग्विदिग्नामानि [1]) ॥
॥ २५७–२६६ ॥ *
। २६७ । त्रिशरणागमनं ॥ ॥ २६८ ॥ *
। २६९ । चत्वारः श्रमणकारका धर्माः ॥
॥ २७०–२८३ ॥ *
। २८४ । व्याधिनामानि ॥

1) D. U. धिगविधिगना°, S. डिग्वि-डिग्ना°

* Безъ скр. заглавія.

Всѣ рукописи сообщаютъ одинъ и тотъ же текстъ, но съ массою описокъ; часть ихъ помѣщена въ подстрочныхъ примѣчаніяхъ; болѣе значительный выборъ такого рода варіантовъ будетъ представленъ при переводѣ *), въ мѣстахъ, очевидно, дошедшихъ до насъ въ сильно искаженномъ видѣ, или же допускающихъ исправленія и возстановленія текста приблизительно первоначальнаго.

*) И. П. Минаевъ не успѣлъ довести до конца этого перевода. П. М.

Предисловіе ко II изданію.

Въ 1905 году академикъ С. Ѳ. Ольденбургъ предложилъ намъ приготовить къ печати новое изданіе какъ текста Mahāvyutpatti[1]), такъ и указателя къ ней, составленнаго покойнымъ И. П. Минаевымъ. Мы охотно взялись за эту работу, но, къ сожалѣнію, различныя обстоятельства задерживали ходъ ея, такъ что лишь теперь она видитъ свѣтъ. Самое важное было уже сдѣлано Иваномъ Павловичемъ: въ его экземплярѣ оказалось множество помѣтокъ и поправокъ, которыя вездѣ и приняты нами во вниманіе. Сравнительно немного измѣненій противъ первоначальнаго текста дали рукописи L и S, неиспользованныя покойнымъ издателемъ, зато увеличилось число разночтеній въ подстрочныхъ примѣчаніяхъ.

Мы поставили своей задачей не дать новое изданіе этого труднаго текста, а лишь *переиздать* его, особенно вслѣдствіе того, что 1-е изданіе стало библіографической рѣдкостью. Мы позволяли себѣ вносить измѣненія въ текстъ только въ 2 случаяхъ: 1) когда эта измѣненія были намѣчены покойнымъ издателемъ и 2) когда это были исправленія явныхъ опечатокъ или описокъ. Съ перваго взгляда видно, что въ текстѣ Mahāvyutpatti множество испорченныхъ чтеній, грубыхъ грамматическихъ ошибокъ, которыя не трудно было бы исправить, но мы полагаемъ, что критическое изданіе должно дать лишь текстъ (при-

1) Первое изданіе составляетъ II вып. I тома труда И. П. Минаева «Буддизмъ. Изслѣдованія и матеріалы» въ Запискахъ И.-Ф. Фак. Имп. СПБ. Университета С.-ПБургъ. 1887.

близительно) въ томъ видѣ, какъ его представляли себѣ его авторы. Достаточно извѣстно, что языкъ сѣверныхъ буддійскихъ текстовъ довольно далекъ отъ классическаго санскрита. Авторы Mahāvyutpatti, лотсавы Кга Чжогъ[1]) и др., составлявшие ее въ IX в. въ Тибетѣ, были конечно не классики!

Одно изъ наиболѣе существенныхъ нашихъ отступленій отъ текста 1-го изданія слѣдующее. Многіе §§ начинаются съ заглавія, которое часто удерживалось И. П. Минаевымъ въ текстѣ. Мы позволили себѣ выкинуть ихъ оттуда (читатель найдетъ ихъ въ спискѣ заглавій въ предисловіи) и соотвѣтственно измѣнить нумерацію, — особенно когда въ такомъ заглавіи встрѣчается числительное, соотвѣтствующее числу №№ даннаго § (напр. § 77 — चत्वारि धर्मसमादानानि, въ 1-мъ изд. 5 №№!). Такъ мы поступили въ слѣдующихъ §§: 60, 77, 81, 82, 100, 119, 120, 183, 208, 267 и 269. Можетъ быть, слѣдовало бы дѣйствовать рѣшительнѣе и выкинуть еще нѣсколько заглавій, напр. въ § 104.

---

1) См. тибетско-монгольскій словарь «Мергед гархуjiн орон» (དག་ཡིག་མཁས་པའི་འབྱུང་གནས་ཞེས་བྱ་བ་), отд. Pāramitā, f. 17ᵇ (Пе-

[illegible]

кинскій ксилографъ XVIII в.). Здѣсь говорится, что Mahāvyutpatti составлена при тибетскомъ царѣ Ти Ралпбачжанѣ ཁྲི་རལ་པ་ཅན་ (по преданью р. въ 866 г., ум. въ 901 г. по Р. Х.). Жамьянъ шадпба (1648—1722) приписываетъ этотъ трудъ тремъ лотсавамъ Кга Чжогъ-Шжанъ-сумъ; это, вѣроятно, первые слоги трехъ именъ:

Кгава Пбалцзегъ (ཀ་བ་དཔལ་བརྩེགས), Чжогро Луи гялцанъ (ཅོག་རོ་ཀླུ་ཡི་རྒྱལ་མཚན) и Шжанъ Гялнянъ нявсзанъ (ཞང་རྒྱལ་ཉན་ཉ་བཟང་). (Мы обязаны этими данными любезности лектора монгольскаго языка въ С.-Петербургскомъ Университетѣ Б. Б. Барадійна).

При обработкѣ указателя, намъ пришлось внести сюда больше своего, такъ какъ И. П. Минаевъ оставилъ эту часть труда въ болѣе сыромъ видѣ: такъ глаголы приведены у насъ подъ корнемъ, въ какихъ бы формахъ и съ какими приставками они бы ни встрѣчались. Къ сожалѣнію, все же проскользнуло нѣсколько формъ, которыя приходится искать по алфавиту, напр. प्रेन्नते. Замѣтимъ, что заглавія введены въ указатель и обозначены цифрой § съ —, напр. इन्द्रियवैमात्रता ९०. — Въ указателѣ мы приняли во вниманіе поправки Kern'a (K.) изъ его Manual of Indian Buddhism (Grundr. I.-A. Ph. Alt.) и Sanskrit Wörterbuch in kürzerer Fassung (особенно Nachträge, B.)[1].

Въ заключеніе мы считаемъ своимъ пріятнымъ долгомъ выразить нашу благодарность Императорской Академіи Наукъ, поддержавшей нашу работу крупнымъ пособіемъ изъ капитала А. М. Кожевникова, а особенно иниціатору этого изданія академику С. Ө. Ольденбургу, безъ неоцѣнимаго содѣйствія котораго эта книга не увидѣла бы свѣта.

Просимъ читателей вмѣнить опечатки въ вину неопытному редактору, а отнюдь не образцовой академической типографіи.

Когда III выпускъ нашего изданія былъ уже почти законченъ печатаніемъ, вышло въ свѣтъ другое изданіе того же текста (Sanskrit-Tibetan-English Dictionary... by A. Csoma de Körös, ed. by E. Denison Ross and S. Ch. Vidyābhūsaṇa, Memoirs As. Soc. Bengal, Calcutta, 1910). Мы не рѣшаемся высказаться относительно значенія этого изданія до выхода II тома, долженствующаго заключать санскритскій и тибетскій указатели.

Н. Мироновъ.

СПБ. Декабрь 1910.

1) Оговариваемъ здѣсь принятую въ текстъ поправку Kern'a (Manual, p. 86, n. 4): षड्रूपसिकोपः вм. *षड्रूपः ईशीकोपः § 264. 4.

नमो भगवते शाक्यमुनये तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय ॥

॥ १ ॥

बुद्धः । १ भगवान् । २ तथागतः । ३ अर्हन् । ४ सम्यक्संबुद्धः । ५ विद्याचरणसंपन्नः । ६ सुगतः । ७ लोकवित् । ८ अनुत्तरः । ९ पुरुषदम्यसारथिः । १० शास्ता । ११ जिनः । १२ लोकज्येष्ठः । १३ सर्वज्ञः । १४ तायी । १५ देवातिदेवः । १६ महर्षिः । १७ धर्मस्वामी । १८ ऋषभः । १९ नायकः । २० परिणायकः । २१ विनायकः । २२ अद्वयवादी । २३ शौद्धोदनिः । २४ दशबलः । २५ मारजित् । २६ शाक्यपुंगवः । २७ गोप्ता । २८ महात्मा । २९ विजयी । ३० विभुः । ३१ विश्वंतरः [1]) । ३२ सर्वधर्मेश्वरः । ३३ विराट् । ३४ धीरः । ३५ गुणसागरः । ३६ शरण्यः । ३७ शरणं [2]) । ३८ वादिसिंहः । ३९ नरोत्तमः । ४० माराभिभूः । ४१ अप्रतिपुद्गलः । ४२ वान्तदोषः । ४३ हतविषः । ४४ अनङ्गजित् । ४५ षडभिज्ञः । ४६ भवान्तकृत् । ४७ अघहन्ता [3]) । ४८ सिद्धार्थः । ४९ शाक्यसिंहः । ५० वरार्हः । ५१ वरदः । ५२ वीरः । ५३ शमिता । ५४ शान्तपापः । ५५ शीतीभूतः । ५६ शिवंकरः । ५७ निर्द्वन्द्वः [4]) । ५८ निर्ममः । ५९ नेता । ६० निरवद्यः । ६१ निर्भयः [5]) । ६२ वीततृष्णः । ६३ निरादानः । ६४ विश्रुतः । ६५ शुभधर्माकरः । ६६ धर्माकरः [6]) । ६७ शुचिः । ६८ अनुपमः । ६९ त्रिकालज्ञाः । ७० वादी । ७१ त्रिदोषापहः । ७२ त्रिप्रातिहार्यसंपन्नः । ७३ निर्मलः । ७४ त्रिस्कन्धपथदैशिकः । ७५ निर्ज्वरः । ७६ सूर्यवंशः । ७७ आङ्गिरसः । ७८ गौतमः । ७९ इक्ष्वाकुकुलनन्दनः [7]) । ८० प्रभुः । ८१

---

1) P. *a*) विशन्त°; *b*); L. विशा°; P. *b*) Надъ строкой какъ въ текстѣ. — 2) P. поправка надъ строкой; *a*) и *b*) °णः — 3) P. *b*) поправка, *a*) अप° — 4) P. поправка надъ строкой *a*) и *b*) निर्द्वन्द्वः — 5) S. निर्णयः — 6) P. зачеркнуто и возстановлено °तयः. Такъ, слѣдуя тибетскому и китайскому текстамъ. — 7) P. *a*) इक्ष्वीकु°; *b*) поправка. L.: इक्षुकुल° —

॥ २ ॥

वैरोचनः[1]) । १ अक्षोभ्यः । २ अमिताभः । ३ रत्नसंभवः । ४ अमोघसिद्धिः । ५ विपश्यी । ६ शिखी । ७ विश्वभुक् । ८ क्रकुच्छन्दः[2]) । ९ कनकमुनिः । १० काश्यपः । ११ शाक्यमुनिः । १२ दीपंकरः । १३ पद्मनेत्रः । १४ प्रहसितनेत्रः । १५ रत्नशिखी । १६ मेघस्वरः । १७ सलीलगजगामी । १८ लोकाभिलाषी । १९

॥ ३ ॥

समन्तप्रभा बुद्धभूमिः । १

॥ ४ ॥

शीलस्कन्धः । १ समाधिस्कन्धः । २ प्रज्ञास्कन्धः । ३ विमुक्तिस्कन्धः । ४ विमुक्तिज्ञानदर्शनस्कन्धः । ५ धर्मधातुविशुद्धिः । ६

॥ ५ ॥

आदर्शज्ञानं । १ समताज्ञानं । २ कृत्यानुष्ठानज्ञानं । ३ प्रत्यवेक्षणाज्ञानं । ४

॥ ६ ॥

धर्मकायः । १ संभोगकायः । २ निर्माणकायः । ३

॥ ७ ॥

स्थानास्थानज्ञानबलं । १ कर्मविपाकज्ञानबलं । २ नानाधिमुक्तिज्ञानबलं[3]) । ३ नानाधातुज्ञानबलं । ४ इन्द्रियपरापरज्ञानबलं । ५ सर्वत्रगामनीप्रतिपज्ज्ञानबलं[4]) । ६ सर्वध्यानविमोक्षसमाधिसमापत्तिसंक्लेशव्यवदानव्युत्थानज्ञानबलं । ७ पूर्वनिवासानुस्मृतिज्ञानबलं । ८ च्युत्युपपत्तिज्ञानबलं । ९ आस्रवक्षयज्ञानबलं । १०

॥ ८ ॥

सर्वधर्माभिसंबोधिवैशारद्यं । १ सर्वास्रवक्षयज्ञानवैशारद्यं । २ अन्तरायिकधर्मानन्यथात्वनिश्चितव्याकरणवैशारद्यं । ३ सर्वसंपदधिगमाय नैर्याणिकप्रतिपत्तथात्ववैशारद्यं । ४

1) L. विरा° — 2) P. еще: क्रकुत्सुन्दः и зачеркнуто; S. °त्सन्दः — 3) L. नावावि° — 4) S. °गामिनी. — Поправка надъ строкой: °प्रतिपन्थ° вм. °पत्ज्ञा° въ P. *a*) и *b*). —

॥ ९ ॥

नास्ति तथागतस्य स्खलितं । १ नास्ति रवितं । २ नास्ति मुषितस्मृतिता । ३ नास्त्यसमाहितचित्तं । ४ नास्ति नानात्वसंज्ञा । ५ नास्त्यप्रतिसंख्यायोपेक्षा । ६ नास्ति छन्दस्य हानिः । ७ नास्ति वीर्यस्य हानिः । ८ नास्ति स्मृतेर्हानिः । ९ नास्ति समाधेर्हानिः । १० नास्ति प्रज्ञाया हानिः[1] । ११ नास्ति विमुक्तेर्हानिः । १२ सर्वकायकर्म ज्ञानपूर्वंगमं ज्ञानानुपरिवर्ति । १३ सर्ववाक्कर्म ज्ञानपूर्वंगमं ज्ञानानुपरिवर्ति । १४ सर्वमनस्कर्म ज्ञानपूर्वंगमं ज्ञानानुपरिवर्ति । १५ अतीते ऽध्वन्यसङ्गमप्रतिहतं ज्ञानदर्शनं प्रवर्तते । १६ अनागतेऽध्वन्यसङ्गमप्रतिहतं ज्ञानदर्शनं प्रवर्तते । १७ प्रत्युत्पन्नेऽध्वन्यसङ्गमप्रतिहतं ज्ञानदर्शनं प्रवर्तते । १८

॥ १० ॥

निरात्मानः सर्वधर्माः सत्त्वाश्च नैरात्म्यं नाधिमुच्यन्ते । अतस्तथागतस्य सत्त्वेषु महाकरुणोत्पद्यते । १ निःसत्त्वाः सर्वधर्माः । २ निर्जीवाः सर्वधर्माः । ३ निष्पुद्गलाः सर्वधर्माः । ४ अभावाः सर्वधर्माः[2] । ५ अनिकेताः सर्वधर्माः । ६ अनालयाः सर्वधर्माः । ७ अममाः सर्वधर्माः । ८ अस्वामिकाः सर्वधर्माः[3] । ९ अवस्तुकाः सर्वधर्माः । १० अज्ञाताः सर्वधर्माः । ११ अच्युता अनुत्पन्नाः सर्वधर्माः । १२ असंक्लिष्टाः सर्वधर्माः । १३ विगतरागाः सर्वधर्माः । १४ विगतद्वेषाः सर्वधर्माः । १५ विगतमोहाः सर्वधर्माः । १६ अनागतिकाः सर्वधर्माः । १७ अगतिकाः सर्वधर्माः । १८ अनभिसंस्काराः सर्वधर्माः । १९ अप्रपञ्चाः सर्वधर्माः । २० शून्याः सर्वधर्माः । २१ अनिमित्ताः सर्वधर्माः । २२ अप्रणिहिताः सर्वधर्माः । २३ अन्योन्यविवादसंगृहीतो वतायं लोकसंनिवेशो व्यापादखिलद्वेषप्रतिपन्न[4] इति संपश्यन् । २४ विपर्याससंप्रयुक्तो वतायं लोकसंनिवेशो विषममार्गप्रयात[5] उत्पथमार्गस्थायी । २५ लुब्धो लोभाभिभूतो वतायं लोकसंनिवेशो ऽतृप्तः परवित्तापहारी । २६ धनधान्यगृहपुत्रभार्यातृष्णादासा वतेमे सत्त्वा असारे सारसंज्ञिनः । २७ विषमाजीवा वतेमे सत्त्वा अन्योन्यपरिवञ्चनोपस्थिताः[6] । २८ अतृप्ता वतेमे सत्त्वा लाभसत्कारश्लोकोपचरितास्तृप्ता स्म इति प्रतिज्ञा-

---

1) P. *a*) и *b*) °यार्हा° — 2) S. निर्प्रकताः° — 3) L. अस्वामि° — 4) Въ P. на верху поправка вм. °द्वेष° — 5) P. поправка подъ строкой; два другихъ чтенія: °प्रप्रातः, प्रपातः — 6) *a*) P. °परिवञ्चा°, *b*) °परिपञ्च°; S. °वञ्चनाव°.

नते। २९ नित्याभिरता वर्तेमे सत्त्वा एकान्ताक्लिष्टदुःखभाजने [1]) गृहावासे। ३० कारुणोपगाः पुनः सर्वधर्मा विठपनप्रत्युपस्थानलक्षणाः। ३१ इदं पुनरयममङ्गज्ञानमुत्सृज्य विशिष्टपरिनिर्वाणार्थं [2]) सत्त्वा हीनयानं प्रार्थयन्ते यदिदं श्रावकप्रत्येकबुद्धयानं तेभ्य उदारमतिं रोचयिष्यामीति यदिदं बुद्धज्ञानाध्यालम्बनतायै [3]) इति तथागतस्य सत्त्वेषु [4]) महाकरुणोत्पद्यते। ३२

॥ ११ ॥

शुश्रूषमाणेषु समचित्तता। १ अशुश्रूषमाणेषु समचित्तता। २ शुश्रूषमाणाशुश्रूषमाणेषु समचित्तता। ३

॥ १२ ॥

परिशुद्धकायसमुदाचारस्तथागतः। १ नास्ति तथागतस्यापरिशुद्धकायसमुदाचारता। २ परिशुद्धवाक्समुदाचारस्तथागतः। ३ नास्ति तथागतस्यापरिशुद्धवाक्समुदाचारता। ४ परिशुद्धमनःसमुदाचारस्तथागतः। ५ नास्ति तथागतस्यापरिशुद्धमनःसमुदाचारता। ६ परिशुद्धजीवस्तथागतः। ७ नास्ति तथागतस्यापरिशुद्धजीवता। ८

॥ १३ ॥

धर्मप्रतिसंवित्। १ अर्थप्रतिसंवित्। २ निरुक्तिप्रतिसंवित्। ३ प्रतिभानप्रतिसंवित्। ४

॥ १४ ॥

दिव्यं चक्षुः। १ दिव्यं श्रोत्रं। २ परचित्तज्ञानं। ३ चेतःपर्यायज्ञानं [5])। ४ पूर्वनिवासानुस्मृतिज्ञानं। ५ ऋद्धिविधिज्ञानं। ६ आस्रवक्षयज्ञानं। ७

॥ १५ ॥

यथा समाहिते चित्ते स्वीय आसने ऽन्तर्हितः [6])। १ विहायसाभ्युद्गम्य चतुर्विधमीर्या-

---

1) P. *a*) अकान्ताक्लि°; *b*) एकान्ता° — 2) P. *b*) поправка °णे ता हीनसत्वा и другая на верху: °णतं — 3) Поправка вм. ध्यालम्ब° въ P. *a*) и *b*) — 4) P. *a*) и *b*) त्वेषु — 5) P. зачеркнуто. — 6) P. *a*) चित्तस्विये, *b*) चित्तस्वीय; S. चित्तेस्वयम°. —

पथं[1]) कल्पयति[2])। २ उपरिमः कायः प्रज्वलति। ३ अधः कायाच्छीतला वारिधाराः स्यन्दन्ते। ४ अनेकविधमृद्धिविषयं प्रत्यनुभवति। ५ एको भूत्वा बहुधा भवति। ६ बहुधा भूत्वा एको भवति। ७ आविर्भवति तिरोभावमपि प्रत्यनुभवति। ८ तिरःकुड्यं तिरःप्राकारं। ९ पर्वतमप्यसज्जमानो[3]) गच्छति। १० आकाशे विक्रमते तद्यथा पक्षी शकुनिः। ११ पृथिव्यामुन्मज्जननिमज्जनं[4]) करोति तद्यथापि नामोदके। १२ उदकेऽप्यभिद्यमानो गच्छति तद्यथापि नाम महापृथिव्यां। १३ धूमायत्यपि प्रज्वलत्यपि तद्यथापि नाम महानग्निस्कन्धः। १४ स्वकायादपि महावारिधारा उत्सृजति[5]) तद्यथापि नाम महामेघः। १५ याभिर्वारिधाराभिरयं त्रिसाहस्रमहासाहस्रो लोकधातुरादीप्तः प्रदीप्तः संप्रज्वलितोऽग्निना एकज्वलीभूतो[6]) निर्वाप्यते। १६ इमावपि चन्द्रसूर्या एवंमहर्द्धिक एवंमहानुभावा एवंमहौजस्कौ पाणिना परामृषति[7]) परिमार्जयति। १७ यावद्ब्रह्मलोकादपि सत्वां[7]) कायेन वशे वर्तयति। १८ साकारं सोद्देशं सनिदानं पूर्वनिवासमनुस्मरति[8]) स्म। जातिस्मरः। अमुत्राहमासमेवंनामा। एवंजातिः। एवंगोत्रः। एवमाहारः। एवंसुखदुःखप्रतिसंवेदी। एवंचिरस्थितिकः। एवमायुष्पर्यन्तः। ततश्च्युतो ऽमुत्रोपपन्नः। ततश्च्युत इहाप्युपपन्नः। १९

॥ १६ ॥

ऋद्धिप्रातिहार्यं। १ आदेशनाप्रातिहार्यं। २ अनुशासनीप्रातिहार्यं। ३

॥ १७ ॥

उष्णीषशिरस्कता। १ प्रदक्षिणावर्तकेशः। २ समललाटः। ३ ऊर्णाकेशः। ४ अभिनीलनेत्रगोपक्ष्मा। ५ चत्वारिंशद्दन्तः। ६ समदन्तः। ७ अविरलदन्तः। ८ सुशुक्लदन्तः। ९ रसरसाग्रता। १० सिंहहनुः। ११ प्रभूततनुजिह्वः। १२ ब्रह्मस्वरः। १३ सुसंवृत्तस्कन्धः। १४ सप्तोत्सदः। १५ चितान्तरांसः। १६ सूक्ष्मसुवर्णच्छविः। १७ स्थितानवनतप्रलम्बबाहुता। १८ सिंहपूर्वार्धकायः। १९ न्यग्रोधपरिमण्डलः। २० एकैकरोमप्रदक्षिणावर्तः। २१

---

1) P. *a*) °मास्वापथं — 2) P. *b*). S. कल्पयन्ति — 3) P. *a*) °सङ्गमानो — 4) P. *a*) u. *b*) °ज्जान° — 5) P. *a*) u. *b*) °ऽयति — 6) P. *a*) °भूत्वा, S. परि° — 7) P. *a*) u. *b*); S. सत्वं — 8) P. *a*) °सानुस्म°; *b*) °सानुस्मरन्तिस्म —

ऊर्ध्वगरोमः । २२ कोशगतवस्तिगुह्यः । २३ सुवर्तितोरुः । २४ उच्छङ्खपादः । २५ मृदुतरुणहस्तपादतलः । २६ जालावनद्धहस्तपादः । २७ दीर्घाङ्गुलिः । २८ चक्राङ्कितहस्तपादतलः । २९ सुप्रतिष्ठितपादः । ३० आयतपादपार्ष्णिः । ३१ ऐणेयजङ्घः । ३२

॥ १८ ॥

आताम्रनखः । १ स्निग्धनखः । २ तुङ्गनखः । ३ वृत्ताङ्गुलिः । ४ चिताङ्गुलिः । ५ अनुपूर्वाङ्गुलिः । ६ निर्गूढशिरः । ७ निर्ग्रन्थिशिरः[1] । ८ गूढगुल्फः । ९ अविषमपादः । १० सिंहविक्रान्तगामी । ११ नागविक्रान्तगामी । १२ हंसविक्रान्तगामी । १३ वृषभविक्रान्तगामी । १४ प्रदक्षिणावर्तगामी । १५ चारुगामी । १६ अवक्रगामी । १७ वृत्तगात्रः । १८ मृष्टगात्रः । १९ अनुपूर्वगात्रः । २० शुचिगात्रः । २१ मृदुगात्रः । २२ विशुद्धगात्रः । २३ परिपूर्णव्यञ्जनः । २४ पृथुचारुमण्डलगात्रः । २५ समक्रमः[2] । २६ सुकुमारगात्रः । २७ अदीनगात्रः । २८ उत्सदगात्रः । २९ सुसंहतगात्रः । ३० सुविभक्ताङ्गप्रत्यङ्गः । ३१ वितिमिरविशुद्धालोकः । ३२ वृत्तकुक्षिः[3] । ३३ मृष्टकुक्षिः । ३४ अभुग्नकुक्षिः । ३५ क्षामोदरः । ३६ गम्भीरनाभिः । ३७ प्रदक्षिणावर्तनाभिः । ३८ समन्तप्रासादिकः । ३९ शुचिसमाचारः । ४० व्यपगततिलकालकगात्रः । ४१ तूलसदृशसुकुमारपाणिः । ४२ स्निग्धपाणिलेखः । ४३ गम्भीरपाणिलेखः । ४४ आयतपाणिलेखः । ४५ नात्यायतवदनः । ४६ विम्बप्रतिविम्बदर्शनवदनः । ४७ मृदुजिह्वः । ४८ तनुजिह्वः । ४९ रक्तजिह्वः । ५० गजगर्जितजीमूतघोषः । ५१ मधुरचारुमञ्जुस्वरः । ५२ वृत्तदंष्ट्रः । ५३ तीक्ष्णदंष्ट्रः । ५४ शुक्लदंष्ट्रः । ५५ समदंष्ट्रः । ५६ अनुपूर्वदंष्ट्रः । ५७ तुङ्गनासः । ५८ शुचिनासः । ५९ विशुद्धनेत्रः । ६० विशालनेत्रः । ६१ चितपक्ष्मः । ६२ सितासितकमलदलसकलनयनः । ६३ आयतभ्रूः । ६४ श्लक्ष्णभ्रूः । ६५ समरोमभ्रूः । ६६ स्निग्धभ्रूः । ६७ पीनायतकर्णः । ६८ समकर्णः । ६९ अनुपहतकर्णेन्द्रियः । ७० सुपरिणतललाटः । ७१ पृथुललाटः । ७२ सुपरिपूर्णोत्तमाङ्गः । ७३ भ्रमरसदृशकेशः । ७४ चितकेशः । ७५ श्लक्ष्णकेशः । ७६ असंलुलितकेशः[4] । ७७ अपरुषकेशः । ७८ सुरभिकेशः । ७९ श्रीवत्सस्वस्तिकनन्द्यावर्तललितपाणिपादः । ८० वर्धमानः । ८१

---

1) P. *a*) निर्ग्रस्थि°; *b*) निर्ग्रास्थि° — 2) P. *a*) क्रामः — 3) P. поправка вм. वृत्त° — 4) P. поправка вм. *a*) असंलुडित°; *b*) असंलुजित° —

॥ १६ ॥

सुविशुद्धबुद्धिः । १ अद्वयसमुदाचारः । २ अलक्षणधर्मपरायणः । ३ बुद्धविहारेण विहरणं[1]) । ४ सर्वबुद्धसमताप्राप्तः । ५ अनावरणगतिंगतः । ६ अप्रत्युदावर्त्यधर्मः । ७ असंहार्यगोचरः । ८ अचिन्त्यव्यवस्थानः । ९ त्र्यध्वसमतानिर्यातः । १० सर्वलोकधातुप्रसृतकायः[2]) । ११ सर्वधर्मनिःसंशयज्ञानः । १२ सर्वचर्यासमन्वागतबुद्धिः । १३ निष्काङ्क्षो धर्मज्ञानैः । १४ अविकल्पितशरीरः । १५ सर्वबोधिसत्त्वसंप्रतीच्छितज्ञानः । १६ अद्वयबुद्धविहारपरमपारमिप्राप्तः । १७ असंभिन्नतथागतविमोक्षज्ञाननिष्ठागतः । १८ अनन्तमध्यबुद्धभूमिसमताधिगतः । १९ धर्मधातुपरमः । २० आकाशधातुपर्यवसानः । २१ अपरान्तकोटिनिष्ठः । २२ निष्यन्दः स तथागतः पुण्यानां । २३ अविप्रणाशः कुशलमूलानां । २४ अलंकृतः क्षान्त्या । २५ आगमः[3]) पुण्यनिधानानां । २६ चित्रितोऽनुव्यञ्जनैः । २७ कुसुमितो लक्षणैः । २८ प्रतिरूपो गोचरेण । २९ अप्रतिकूलो दर्शनेन । ३० अभिरतिः शुद्धाधिमुक्तानां । ३१ अनभिभूतः प्रज्ञया । ३२ अनवमर्दनीयो बलैः[4]) । ३३ शास्ता सर्वसत्त्वानां । ३४ पिता बोधिसत्त्वानां । ३५ राजा आर्यपुद्गलानां । ३६ सार्थवाह आदिकर्मिकाणां । ३७ अप्रमेयो ज्ञानेन । ३८ अनन्तः प्रतिभानेन । ३९ विशुद्धः स्वरेण । ४० आस्वादनीयो घोषेण । ४१ असेचनको रूपेण । ४२ अप्रतिसमः कायेन । ४३ अलिप्तः कामैः । ४४ अनुपलिप्तो रूपैः । ४५ असंसृष्ट आरूप्यैः । ४६ विप्रमुक्तः स्कन्धेभ्यः । ४७ विसंप्रयुक्तो[5]) धातुभिः । ४८ संवृत आयतनैः । ४९ प्रच्छिन्नो ग्रन्थैः । ५० विमुक्तः परिदाघैः[6]) । ५१ परिमुक्तस्तृष्णया । ५२ ओघादुत्तीर्णः । ५३ परिपूर्णो ज्ञानेन । ५४ प्रतिष्ठितोऽतीतानागतप्रत्युत्पन्नानां बुद्धानां भगवतां ज्ञाने[7]) । ५५ अप्रतिष्ठितो निर्वाणे । ५६ स्थितो भूतकोट्यां । ५७ स्थितः सर्वसत्त्वालोकनीयायां भूमौ । ५८ अनन्तशिष्यगणसुविनीतः । ५९ सर्वसत्त्वाशयसुविधिज्ञः । ६० अनाभोगबुद्धकार्याप्रतिप्रस्रब्धः । ६१ मुक्तो मुक्तपरिवारः । ६२ पारगतः । ६३ स्थलगतः । ६४ तीर्णः[8]) । ६५ तारकः । ६६ आश्वस्तः । ६७ श्रोत्रियः । ६८ भिन्नक्लेशः । ६९ वाहितपापधर्मः । ७० वेदकः[9]) । ७१ विनीवरणः । ७२ विप्रसन्नमनाः । ७३ षडङ्गसमन्वागतः । ७४ अननुरोधविरोधविप्रमुक्तः । ७५

---

1) P. *b*) поправка °हरं; L. °हारः — 2) P. *b*) поправка °प्रभतू°; L. °प्रभुत — — 3) P. надъ строкой अलयः — 4) P. поправка надъ строкой вм. °मर्द्ध° — 5) S. L. विसंयुक्तो — 6) P. *b*) поправка вм. दघैः — 7) D. U. ज्ञानेन; P. °नै — 8) P. *a*) लीलः — 9) P. *b*) поправка вм. भेदकः —

प्रणतप्रत्यकमत्यः [1]) । ७६ समुत्सृष्टैषणाः । ७७ एकारत्नः । ७८ स्मृतिदौवारिकसंपन्नः । ७९ चतुरपाश्रयणः [2]) । ८० पर्यवसितार्थः । ८१ भावितात्मा । ८२ अपगतशाखापत्त्रपलाशप्रपाटिकावल्कफल्गुः । ८३ अनाविलसंकल्पः [3]) । ८४ प्रस्रब्धकायसंस्कारः । ८५ अप्रमाणागतबुद्धमाहात्म्यः । ८६ अप्रतिष्ठाध्यानवर्तनी । ८७ कालप्राप्तो बुद्धोत्पादः । ८८ मार्गपरिणायकः । ८९ मार्गज्ञाः । ९० मार्गवित् । ९१ मार्गदेशिकः । ९२ मार्गाख्यायी । ९३

॥ २० ॥

स्निग्धा [4]) । १ मृदुका । २ मनोज्ञा । ३ मनोरमा । ४ शुद्धा । ५ विमला । ६ प्रभास्वरा । ७ वल्गुः । ८ श्रवणीया । ९ अनेला । १० कला [5]) । ११ विनीता । १२ अकर्कशा । १३ अपरुषा । १४ सुविनीता । १५ कर्णसुखा । १६ कायप्रह्लादनकरी । १७ चित्तोद्बिल्यकरी [6]) । १८ हृदयसंतुष्टिकरी । १९ प्रीतिसुखजननी । २० निष्परिदाहा । २१ आज्ञेया [7]) । २२ विज्ञेया । २३ विस्पष्टा । २४ प्रेमणीया । २५ अभिनन्दनीया । २६ आज्ञापनीया । २७ विज्ञापनीया । २८ युक्ता । २९ सहिता । ३० पुनरुक्तदोषजहा । ३१ सिंहस्वरवेगा । ३२ नागस्वरशब्दा । ३३ मेघस्वरघोषः । ३४ नगेन्द्ररुता । ३५ गन्धर्वसंगीतिघोषा । ३६ कलविङ्कस्वररुता । ३७ ब्रह्मस्वररुतारविता । ३८ जीवंजीवकस्वररुतारविता । ३९ देवेन्द्रमधुरनिर्घोषा । ४० दुन्दुभिस्वरा । ४१ अनुन्नता । ४२ अनवनता । ४३ सर्वशब्दानुप्रविष्टा । ४४ अपशब्दविगता । ४५ अविकला । ४६ अलीना । ४७ अदीना । ४८ प्रमुदिता । ४९ प्रसृता । ५० सखिला । ५१ सरिता । ५२ ललिता । ५३ सर्वस्वरपूरणी । ५४ सर्वेन्द्रियसंतोषणी । ५५ अनिन्दिता । ५६ अचञ्चला । ५७ अचपला । ५८ सर्वपर्षदनुरविता । ५९ सर्वाकारवरोपेता । ६०

॥ २१ ॥

शूरंगमो नाम समाधिः । १ रत्नमुद्रो नाम समाधिः । २ सुचन्द्रो नाम समाधिः । ३ सिंहविक्रीडितो नाम समाधिः । ४ चन्द्रध्वजकेतुर्नाम समाधिः । ५ सर्वधर्मोद्गतो नाम समा-

---

1) P. *a*) и *b*) प्रणात्तप्रत्यक°; S. प्रणुत — 2) P. *a*) и *b*) °श्रयणः — 3) P. *a*) अनविल° — 4) P. приписка: तित्तौद्बिल्यकरी; L. прип. चित्तोद्बिल्याकारि — 5) P. *b*) поправка: काला — 6) P. *b*) °द्बिल्य° — 7) P. *b*) поправка вм. *a*) अज्ञे° —

धिः। ६ सर्वधर्ममुद्रो नाम समाधिः। ७ विलोकितमूर्धो नाम समाधिः। ८ धर्मधातुनियतो नाम समाधिः। ९ नियतध्वजकेतुर्नाम समाधिः। १० वज्रो [1] नाम समाधिः। ११ सर्वधर्मप्रवेशमुद्रो नाम समाधिः। १२ समाधिराजासुप्रतिष्ठितो नाम समाधिः। १३ रश्मिप्रमुक्तो नाम समाधिः। १४ बलव्यूहो नाम समाधिः। १५ समुद्गतो नाम समाधिः। १६ निरुक्तिनियतप्रवेशो नाम समाधिः। १७ अधिवचनप्रवेशो नाम समाधिः। १८ दिग्विलोकितो नाम समाधिः। १९ आधारणमुद्रो [2] नाम समाधिः। २० असंप्रमोषो नाम समाधिः। २१ सर्वधर्मसमवसरणसागरमुद्रो नाम समाधिः। २२ आकाशस्फरणो नाम समाधिः। २३ वज्रमण्डलो नाम समाधिः। २४ ध्वजाग्रकेयूरो नाम समाधिः। २५ इन्द्रकेतुर्नाम समाधिः। २६ स्रोतोऽनुगतो नाम समाधिः। २७ सिंहविजृम्भितो नाम समाधिः। २८ व्यत्यस्तो नाम समाधिः। २९ रणंजहो नाम समाधिः। ३० वैरोचनो नाम समाधिः। ३१ अनिमिषो नाम समाधिः। ३२ अनिकेतस्थितो नाम समाधिः। ३३ निश्चित्तो नाम समाधिः। ३४ विमलप्रदीपो नाम समाधिः। ३५ अनन्तप्रभो नाम समाधिः। ३६ प्रभाकरो नाम समाधिः। ३७ शुद्धसारो नाम समाधिः। ३८ विमलप्रभो नाम समाधिः। ३९ रतिकरो नाम समाधिः। ४० विद्युत्प्रदीपो नाम समाधिः। ४१ अक्षयो नाम समाधिः। ४२ अजेयो नाम समाधिः। ४३ तेजोवती नाम समाधिः। ४४ क्षयापगतो नाम समाधिः। ४५ चन्द्रविमलो नाम समाधिः। ४६ सूर्यप्रदीपो नाम समाधिः। ४७ अविवर्तो नाम समाधिः। ४८ अनिञ्ज्यो नाम समाधिः। ४९ प्रज्ञाप्रदीपो नाम समाधिः। ५० शुद्धप्रतिभासो [3] नाम समाधिः। ५१ आलोककरो नाम समाधिः। ५२ काराकारो नाम समाधिः। ५३ ज्ञानकेतुर्नाम समाधिः। ५४ वज्रोपमो नाम समाधिः। ५५ चित्तस्थितिर्नाम [4] समाधिः। ५६ समन्तालोको नाम समाधिः। ५७ सुप्रतिष्ठितो नाम समाधिः। ५८ रत्नकोटिर्नाम समाधिः। ५९ वरधर्ममुद्रो नाम समाधिः। ६० सर्वधर्मसमता नाम समाधिः। ६१ रतिजहो नाम समाधिः। ६२ धर्मोद्गतो नाम समाधिः। ६३ विकिरणो नाम समाधिः। ६४ सर्वधर्मपदप्रभेदो नाम समाधिः। ६५ समाक्षरावकारो नाम समाधिः। ६६ अक्षरापगतो नाम समाधिः। ६७ आरम्बणच्छेदनो [5] नाम समाधिः। ६८ अप्रकारो नाम समाधिः। ६९ अविकारो नाम समाधिः। ७० नामनियतप्रवेशो नाम समाधिः। ७१ अनिकेत-

---

1) S. वज्रोपमो° — 2) P. *b*); L. поправка: आधार — 3) P. *b*) поправка: शुद्ध: — 4) поправка: °स्थितो — 5) P. *a*) °छेदमो; *b*) अलंवछेदनोमो; L. अलम्बनछेदननाम°

चारी नाम समाधिः। ७२ तिमिरापगतो नाम समाधिः। ७३ चारित्रवती नाम समाधिः। ७४ अचलो[1] नाम समाधिः। ७५ विषयतीर्णो नाम समाधिः। ७६ सर्वगुणसंचयगतो नाम समाधिः। ७७ स्थितनिश्चित्तो नाम समाधिः। ७८ शुभपुष्पितशुद्धिर्नाम समाधिः। ७९ अनन्तप्रतिभानो नाम समाधिः। ८० बोध्यङ्गवती नाम समाधिः। ८१ असमसमो नाम समाधिः। ८२ सर्वधर्मातिक्रमणो नाम समाधिः। ८३ परिच्छेदकरो नाम समाधिः। ८४ विमतिविकिरणो नाम समाधिः। ८५ निरधिष्ठानो नाम समाधिः। ८६ एकव्यूहो नाम समाधिः। ८७ धाकाराभिनिर्हारो नाम समाधिः। ८८ एकाकारो नाम समाधिः। ८९ आकारानपकारो[2] नाम समाधिः। ९० नैर्वेधिकसर्वभवतमोपगतो नाम समाधिः। ९१ संकेतरुतप्रवेशो नाम समाधिः। ९२ निर्घोषाक्षरविमुक्तो नाम समाधिः। ९३ ज्वलनोल्को नाम समाधिः। ९४ लक्षणपरिशोधनो नाम समाधिः। ९५ अनभिलक्षितो नाम समाधिः। ९६ सर्वाकारवरोपेतो नाम समाधिः। ९७ अक्षयकरण्डो नाम समाधिः। ९८ धारणीमतिर्नाम समाधिः। ९९ सम्यक्त्वमिथ्यात्वसर्वसंग्रसनो नाम समाधिः। १०० सर्वरोधविरोधसंप्रशमनो[3] नाम समाधिः। १०१ सर्वसुखदुःखनिरभिनन्दी नाम समाधिः। १०२ अनुरोधाप्रतिरोधो नाम समाधिः। १०३ विमलप्रभो नाम समाधिः। १०४ सारवती नाम समाधिः। १०५ परिपूर्णचन्द्रविमलप्रभो नाम समाधिः। १०६ विद्युत्प्रभो नाम समाधिः। १०७ महाव्यूहो नाम समाधिः। १०८ सर्वाकारप्रभाकरो नाम समाधिः। १०९ समाधिसमता नाम समाधिः। ११० अरजोविरजोनययुक्तो नाम समाधिः। १११ अरणासमवसरणो नाम समाधिः। ११२ अरणसरणासर्वसमवसरणो नाम समाधिः। ११३ अनिलम्भनिकेतनिरतो[4] नाम समाधिः। ११४ तथतास्थितनिश्चित्तो नाम समाधिः। ११५ कायकलिसंप्रमथनो नाम समाधिः। ११६ वाक्कलिविध्वंसनगगनकल्पो[5] नाम समाधिः। ११७ आकाशासङ्गविमुक्तिनिरुपलेपो नाम समाधिः। ११८

॥ २२ ॥

बोधिसत्त्वः। १ महासत्त्वः। २ धीमान्। ३ उत्तमद्युतिः। ४ जिनपुत्रः। ५ जिनाधारः। ६ विजेता। ७ जिनाङ्कुरः। ८ विक्रान्तः। ९ परमार्यः। १० सार्थवाहः। ११ महायशाः। १२

---

1) P. *a*) अबला — 2) D. U. — P. *a*) एकारा° *b*) अकारानव° — 3) L. °निरोध° — 4) D. U. — P. °निकरतो — 5) L. वाक्कालि° —

कृपालुः । १३ महापुण्यः । १४ ईश्वरः । १५ धार्मिकः । १६ जिनौरसः । १७ धर्मतो निर्गतः [1]) । १८ मुखतो जातः । १९

॥ २३ ॥

अवलोकितेश्वरः । १ मैत्रेयः । २ आकाशगर्भः । ३ समन्तभद्रः । ४ वज्रपाणिः । ५ मञ्जुश्रीकुमारभूतः । ६ सर्वणीवरणविष्कम्भी [2]) । ७ क्षितिगर्भः । ८ महास्थामप्राप्तः । ९ रत्नकेतुः । १० रत्नपाणिः । ११ रत्नमुद्राहस्तः । १२ रत्नमुकुटः । १३ रत्नचूडः [3]) । १४ रत्नकूटः [4]) । १५ रत्नाकरः । १६ रत्नशिखरः । १७ रत्नध्वजः । १८ वज्रगर्भः । १९ सुवर्णगर्भः । २० रत्नगर्भः । २१ श्रीगर्भः । २२ शुभगर्भः । २३ शुभविमलगर्भः । २४ तथागतगर्भः । २५ ज्ञानगर्भः । २६ सूर्यगर्भः । २७ समाधिगर्भः । २८ पद्मगर्भः । २९ विमुक्तिचन्द्रः । ३० समन्तनेत्रः । ३१ पद्मनेत्रः । ३२ विमलनेत्रः । ३३ विशालनेत्रः । ३४ समन्तेर्यापथः [5]) । ३५ समन्तप्रासादिकः [6]) । ३६ समन्तचारित्रमतिः । ३७ जयमतिः । ३८ सिंहविक्रीडितः । ३९ महाघोषस्वरराजा [7]) । ४० सिंहनादनादी । ४१ गम्भीरघोषस्वरनादितः । ४२ अनुपलिप्तः । ४३ सर्वमलापगतः । ४४ चन्द्रप्रभः । ४५ सूर्यप्रभः । ४६ ज्ञानप्रभः । ४७ भद्रपालः । ४८ मेरुशिखरधरः कुमारभूतः [8]) । ४९ करुणामतिः कुमारभूतः । ५० सुमतिः कुमारभूतः । ५१ नित्योद्युक्तः । ५२ सुसार्थवाहः । ५३ ज्योतिष्मतिः कुमारभूतः । ५४ दुर्धर्षः कुमारभूतः । ५५ गगनगञ्जः । ५६ शूरंगमः । ५७ अक्षयमतिः । ५८ प्रतिभानकूटः । ५९ गन्धहस्तिः । ६० जालिनीप्रभः । ६१ वर्धमानमतिः । ६२ समन्तप्रभः । ६३ आदित्यगर्भः । ६४ सर्वविषयावभासालंकारप्रतिभानदर्शनगर्भः । ६५ अमलगर्भः । ६६ विमलगर्भः । ६७ ज्योतिर्ज्वलनार्चिश्रीगर्भः । ६८ वज्रसारः । ६९ आशुगन्धः । ७० नित्यप्रयुक्तः [9]) । ७१ गुह्यगुप्तः । ७२ अमोघदर्शी । ७३ सुसंप्रस्थितः । ७४ अनिक्षिप्तधुरः । ७५ अनुपहतमतिः । ७६ नित्योत्क्षिप्तहस्तः । ७७ नदीदत्तः [10]) । ७८ विजयविक्रामी । ७९ जयदत्तः [11]) । ८० विगतशोकः । ८१ भद्रकल्पिकबोधिसत्त्वः । ८२ अन्ये च महौजस्का बोधिसत्त्वाः । ८३ जगतीन्धरः [12]) । ८४ ज्योतिष्प्रभः । ८५ एककान्तराजा [13]) । ८६ भूमिबलवैशारद्य-

---

1) P. приписка: निर्जितः; L. निजितो — 2) P. поправка вм. सर्वणि° — 3) P. *a*) °चूतः — 4) P. *a*) °कुटाः — 5) P. *a*) समन्त ईर्या° — 6) L. приписка ज्ञानपती: — 7) P. °जाः (*a* и *b*) — 8) S. L. मेरुशिखरः कूमारभूतः — 9) S. नित्यप्रभः; L. °प्रभः — 10) въ P. три чтенія *a*) दनदत्तः; *b*) поправка: दनिदत्तः; *c*) поправка: नदीदत्ता — 11) P. *a*) जाय° — 12) P. D. U. °तिन्ध° — 13) P. *a*) एकान्तराजाः —

धारी । ८७ सुचन्द्रः । ८८ अपराजिततेजाः । ८९ अचिन्तिकमध्यबुद्धिविक्रीडितः । ९० ज्ञानविभूतिगर्भः [1]) । ९१ बुद्धवज्रसंधारणासन्धिः । ९२

॥ २४ ॥

रत्नसमुद्गतः । १ सुप्रतिष्ठितः । २ आकम्प्यः [2]) । ३ अविनिवर्तनीयः । ४ रत्नाकरः । ५ सूर्यप्रभतेजाः । ६ सर्वार्थसिद्धः । ७ ज्ञानोल्कः । ८ प्रत्युत्पन्नबुद्धसंमुखावस्थितः । ९

॥ २५ ॥

अभिषेचनी [3]) । १ ज्ञानवती । २ विशुद्धस्वरनिर्घोषा । ३ अक्षयकरण्डा । ४ अनन्तावर्ता । ५ सागरमुद्रा । ६ पद्मव्यूहा । ७ असंगमुखप्रवेशा । ८ प्रतिसंविन्निश्चयावतारा । ९ बुद्धालंकाराधिष्ठिता । १० अनन्तवर्णा । ११ बुद्धकायवर्णपरिनिष्पत्त्यभिनिर्हारा [4]) । १२

॥ २६ ॥

आशयबलं । १ अध्याशयबलं । २ प्रयोगबलं । ३ प्रज्ञाबलं [5]) । ४ प्रणिधानबलं । ५ यानबलं । ६ चर्याबलं । ७ विकुर्वणबलं । ८ बोधिबलं । ९ धर्मचक्रप्रवर्तनबलं । १०

॥ २७ ॥

आयुर्वशिता । १ चित्तवशिता । २ परिष्कारवशिता । ३ कर्मवशिता । ४ उपपत्तिवशिता । ५ अधिमुक्तिवशिता । ६ धर्मवशिता । ७ प्रणिधानवशिता । ८ ऋद्धिवशिता । ९ ज्ञानवशिता । १०

॥ २८ ॥

धारणीश्रुतोद्ग्रहणार्थनिर्देशवैशारद्यं । १ नैरात्म्याधिगमात्परविहेठनानिमित्तसमुदाचारसङ्गानधिगते[6])र्यापथत्रिकर्मपरिशुद्धमहारत्नसंपन्नवैशारद्यं [7]) । २ सदोद्गृहीतधर्माविस्मरणप्रज्ञोपायनिष्ठागतसत्त्वनिस्तारणप्रसादसंदर्शनशुभानन्तरायिकवैशारद्यं [8]) । ३ सर्वज्ञा[9])ताचित्तासंप्रमोषान्ययानानिर्याणसंपूर्णवशितासर्वप्रकारसत्त्वार्थसंप्रापणवैशारद्यं । ४

---

1) S. ज्ञानभूति° — 2) L. S. अक° — 3) L. अभिषेचपतिः — 4) P. *b*) поправка °ष्पत्य° вм. °त्य°. L. निष्पित्त्या° — 5) L. ज्ञान° — 6) P. *a*, *b* читаютъ सुमु°; *a*) सहृङ्ग°; поправка °सहृङ्गा°; надъ строкой सहृङ्गनधिगि° вм. °वगी°. T. M. सहाज्ञानधिम° — 7) P. поправка: °रत्न° — 8) P. такъ *b*) поправка; *a*) सहो° — °सत्त्वा° поправка P. *b*) — 9) D. U. सर्वज्ञान° —

॥ २९ ॥

अनुपदिष्टदानाः [1] । १ अनुपदिष्टशीलाः । २ अनुपदिष्टक्षान्तयः [2] । ३ अनुपदिष्टवीर्याः । ४ अनुपदिष्टध्यानाः । ५ अनुपदिष्टप्रज्ञाः । ६ संग्रहवस्तुसर्वसत्त्वसंग्राहकाः । ७ परिणामनविधिज्ञाः । ८ उपायकौशल्यसर्वसत्त्वचरिताधिपत्य[3]परमयाननिर्याणसंदर्शकाः । ९ महायानाच्युताः [4] । १० संसारनिर्वाणमुखसंदर्शकाः । ११ यमकव्यत्यस्ताहारकुशलाः । १२ ज्ञानपूर्वंगमानभिसंस्कारनिरवद्यसर्वजन्माभिमुखप्रवृत्ताः । १३ दशकुशलोपेतकायवाग्मनस्कर्मान्ताः । १४ सर्वदुःखस्कन्धमहानात्मोपादानसर्वसत्त्वधातुपरित्यागिनः । १५ सर्वजगदभिरुचितसंदर्शकाः [5] । १६ कियत्कृच्छ्रबालश्रावकमध्यशुभव्यूहरत्नकल्पवृक्षदृढसर्वज्ञताचित्तासंप्रमुषिताः । १७ सर्वधर्मपट्टाबद्धाभिषेकप्राप्तबुद्धधर्मसंघपर्येष्टिसंदर्शनानिवृत्ताः [6] । १८

॥ ३० ॥

एकजातिप्रतिबद्धः । १ सर्वज्ञताभिमुखः । २ सर्वज्ञतानिम्नः । ३ सर्वज्ञताप्रवणः । ४ सर्वज्ञताप्राग्भारः । ५ असंगधारणीसमाधिप्रतिलब्धः । ६ शूरंगमसमाधिसमन्वागतः । ७ महाभिज्ञाविक्रीडितः । ८ सर्वावरणविवरणपर्युत्थानविगतः । ९ अप्रतिप्रस्रब्धमार्गः । १० महामैत्रीमहाकरुणादशदिग्लोकधातुस्फरणः । ११ अनन्तबुद्धक्षेत्राक्रमणकुशलः । १२ शून्यतागोचरः । १३ अनिमित्तविहारी [7] । १४ सर्वप्रणिधाननिश्रयविगतः । १५ सर्वसत्त्वहिताभ्युद्यतः । १६ सर्वबुद्धविषयकुशलः । १७ अनन्तज्ञानः । १८ आकाशसमचित्तः । १९ सागरवद्गम्भीरचित्तः । २० सुमेरुपर्वतराजवदकम्प्यचित्तः । २१ पद्मवदनुपलिप्तचित्तः । २२ रत्नवत्सुपरिशुद्धचित्तः । २३ सुवर्णवत्सुपर्यवदातचित्तः । २४ अपरिमितज्ञानसंभारपर्येषणकुशलः [8] । २५ परप्रवाद्यनभिभूतः [9] । २६ सर्वधर्मानावरणज्ञानो । २७ सर्वसत्त्वसमचित्तः । २८ सर्वमारविषयसमतिक्रान्तः । २९ सर्वतथागतविषयावतारज्ञानकुशलः । ३० महामैत्रीमहाकरुणासमन्वागतः [10] । ३१ उपायज्ञानकुशलः । ३२ धारणीप्रतिलब्धः । ३३ प्रणिधानाकल्पितः । ३४ क्षान्तिसमताप्रतिलब्धः । ३५ अच्युताभिज्ञः । ३६ निरामिषधर्मदेशकः । ३७

1) L. 1—4, 7, 12, 17 — единств. число. — 2) P. *b*) °क्षान्तयः — 3) P. поправка: वशित — 4) P. *a*) °नावतास्थिताः — 5) S. °रुचिसं° — 6) P. *a*) °पक्षीव° — S. °पर्येष्टि°. L. पर्याप्ति°. — 7) P. *a*) आनि° — 8) P. *a*) и *b*) कुलशः — 9) P. *a*) परा° — 10) S. °कारुण्य° —

गम्भीरधर्मक्षान्तिपारमिगतः । ३८ मारकर्मसमतिक्रान्तः । ३९ कर्मावरणप्रतिप्रश्रब्धः । ४०
धर्मप्रविचयविभक्तिनिर्देशकुशलः । ४१ असंख्येयकल्पप्रणिधानसुसमारब्धः । ४२ स्मितमु-
खपूर्वाभिलापी [1]) । ४३ गाथाभिर्गीताभिर्लापनः । ४४ अपगतलीनचित्तः । ४५ अनाच्छेद्यप्र-
तिभानः । ४६ अनन्तपरिषदभिभावनः । ४७ अनन्तकल्पकोटिनिःसरणकुशलः । ४८ मायाम-
रीचिदकचन्द्रस्वप्नप्रतिश्रुत्काप्रतिभासप्रतिबिम्बनिर्माणोपमधर्माधिमुक्तः [2]) । ४९ अप्रति-
हतचित्तः [3]) । ५० सत्त्वचित्तचरितसूक्ष्मज्ञानाधिमुक्त्यवतारकुशलः । ५१ अतिमात्रक्षान्तिस-
मन्वागतः [4]) । ५२ यथात्म्यवतारकुशलः । ५३ बुद्धक्षेत्रव्यूहानन्तप्रणिधानप्रस्थानपरिगृ-
हीतः । ५४ असंख्येयलोकधातुबुद्धानुस्मृतिसमाधिसततसमितअभिमुखीभूतः । ५५ अपरि-
मितबुद्धाध्येषणाकुशलः । ५६ नानादृष्ट्यनुशयपर्यवस्थानक्लेशप्रशमनकुशलः । ५७ समाधि-
विक्रीडितः । ५८ शतसहस्रनिर्हारकुशलः । ५९ सर्वज्ञातानिर्यातः [5]) । ६० त्रैधातुका-
सक्तः [6]) । ६१ गतिंगतः । ६२ सर्वाशापरिपूरकः । ६३ अप्रमाणसमाधिसमापत्तिसमन्वा-
गतः । ६४ अमोघकायवाग्मनस्कर्मान्ताभियुक्तः । ६५ अप्रमाणसमाधिचर्याधिष्ठितः । ६६ न
पुनर्बोधिसत्त्वो [7]) महासत्त्वः कामगुणैर्लिप्तः [8]) । ६७ सर्वसमाधिवशितापारमिंगतः [9]) । ६८
अनुपलिप्तो लोकधर्मैः । ६९ युक्तप्रतिभानः । ७० मुक्तप्रतिभानः । ७१ मैत्र्यात्मकः । ७२
करुणात्मकः । ७३ मुदिताविहारी । ७४ उपेक्षाविहारी । ७५ अच्युतशीलः । ७६ अच्युत-
समाधिः । ७७ अभिज्ञाविक्रीडितः । ७८ ते च बोधिसत्त्वमहासत्त्वा भूयस्तेन [10]) सर्वे कुमा-
रभूताः । ७९ भद्रकल्पिकबोधिसत्त्वः । ८०

॥ ३१ ॥

प्रमुदिता । १ विमला । २ प्रभाकरी । ३ अर्चिष्मती । ४ सुदुर्जया । ५ अभिमुखी । ६
दूरंगमा । ७ अचला । ८ साधुमती । ९ धर्ममेघा । १०

---

1) P. *a*) °पीतः — P. *a*) поправка °रीचिकोदकच° *b*) поправка °रीचिउदक°; такъ же S. — 3) S. अप्रतिघ° — 4) S. L. अधिमात्र° — 5) P. *b*) поправка вм. निर्ज्ञातः — 6) L. त्रैधातुकामज्ञागतिगतः — 7) P. *a*) и *b*) читаетъ: °त्वा — 8) P. такъ поправка *a*) и *b*) °प्यत — 9) L. °विशित° — 10) такъ *b*); P. *a*) °स्त्वेन —

॥ ३२ ॥

अधिमुक्तिचर्याभूमिः। १ आलोकलब्धः। २ आलोकवृद्धिः। ३ तत्त्वार्थैकदेशानुप्रवेशः। ४ आनन्तर्यसमाधिः। ५

। ३३ ॥

लेखना। १ पूजना। २ दानं। ३ श्रवणं। ४ वाचनं। ५ उद्ग्रहणं। ६ प्रकाशना। ७ स्वाध्यायनं[1]। ८ चिन्तना। ९ भावना। १०

॥ ३४ ॥

दानपारमिता। १ शीलपारमिता। २ क्षान्तिपारमिता। ३ वीर्यपारमिता। ४ ध्यानपारमिता। ५ प्रज्ञापारमिता। ६ उपायपारमिता[2]। ७ प्रणिधानपारमिता। ८ बलपारमिता। ९ ज्ञानपारमिता। १०

॥ ३५ ॥

दानं। १ प्रियवादिता। २ अर्थचर्या। ३ समानार्थता। ४

॥ ३६ ॥

अधिशीलं। १ अधिचित्तं। २ अधिप्रज्ञा। ३

॥ ३७ ॥

अध्यात्मशून्यता। १ बहिर्धाशून्यता। २ अध्यात्मबहिर्धाशून्यता। ३ शून्यताशून्यता। ४ महाशून्यता। ५ परमार्थशून्यता। ६ संस्कृतशून्यता। ७ असंस्कृतशून्यता। ८ अत्यन्तशून्यता। ९ अनवराग्रशून्यता। १० अनवकारशून्यता। ११ प्रकृतिशून्यता। १२ सर्वधर्मशून्यता। १३ स्वलक्षणशून्यता। १४ अनुपलम्भशून्यता। १५ अभावशून्यता। १६ स्वभावशून्यता। १७ अभावस्वभावशून्यता। १८

---

1) Такъ поправка въ *b*). P. *a*). L. °यः — 2) L. अपाय° —

॥ ३८ ॥

कायस्मृत्युपस्थानं। १ वेदनास्मृत्युपस्थानं। २ चित्तस्मृत्युपस्थानं। ३ धर्मस्मृत्युपस्थानं। ४

॥ ३९ ॥

अनुत्पन्नानां पापकानामकुशलानां धर्माणामनुत्पादाय छन्दं जनयति। १ उत्पन्नानां पापकानामकुशलानां धर्माणां प्रहाणाय छन्दं जनयति। २ अनुत्पन्नानां कुशलानां धर्माणामुत्पादाय छन्दं जनयति। ३ उत्पन्नानां कुशलानां धर्माणां स्थितये भूयोभावाय [1]) असंप्रमोषाय परिपूरणाय [2]) छन्दं जनयति। व्यायच्छते। वीर्यमारभति। चित्तं प्रगृह्णाति। सम्यक्प्रदधाति [3])। ४

॥ ४० ॥

छन्दसमाधिप्रहाणसंस्कारसमन्वागतो ऋद्धिपादः। १ चित्तसमाधिप्रहाणसंस्कारसमन्वागतो ऋद्धिपादः। २ वीर्यसमाधिप्रहाणसंस्कारसमन्वागतो ऋद्धिपादः। ३ मीमंसासमाधिप्रहाणसंस्कारसमन्वागतो ऋद्धिपादः। ४ अनुपलम्भयोगेन [4]) भवति। ५ विवेकनिश्रितं। ६ विरागनिश्रितं। ७ निरोधनिश्रितं। ८ व्यवसर्गपरिणतं। ९

॥ ४१ ॥

श्रद्धेन्द्रियं। १ वीर्येन्द्रियं। २ स्मृतीन्द्रियं। ३ समाधीन्द्रियं। ४ प्रज्ञेन्द्रियं। ५

॥ ४२ ॥

श्रद्धाबलं। १ वीर्यबलं। २ स्मृतिबलं। ३ समाधिबलं। ४ प्रज्ञाबलं ५

॥ ४३ ॥

स्मृतिसंबोध्यङ्गं। १ धर्मप्रविचयसंबोध्यङ्गं। २ वीर्यसंबोध्यङ्गं। ३ प्रीतिसंबोध्यङ्गं। ४ प्रस्रब्धिसंबोध्यङ्गं [5])। ५ समाधिसंबोध्यङ्गं। ६ उपेक्षासंबोध्यङ्गं। ७

---

1) P. *b*) поправка: भयूभावातायै; L. °भावतायै; S. °भावतायो — 2) P. *b*) поправка: परिपूरये, такъ L. — 3) P. *b*) поправка; *a*) °सम्यक्प्रदयाति — 4) P. *a*) °म्भयोगेन — 5) P. *a*) и *b*) °स्रभि —

॥ ४४ ॥

सम्यग्दृष्टिः । १ सम्यक्संकल्पः । २ सम्यग्वाक् । ३ सम्यक्कर्मान्तः । ४ सम्यगाजीवः । ५ सम्यग्व्यायामः । ६ सम्यक्स्मृतिः । ७ सम्यक्समाधिः । ८

॥ ४५ ॥

खड्गविषाणकल्पः । १ वर्गचारी । २

॥ ४६ ॥

स्रोतआपन्नः । १ सप्तकृद्भवपरमः । २ कुलंकुलः । ३ सकृदागामी । ४ एकवीचिकः । ५ अनागामी । ६ अनन्तरापरिनिर्वायी[1] । ७ उपपद्यपरिनिर्वायी । ८ साभिसंस्कारपरिनिर्वायी । ९ अनभिसंस्कारपरिनिर्वायी । १० ऊर्ध्वस्रोताः । ११ कायसाक्षी । १२ श्रद्धानुसारी । १३ धर्मानुसारी । १४ श्रद्धाधिमुक्तः । १५ दृष्टिप्राप्तः । १६ समयविमुक्तः । १७ असमयविमुक्तः । १८ प्रज्ञाविमुक्तः । १९ उभयतोभागविमुक्तः । २०

॥ ४७ ॥

आज्ञातकौण्डिन्यः । १ काश्यपः । २ शारिपुत्रः । ३ मौद्गल्यायनः[2] । ४ महाकात्यायनः । ५ सुभूतिः । ६ पूर्णमैत्रायणीपुत्रः[3] । ७ अश्वजित् । ८ अनिरुद्धः । ९ राहुलः । १० आनन्दः । ११ नन्दः । १२ नन्दकः । १३ नन्दिकः । १४ महानामः । १५ चुन्दः । १६ तिष्यः । १७ उपतिष्यः । १८ कोलितः । १९ उरुबिल्वाकाश्यपः । २० नदीकाश्यपः । २१ गवांपतिः[4] । २२ बाष्पः । २३ उपसेनः । २४ चूडपन्थकः । २५ महापन्थकः । २६ श्रोणकोटीविंशः । २७ उदयी । २८ सुन्दरनन्दः । २९ श्रोणकोटीकर्णः । ३० सुबाहुः । ३१ उद्रायणः । ३२ लवणभद्रिकः । ३३ उपालिः । ३४ महाकौष्ठिलः । ३५ गयाकाश्यपः । ३६ वक्कुलः । ३७ खदिरवनिकः । ३८ स्वागतः । ३९ महाप्रजापती गौतमी । ४० मायादेवी । ४१ यशोधरा । ४२ गोपा । ४३ उत्पलवर्णा । ४४ धर्मदिन्नः । ४५

॥ ४८ ॥

क्षीणास्रवः[5] । १ निष्क्लेशः । २ वशीभूतः । ३ सुविमुक्तचित्तः । ४ सुविमुक्तप्रज्ञः । ५

---

1) S. L. अन्तरा. — 2) L. मौद्गल्यानः — 3) P. *b*) °निपुत्रः; *a*) °त्रीय° — 4) P. (на полѣ). L.: गयाकाश्यपः — 5) P. надъ строкой: °णाश्र° —

आज्ञानेयः [1]। ६ महानागः। ७ कृतकृत्यः। ८ कृतकरणीयः। ९ अपहृतभारः। १० परिक्षीणभवसंयोजनः। ११ अनुप्राप्तस्वकार्थः। १२ सम्यगाज्ञासुविमुक्तचित्तः। १३ सर्वचेतोवशिपरमपारमिप्राप्तः। १४ धर्मधातुकुशलः। १५ धर्मराजापुत्रः। १६ अपगतसर्वलाभसत्कारचित्तः। १७ सुप्रव्रजितः। १८ सूपसंपन्नः। १९ परिपूर्णसंकल्पः। २० निर्वाणमार्गावस्थितः। २१ बहुश्रुतः। २२ श्रुतधरः। २३ श्रुतसंनिचयः। २४ सुचिन्तितचिन्ती। २५ सुभाषितभाषी। २६ सुकृतकर्मकारी। २७ आशुप्रज्ञः। २८ जवनप्रज्ञः। २९ तीक्ष्णप्रज्ञः। ३० निःसरणप्रज्ञः। ३१ नैर्वेधिकप्रज्ञः। ३२ महाप्रज्ञः। ३३ पृथुप्रज्ञः। ३४ गम्भीरप्रज्ञः। ३५ असमप्रज्ञः। ३६ प्रज्ञारत्नसमन्वागतः। ३७ परमदृष्टधर्मसुखविहारप्राप्तः। ३८ महादक्षिणापरिशोधकः। ३९ प्रशान्तेर्यापथसंपन्नः। ४० महाक्षान्तिसौरत्यसमन्वागतः। ४१ तथागताज्ञासुप्रतिपन्नः। ४२ परिपूर्णशुक्लधर्मः। ४३ दृष्टधर्मः। ४४ सुप्रतिपन्नो भगवतः श्रावकसंघः। ४५ न्यायप्रतिपन्नः। ४६ ऋजुप्रतिपन्नः। ४७ सामीचीप्रतिपन्नः। ४८ अनुधर्मप्रतिचारी [2]। ४९ धर्मानुधर्मप्रतिपन्नः। ५० अरणासमाधिः [3]। ५१ प्रणिधिज्ञानः। ५२

॥ ४९ ॥

पांसुकूलिकः। १ त्रैचीवरिकः। २ नामतिकः [4]। ३ पैण्डपातिकः। ४ एकासनिकः। ५ खलुपश्चाद्भक्तिकः। ६ आरण्यकः। ७ वृक्षमूलिकः। ८ आभ्यवकाशिकः। ९ श्माशानिकः। १० नैषद्किः। ११ याथासंस्तरिकः। १२

॥ ५० ॥

शुक्लविदर्शनाभूमिः। १ गोत्रभूमिः [5]। २ अष्टमकभूमिः। ३ दर्शनभूमिः। ४ तनूभूमिः। ५ वीतरागभूमिः। ६ कृताविभूमिः। ७

॥ ५१ ॥

बुद्धानुस्मृतिः। १ धर्मानुस्मृतिः। २ संघानुस्मृतिः। ३ शीलानुस्मृतिः। ४ त्यागानुस्मृतिः। ५ देवतानुस्मृतिः। ६

---

1) P. *b*) आज्ञानेय; L. आज्ञानयः — 2) L. °धर्मचारिः — 3) D. U. °णय° — 4) P. поправка надъ строкой: नामचिकः какъ въ M. T. — D. U. नामान्तिकः — 5) L. श्रोत्र° —

॥ ५२ ॥

विनीलकसंज्ञा । १ विपूयकसंज्ञा । २ विपडुमकसंज्ञा[1] । ३ व्याध्मातकसंज्ञा । ४ विलोहितकसंज्ञा । ५ विखादितकसंज्ञा । ६ विक्षिप्तकसंज्ञा । ७ विदग्धकसंज्ञा । ८ ग्रस्थिसंज्ञा । ९

॥ ५३ ॥

ग्रानापानस्मृतिः[2] । १ गणना । २ ग्रनुगमः । ३ स्थानं । ४ उपलक्षणा । ५ विवर्तना । ६ परिशुद्धिः । ७ ह्रस्वमाश्वसन् ह्रस्वमाश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । ८ ह्रस्वं प्रश्वसन् ह्रस्वं प्रश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । ९ दीर्घमाश्वसन्दीर्घमाश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । १० दीर्घं प्रश्वसन्दीर्घं प्रश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । ११ सर्वकायप्रतिसंवेद्याश्वसन् सर्वकायप्रतिसंवेद्याश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । १२ सर्वकायप्रतिसंवेदी प्रश्वसन् सर्वकायप्रतिसंवेदी प्रश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । १३ प्रस्रभ्य कायसंस्कारानाश्वसन्प्रस्रभ्य कायसंस्कारानाश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । १४ प्रस्रभ्य कायसंस्कारां प्रश्वसन्प्रस्रभ्य कायसंस्कारां प्रश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । १५ प्रीतिप्रतिसंवेद्याश्वसन्प्रीतिप्रतिसंवेद्याश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । १६ प्रीतिप्रतिसंवेदी प्रश्वसन् प्रीतिप्रतिसंवेदी प्रश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । १७ चित्तसंस्कारप्रतिसंवेद्याश्वसन् चित्तसंस्कारप्रतिसंवेद्याश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । १८ चित्तसंस्कारप्रतिसंवेदी प्रश्वसन् चित्तसंस्कारप्रतिसंवेदी प्रश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । १९ प्रस्रभ्य चित्तसंस्कारानाश्वसन् प्रस्रभ्य चित्तसंस्कारानाश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । २० प्रस्रभ्य चित्तसंस्कारां प्रश्वसन् प्रस्रभ्य चित्तसंस्कारां प्रश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । २१ चित्तप्रतिसंवेद्याश्वसन् चित्तप्रतिसंवेद्याश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । २२ चित्तप्रतिसंवेदी प्रश्वसन् चित्तप्रतिसंवेदी प्रश्वसामीति यथाभूतं प्रजानाति । २३

॥ ५४ ॥

चत्वार्यार्यसत्यानि । १ दुःखं । २ ग्रनित्यं । ३ शून्यं । ४ ग्रनात्मकं । ५ समुदयः । ६ प्रभवः । ७ हेतुः । ८ प्रत्ययः । ९ निरोधः । १० शान्तः । ११ प्रणीतः । १२ निःसरणं । १३

---

1) P. L. поправка: विपडुमक° — S. °पत्र° — 2) P. *b*) поправка. *a*) ग्रास-म्वपा ननुस्मृतिः ।

मार्गः । १४ न्यायः । १५ प्रतिपत्तिः । १६ नैर्याणिकः । १७ आनन्तर्यमार्गः । १८ विमुक्तिमार्गः । १९ अभिसमयान्तिकं कुशलमूलं । २० क्षयज्ञानलाभिकं कुशलमूलं । २१

॥ ५५ ॥

निर्वेधभागीयः । १ उष्मगतः । २ मूर्धानं । ३ क्षान्तिः । ४ लौकिकाग्रधर्मः । ५

॥ ५६ ॥

दुःखे धर्मज्ञानक्षान्तिः । १ दुःखे धर्मज्ञानं । २ दुःखे ऽन्वयज्ञानक्षान्तिः । ३ दुःखे ऽन्वयज्ञानं । ४ समुदये धर्मज्ञानक्षान्तिः । ५ समुदये धर्मज्ञानं । ६ समुदयेऽन्वयज्ञानक्षान्तिः । ७ समुदयेऽन्वयज्ञानं । ८ निरोधे धर्मज्ञानक्षान्तिः । ९ निरोधे धर्मज्ञानं । १० निरोधेऽन्वयज्ञानक्षान्तिः । ११ निरोधेऽन्वयज्ञानं । १२ मार्गे धर्मज्ञानक्षान्तिः । १३ मार्गे धर्मज्ञानं । १४ मार्गेऽन्वयज्ञानक्षान्तिः । १५ मार्गेऽन्वयज्ञानं । १६

॥ ५७ ॥

धर्मज्ञानं । १ परचित्तज्ञानं । २ अन्वयज्ञानं । ३ संवृतिज्ञानं । ४ दुःखज्ञानं । ५ समुदयज्ञानं । ६ निरोधज्ञानं । ७ मार्गज्ञानं । ८ क्षयज्ञानं । ९ अनुत्पादज्ञानं । १०

॥ ५८ ॥

दुःखाप्रतिपद्धन्धाभिज्ञा[1] । १ सुखाप्रतिपद्धन्धाभिज्ञा । २ दुःखाप्रतिपत्क्षिप्राभिज्ञा । ३ सुखाप्रतिपत्क्षिप्राभिज्ञा । ४

॥ ५९ ॥

महायानं । १ प्रत्येकबुद्धयानं । २ श्रावकयानं । ३ हीनयानं । ४ प्रादेशिकयानं । ५ एकयानं । ६

॥ ६० ॥

मृद्विन्द्रियः । १ मध्येन्द्रियः । २ तीक्ष्णेन्द्रियः । ३

---

1) P. поправка надъ строкой °द्धन्वा° вм. °पद्धन्वा. D. U. S. °पद्धन्दा°. L. °न्धा — M T. °पदन्धाभि° —

॥ ६१ ॥

श्रावकयानाभिसमयगोत्रः । १ प्रत्येकबुद्धयानाभिसमयगोत्रः । २ तथागतयानाभिसमयगोत्रः । ३ अनियतगोत्रः । ४ अगोत्रकः । ५

॥ ६२ ॥

सूत्रं । १ गेयं । २ व्याकरणं । ३ गाथा । ४ उदानं । ५ निदानं । ६ अवदानं । ७ इतिवृत्तकं । ८ जातकं । ९ वैपुल्यं । १० अद्भुतधर्मः । ११ उपदेशः । १२

॥ ६३ ॥

ब्रह्मचार्यं । १ आदौ कल्याणं । २ मध्ये कल्याणं । ३ पर्यवसाने कल्याणं । ४ स्वर्थं । ५ सुव्यञ्जनं । ६ केवलं । ७ परिपूर्णं । ८ परिशुद्धं । ९ पर्यवदातं । १० अभिवदमाना अभिवदन्ति । ११ स्वाख्यातो भगवतो धर्मः । १२ सांदृष्टिकः । १३ निर्ज्वरः । १४ आकालिकः । १५ औपनायिकः । १६ ऐहिपश्यिकः । १७ प्रत्यात्मवेदनीयो विज्ञैः । १८ स्वाख्यातो भगवतो धर्मविनयः सुप्रवेदितः । १९ नैर्याणिकः संबोधिगामी । २० अभिन्नः संस्तूपः । २१ अप्रतिशरणः[1]) । २२ शास्ता चास्य तथागतोऽर्हन् सम्यक्संबुद्धः । २३ स्वाख्यातो मे भिक्षवो धर्मः । २४ उत्तानः । २५ विवृतः । २६ छिन्नप्लोतिकः । २७ यावद्देवमनुष्येभ्यः सम्यक्सुप्रकाशितः । २८

॥ ६४ ॥

त्रिपरिवर्तद्वादशाकारधर्मचक्रप्रवर्तनं । १ आर्यसत्यानां प्रथमपरिवर्तो दर्शनमार्गः । २ इदं दुःखं । ३ अयं समुदयः । ४ अयं निरोधः । ५ इयं दुःखनिरोधगामिनी प्रतिपत् । ६

आर्यसत्यानां द्वितीयपरिवर्तो भावनामार्गः[2]) । ७ दुःखमार्यसत्यं परिज्ञायं । ८ दुःखसमुदयः प्रहातव्यः । ९ दुःखनिरोधः साक्षात्कर्तव्यः । १० दुःखनिरोधगामिनी प्रतिपद्भावयितव्या । ११

आर्यसत्यानां तृतीयः परिवर्तोऽशैक्षमार्गः । १२ दुःखं परिज्ञातं । १३ समुदयः प्रहीणः । १४ निरोधः साक्षात्कृतः । १५ दुःखनिरोधगामिनी प्रतिपद्भाविता । १६

॥ ६५ ॥

शतसाहस्रिकाप्रज्ञापारमिता । १ पञ्चविंशतिसाहस्रिका । २ अष्टसाहस्रिकाप्रज्ञापा-

---

1) L. सप्रति° — 2) D. U. भावन° —

रमिता । ३ बुद्धावतंसकं । ४ बोधिसत्त्वपिटकं । ५ ललितविस्तरः । ६ समाधिराजः । ७
पितापुत्रसमागमः । ८ लोकोत्तरपरिवर्तः । ९ सद्धर्मपुण्डरीकं । १० गगनगञ्जः । ११ रत्न-
मेघः । १२ लङ्कावतारं । १३ सुवर्णप्रभासोत्तमः । १४ विमलकीर्तिनिर्देशः । १५ गण्ड-
व्यूहः । १६ घनव्यूहः । १७ आकाशगर्भः । १८ अक्षयमतिनिर्देशः । १९ उपायकौशल्यं । २०
धर्मसंगीतिः । २१ सुविक्रान्तविक्रामी । २२ महाकरुणापुण्डरीकं । २३ रत्नकेतुः । २४ दशभू-
मिकं[1] । २५ तथागतमहाकरुणानिर्देशः । २६ द्रुमकिन्नरराजपरिपृच्छा । २७ सूर्यगर्भः । २८
बुद्धभूमिः । २९ तथागताचिन्त्यगुह्यनिर्देशः । ३० शूरंगमसमाधिनिर्देशः । ३१ सागरनागरा-
जपरिपृच्छा । ३२ अजातशत्रुकौकृत्यविनोदनं । ३३ संधिनिर्मोचनं । ३४ बुद्धसंगीतिः । ३५
राष्ट्रपालपरिपृच्छा । ३६ सर्वधर्माप्रवृत्तिनिर्देशः । ३७ रत्नचूडपरिपृच्छा । ३८ रत्नकूटः । ३९
महायानप्रसादप्रभावनं[2] । ४० महायानोपदेशः । ४१ आर्यब्रह्मविशेषचित्त[3]परिपृच्छा । ४२
परमार्थसंवृतिसत्यनिर्देशः । ४३ मञ्जुश्रीविहारः । ४४ महापरिनिर्वाणं । ४५ अवैवर्तचक्रं । ४६
कर्मविभङ्गः । ४७ प्रज्ञापारमिता पञ्चशतिका । ४८ त्रिशतिका प्रज्ञापारमिता । ४९
रत्नोल्का । ५० गोचरपरिशुद्धं । ५१ प्रशान्तविनिश्चयप्रातिहार्यनिर्देशः । ५२ तथागतो-
त्पत्तिसंभवनिर्देशः । ५३ भवसंक्रान्तिः । ५४ परमार्थधर्मविजयः । ५५ मञ्जुश्रीबुद्धक्षेत्रगुण-
व्यूहः । ५६ बोधिपक्षनिर्देशः । ५७ कर्मावरणप्रतिप्रस्रब्धिः । ५८ त्रिस्कन्धकं । ५९ सर्व-
वैदल्यसंग्रहः । ६० संघाटसूत्रं । ६१ तथागतज्ञानमुद्रासमाधिः[4] । ६२ वज्रमेरुशिखरः । ६३
कूटागारधारणी । ६४ अनवतप्तनागराजपरिपृच्छा । ६५ सर्वबुद्धविषयावतारज्ञानालोका-
लंकारः । ६६ सप्तशतिकप्रज्ञापारमिता । ६७ व्यासपरिपृच्छा । ६८ सुबाहुपरिपृच्छा । ६९
सिंहपरिपृच्छा । ७० महासहस्रप्रमर्दनं । ७१ उग्रपरिपृच्छा । ७२ श्रद्धाबलाधानं । ७३
अङ्गुलिमालीयं । ७४ हस्तिकक्ष्यं[5] । ७५ अक्षयमतिपरिपृच्छा । ७६ महास्मृत्युपस्थानं । ७७
शालिस्तम्भं[6] । ७८ मैत्रीव्याकरणं । ७९ भैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभः । ८० अर्थविनिश्चयः[7] । ८१
महाबलसूत्रं । ८२ वीरदत्तगृहपतिपरिपृच्छा । ८३ रत्नकरण्डकं । ८४ विकुर्वाणरा-

---

1) P. поправка: °कः — 2) P. приписка: शालिस्तम्भवं — 3) P. *a*) и *b*); S. поправка चित्ति — 4) S. सर्वतथागत° — 5) P. *a*) °क्षम् — 6) Такъ D. U. — T. M. °स्तम्बकं. — P. °स्तसुम्भंवकभूत्रं — 7) P. *a*) °यम् —

ज्ञपरिपृच्छा[1] । ८५ धज्ञाग्रकेयूरा । ८६ त्रिपिटकम् । ८७ सूत्रं । ८८ अभिधर्मः । ८९ विनयः । ९० प्रज्ञप्तिशास्त्रं । ९१ संगीतिपर्यायः । ९२ धर्मस्कन्धः । ९३ धातुकायः । ९४ ज्ञानप्रस्थानं । ९५ प्रकरणपादः । ९६ एकोत्तरिकागमः । ९७ मध्यमागमः । ९८ दीर्घागमः । ९९ संयुक्तागमः । १०० विनयविभङ्गः । १०१ विनयवस्तु[2] । १०२ विनयक्षुद्रकं । १०३ उत्तरग्रन्थः । १०४ राजाववादकं । १०५

॥ ६६ ॥

कण्ठोक्तः[3] । १ आगमः । २ आर्षः । ३ प्रवचनं । ४ शासनं । ५ सूत्रान्ताः । ६ सूत्रं । ७ सिद्धान्तः । ८ समयः । ९ अनुशासना । १० अववादः । ११ दर्शनं । १२ मतं । १३ शास्त्रं । १४ प्रकरणं । १५ प्रक्रिया । १६ सूत्रं । १७ कारिका । १८ टिप्पिटकः[4] । १९ वृत्तिः । २० विवरणं । २१ पञ्जिका । २२ भाष्यं । २३ व्याख्यानं । २४ वार्त्तिकं । २५ पद्धतिः । २६ मिश्रकं । २७ टीका । २८ टीकाटीका । २९ श्लोकः । ३० गाथा । ३१ गद्यं । ३२ पद्यं । ३३ वृत्तं । ३४ छन्दः । ३५ दण्डकं । ३६ ग्रन्थः । ३७ परिवर्तः । ३८ आश्वासकः । ३९ परिच्छेदः । ४० सर्गः । ४१ पटलः । ४२ अध्यायः । ४३ छन्दोविचितिः । ४४ पिण्डोद्दानं[5] । ४५ अन्तरोद्दानं । ४६ उद्दानं । ४७

॥ ६७ ॥

विविक्तं कामैर्विविक्तं पापकैरकुशलैर्धर्मैः सवितर्कं सविचारं विवेकजं प्रीतिसुखं प्रथमं ध्यानमुपसंपद्य विहरति । १

स वितर्कविचाराणां व्युपशमादध्यात्मं संप्रसादाच्चेतस एकोतीभावादवितर्कमविचारं समाधिजं प्रीतिसुखं द्वितीयं ध्यानमुपसंपद्य विहरति । २

स प्रीतेर्विरागादुपेक्षको विहरति स्मृतः संप्रजानन्[6] सुखं च कायेन प्रतिसंवेदयति यत्तदार्या आचक्षते[7] उपेक्षकः स्मृतिमां सुखं विहारीति निष्प्रीतिकं तृतीयं ध्यानमुपसंपद्य विहरति । ३

---

1) P. *b*) поправка вм. विकुर्वणा° — 2) P. *a*) и *b*) ° °स्तुः — 3) P. *a*) कंपोक्तं. 4) P. *a*) टिष्पितकः — 5) P. поправка: °धानम् вм. °द्दनं — 6) P. *b*); L. स्मृतिस्सं°. S. स्मृतिमं — 7) D. и U. — P. आव° —

स सुखस्य च प्रहाणाद्दुःखस्य च प्रहाणात्पूर्वमेव च सौमनस्यदौर्मनस्ययोरस्तंगमाद्दुःखासुखमुपेक्षास्मृतिपरिशुद्धं चतुर्थं ध्यानमुपसंपद्य विहरति । ४

प्रान्तकोटिकं ध्यानं । ५ अनागम्यं । ६ ध्यानान्तरं । ७ सामन्तकं । ८ मौलं । ९ आस्फाणकसमाधिः[1] । १० प्रतिसंलयनः । ११ समाहितः । १२ सततसमितसमाहितचित्तः । १३

॥ ६८ ॥

स सर्वशो[2] रूपसंज्ञानां समतिक्रमात्प्रतिघसंज्ञानामस्तंगमान्नानात्वसंज्ञानाममनसिकारादनन्तमाकाशमित्याकाशानन्त्यायतनमुपसंपद्य विहरति । १

स सर्वश आकाशानन्त्यायतनं समतिक्रम्यानन्तविज्ञानमिति विज्ञानानन्त्यायतनमुपसंपद्य विहरति । २

स सर्वशो विज्ञानानन्त्यायतनं समतिक्रम्य नास्ति किंचिदित्याकिंचन्यायतनमुपसंपद्य विहरति । ३

स सर्वश आकिंचन्यायातनं समतिक्रम्य नैवसंज्ञानासंज्ञायतनमुपसंपद्य विहरति । ४

व्युत्क्रान्तकसमापत्तिः । ५ व्यस्कन्धकसमापत्तिः । ६ नवानुपूर्वविहारसमापत्तिः । ७ निरोधसमापत्तिः । ८ महाभूतसमतापादानं । ९ असंज्ञासमापत्तिः । १०

॥ ६९ ॥

मैत्री । १ करुणा । २ मुदिता । ३ उपेक्षा । ४

स मैत्रीसहगतेन चित्तेनावैरेणासंपन्नेनाव्याबाधेन विपुलेन महद्गतेनाप्रमाणेनाद्वयेन सुभावितेनैकां दिशमधिमुच्य स्फारित्वोपसंपद्य विहरति । ५

तथा द्वितीयं तथा तृतीयं तथा चतुर्थमित्यूर्ध्वमधस्तिर्यक्सर्वशः सर्वावन्तमिमं लोकं[3] । ६

॥ ७० ॥

रूपी रूपाणि पश्यत्ययं प्रथमो विमोक्षः । १ अध्यात्ममरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यत्ययं द्वितीयो विमोक्षः । २ शुभं विमोक्षं कायेन साक्षात्कृत्वोपसंपद्य विहरत्ययं तृतीयो विमोक्षः । ३

---

1) P. *a*) अस्यनक° — 2) P. *a*) u *b*) सो — 3) D. U. — P. सर्वव° —

स सर्वशो रूपसंज्ञानां समतिक्रमात्प्रतिघसंज्ञानामस्तंगमान्नानात्वसंज्ञानाममनसिकाराद्नन्तमाकाशमित्याकाशानन्त्यायतनमुपसंपद्य विहरत्ययं चतुर्थो विमोक्षः। ४

स सर्वश आकाशानन्त्यायतनं समतिक्रम्यानन्तं विज्ञानमिति विज्ञानानन्त्यायतनमुपसंपद्य विहरत्ययं पञ्चमो विमोक्षः। ५

स सर्वशो विज्ञानानन्त्यायतनं समतिक्रम्य नास्ति किंचिदित्याकिंचन्यायतनमुपसंपद्य विहरत्ययं षष्ठो विमोक्षः। ६

स सर्वश आकिंचन्यायतनं समतिक्रम्य नैवसंज्ञानासंज्ञायतनमुपसंपद्य [1]) विहरत्ययं सप्तमो विमोक्षः। ७

स सर्वशो नैवसंज्ञानासंज्ञायतनं समतिक्रम्य संज्ञावेदितनिरोधं कायेन साक्षात्कृत्वोपसंपद्य विहरत्ययमष्टमो विमोक्षः। ८

॥ ७१ ॥

अध्यात्मरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यति परीत्तानि सुवर्णदुर्वर्णानि तानि खलु रूपाण्यभिभूय जानात्यभिभूय पश्यति एवंसंज्ञी च भवति इदं प्रथममभिभ्वायतनम्। १

अध्यात्मरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यति महद्गतानि सुवर्णदुर्वर्णानि तानि खलु रूपाण्यभिभूय जानात्यभिभूय पश्यति एवंसंज्ञी च भवति इदं द्वितीयमभिभ्वायतनम्। २

अध्यात्ममरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यति नीलानि नीलवर्णानि नीलनिदर्शनानि नीलनिर्भासानि तद्यथा उमकपुष्पं संपन्नं वा वाराणसेयं वस्त्रं नीलं नीलवर्णं नीलनिदर्शनं नीलनिर्भासं एवमेवाध्यात्ममरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यति नीलानि नीलवर्णानि नीलनिदर्शनानि नीलनिर्भासानि इदं तृतीयमभिभ्वायतनम्। ३

अध्यात्ममरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यति पीतानि पीतवर्णानि पीतनिदर्शनानि पीतनिर्भासानि तद्यथा कर्णिकारपुष्पं संपन्नं वा वाराणसेयं वस्त्रं पीतं पीतवर्णं पीतनिदर्शनं पीतनिर्भासं एवमेवाध्यात्ममरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यति पीतवर्णानि पीतनिदर्शनानि पीतनिर्भासानि इदं चतुर्थमभिभ्वायतनम्। ४

---

1) P. *a*) u *b*) °संसद्य —

अध्यात्ममरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यति लोहितानि लोहितवर्णानि लोहितनिदर्शनानि लोहितनिर्भासानि तद्यथा बन्धुजीवकपुष्पं संपन्नं वा वाराणसेयं वस्त्रं लोहितं लोहितवर्णं लोहितनिदर्शनं लोहितनिर्भासं एवमेवाध्यात्ममरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यति लोहितानि लोहितवर्णानि लोहितनिदर्शनानि लोहितनिर्भासानि इदं पञ्चममभिभ्वायतनं। ५

अध्यात्ममरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यति अवदातानि अवदातवर्णानि अवदातनिदर्शनानि अवदातनिर्भासानि तद्यथा उशनस्तारकायवर्ण[1]) अवदात अवदातवर्ण अवदातनिदर्शन अवदातनिर्भासः एवमेवाध्यात्ममरूपसंज्ञी बहिर्धा रूपाणि पश्यति अवदातानि अवदातवर्णानि अवदातनिदर्शनानि अवदातनिर्भासानि इदं षष्ठमभिभ्वायतनम्। ६

स सर्वशो रूपसंज्ञानां समतिक्रमात्प्रतिघसंज्ञानामस्तंगमान्नानात्वसंज्ञानाममनसिकारादनन्तमाकाशमित्याकाशानन्त्यायतनमुपसंपद्य विहरति इदं सप्तममभिभ्वायतनम्। ७

स सर्वश आकाशानन्त्यायतनं समतिक्रम्यानन्तं विज्ञानमिति विज्ञानानन्त्यायतनमुपसंपद्य विहरति इदमष्टममभिभ्वायतनं। ८

॥ ७२ ॥

नीलकृत्स्नायतनं। १ पीतकृत्स्नायतनं। २ लोहितकृत्स्नायतनं। ३ अवदातकृत्स्नायतनं। ४ पृथिवीकृत्स्नायतनं। ५ अप्कृत्स्नायतनं। ६ तेजस्कृत्स्नायतनं। ७ वायुकृत्स्नायतनं। ८ आकाशकृत्स्नायतनं। ९ विज्ञानकृत्स्नायतनं। १० पृथिवीकृत्स्नामित्येके संजानते इत्यूर्ध्वमधस्तिर्यगद्वयमप्रमाणं। ११ अप्तेजोवायुनीलपीतलोहितावदातकृत्स्नामित्येके संजानते इत्यूर्ध्वमधस्तिर्यगद्वयमप्रमाणं। १२

॥ ७३ ॥

शून्यता। १ अनिमित्तं। २ अप्रणिहितं। ३

॥ ७४ ॥

अर्थप्रतिसरणेन भवितव्यं न व्यञ्जनप्रतिसरणेन। १ धर्मप्रतिसरणेन भवितव्यं न पुद्गलप्रतिसरणेन। २ ज्ञानप्रतिसरणेन भवितव्यं न विज्ञानप्रतिसरणेन। ३ नीतार्थसूत्रप्रतिसरणेन भवितव्यं न नेयार्थसूत्रप्रतिसरणेन। ४

---

1) S. उशमिस्तारकायावर्ण –

॥ ७५ ॥

श्रुतमयी प्रज्ञा। १ चिन्तामयी प्रज्ञा। २ भावनामयी प्रज्ञा। ३

॥ ७६ ॥

शब्दविद्या। १ हेतुविद्या। २ अध्यात्मविद्या। ३ चिकित्साविद्या। ४ शिल्पकर्मस्थानविद्या[1])। ५

॥ ७७ ॥

प्रत्युत्पन्नसुखमायत्यां दुःखविपाकं। १ प्रत्युत्पन्नदुःखमायत्यां सुखविपाकं। २ प्रत्युत्पन्नदुःखमायत्यां दुःखविपाकं। ३ प्रत्युत्पन्नसुखमायत्यां सुखविपाकं। ४

॥ ७८ ॥

श्रद्धाधनं। १ शीलधनं। २ ह्रीधनं। ३ अपत्राप्यधनं। ४ श्रुतधनं। ५ त्यागधनं। ६ प्रज्ञाधनं। ७

॥ ७९ ॥

दर्शनानुत्तर्यं[2])। १ श्रवणानुत्तर्यं[2])। २ लाभानुत्तर्यं[2])। ३ शिक्षानुत्तर्यं[2])। ४ परिचर्यानुत्तर्यं[2]) ५ अनुस्मृत्यनुत्तर्यं[2])। ६

॥ ८० ॥

सत्याधिष्ठानं। १ त्यागाधिष्ठानं। २ उपशमाधिष्ठानं। ३ प्रज्ञाधिष्ठानं। ४

॥ ८१ ॥

प्रमुदितस्य प्रीतिर्जायते। १ प्रीतिमनसः कायः प्रश्रभ्यते[3])। २ प्रश्रब्धकायः[4]) सुखं वेदयति। ३ सुखितस्य चित्तं समाधीयते। ४ समाहितचित्तो यथाभूतं प्रजानाति

---

1) P. поправка вм. शिल्पकर्मस्था°; S. शिल्पस्थान° — 2) P. поправка вм. °र्यं — 3) P. поправка надъ строкой °ब्ध्यते — 4) P. *a*) प्रश्रभं —

यथाभूतं पश्यति । ५ यथाभूतदर्शी निर्विद्यते । ६ निर्विण्णो विरज्यते । ७ विरक्तो विमुच्यते । ८ विमुक्तस्य विमुक्तोऽस्मीति ज्ञानदर्शनं भवति । ९

॥ ८२ ॥

व्यापादस्याव्यापदो निःसरणं मैत्री । १ विहिंसानिःसरणं करुणा । २ अरतिनिःसरणं मुदिता । ३ कामनिःसरणमुपेक्षा । ४ विचिकित्सानिःसरणमस्मिमानसमुद्घातः[1] ५ निमित्तनिःसरणमनिमित्तं[2] । ६

॥ ८३ ॥

प्रतिरूपदेशवासः । १ सत्पुरुषापाश्रयं । २ आत्मनः सम्यक्प्रणिधानं । ३ पूर्वे च कृतपुण्यता । ४

॥ ८४ ॥

एकदेशकारी । १ प्रदेशकारी । २ यद्भूयस्कारी । ३ अपरिपूर्णकारी । ४ परिपूर्णकारी । ५ संयमः । ६ दमः । ७ सुविनीतः । ८ तपस्वी । ९ व्रती । १० यतिः । ११ अच्छिद्रं । १२ अखण्डं । १३ अशबलं । १४ अकल्माषं । १५ भुजिष्यं । १६ अपरामृष्टं[3] । १७ सुसमाप्तं । १८ सुसमारब्धः । १९ आर्यकान्तं । २० उपवासमुपवसन्ति । २१ चारित्रसंपन्नः । २२ वारित्रसंपन्नः । २३ आयत्यां संवरमापद्यते । २४ समादाय वर्तते । २५ साधु दमः । २६ साधु शमः । २७ । साधु संयमः । २८

॥ ८५ ॥

योगाचारः । १ योगी । २ योगः । ३ योनिशो मनसिकारः । ४ प्रतिसंलयनं । ५ दृष्टधर्मसुखविहारः । ६ आस्वादनसंप्रयुक्तध्यानं । ७ भावनारामता[4] । ८ अभिष्यन्दयति । ९ परिष्यन्दयति । १० परिप्रीणयति । ११ परिस्फरयति । १२ एकाकिनो रहोगताः । १३ स्थूलभित्तिकता । १४ औदारिकता । १५ दुःखिलता । १६ अमोघः । १७ अवन्ध्यः । १८ सफलः[5] १९ एकोतीभावः[6] । २०

---

1) P. *a*) и *b*) °द्धत्यत — 2) P. *a*) и *b*), S. °मानिमित्तं — 3) M. T. — D. U. अपरमिष्ट. P. ͇ надъ строкой आवरा° *a*) и *b*) आधरा — 4) P. поправка रामाता вм. *a*) °गता — 5) P. поправка °लं — 6) P. *a*) °तिभावः —

॥ ८६ ॥

एकांशव्याकरणं । १ विभज्यव्याकरणं । २ परिपृच्छाव्याकरणं । ३ स्थापनीयव्याकरणं । ४

॥ ८७ ॥

परिकल्पितलक्षणं । १ परतंत्रलक्षणं । २ परिनिष्पन्नलक्षणं । ३

॥ ८८ ॥

समताभिप्रायः । १ कालान्तराभिप्रायः । २ अर्थान्तराभिप्रायः । ३ पुद्गलान्तराभिप्रायः । ४

॥ ८९ ॥

अवतारणाभिसंधिः । १ लक्षणाभिसंधिः । २ प्रतिपक्षाभिसंधिः । ३ परिणामनाभिसंधिः । ४

॥ ९० ॥

शमथः । १ विपश्यना । २ योगः । ३ योनिशो मनस्कारः । ४

॥ ९१ ॥

त्रीणि कायदुश्चरितानि । १ चत्वारि वाग्दुश्चरितानि । २ त्रीणि मनोदुश्चरितानि । ३

॥ ९२ ॥

कायसुचरितं । १ प्राणातिपाताद्विरतिः । २ अदत्तादानाद्विरतिः । ३ काममिथ्याचाराद्विरतिः । ४

वाक्सुचरितं । ५ मृषावादात्प्रतिविरतिः । ६ पारुष्यात्प्रतिविरतिः । ७ पैशुन्यात्प्रतिविरतिः । ८ संभिन्नप्रलापात्प्रतिविरतिः । ९

मनः सुचरितं । १० अभिध्यायाः प्रतिविरतिः । ११ व्यापादात्प्रतिविरतिः । १२ मिथ्यादृष्टेः प्रतिविरतिः । १३

॥ ९३ ॥

पुण्यक्रियावस्तु । १ दानमयं पुण्यक्रियावस्तु । २ शीलमयं पुण्यक्रियावस्तु । ३ भावनामयं पुण्यक्रियावस्तु । ४ औपधिकं पुण्यक्रियावस्तु । ५ पुण्यं । ६

॥ ६४ ॥

परमार्थः। १ तत्त्वं। २ भूतकोटिः। ३ तथाता। ४ अवितथाता। ५ अनन्यतथाता। ६ शून्यता। ७ धर्मधातुः। ८ धर्मनियामता। ९ अचिन्त्यधातुः। १० अविपर्यासतथाता। ११ अद्वयं। १२ अद्वैधीकारं। १३ धर्मस्थितिता। १४ स्थितैव धर्मधातुस्थितिता। १५ एकैवैषा तथाता। १६ धर्मधातुसंभेदः। १७ अद्वयमेतद्द्वैधीकारमभिन्नमच्छिन्नं। १८

॥ ६५ ॥

निर्वाणं। १ सोपधिशेषनिर्वाणं। २ निरुपधिशेषनिर्वाणं। ३ अप्रतिष्ठितनिर्वाणं। ४ निःश्रेयसः। ५ अपवर्गः। ६ अभिसमयः। ७ शीतः। ८ अशीतः। ९ नैवशीतनाशीतः। १० सम्यक्त्वनियतराशिः। ११ मिथ्यात्वनियतराशिः। १२ अनियतराशिः। १३

॥ ६६ ॥

शरणं। १ नाथः। २ परायणं। ३ त्राणं। ४ परित्राणं। ५ तायी। ६ लयनं। ७ गतिः। ८ द्वीपः। ९ तारकः। १० उत्तरणं [1]। ११ परित्राता। १२

॥ ६७ ॥

वन्दनं। १ पूजना। २ माननां। ३ अर्चना। ४ अपचायना। ५ चित्रीकारः [2]। ६ सत्कारः। ७ गुरुकारः। ८ उपस्थानं। ९ पर्युपासनं। १० आदरः। ११ गौरवं। १२ अञ्जलिकर्म। १३ प्रत्युत्थानं। १४ सामीची। १५ प्रणामः [3]। १६ अभिनमनं। १७ सामीचीकरणीयः। १८ आह्वनीयः। १९ प्राह्वनीयः। २० भक्तिः। २१ गुरुशुश्रूषा। २२ सप्रतीशः। २३ सगौरवः। २४ सेवनं। २५ भजनं। २६ पर्युपासनं। २७ उपासनं। २८ संसेवनं। २९ उपसेवनं। ३० बहुमानः। ३१ प्रणिपत्याभिवादनं। ३२ पूर्वाभिलापी। ३३

॥ ६८ ॥

*उत्मूढिः [4]। १ उत्साहः। २ आरम्भः। ३ अतन्द्रितः। ४ सत्कृत्यकारी। ५ सातत्यकारी [5]। ६ *नियकः। ७ प्रतिज्ञोत्तरकः [6]। ८ आस्थितिक्रियः। ९ अभियोगः। १०

---

1) S. उत्ता° — 2) D. U. — P. चित्ती° — 3) P. поправка °म्यं — 4) P. поправка *b*) °धिः; *a*) °ढि; D. U. °टिः. S. °डिः — P. на верху: उत्मृचितः (M. T. также). L. उत्मृचित्तः — 5) P. поправка: °त्य° — 6) P. такъ поправка; *a*) и *b*) प्रतिज्ञातरकः

उद्योगः। ११ योगमापत्तव्यं[1])। १२ धर्मानुप्रतिपत्तिः। १३ आदीप्तशिरश्चलोपमः[2])। १४ औत्सुक्यं। १५ पराक्रमः। १६ आतापी। १७ आतप्तकारी। १८ उद्यतः। १९ निरतः। २० अस्थीकृत्य। २१ प्रतिपत्तिसारः[3])। २२ न व्याहारकृतवाक्यपरमः[4])। २३ व्यवसायः[5])। २४ अभ्युत्साहः। २५ संनाहसंनद्धः। २६ दृढसारं। २७ उत्तप्तः। २८ उद्यमः। २९

॥ ९९ ॥

अभीरुः[6])। १ विशारदः। २ अच्छम्भी[7])। ३ निर्भयः। ४ अविषादः। ५ नोत्त्रसति। ६ न संत्रसति। ७ न संत्रासमापद्यते। ८ न लीयते। ९ न संलीयते। १० न जिह्मीयते। ११ नार्तीयते[8])। १२

॥ १०० ॥

रूपस्कन्धः। १ वेदनास्कन्धः। २ संज्ञास्कन्ध। ३ संस्कारस्कन्धः। ४ विज्ञानस्कन्धः। ५

॥ १०१ ॥

चत्वारि महाभूतानि। १ पृथिवीधातुः। २ अब्धातुः। ३ तेजोधातुः। ४ वायुधातुः। ५ खक्खटत्वं[9])। ६ द्रवत्वं। ७ उष्णत्वं। ८ लघुसमुदीरणत्वं। ९ उपादायरूपं। १० भौतिकरूपं। ११ जाननं। १२ निश्रयः। १३ स्थानं। १४ उपस्तम्भः। १५ उपबृंहणं[10])। १६ चक्षुरिन्द्रियं। १७ श्रोत्रेन्द्रियं। १८ घ्राणेन्द्रियं। १९ जिह्वेन्द्रियं। २० कायेन्द्रियं। २१ रूपप्रसादः। २२ रूपं। २३ शब्दः। २४ गन्धः। २५ रसः। २६ स्प्रष्टव्यं। २७ वर्णरूपं। २८ नीलं। २९ पीतं। ३० लोहितं। ३१ अवदातं। ३२ अभ्रं। ३३ धूमः। ३४ रजः। ३५ महिका[11])। ३६ छाया। ३७ आतपः। ३८ आलोकः। ३९ अन्धकारः[12])। ४० संस्थानरूपं। ४१ दीर्घं। ४२ ह्रस्वं। ४३ वृत्तं। ४४ परिमण्डलं। ४५ शातं। ४६ विशातं। ४७ उन्नतं। ४८ अवनतं। ४९ चतुरश्रं। ५० विज्ञप्तिः[13])। ५१ सनिदर्शनं। ५२ असनिदर्शनं। ५३ सप्र-

---

1) D. U. — P. *a*) °मयत्तव्यं *b*) °पत्त°; L. मायत्तव्यं — 2) Такъ поправка. P. *a*) и *b*) °शिरज्ञोलेपमः; L. °ज्वलोपमः — 3) P. поправка надъ строкой вм. शारः — 4) P. поправка *b*); *a*) °वाखरमः; еще поправка: °वाकपरमः — 5) P. *a*) व्यपस्यपः; поправка *b*) व्यपसायः — 6) P. *a*) и *b*) अभिरुः; поправка अभिरुता — 7) S. अनुच्छम्भी — 8) P. *a*) नार्त्तायते *b*) नर्ती°; — 9) P. поправка कक्ख°; *a*) खक्कट — 10) P. *b*) поправка प्रिंहणं; *a*) उपव्यंहणं — 11) P. *a*) सहिका — 12) P. *a*) и *b*) आन्ध° — 13) P. *b*) °ज्ञाप्तिः —

तिघः । ५४ अप्रतिघः । ५५ अनुपात्तमहाभूतहेतुकः सत्वाख्यो ऽसत्वाख्यो 1) मनोज्ञामनोज्ञाश्च । ५६ उपात्तमहाभूतहेतुकः सत्वाख्यो ऽसत्वाख्यो 1) मनोज्ञामनोज्ञाश्च । ५७ सुगन्धः । ५८ दुर्गन्धः । ५९ समगन्धः । ६० विषमगन्धः । ६१ मधुरः । ६२ आम्लः । ६३ लवणः । ६४ कटुकः । ६५ तिक्तः । ६६ कषायः । ६७ श्लक्ष्णत्वं । ६८ कर्कशत्वं । ६९ गुरुत्वं । ७० लघुत्वं । ७१ शीतं । ७२ बुभुक्षा । ७३ जिघत्सा । ७४ पिपासा । ७५ अविज्ञप्तिः । ७६

॥ १०२ ॥

सुखाः । १ दुःखाः । २ अदुःखासुखाः । ३

॥ १०३ ॥

परीत्ता । १ महाद्गता । २ अप्रमाणा । ३

॥ १०४ ॥

चैतसिका धर्माः । १ स्पर्शः । २ संज्ञा । ३ वेदना । ४ मनस्कारः । ५ चेतना । ६ छन्दः । ७ अधिमोक्षः । ८ स्मृतिः । ९ प्रज्ञा । १० समाधिः । ११ श्रद्धा । १२ ह्रीः । १३ अपत्राप्यं । १४ अलोभः कुशलमूलं । १५ अद्वेषः कुशलमूलं । १६ अमोहः कुशलमूलं । १७ वीर्यं । १८ प्रश्रब्धिः । १९ अप्रमादः । २० उपेक्षा । २१ अविहिंसा । २२ रागः । २३ प्रतिघः । २४ मानः । २५ अधिमानः । २६ मानातिमानाः । २७ अस्मिमानः । २८ अभिमानः । २९ ऊनमानः । ३० मिथ्यामानः । ३१ अविद्या । ३२ दृष्टिः । ३३ सत्कायदृष्टिः । ३४ अन्तग्राहदृष्टिः । ३५ मिथ्यादृष्टिः । ३६ दृष्टिपरामर्शः । ३७ शीलव्रतपरामर्शः । ३८ विचिकित्सा । ३९ क्रोधः । ४० उपनाहः । ४१ म्रक्षः । ४२ *प्रदासः 2) । ४३ ईर्ष्या । ४४ मात्सर्यं । ४५ माया । ४६ शाठ्यं 3) । ४७ मदः । ४८ विहिंसा । ४९ आह्रीक्यं । ५० अनपत्राप्यं । ५१ अश्रद्ध्यं 4) । ५२ कौसीद्यं । ५३ प्रमादः । ५४ मुषितस्मृतिता । ५५ विक्षेपः । ५६ असंप्रजन्यं । ५७ औद्धत्यं । ५८ कौकृत्यं । ५९ स्त्यानं । ६० मिद्धं । ६१ वितर्कः । ६२ विचारः । ६३ प्राप्तिः । ६४ अप्राप्तिः । ६५ असंज्ञिसमापत्तिः । ६६ निरोधसमापत्तिः । ६७ आसं-

---

1) P. *a)* °ख्योः — 2) P. поправка вм.: °श. — D. U. S. °दृशा — 3) P. поправка *b)* शाध्यंः *a)* °ठ्यं; L. शात्य — 4) P. आ° —

ञ्चिकं। ६८ जीवितेन्द्रियं। ६९ निकायसभागः। ७० जातिः। ७१ जरा। ७२ स्थितिः। ७३ अनित्यता। ७४ नामकायः। ७५ पदकायः। ७६ व्यञ्जनकायः। ७७ पृथग्भागीयाः। ७८ प्रवृत्तिः। ७९ प्रतिनियमः। ८० योगः। ८१ *जावः। ८२ अनुक्रमः। ८३ कालः। ८४ देशः। ८५ संख्या। ८६ भेदः। ८७ सामग्री [1]। ८८ प्रबन्धः। ८९ अन्यथात्वं। ९० प्रबन्धोपरमः। ९१ व्यञ्जनं। ९२ अक्षरं। ९३ वर्णाः। ९४

॥ १०५ ॥

आलयविज्ञानं। १ आदानविज्ञानं। २ क्लिष्टमनः [2]। ३ चक्षुर्विज्ञानं। ४ श्रोत्रविज्ञानं। ५ घ्राणविज्ञानं। ६ जिह्वाविज्ञानं। ७ कायविज्ञानं। ८ मनोविज्ञानं [3]। ९

॥ १०६ ॥

चक्षुरायतनं। १ रूपायतनं। २ श्रोत्रायतनं। ३ शब्दायतनं। ४ घ्राणायतनं। ५ गन्धायतनं। ६ जिह्वायतनं। ७ रसायतनं। ८ कायायतनं। ९ स्प्रष्टव्यायतनं। १० मनआयतनं। ११ धर्मायतनं। १२

॥ १०७ ॥

चक्षुर्धातुः। १ रूपधातुः। २ चक्षुर्विज्ञानधातुः। ३ श्रोत्रधातुः। ४ शब्दधातुः। ५ श्रोत्रविज्ञानधातुः। ६ घ्राणधातुः। ७ गन्धधातुः। ८ घ्राणविज्ञानधातुः। ९ जिह्वाधातुः। १० रसधातुः। ११ जिह्वाविज्ञानधातुः। १२ कायधातुः। १३ स्प्रष्टव्यधातुः। १४ कायविज्ञानधातुः। १५ मनोधातुः। १६ धर्मधातुः। १७ मनोविज्ञानधातुः। १८

॥ १०८ ॥

चक्षुरिन्द्रियं। १ श्रोत्रेन्द्रियं। २ घ्राणेन्द्रियं। ३ जिह्वेन्द्रियं। ४ कायेन्द्रियं। ५ मनेन्द्रियं। ६ पुरुषेन्द्रियं। ७ स्त्रीन्द्रियं। ८ दुःखेन्द्रियं। ९ सुखेन्द्रियं। १० सौमनस्येन्द्रियं। ११ दौर्मनस्येन्द्रियं। १२ उपेक्षेन्द्रियं। १३ श्रद्धेन्द्रियं। १४ वीर्येन्द्रियं। १५ स्मृतीन्द्रियं। १६ समाधीन्द्रियं। १७ प्रज्ञेन्द्रियं। १८ अनाज्ञातमाज्ञास्यामीन्द्रियं। १९ आज्ञेन्द्रियं। २० आज्ञातावीन्द्रियं [4]। २१ जीवितेन्द्रियं। २२

---

1) Такъ всѣ рук. вм. °ग्री въ P. — 2) Приписка: S. अक्लिष्टमनं. — 3) Приписка — 4) P. °विन्द्रियं. —

॥ १०९ ॥

अवधारणं । १ आश्रयभूतरूपणात्[1] । २ सुवर्णः । ३ दुर्वर्णः । ४ पाण्डुरं[2] । ५ श्यामं । ६ शबलं । ७ पिङ्गलं । ८ चतुःपार्श्वं[3] । ९ आभोगः । १० अभिलाषः । ११ संस्तुतं । १२ असंप्रमोषः । १३ विहितं । १४ अभिसंप्रत्ययः । १५ लज्जा । १६ संप्रतिपत्तिः । १७ उत्साहः । १८ प्रशठता । १९ दौष्टुल्यं । २० कर्मण्यता । २१ आघातः[4] । २२ श्रेयः । २३ बह्वन्तरविशिष्टः । २४ अपकारः । २५ वैरानुबन्धः । २६ चण्डवचोदासिता[5] । २७ व्यारोषः । २८ आग्रहः । २९ वञ्चना । ३० पर्यादानं । ३१ विहेठना । ३२ विप्रतिसारः[6] । ३३ मनोजल्पः । ३४ महाभूमिकः । ३५ मह्गः । ३६ परिकल्पितं । ३७ आत्ममोहः । ३८ आत्मदृष्टिः । ३९ आत्ममानः । ४० आत्मस्नेहः । ४१ संतानानुवृत्तिः । ४२ एकजातीयविज्ञानं । ४३ सभागः । ४४ तत्सभागः । ४५ निर्वित् । ४६ काङ्क्षा । ४७ विमतिः । ४८ अनुनयः । ४९ कामरागः । ५० भवरागः । ५१ संयोजनं । ५२ बन्धनं । ५३ अनुशयः । ५४ पर्युत्थानं । ५५ उपक्लेशः । ५६ पर्यवस्थानं । ५७ पर्यवनद्धं । ५८ आस्रवः । ५९ ओघः । ६० योगः । ६१ उपादानं । ६२ ग्रन्थः । ६३ निवारणं । ६४ कामप्रतिसंयुक्तः । ६५ रूपप्रतिसंयुक्तः । ६६ आरूप्यप्रतिसंयुक्तः । ६७ दर्शनप्रहातव्यः । ६८ भावनाप्रहातव्यः । ६९ कामाप्तः । ७० कामधातुपर्यापन्नः । ७१ कामावचरः । ७२ ऊर्ध्वभागीयः । ७३ अवरभागीयः । ७४ अङ्गणं[7] । ७५ मरणं । ७६ अहंकारः । ७७ ममकारः । ७८ दीर्घानुपरिवर्ती । ७९ सदानुबद्धो भवति । ८० प्रतिसंधिः । ८१ संसारः । ८२ संधिमवाप्नोति । ८३ समनुबन्धः । ८४ चित्तानुपरिवर्ती । ८५ अनुसहितः । ८६ समग्रसमग्री[8] । ८७ प्रतिसंदधाति[9] । ८८ अप्रतिसंधिः । ८९ अनुवर्तनं । ९० संतानवर्ती । ९१ अनुच्छविकः[10] । ९२ अनुसंधिः । ९३ सानुचरः । ९४ प्रवाहः । ९५ अनुबन्धः । ९६ अजस्रं । ९७ अनुगतः । ९८ अभूत्वाभावः । ९९ यथायोगं । १०० असंस्कृतः । १०१ प्रतिसंख्यानिरोधः । १०२ अप्रतिसंख्यानिरोधः । १०३ संस्कृतं । १०४ सास्रवः । १०५ अनास्रवः । १०६

---

1) P. °णाद्.— D.U.S. °णं — 2) P. поправка: पण्डुरं — 3) P. поправка: °पर्श्वं — 4) P. आघता. Такъ D. U. — 5) Такъ D. U. — P. °दाशिता — 6) P. такъ *b*) поправка; *a*) °सारूपः — 7) P. *a*) अर्गणं — 8) Такъ *b*) поправка; P. *a*) समग्रामगृ. S. °साम° — 9) Поправка प्रतिसंवधाति — 10) P. आनु° —

॥ ११० ॥

रक्तः। १ सक्तः। २ गृद्धः। ३ ग्रन्थितं। ४ मूर्छितः। ५ अध्यवसितः। ६ अध्यवसानमापन्नः। ७ अध्यवसानं [1])। ८ विनिबन्धः। ९ परिग्रेधः। १० संरागः[2])। ११ लोलुपः। १२ घस्मरः। १३ लम्पटः। १४ लुब्धः। १५ संरक्तः। १६ रञ्जनीयः। १७ भूयस्कामता। १८ यादृच्छिकः। १९ इच्छान्तिकः। २० भूयच्छन्दिकः। २१ भूयोद्रुचिता। २२ भूयोऽभिप्रयः। २३ स्वादुकामता। २४ विचित्राहारता[3])। २५ नेतरेतरेण संतुष्टिः। २६ नन्दीरागः। २७ कामच्छन्दः। २८ अभिनिवेशः। २९ आस्था। ३० स्पृहा। ३१ रोचते। ३२ एच्छान्तिकः[4])। ३३ तीव्रेण छन्देन। ३४ आहारे गृद्धिर्भवति। ३५ गार्ध। ३६

॥ १११ ॥

दुःखदुःखता। १ संस्कारदुःखता। २ विपरिणामदुःखता। ३

॥ ११२ ॥

जातिर्दुःखं। १ जरादुःखं। २ व्याधिदुःखं। ३ मरणदुःखं। ४ प्रियविप्रयोगे दुःखं। ५ अप्रियसंप्रयोगे दुःखं। ६ यदपीच्छया पर्येषमाणो[5]) न लभते तदपि दुःखं। ७ संक्षेपेण पञ्चोपादानस्कन्धदुःखं। ८

॥ ११३ ॥

अविद्या। १ संस्कारः। २ विज्ञानं। ३ नामरूपं। ४ षडायतनं। ५ स्पर्शः। ६ वेदना। ७ तृष्णा। ८ उपादानं। ९ भवः। १० जातिः। ११ जरामरणं। १२ शोकः। १३ परिदेवः। १४ दुःखं। १५ दौर्मनस्यं। १६ उपायासः। १७

॥ ११४ ॥

कारणहेतुः। १ सहभूहेतुः। २ विपाकहेतुः। ३ संप्रयुक्तकहेतुः। ४ सर्वत्रगहेतुः। ५ सभागहेतुः[6])। ६

---

1) P. поправка: अव्यव° — 2) P. b) приписка: संरक्त — 3) Такъ D. U. — P. विचिता° — 4) S. उच्छादिकाः; s. L. P. еще разъ यादृच्छकः — 5) P. °पा — 6) P. b) समभाग° —

॥ ११५ ॥

हेतुप्रत्ययः। १ समनन्तरप्रत्ययः। २ आलम्बनप्रत्ययः। ३ अधिपतिप्रत्ययः। ४

॥ ११६ ॥

निष्यन्दफलं। १ अधिपतिफलं। २ पुरुषकारफलं। ३ विपाकफलं। ४ विसंयोगफलं। ५

॥ ११७ ॥

जरायुजाः। १ अण्डजाः। २ संस्वेदजाः। ३ उपपादुकाः। ४

॥ ११८ ॥

कवडिंकाराहारः [1]। १ स्पर्शाहारः। २ मनःसंचेतनाहारः। ३ विज्ञानाहारः [2]। ४

॥ ११९ ॥

नानात्वकाया नानात्वसंज्ञिनः। तद्यथा मनुष्या एकत्याश्च देवाः। १ नानात्वकाया एकत्वसंज्ञिनः। तद्यथा देवा ब्रह्मकायिकाः प्रथमाभिनिर्वृत्ताः। २
एकत्वकाया नानात्वसंज्ञिनः। तद्यथा आभास्वराः। ३
एकत्वकाया एकत्वसंज्ञिनः। तद्यथा देवाः शुभकृत्स्नाः। ४ आकाशानन्त्यायतनं। ५ विज्ञानानन्त्यायतनं। ६ आकिञ्चन्यायतनं। ७ नैवसंज्ञानासंज्ञायतनं। ८ असंज्ञिसत्वाः [3]। ९

॥ १२० ।

नरकाः। १ तिर्यञ्चः। २ प्रेताः। ३ दीर्घायुषो देवाः। ४ प्रत्यन्तजनपदं। ५ इन्द्रियवैकल्यं। ६ मिथ्यादर्शनं। ७ तथागतानामनुत्पादः। ८

॥ १२१ ॥

दृष्टधर्मवेदनीयं। १ उपपद्य वेदनीयं। २ अपरपर्यायवेदनीयं। ३ नियतवेदनीयं। ४

---

1) P. L. कवतिकाहारः — D. कवडिङ्गा° U. कवटिङ्का° — 2) P. *a*) विज्ञानानम° — 3) L. असं. P. *b*) °ज्ञी° —

अनियतवेदनीयं । ५ कर्मस्वकः । ६ कर्मदायादः । ७ कर्मयोनिः । ८ कर्मप्रतिशरणं । ९ प्रयोगः । १० मौलं । ११ पृष्ठं । १२ आसेवितं । १३ भावितं । १४ बहुलीकृतं । १५

॥ १२२ ॥

मातृघातः । १ अर्हद्वधः । २ पितृघातः । ३ संघभेदः । ४ तथागतस्यान्तिके दुष्टचित्तरुधिरोत्पादनं । ५

॥ १२३ ॥

मातुरर्हत्या[1]) दूषणं । १ नियतभूमिस्थितस्य बोधिसत्त्वस्य मारणं । २ शैक्षस्य मारणं । ३ संघाय द्वारहरणं । ४ स्तूपभेदनं । ५

॥ १२४ ॥

आयुष्कषायः । १ दृष्टिकषायः । २ क्लेशकषायः । ३ सत्त्वकषायः । ४ कल्पकषायः । ५

॥ १२५ ॥

लाभः । १ अलाभः । २ यशः । ३ अयशः । ४ निन्दा । ५ प्रशंसा । ६ सुखं । ७ दुःखं । ८

॥ १२६ ॥

धर्मार्थिकः । १ बोधिचित्तासंप्रमोषः । २ अनिश्रितः । ३ उदाराधिमुक्तिकः । ४ आचारशीलः । ५ आचारस्थः । ६ कृतवेदी । ७ कृतज्ञः । ८ आज्ञाकरः । ९ सुखसंवासः । १० सूरतः । ११ पेशलः । १२ ऋजुचित्तः । १३ आर्जवः । १४ मार्दवः । १५ प्रदक्षिणग्राही । १६ सुवचाः । १७ प्रतिच्छन्दकल्याणः[2]) । १८ अल्पकरणीयः । १९ अल्पकृत्यः । २० अल्पेच्छः । २१ आर्यवंशसंतुष्टः । २२ धर्मलाभसंतुष्टः । २३ चीवरसंतुष्टः । २४ पिण्डपातसंतुष्टः । २५ शयनासनसंतुष्टः । २६ सुपोषता । २७ सुभरता । २८ मन्दभाष्यो भवति । २९ न च परेषां दोषान्तरस्खलितगवेषी । ३० कल्याणमित्रपरिगृहीतः । ३१ बहुश्रुतः । ३२ इङ्गितज्ञः । ३३ सुप्रबुद्धः । ३४ उद्घट्टितज्ञः । ३५ विवञ्चितज्ञः[3]) । ३६ सुश्रुतः । ३७ देशज्ञः । ३८ लोकज्ञः । ३९ आत्मज्ञः । ४० कालज्ञः । ४१ वेलाज्ञः[4]) । ४२ समयज्ञः । ४३ मात्रज्ञः । ४४ आरागयति । ४५

---

1) Такъ D. U. — P. °हत्यां; L. °न्त्य° — 2) S. अप्रतिछन्द° — 3) D. U. विपञ्चि° — M. T. विपश्चि — 4) Рукописи: वेलज्ञः —

न विरागयति । ४६ अपरप्रत्ययः[1] । ४७ अपराधीनः । ४८ अपरप्रणेयः । ४९ अनन्यनेयः । ५० विक्रमी । ५१ वीरः । ५२ शूरः । ५३ विक्रायसगामी । ५४ प्रासादिकः । ५५ अपगतभ्रूकुटिकः[2] । ५६ अचिक्कड्रोपचारः । ५७ अमायावी । ५८ यथावादी तथाकारी । ५९ दृढसमादानः । ६० भयदर्शी । ६१ वचसा परिज्ञेता । ६२ परिज्ञितः । ६३ सुसमाप्तः । ६४ सुसमारब्धः । ६५ मनसान्वीक्षिता[3] । ६६ दृष्ट्या सुप्रतिविद्धः । ६७ वीततृष्णो[4] भवाभवे । ६८ यानीकृतः । ६९ वस्तुकृतः । ७० अनुष्ठितः । ७१ समवह्रन्ति । ७२ आधुनाति । ७३ सर्वं कष्टं[5] शाडयति । ७४ शुश्रूषमाणः । ७५ अनुविधीयमानः । ७६ अननुसूया । ७७ अनुपालम्भप्रेक्षिणः । ७८ अवहितश्रोत्रः । ७९ आवर्जितमानसः । ८० धर्मोपधर्मलब्धः । ८१ निकामलाभी । ८२ अकृच्छ्रलाभी । ८३ अकिसरलाभी । ८४ कुले ज्येष्ठोपचायकः । ८५ शास्तुः शासनकरः । ८६ अनिराकृतो ध्यायी । ८७ बृंहयिता शून्यागाराणां[6] । ८८ स्वकार्थयोगमनुयुक्तः[7] । ८९ अमोघं राष्ट्रपिण्डं परिभुङ्क्ते । ९० उपरोधशीलः । ९१

॥ १२७ ॥

विषमलोभः । १ मिथ्याधर्मपरीतः । २ आत्मोत्कर्षः । ३ परपंसकः । ४ अभिमानिकः । ५ कुटिलचित्तः । ६ हीनाधिमुक्तिकः । ७ अह्रीकः । ८ खटुकः[8] । ९ उद्धतः । १० उन्नतः । ११ कर्कशः । १२ परुषः । १३ नीचवृत्तिः । १४ लाभेन लाभनिश्चिकीर्षा । १५ अभाजनभूतसत्त्वः । १६ अल्पश्रुतः । १७ अब्राह्मण्यं । १८ अश्रामण्यं । १९ अपितृज्ञाः । २० अमातृज्ञाः । २१ अधर्मकामः । २२ पापधर्मः । २३ ज्ञानकामः[9] । २४ बह्वकृत्यः । २५ बह्वकरणीयः । २६ प्रज्ञादौर्बल्यः । २७ दुःशीलः । २८ दुष्प्रज्ञाः । २९ मन्दप्रज्ञाः । ३० दुष्पोषता । ३१ दुर्भरता[10] । ३२ संकीर्णो विहरति । ३३ आमिषकिञ्चित्कहेतोः । ३४ दुःश्रुतं । ३५ पदपरमः । ३६ असंप्रख्यानं । ३७ अभावितकायः । ३८ *प्रगल्भधार्ष्ट्ं[11] । ३९ मुखरः । ४० अत्त-

---

1) P. *b*) прибавлено: अपरप्रणेय — 2) Такъ D. U. — P. अप्रगत° — 3) P. такъ *b*) поправка; P. *a*) अन्धाक्षिता; на верху прибавлено: न — 4) P. *a*) и *b*) °ष्णास्भवाभवे — 5) P. *a*) कशट्टां; *b*) कषट्टं. D. U. कश्रमं — 6) P. поправка на верху: °भाराणां — 7) Такъ U. — P. स्वकार्या° — 8) P. Такъ D. U.; L. P. *a*) °टुद्धः *b*) खटुद्धः; поправка на верху: °त्कः — 9) Такъ D. U. — P. ज्ञात्र° — 10) P. *a*) दुर्करता; S. °भवता — 11) D. U. °धाष्यः P. *a*) °ष्ट्ं; P. *b*) °ष्ट्ं —

धूर्तः । ४१ घस्मरः । ४२ मत्सरः । ४३ कदर्यः । ४४ खलः । ४५ शठः । ४६ धूर्तः । ४७ विटः । ४८ मायावी । ४९ कुरुकुचिः[1] । ५० दम्भः । ५१ कुहना । ५२ लपना । ५३ नैमित्तिकत्वं । ५४ नैष्पेशिकत्वं[2] । ५५ लाभेन लाभनिष्पादनं[3] । ५६ सत्त्वविक्रयः । ५७ शस्त्रविक्रयः । ५८ विषविक्रयः । ५९ मांसविक्रयः । ६० मद्यविक्रयः । ६१ डुर्मङ्कुः[4] । ६२ षड् भोगानामपायस्थानानि[5] । ६३ मद्यपानं । ६४ द्यूतं । ६५ विकालचर्या । ६६ पाप-मित्रता । ६७ समाजदर्शनं । ६८ आलस्यं । ६९

॥ १२८ ॥

अनुत्तरः । १ निरुत्तरः । २ अनुत्तमः । ३ उत्तरः । ४ उत्तमः । ५ ज्येष्ठः । ६ श्रेष्ठः । ७ वरः । ८ प्रवरः । ९ अग्रः । १० विशिष्टः । ११ प्रधानं । १२ परमः । १३ उत्कृष्टः[6] । १४ प्रकृष्टः । १५ प्रणीतः । १६ असमः । १७ असमसमः । १८ अप्रतिसमः । १९ सुष्ठु । २० अत्यन्तं । २१ सर्वाकारवरोपेतं । २२ प्रष्ठः । २३

॥ १२९ ॥

सुपरिशुद्धं । १ त्रिमण्डलपरिशुद्धं । २ अनुपादाय आस्रवेभ्यश्चित्तानि विमुक्तानि । ३ परिमोचयितव्यं । ४ विमुच्यते । ५ शीतीभवति । ६ कृतपरिकर्म । ७ निर्याणं । ८ नि-र्यातः । ९ निर्याति । १०

॥ १३० ॥

प्रतिनिसृज्यं । १ वान्तीकृतं । २ सर्वोपधिप्रतिनिसर्गः । ३ व्यतिकृतं[7] । ४ विष्कम्भणं । ५ रिञ्चति । ६ छोरिता । ७ वान्तितपापः । ८ व्यतिवृत्तः । ९ प्रतिनिसृजति[8] । १० प्रतिविनिसृजति[9] । ११ उत्सृज्यति[9] । १२ परित्यागः । १३ जहाति । १४ प्रतिक्षेपः । १५ अपकर्षणं । १६ प्रतिक्रान्तः । १७ अपकर्षः । १८ ऊनत्वं । १९ अपोगः । २० वियोगः । २१

1) L. कुरकचिः; S. कुरुकु и चिदम्भः — 2) P. на верху поправка: नैष्पे°; L. नैष्प° — 3) P. *a*) °दता. Такъ D. U., поправка; *b*) निष्पदना — 4) P. *a*) и *b*) еще डुमङ्कुः зачеркнуто. S. °मङ्कु — 5) P. *b*) संभो°; L. सम्भो° — 6) S. उत्तरकृष्टः — 7) L. S. व्यत्ती° — 8) P. *a*) и *b*) два раза 11. Поправка согласно съ D. — 9) P. *b*) поправка; *a*) °दयाति —

विसंयोगः। २२ विश्लेषः। २३ विगच्छेत्। २४ विभूतं। २५ अन्तर्धानं। २६ अपक्रान्तः। २७ विपरिणतं। २८ आश्रयपरावृत्तं। २९ परिणतं। ३० परिणामः। ३१ जीविताद्व्यपरोपयेत्। ३२ पर्यादानं गच्छति। ३३ विच्छीनं। ३४ परिभुक्तं। ३५ अस्तं गच्छति। ३६ विधमति। ३७ अपविद्धं। ३८ रागनिसूदनं। ३९ पर्युदस्तः[1]। ४० स्थितेरन्यथात्वं। ४१ नाशीभावः। ४२ प्रभङ्गुरं। ४३ पृष्ठीभवति। ४४ केलायितव्यं[2]। ४५ उच्छेत्स्यति। ४६ वितिमिरकरः। ४७ अनुनयाऽसंपृक्तता[3]। ४८ निर्लोखितं[4]। ४९ उत्सृष्टं हन्ति[5]। ५० सुप्रक्षालितं। ५१ सुधौतं[6]। ५२ निर्धान्तं। ५३ वान्तीभावः। ५४ परित्यक्तं। ५५ उत्सृष्टं। ५६ प्रत्याख्यातं[7]। ५७ उत्सर्जनं। ५८ शोकविनोदनं। ५९ प्रविजह्यां। ६० अनङ्गणं। ६१ निहतः। ६२

॥ १३१ ॥

कीर्तिः। १ प्रशंसा। २ यशः। ३ स्तुतिः। ४ स्तोमितः[8]। ५ प्रशंसितः। ६ वर्णितः। ७ शब्दः। ८ श्लोकः। ९ वर्णः[9]। १० अभिनन्दितयशः। ११ भूतवर्णं निश्चरयति। १२ प्रसिद्धः। १३ प्रथितः। १४ प्रतीतः। १५ अनुशंसा। १६

॥ १३२ ॥

अवर्णः। १ दोषः। २ भण्डनं। ३ पंसनं। ४ निन्दा। ५ जुगुप्सा। ६ विगर्हः। ७ कुत्सनं। ८ अवसादः। ९ अवमंस्यति। १० विमानयति। ११ पराभावः। १२ कुत्सनीयं। १३ अवध्यायन्ति। १४ क्षिपन्ति। १५ विवाचयन्ति[10]। १६ परिभाषः। १७

---

1) P. *a*) и *b*) °दस्भः — 2) P. на верху поправка: को° — 3) Такъ D. U. — P. *a*) и *b*) °सच्चुक्त° Двѣ поправки °सम्बुक्त° и °सन्धक्त° (такъ L.) — M. T. °सभुक्त° — 4) P. на верху поправка: निर्पि° — 5) P. *b*), L. приписка: समवहन्ति; S. समवदन्ति (s. °हन्ति) — 6) P. *a*) सुधात — 7) Такъ поправка; P. *a*) и *b*) °तिं — 8) На верху поправка: स्तोषितं; такъ L. — 9) P. L. приписка: पन्नितः т. е. वर्णि° Въ другихъ рукописяхъ нѣтъ, а также нѣтъ подъ словомъ китайскаго перевода. — 10) P. *a*) विवेच° —

॥ १३३ ॥

अनुकूलः । १ प्रतिकूलः । २ प्रतिलोमं । ३ अनुलोमं । ४ अनुस्रोतोगामी । ५ प्रतिस्रोतोगामी । ६ व्यस्तं । ७ समस्तं । ८ आयः । ९ दुर्लभः । १० सुलभः । ११ अधिमात्रं । १२ मध्यं । १३ मृदुः । १४ सुसाध्यं । १५ दुःसाध्यं । १६ आरं । १७ पारं । १८ प्रवर्तनं । १९ विवर्तनं । २० अवबद्धं । २१ अमुक्तं । २२ निमिञ्जितं[1] । २३ उन्मिञ्जितं[2] । २४ संप्रख्यानं । २५ असंप्रख्यानं । २६ अनुगुण्यं । २७ अनुवातः । २८ प्रतिवातः । २९ समनुपश्यति । ३० न समनुपश्यति । ३१ आनुलोमिकी । ३२

॥ १३४ ॥

आयामः[3] । १ विष्कम्भेण । २ विस्तारः । ३ दैर्घ्यं । ४ आरोहपरिणाहसंपन्नः । ५ आरोहः । ६ परिणाहः[4] । ७ विस्तीर्णं । ८ उदारः । ९ विशालं । १० विपुलं । ११ औदारिकं । १२ पृथुः । १३ अल्पतरं । १४ अल्पतमं । १५ बहुतरं । १६ भूयिष्ठं । १७ महत्तमं । १८ इत्वरः[5] । १९ लूहः[6] । २० अववरकं[7] । २१ पौर्वापर्यं । २२ अपूर्वमचरमं । २३ सूक्ष्मं । २४ स्थूलं । २५ दभ्रं । २६ अदभ्रं । २७ उत्कूलं । २८ निकूलं । २९

॥ १३५ ॥

आलप्तकः । १ संलप्तकः । २ संस्तुतकः । ३ सप्रेमकः । ४ प्रेमः । ५ आप्तः । ६ विश्वस्तमानसः । ७ सहायीभावं[8] गच्छति । ८ कान्तः । ९ प्रियः । १० प्रणयः । ११ परममनोज्ञाः । १२ मित्रं । १३ सुहृत् । १४ हृद्यं । १५

॥ १३६ ॥

अमित्रं । १ प्रत्यमित्रः । २ कुमित्रः । ३ परप्रवादी । ४ प्रत्यर्थिकः । ५ प्रत्यनीकः । ६ परचक्रं । ७ वैरी । ८ शत्रुः । ९ कुसहायः । १०

---

1) P. (поправка), L. °ञ्चितं — 2) P. *a*) उत्सिं° — 3) P. *a*) и *b*) 1. आपद्मा зачеркнуто; передъ 2. приписка *b*): आयात — 4) P. *a*) и *b*) S. L. еще разъ: आरोहपरिणाहसंपन्नः — 5) P. *a*) अत्वरः — 6) P. *b*) S. L. लुहः — 7) D. U. अपचरकं — 8) P. *b*) संहायी° —

॥ १३७ ॥

आशीर्वादः । १ *आशिशः[1] । २ वर्णवादी । ३ श्रीः । ४ लक्ष्मीः । ५ मङ्गलं । ६ कुतूहलं । ७ प्रशस्तः । ८ स्वस्ति । ९ स्वस्त्ययनं[2] । १० सौवस्तिकं । ११ कल्याणं । १२ श्लाघ्यः । १३ कुशलं । १४ श्रेयान् । १५ ज्यायान् । १६ स्वधा । १७ वषट् । १८ ओं । १९ स्वाहा । २०

॥ १३८ ॥

प्रणेता । १ अविपरीतमार्गदेशिकः । २ संगीतिकारः । ३ धर्मकथिकः[3] । ४ धर्मभाणकः । ५ दर्शयिता । ६ श्रोता । ७ भाषते । ८ जल्पति । ९ लपति । १० देशयति । ११ उत्तानीकरिष्यति । १२ सूक्तं । १३ सुभाषितं । १४ सुव्याख्यातं । १५ व्यवहारः । १६ संकेतः । १७ उद्दिशति । १८ उपदिशति । १९ उदीरयति । २० संप्रकाशयति । २१ प्रतिमल्लयितव्यं । २२ उद्दिष्टं । २३ आचष्टे । २४ प्रक्ष्वेडनं[4] । २५ स्वरेणाभिविज्ञापयति । २६ कलकलः । २७ किलिकिलायितव्यं[5] । २८ अश्लीलं । २९ स्फोटं । ३० कोलाहलः । ३१ कलकलस्वरः । ३२ एकवचनोदाहारेण । ३३ अलमनेन विवादेन । ३४ विषमोऽयमुपन्यासः । ३५ अभिलपनता । ३६ प्रत्युदीरयति । ३७ प्रत्युच्चारणं[6] । ३८ प्रत्युच्चारः । ३९ उत्कासनशब्दः[7] । ४० हाहाकारकिलिकिलाप्रक्ष्वेडितशब्दः । ४१ अच्छटाशब्दः । ४२ आविष्करणं । ४३ प्रत्याख्यातं । ४४ व्यपदेशः । ४५ वाचोयुक्तिः । ४६ चोदयति । ४७ पौरी । ४८ सत्कथ्यं । ४९ आदेयवाक्यं । ५० मधुरस्वरः । ५१

॥ १३९ ॥

माया । १ निर्मितः । २ उदकचन्द्रः[8] । ३ अग्निपुरुषः । ४ मरीचि । ५ मृगतृष्णिका । ६ मरुमरीचिका । ७ गन्धर्वनगरं । ८ प्रतिबिम्बं । ९ प्रतिभासः । १० स्वप्नः । ११ प्रतिश्रुत्का । १२ प्रतिशब्दः । १३ बुद्बुदः[9] । १४ कदलीस्कन्धः । १५ अवश्यायबिन्दुः । १६ इन्द्र-

1) L. S. आशीशः — 2) такъ P. *b*); поправка: स्वस्त्ययन — 3) P. *a*) धार्माकथिकः; *b*) धर्माकथिकः — 4) P. *a*) поправка: प्रक्षाभनं (какъ въ M. T.) вм. प्रक्ष्वेडनं; L. प्रक्ष्वाभनं; P. *b*) поправка प्रक्ष्वैभनं вм. °क्ष्वैड° — D. U. S. प्रक्ष्वेतनं — 5) P. *b*) °यितं — 6) D. U. — P. प्रत्युद्वा° -- 7) P. надъ строкой: उत्काश°; L. उत्खाश°; P. *a*) и *b*) °सना° D. U. उत्कसन° — 8) P. *b*) поправка: вм. दकचन्द्रः — 9) L. P. *b*) बुद्धुदः; поправка наверху: बुद्बुदः —

जालं। १७ वन्ध्यासुतः[1]। १८ खपुष्पं। १९ रिक्तमुष्टिः। २० अलातचक्रं। २१ अर्द्धघटीचक्रं। २२ खेटपिण्डः। २३ फेनपिण्डः[2]। २४ केशोण्डुकः[3]। २५ नटरङ्गः। २६ तूलपिचुः। २७ उदाहरणं। २८ प्रत्युदाहरणं। २९ दृष्टान्तः। ३० उपमा। ३१

॥ १४० ॥

मुक्तत्यागः। १ प्रततपाणिः। २ व्यवसर्गरतः। ३ याचयूकः। ४ दानसंविभागरतः[4]। ५ विभजते। ६ संविभजते। ७ यष्टः। ८ सुयष्टः। ९ हुतं। १० सुहुतं। ११ पागमयं। १२ यावदन्यतरान्यतरं परिष्कारं ददाति। १३ पानं पानार्थिभ्यः। १४ अन्नमन्नार्थिभ्यः। १५ प्रतिसंस्तरं[5]। १६ देयं। १७ दायकः। १८ दानपतिः। १९ दाता। २० प्रतिग्राहकः। २१ प्रादात्। २२ क्रतुः। २३ निरर्गडयज्ञाः। २४ आढ्यमनुप्रदास्यन्ति। २५ प्रयच्छति। २६

॥ १४१ ॥

हितं। १ आत्महितं। २ परहितं। ३ उपकारः[6]। ४ उपयुज्यति। ५ प्रत्युपकारकाङ्क्षः। ६ अप्रत्युपकारः। ७

॥ १४२ ॥

बुद्धिः। १ मतिः। २ गतिः। ३ मतं। ४ दृष्टं। ५ अभिसमितावी। ६ सम्यगवबोधः। ७ सुप्रतिविद्धः। ८ अभिलक्षितः। ९ गतिंगतः। १० अवबोधः। ११ प्रत्यभिज्ञा। १२ मेनिरे[7]। १३

॥ १४३ ॥

पण्डितः। १ विचक्षणः। २ पाण्डितजातीयः। ३ प्रवीणः[8]। ४ निष्णातः[9]। ५ व्यक्तः। ६ मेधावी। ७ बुद्धः। ८ बुद्धिमान्। ९ प्राज्ञः। १० बोद्धा[10]। ११ प्रज्ञावान्। १२ विद्वान्। १३ निपुणः। १४ विज्ञः। १५ आकृष्टिमान्। १६ पटुः। १७ चतुरः[11]। १८ दक्षः। १९

---

1) P. *b*) поправка: °पुत्रः — 2) P. поправка: फन° вм. फेन° — 3) D. U. — P. *b*) — °कं; надъ строкой कशोण्डकं вм. *a*) केशोण्डाकं — 4) P. поправка надъ строкой दाने — 5) D. U. S. °स्कारः — 6) P. *a*) и *b*) उपागरः — 7) P. *b*) поправка: °रेः — 8) P. на верху: प्रवि° — 9) P. *b*) निष्ठा° — 10) Поправка на верху. P. *a*) °धः и *b*) बोधाः — 11) D. U. — P. L. °ज्ञ —

॥ १४४ ॥

गम्भीरो गम्भीरावभासः। १ दुर्दृशः। २ दुरवबोधः। ३ दुरनुबोधः। ४ सूक्ष्मः। ५ निपुणः। ६ पण्डितः। ७ विज्ञावेदनीयः। ८ अतर्क्यः। ९ अतर्कावचरः। १० अनिदर्शनः। ११ दुरवगाहः। १२ शिवः। १३ अप्रपञ्चः। १४ निष्प्रपञ्चः[1]। १५ अविप्रपञ्चः। १६ दुर्विगाह्यं[2]। १७

॥ १४५ ॥

तुष्टः। १ उदग्रः। २ आत्तमनाः। ३ प्रमुदितः। ४ प्रीतिसौमनस्यजातः। ५ हर्षजातः। ६ हर्षितचित्तः। ७ प्रामोद्यं। ८ संतुष्टः। ९ परितोषः। १० औद्बिल्यकरी[3]। ११ बहुजनप्रियः। १२ संरञ्जनीयः। १३ संमोदनीयः। १४ आराधनः। १५ अभिराधनः। १६ अभिनन्दयिष्यति। १७

॥ १४६ ॥

रौद्रः। १ चण्डः। २ उग्रः। ३ क्रूरः। ४ दुष्टचित्तः। ५ रौद्रचित्तः। ६ प्रतिहतचित्तः। ७ खरः। ८ निष्ठुरः। ९ दारुणः। १० तीव्रः। ११ चण्डमृगः। १२ उपद्रोतारः[4]। १३ अनर्थोपसंहितं। १४ विहेठकः। १५ कुपितः। १६ प्रकोपः। १७ कटुकः। १८ अभिषक्तः। १९ रभसः। २० साहसिकः। २१

॥ १४७ ॥

तमस्तमःपरायणः। १ तमोज्योतिष्परायणः। २ ज्योतिस्तमःपरायणः। ३ ज्योतिर्ज्योतिष्परायणः। ४

॥ १४८ ॥

दृष्टधर्मः। १ इहत्रः। २ अमुत्रः। ३ इहजन्मः। ४ आयत्यां[5]। ५ पारजन्मिकः। ६ जातिव्यतिवृत्तं। ७ सांपरायिकः। ८ संपरायः। ९ जातिपरिवर्तः। १० च्युतिः। ११ च्यावनं[6]। १२ च्युतिसंक्रमः[7]। १३

---

1) S. विप्र° — 2) Поправка вм. P. *a*) °गाधं — 3) P. *a*) औद्दि°; *b*) S. औद्बिल्य° D. U. °कारीः — 4) D. U. S. उपद्रो° — 5) P. आप° — D. U. आयतं — 6) L. S. च्यवनं — 7) L. P. *a*) (поправка) °सक्रमं —

॥ १४९ ॥

प्रान्तं शय्यासनं[1]। १ प्रान्तवनप्रस्था। २ प्रान्तः। ३ अरण्यं। ४ कान्तारं। ५ वनं। ६ उपवनं। ७

॥ १५० ॥

गार्हस्थः। १ ब्रह्मचार्याश्रमः। २ वानप्रस्थः। ३ भैक्षुकः। ४

॥ १५१ ॥

कम्पितः। १ प्रकम्पितः। २ संप्रकम्पितः। ३ चलितः। ४ प्रचलितः। ५ संप्रचलितः। ६ वेधितः। ७ प्रवेधितः। ८ संप्रवेधितः। ९ क्षुभितः। १० प्रक्षुभितः। ११ संप्रक्षुभितः। १२ रणितः। १३ प्ररणितः। १४ संप्ररणितः। १५ गर्जितः। १६ प्रगर्जितः। १७ संप्रगर्जितः। १८ पूर्वा दिगवनमति पश्चिमा दिगुन्नमति। १९ पश्चिमा दिगवनमति पूर्वा दिगुन्नमति। २० दक्षिणा दिगवनमति उत्तरा दिगुन्नमति। २१ उत्तरा दिगवनमति दक्षिणा दिगुन्नमति। २२ अन्तादवनमति मध्यादुन्नमति। २३ मध्यादवनमति अन्तादुन्नमति। २४ अप्रकम्प्यः। २५

॥ १५२ ॥

प्रभाः। १ रश्मिः। २ आलोकः। ३ मरीचिः। ४ अंशुः। ५ तेजाः। ६ ज्वालः। ७ द्युतिः। ८

॥ १५३ ॥

साहस्रचूडिको[2] लोकधातुः। १ द्विसाहस्रो मध्यमो लोकधातुः। २ त्रिसाहस्रमहासाहस्रो लोकधातुः। ३

॥ १५४ ॥

चातुर्द्वीपको लोकधातुः। १ पूर्वविदेहः। २ देहः। ३ विदेहः। ४ जम्बुद्वीपः। ५ जम्बुखण्डः। ६ चामरः। ७ अवरचामरः। ८ अवरगोदानीयः। ९ शाठा[3]। १० उत्तरमन्त्रिणः। ११ उत्तरकुरुः। १२ कुरवः। १३ कौरवः। १४ लोकधातुः। १५ लुप्यत इति

---

1) S. приписка: विवेकादय — 2) P. *a*) °चूडिलो° — 3) P. *a*) °टा —

लोकः। १६ लोकान्तरिकाः। १७ सर्वलोकधातुप्रसरः। १८ बुद्धविषयः। १९ बुद्धक्षेत्रं। २० महालोकधातुः। २१ सुखवती। २२ *अवमूर्धः। २३ व्यत्यस्तः[1])। २४ तिर्यग्लोकधातुः। २५

॥ १५५ ॥

कामधातुः। १ रूपधातुः। २ अरूप्यधातुः[2])। ३

॥ १५६ ॥

भौमाः। १ आन्तरिक्षवासिनः। २ चातुर्महाराजकायिकाः। ३ त्रायस्त्रिंशाः। ४ यामाः। ५ तुषिताः। ६ निर्माणरतयः। ७ परनिर्मितवशवर्तिनः। ८

॥ १५७ ॥

ब्रह्मकायिकाः। १ ब्रह्मपारिषद्याः। २ ब्रह्मपुरोहिताः। ३ महाब्रह्माणः। ४

॥ १५८ ॥

परीत्ताभाः। १ अप्रमाणाभाः। २ आभास्वराः। ३

॥ १५९ ॥

परीत्तशुभाः। १ अप्रमाणशुभाः। २ शुभकृत्स्नाः। ३

॥ १६० ॥

अनभ्रकाः। १ पुण्यप्रसवाः। २ बृहत्फलाः। ३

॥ १६१ ॥

अवृहाः। १ अतपाः। २ सुदृशाः। ३ सुदर्शनाः। ४ अकनिष्ठाः। ५ अघनिष्ठाः। ६ महामहेश्वरायतनं। ७

॥ १६२ ॥

आकाशानन्त्यायतनं। १ विज्ञानानन्त्यायतनं। २ आकिंचन्यायतनं। ३ नैवसंज्ञानासंज्ञायतनं। ४

---

1) L. P. (на верху) व्यवतस्तः — 2) P. на верху: अरूप° —

॥ १६३ ॥

ब्रह्मा हिरण्यगर्भः । १ ब्रह्मा सहाम्पतिः । २ अश्विनी कुमारौ । ३ महेश्वरः । ४ महादेवः । ५ शम्भुः । ६ पशुपतिः । ७ त्रिपुरविध्वंसकः । ८ शूलपाणिः । ९ त्र्यम्बकः । १० शंकरः । ११ स्मरशत्रुः । १२ शर्वः । १३ रुद्रः । १४ ईश्वरः । १५ विष्णुः । १६ कृष्णः । १७ वासुदेवः । १८ कामदेवः । १९ मारः । २० सुनिर्माणरतिदेवपुत्रः । २१ सुसीमदेवपुत्रः[1] । २२ संतुषितदेवपुत्रः । २३ सुयामदेवपुत्रः । २४ शक्रो देवेन्द्रः । २५ दशशतनयनः । २६ शक्रः । २७ कौशिकः । २८ शतक्रतुः । २९ पुरंदरः । ३० लोकपालः । ३१ वैश्रवणः । ३२ धृतराष्ट्रः । ३३ विरूढकः । ३४ विरूपाक्षः । ३५ करोटपाणयो[2] देवाः । ३६ मालाधाराः । ३७ सदामादा[3] । ३८ ईशानः । ३९ इन्द्रः । ४० यमः । ४१ नैऋतिः । ४२ वरुणः । ४३ वायुः । ४४ कुवेरः । ४५ वैश्वानरः । ४६ कार्त्तिकेयः । ४७ महाकालः । ४८ नन्दिकेश्वरः । ४९ भृङ्गिरिटिः । ५० विनायकः । ५१ धनदः । ५२ देवी । ५३ सुरबधूः । ५४ अप्सरा । ५५ देवकन्या । ५६ दुर्गादेवी । ५७ उमा । ५८ गिरिसुता । ५९ शची । ६० विघ्नः । ६१

॥ १६४ ॥

आदित्यः । १ सोमः । २ अङ्गारकः । ३ बुधः । ४ बृहस्पतिः । ५ शुक्रः । ६ शनैश्चरः । ७ राहुः । ८ केतुः । ९

॥ १६५ ॥

कृत्तिका । १ रोहिणी । २ मृगशिराः । ३ आर्द्रा । ४ पुनर्वसुः । ५ पुष्यः । ६ अश्लेषा । ७ मघा । ८ पूर्वफल्गुनी । ९ उत्तरफल्गुनी । १० हस्ता । ११ चित्रा । १२ स्वाती । १३ विशाखा । १४ अनुराधा । १५ ज्येष्ठा । १६ मूलं । १७ पूर्वाषाढा । १८ उत्तराषाढा । १९ श्रवणः । २० अभिजित् । २१ शतभिषा । २२ धनिष्ठा । २३ पूर्वभाद्रपदा । २४ उत्तरभाद्रपदा । २५ रेवती । २६ अश्विनी । २७ भरणी । २८

॥ १६६ ॥

देवः । १ नागः । २ यक्षः । ३ गन्धर्वः । ४ असुरः । ५ दैत्यः । ६ गरुडः । ७ किंनरः । ८ महोरगः । ९ कुम्भाण्डः । १०

---

1) P. b) поправка вм. सुयाम° — 2) P. a °पाणो — 3) Поправка на верху. P. a) и b) मदाम —

॥ १६७ ॥

शङ्खपालो नागराजा । १ कर्कोटको नागराजा । २ कुलिको नागराजा । ३ पद्मो नागराजा । ४ महापद्मो नागराजा । ५ वासुकिर्नागराजा । ६ अनन्तो नागराजा । ७ तक्षको नागराजा । ८ वरुणो नागराजा । ९ मकरो नागराजा । १० सागरो नागराजा [1]) । ११ अनवतप्तो नागराजा । १२ पिङ्गलो नागराजा । १३ नन्दो नागराजा । १४ सुबाहुर्नागराजा । १५ नर्दनो नागराजा । १६ चित्राक्षो नागराजा । १७ रावणो नागराजा । १८ पाण्डुर्नागराजा [2]) । १९ लम्बुको [3]) नागराजा । २० कृमिर्नागराजा । २१ शङ्खो नागराजा । २२ पाण्डरको नागराजा । २३ कालो नागराजा । २४ उपकालो नागराजा । २५ गिरिको नागराजा । २६ अवलो नागराजा । २७ शंकारो नागराजा । २८ भाण्डी नागराजा । २९ पञ्चालो [4]) नागराजा । ३० कालिको नागराजा । ३१ किञ्चनको नागराजा । ३२ बलिको नागराजा । ३३ उत्तरो नागराजा । ३४ मातङ्गो नागराजा । ३५ एडो नागराजा [5]) । ३६ सागरो नागराजा । ३७ उपेन्द्रो नागराजा । ३८ उपनरो नागराजा । ३९ एडवर्णो [6]) नागराजा । ४० विचित्रो [7]) नागराजा । ४१ राघवो [8]) नागराजा । ४२ हस्तिकच्छो नागराजा । ४३ एलपत्रो नागराजा । ४४ आम्रतीर्थो [9]) नागराजा । ४५ अपललो नागराजा । ४६ चाम्पेयो नागराजा । ४७ अलिको नागराजा । ४८ प्रमोक्षको नागराजा । ४९ स्फोटनो नागराजा । ५० नन्दोपनन्दो नागराजा । ५१ कुञ्जुण्डो [10]) नागराजा । ५२ उञ्जुको [11]) नागराजा । ५३ पण्डरो नागराजा । ५४ चिच्चको [12]) नागराजा । ५५ अरवाडो [13]) नागराजा । ५६ परवाडो नागराजा [14]) । ५७ मनस्वी

---

1) P. *a*), *b*) еще: लमपुरो नागराजा; L. लम्बुको ना° — 2) P. поправка на верху: पण्डुर्ना°. P. *a*) и *b*) पूण्डुर्ना° — 3) P. поправка вм. °रो; S. लम्बरो° — 4) P. поправка вм. °ञ्चलो — 5) S. एलो° — 6) S. एल°; P. *a*) °वणो — 7) P. *a*) °चित्तो — 8) P. поправка; *a*) и *b*) रागवो — 9) D. U. आम्रतीर्थिको — P. *a*) и *b*) आम्ब्र° — P. *a*) °तीर्षा; L. अम्ब्रतीथो° — 10) P. *a*) कुञ्जुडो; на верху °लुडो; S. °लुरो° — L. कुलुंड्रो° — 11) P. на верху поправка: उलु° — 12) Поправка вм. चिव्चको въ P. *a*) и *b*); D. U. शीर्षको — 13) P. *a*) °वातो; L. °ड्रो° — 14) P. надъ строкой; *a*) и *b*) घपर° — D. U. पर्वतो —

नागराजा । ५८ शैवलो [1]) नागराजा । ५९ उत्पलको नागराजा । ६० वर्धमानको नागराजा । ६१ बुद्धिको नागराजा । ६२ नखको नागराजा । ६३ एडमेडो नागराजा [2]) । ६४ अच्युतो नागराजा । ६५ कम्बलाश्वतरौ नागराजानौ । ६६ महासुदर्शनो नागराजा । ६७ परिकूटो [3]) नागराजा । ६८ सुमुखो नागराजा । ६९ आदर्शमुखो नागराजा । ७० गन्धारो नागराजा । ७१ द्रमिडो नागराजा । ७२ बलदेवो नागराजा । ७३ कम्बलो नागराजा । ७४ शैलबाहु- [4]) र्नागराजा । ७५ विभीषणो नागराजा । ७६ गङ्गा नागराजा । ७७ सिन्धुर्नागराजा । ७८ सीता नागराजा । ७९ वत्नुर्नागराजा [5]) । ८० मङ्गलो नागराजा । ८१

॥ १६८ ॥

इन्द्रसेनः । १ नडः । २ सुन्दरः । ३ हस्तिकर्णः । ४ तीक्ष्णः । ५ पिङ्गलः । ६ विद्युज्ज्वालः । ७ महाविद्युत्प्रभः । ८ भरुकच्छः । ९ अमृतः । १० तीर्थकः [6]) । ११ वैडूर्यप्रभः । १२ सुवर्णकेशः । १३ सूर्यप्रभः । १४ उदयनः । १५ गजशीर्षः [7]) । १६ श्वेतकः । १७ कालकः । १८ यमः । १९ अमणः । २० मण्डुकः । २१ मणिचूडः । २२ अमोघदर्शनः । २३ *ईशाधारः । २४ चित्रसेनः । २५ महापाशः । २६ क्षेमंकरः । २७ महाफणकः । २८ गम्भीरनिर्घोषः । २९ महानिर्नादो । ३० विनर्दितः । ३१ महाविक्रमः । ३२ भुजंगमः । ३३ महाबलः । ३४ विस्फूर्जितः [8]) । ३५ विस्फोटकः [9]) । ३६ प्रस्फोटकः [9]) । ३७ मेघसंभवः । ३८ स्वस्तिकः । ३९ वर्षधारः । ४० मणिकण्ठः । ४१ सुप्रतिष्ठितः । ४२ श्रीभद्रः । ४३ महामणिचूडः । ४४ ऐरावणः । ४५ महामण्डलिकः । ४६ इन्द्रायुधशिखी । ४७ अवभासनशिखी । ४८ इन्द्रयष्टिः । ४९ जम्बुध्वजः । ५० श्रीतेजाः । ५१ शशितेजाः । ५२ चूडामणिधरः । ५३ इन्द्रध्वजः । ५४ ज्योतीरसः । ५५ सोमदर्शनः । ५६

॥ १६९ ॥

वैश्रवणः । १ महाघोषेश्वरः । २ धरणिसुरेन्द्रायुधः । ३ महामतिः । ४ अर्चिनेत्राधि-

---

1) P. на верху: शो° — 2) S. एलमेलौ नागराजानौ — 3) Такъ на верху. P. *a*) °कूटो, *b*) поправка: °कुटो — 4) P. *a*) °वाद्युर्ना° — 5) P. *b*) поправка, вм. वुनु° въ P. *a*) — 6) P. на верху, вм. तीर्थिकः; L. तीर्थिकः — 7) P. *b*) S. गजा° — 8) P. на верху, вм. °स्फा°; L. त्रिर्फा° — 9) P. на верху: °स्फा° —

पतिः । ५ वज्रदृढनेत्रः । ६ अप्रवीरबाहुः । ७ महासेनाव्यूहपराक्रमः । ८ मेरुबलप्रमर्दी । ९ धरणीशुभकायः । १० आटवकयक्षः । ११ रावणः । १२ पाञ्चिकः । १३

॥ १७० ॥

धृतराष्ट्रः । १ द्रुमकिंनरप्रभः । २ शुचिनेत्ररतिसंभवः । ३ पुष्पद्रुमकुसुमितमकुटः । ४ रतिचरणसमन्तस्वरः । ५ प्रमुदितप्रलम्बसुनयनः । ६ मनोज्ञारुतसिंहध्वजः । ७ समन्तरत्नकिरणमुक्तप्रभः । ८ वज्रद्रुमकेसरध्वजः । ९ सर्वव्यूहरतिस्वभावनयसंदर्शनः । १०

॥ १७१ ॥

राहुः । १ वेमचित्रः । २ शम्बरः [1] । ३ बन्धिः । ४ वैरोचनः । ५ दृढवज्रः । ६ चित्राङ्गः [2] । ७ बृहद्वारः । ८ बलविपुलकेतुमतिः । ९ वत्सश्रीसंभवः । १० सुव्रतस्वरः । ११

॥ १७२ ॥

महावेगलब्धस्थमा । १ अभेद्यरत्नचूडः । २ विमलवेगश्रीः । ३ अनिवर्तनीयचित्तभूषणः [3] । ४ महासागरप्रभागम्भीरधरः [4] । ५ धर्मदृढाभेद्यसुनिलम्भः । ६ विचित्रमौलिश्रीचूडः । ७ समन्तस्फरणमुखदर्शनः । ८ समन्तव्यूहसागरचर्याव्यवलोकनः । ९

॥ १७३ ॥

द्रुमकिंनरराजा । १ देवमतिप्रभः । २ कुसुमकेतुमण्डली । ३ विचित्रभूषणः । ४ मनोज्ञानिर्नादस्वरः । ५ द्रुमरत्नशाखाप्रभः । ६ सुदर्शनप्रीतिकरः । ७ भूषणेन्द्रप्रभः । ८ सुरेणुपुष्पध्वजः । ९ धरणीतलश्रीः । १० उरगाधिपतिः [5] । ११

॥ १७४ ॥

सुमतिरेणुः । १ विरजस्तेजःस्वरः । २ अप्रमतिचित्रचूडः । ३ सुनेत्राधिपतिः । ४ प्रदीपशरणध्वजः । ५ आलोकसुवेगध्वजः । ६ सिंहवत्सः । ७ विचित्रालंकारस्वरः । ८ सुमेरुवत्सः । ९ रुचिरप्रभाससंभवः । १०

---

1) P. поправка, вм. संभरः — 2) L. सुचित्राङ्गः — 3) Поправка на верху, вм. अति° въ P. *a*) и *b*) — 4) P. поправка *a*) °गति° — 5) S. перенесено въ слѣдующую главу.

॥ १७५ ॥

विरूढकः। १ नागाधिपतिः। २ सुचीर्णधजः[1]। ३ क्लितचरणसंक्रमः। ४ भीमोत्तरः। ५ शालसुचित्तः[2]। ६ मेरुसुसंभवः। ७ वीरबाङ्कः। ८ अनन्तशुभनयनकेसरी। ९ अनन्तमुखदेवासुरनेत्रासुरः। १०

॥ १७६ ॥

सुश्रुतः। १ हारीतः। २ हरिश्चन्द्रः। ३ भृगुः। ४ धन्वन्तरिः। ५ जातूकर्णः[3]। ६ भेडः। ७ काश्यपः[4]। ८ कश्यपः। ९ अगस्तिः। १० सनातनः। ११ सनत्कुमारः। १२ खारनादिः[5]। १३ आत्रेयः। १४ प्रजापतिः। १५ पराशरः। १६ कपिलमहर्षिः। १७ कणादमहर्षिः। १८ अक्षपादः[6]। १९ व्यासः। २० भारद्वाजः[7]। २१ वसिष्ठः। २२ नारदः। २३ अग्निवेशः। २४ अरनेमिः। २५

॥ १७७ ॥

नागार्जुनः। १ नागाह्वयः। २ आर्यदेवः। ३ आर्यासङ्गः। ४ वसुबन्धुः। ५ आर्यशूरः[8]। ६ अश्वघोषः। ७ दिग्नागः। ८ धर्मपालः। ९ धर्मकीर्तिः। १० स्थिरमतिः। ११ संघभद्रः। १२ गुणप्रभः। १३ वसुमित्रः। १४ गुणमतिः। १५ शाक्यबुद्धिः। १६ देवेन्द्रबुद्धिः। १७ ज्ञानगर्भः। १८ शान्तरक्षितः। १९ चन्द्रगोमी। २० बुद्धपालितः। २१ भव्यः। २२ वररुचिः। २३ पाणिनिः। २४ पातञ्जलिः। २५ चन्द्रकीर्तिः। २६ विनीतदेवः। २७ नन्दः। २८ धर्मोत्तरः। २९ शाक्यमित्रः। ३० ज्ञानदत्तः। ३१ प्रभाकरसिद्धिः। ३२ शीलभद्रः। ३३ दंष्ट्रसेनः। ३४ धर्मत्रातः। ३५ विशेषमित्रः। ३६ रविगुप्तः। ३७ भावभटः[9]। ३८

॥ १७८ ॥

तीर्थ्यकरः। १ तीर्थिकः। २ आराडकालामः। ३ उद्रको रामपुत्रः। ४ मीमांसकः। ५ वैशेषिकः। ६ सांख्यः। ७ लोकायतः। ८ काणादः। ९ परिव्राजकः। १० वैद्यः। ११ पाष-

---

1) P. *a*) सुवीर्चा° — 2) P. *a*) शल°. На верху поправка: °त्तः — 3) P. поправка на верху: जातृ°, вм. जातु въ *a*) и *b*). S. जात्तु° — 4) P. *a*) и *b*) еще разъ тоже. D. U. क° — 5) P. D. U. S. °नदी — 6) S. अति° — 7) P. на верху поправка: °धजः — 8) P. *b*) поправка, вм. °सूरः — 9) P. *b*) поправка: वाभाटः D. U. L. S. वाभट —

ण्डकः । १२ शैवः । १३ पाशुपतः[1] । १४ कापाली । १५ अचेलकः । १६ निर्ग्रन्थः । १७ क्षपणः । १८ आर्हतः । १९ महाव्रती । २० रामव्रती । २१ मृगशृङ्गव्रती । २२ कृष्णमुखः । २३ मायूरव्रती । २४ पाण्डरभिक्षुः । २५ त्रिदण्डी । २६ एकदण्डी । २७ द्विदण्डी । २८ गोशृङ्गव्रती । २९ केशोल्लुञ्चनं । ३०

॥ १७९ ॥

पूरणः काश्यपः । १ मस्करी गोशलीपुत्रः । २ सञ्जयी वैरटीपुत्रः । ३ अजितकेशकम्बलः । ४ ककुदः कात्यायनः । ५ निर्ग्रन्थो ज्ञातिपुत्रः । ६

॥ १८० ॥

महासंमतः । १ रोचः । २ कल्याणः । ३ वरकल्याणः । ४ उपोषधः[2] । ५ मूर्धगतः[3] । ६ मान्धातः । ७ चारुः । ८ उपचारुः । ९ चारुमत्तः । १० मुचिः । ११ मुचिलिन्दः । १२ शकुनिः । १३ महाशकुनिः । १४ कुशः । १५ उपकुशः । १६ महाकुशः । १७ सुदर्शनः । १८ महासुदर्शनः । १९ वामकः । २० अङ्गिराः । २१ भृगुः । २२ मेरुः[4] । २३ न्यङ्कुः । २४ प्रणादः । २५ महाप्रणादः । २६ शंकरः । २७ विशांपतिः । २८ सुरेणुः[5] । २९ भरतः । ३० महादेवः । ३१ नेमिः । ३२ भीमः । ३३ भीमरथः । ३४ शतरथः । ३५ दशरथः । ३६ पाञ्चालराजा । ३७ कलिङ्गराजा । ३८ अश्मकराजा । ३९ कौरवराजा । ४० कपालराजा । ४१ गेयराजा[6] । ४२ मगधराजा । ४३ ताम्रलिप्तकराजा । ४४ इक्ष्वाकुर्नाम राजा । ४५ विरूढकः । ४६ सिंहहनुः । ४७ शुद्धोदनः । ४८ शुक्लोदनः । ४९ द्रोणोदनः । ५० अमृतोदनः । ५१ सिद्धार्थः । ५२ नन्दः । ५३ तिष्यः । ५४ भद्रिकः । ५५ महानामः । ५६ अनिरुद्धः । ५७ आनन्दः । ५८ देवदत्तः । ५९ राहुलः । ६०

॥ १८१ ॥

सूर्पपानं । १ प्रत्युद्यानं[7] । २ कलहजितः । ३ अस्त्रजितः[8] । ४ चतुरक्षो विज्ञेता[9] । ५

---

1) P. *a*) и *b*); L. поправка: °तिः — 2) P. *a*) °दः; L. उप्तो° — 3) P. *a*) मूघातः; *b*) मूर्धातः. Такъ D. U. L. मुधातः — 4) P. *a*) मेराः — 5) S. L. रेणुः — 6) Поправка на верху и P. *b*); P. *a*) मेघ°; S. गोम° — 7) P. *a*) °दानं. — 8) S. L. शस्त्र° — 9) P. *a*) и *b*) चत्तुरक्षो°, °ज्ञेतः D. U. °ज्ञोता. M. T. °ज्ञेता —

धर्मिको धर्मराजा । ६ मर्दितकण्टकः[1] । ७ विजितविजयः[2] । ८ सप्तरत्नसमन्वागतः । ९ चक्ररत्नं । १० हस्तिरत्नं । ११ अश्वरत्नं । १२ मणिरत्नं । १३ स्त्रीरत्नं । १४ गृहपतिरत्नं । १५ परिणायकरत्नं । १६

॥ १८२ ॥

शूरः । १ वीरः । २ वराङ्गरूपी । ३ परसैन्यप्रमर्दी । ४ अजितं जयति । ५ जितमध्यावसति । ६ स इमामेव समुद्रपर्यन्तां महापृथिवीमखिलामकण्टकामनुत्पाताम[3]दण्डेनाशस्त्रेण धर्मेण समेनाभिनिर्जित्याध्यावसति । ७

॥ १८३ ॥

हस्तिकायः । १ अश्वकायः । २ रथकायः । ३ पत्तिकायः । ४

॥ १८४ ॥

राजा सहस्रानीकः । १ राजा शतानीकः । २ राजा ब्रह्मदत्तः । ३ राजा अनन्तनेमिः । ४ राजा बिम्बिसारः । ५ राजा प्रद्योतः । ६ राजा प्रसेनजित् । ७ उदयनवत्सराजा । ८ कृकी राजा । ९ श्रेणिकः श्रेण्यः[4] । १० अशोकः । ११ सातवाहनः[5] । १२ कनिष्कः । १३

॥ १८५ ॥

पाण्डवाः । १ युधिष्ठिरः । २ भीमसेनः । ३ नकुलः । ४ सहदेवः । ५ अर्जुनः । ६ कारकर्णी । ७ हस्तिनिर्यसः । ८ प्रकृतिर्मातङ्गदारिका । ९ त्रिशङ्कुः । १० स्थपतिः । ११ मृगारमाता[6] । १२

॥ १८६ ॥

राजा । १ पार्थिवः । २ राजा क्षत्रियो मूर्धाभिषिक्तः । ३ युवराजा । ४ माण्डलिकराजा । ५ सामन्तः । ६ राजामात्यः । ७ कोट्टराजा । ८ मल्लिपर्षदध्यक्षं[7] । ९ महामात्रः । १० मन्त्री । ११ आमात्यः । १२ पुरोहितः । १३ राजानकः । १४ दण्डमुख्यः । १५ दण्डनायकः । १६

---

1) P. *a*) मर्जित°; L. मर्द्दित°; P. *a*) и *b*) S. कण्ठकः — 2) Такъ L. Остальн. рук. °विजायः — 3) P. °त्पीता°; D. U. °त्पातं — 4) S. L. श्रेण्यः — 5) На верху सात्त°. P. *b*) поправка: सात्त°; L. सात्ति° — 6) На верху मृगाधार°. Такъ L. — 7) P. *a*) °पर्वदधृत्तं; *b*) поправка: °पर्षदधृत्तं; на верху: °ध्यत्तं —

सेनापतिः । १७ विक्षेपाधिपतिः[1] । १८ अध्यक्षः । १९ आटविकः[2] । २० अन्तर्वंशिकः । २१ सांधिविग्रहिकः[3] । २२ गणनापतिः । २३ गणकमहामात्रः । २४ अक्षपटलिकः । २५ प्रतिहारः । २६ धर्माधिकरणः । २७ प्रदेष्टा । २८ नायकः । २९ अश्वपतिः ३० पीलुपतिः । ३१ गञ्जपतिः[4] । ३२ *खम्भीरपतिः[5] । ३३ नरपतिः । ३४ कोट्टपालः । ३५ अन्तपालः । ३६ दुर्गपालः । ३७ श्रेष्ठी । ३८ विषयपतिः । ३९ नगरपतिः । ४० ग्रामपतिः । ४१ पौरव्यवहारिकः । ४२ नियुक्तकः[6] । ४३ *भटवलाग्रः । ४४ समाहर्तृ[7] । ४५ प्रशास्ता । ४६ संनिधाता । ४७ भाण्डारिकः । ४८ राजद्वारिकः[8] । ४९ गणकः । ५० ज्योतिषः । ५१ भिषक् । ५२ वैद्यः । ५३ *तलवर्गः[9] । ५४ पारिधाजिकः । ५५ छत्त्रधरः । ५६ चिह्नधरः । ५७ चामरिकः । ५८ *कारवालिकः । ५९ खाड्गिकः । ६० प्रासिकः । ६१ पार्श्वाधिकः[10] । ६२ चाक्रिकः । ६३ स्फारिकः । ६४ चैत्रदण्डकः । ६५ याष्टीकः । ६६ द्वारपालः । ६७ दौवारिकः । ६८ शेषपतिः । ६९ सूचकः[11] । ७० दण्डवासिकः । ७१ सेवकः । ७२ भटः । ७३ इषस्त्राचार्यः[12] । ७४ नासीरः[13] । ७५ नैगमः । ७६ जानपदः । ७७ देवकुलिकः । ७८ मायाकारः । ७९ अर्यः । ८० मल्लवादी । ८१ क्रियावादी[14] । ८२ *खन्यवादी । ८३ *धानुवादी[15] । ८४ लुब्धकः । ८५ मात्सिकः । ८६ शाकुनिकः । ८७ औरभ्रिकः । ८८ *खटिकः । ८९ सौकरिकः[16] । ९० गोघातकः । ९१ वागुरिकः । ९२ कौक्कुटिकः । ९३ नागबन्धकः । ९४ नागमण्डलिकः[17] । ९५ आहितुण्डिकः । ९६ धैङ्गरिकः । ९७ सूपकारः । ९८ रजकः । ९९ स्थपतिः । १०० तक्षकः[18] । १०१ *पलगण्डः । १०२ वर्धकः[19] । १०३ सूत्रधारः । १०४ पावसिकः । १०५ काष्ठहारकः । १०६ मालाकारः । १०७ शौण्डिकः[20] । १०८ *कल्लवालः । १०९ आयुधजीवी । ११० गान्धिकः । १११ चित्रकारः । ११२ शिलाकुट्टः । ११३ तन्त्रवायः । ११४ सुवर्ण-

---

1) Такъ поправка P. *b*), вм. °वति; P. *a*) चिक्षपाधिवति — 2) P. *b*) поправка: अट° — 3) L. संधि° — 4) L. गज° — 5) L. खंभार° — 6) P. *a*) विपुक्त° — 7) P. *a*) समाहृत् — 8) P. *b*) °धारिकः; на верху: °द्वारिकः — 9) L. हल° — 10) P. на верху поправка, вм. पाश्व° — 11) P. *a*) शु°; *b*), L. शू°; P. поправка на верху — 12) P. *a*) и *b*) इश्वस्त्राचर्यः — 13) D. U. नाशी°, P. °सि° — 14) Поправка, вм. *a*) °हा — 15) P. *b*) поправка, вм. धातु°. — D. U. также — 16) Еще приписка खाटिक — 17) P. *a*) °निकः — 18) P. приписка: पर्धक — 19) P. D. U. पंर्धकः. Такъ T. — 20) P. надъ строкой: सौ°

कारः । ११५ सौवर्णिकः । ११६ लोहकारः । ११७ कंसकारः[1] । ११८ मणिकारः । ११९ शौल्विकः[2] । १२० सूचिकः । १२१ पत्त्रच्छेदकः । १२२ नैमित्तिकः । १२३ वैपञ्चिक[3] । १२४ चमकारः । १२५ मोचिकः । १२६ रथकारः । १२७ वेणुकारः । १२८ खातद्रूपकारः । १२९ कुम्भकारः । १३० वणिक् । १३१ शौल्किकः[4] । १३२ गौल्मिकः[5] । १३३ तारपण्यिकः । १३४ हेरिः । १३५ चरः[6] । १३६ अवचरकः । १३७ मौष्टिकः । १३८ विदूषः । १३९ मौद्गिकः । १४० कायस्थः । १४१ अचोर्णदण्डता । १४२ दूतः । १४३ *कध्यायित्तः[7] । १४४ *काष्ठिकवित्तः[8] । १४५ *लोहरिः[9] । १४६ लेखहारिकः । १४७ कुटुम्बिकः । १४८ कुटुम्बः । १४९ कञ्चुकी[10] । १५० अन्तःपुर । १५१ महल्लः । १५२ कर्मान्तिकः । १५३ कार्षिकः । १५४ कृषीवलः । १५५ आभीरः । १५६ गोपालः । १५७ शरीररक्षकः । १५८ परिवारः । १५९ दासः । १६० दासी । १६१ कर्मकरः । १६२ पौरुषेयः । १६३ भृत्यः । १६४ बन्धनपालकः । १६५ वध्यघातकः । १६६ *कारण्यकारकः । १६७ बधकः । १६८ *हननं[11] । १६९ *कल्पिकारः । १७० *कप्यारिः । १७१ उद्यानपालः । १७२ आरामिकः । १७३ गृही । १७४ गृहस्थः । १७५ माणवकः । १७६ नगरघातकः । १७७ ग्रामघातकः । १७८ जनपदघातकः । १७९ नाविकः[12] । १८० आहारकः । १८१ निर्हारकः । १८२ कर्णधारः । १८३ रणधरः । १८४ कैवर्तः । १८५

॥ १८७ ॥

चत्वारो वर्णाः । १ ब्राह्मणः । २ क्षत्रियः । ३ वैश्यः । ४ शूद्रः । ५ क्षत्रियमहाशालकुलं[13] । ६ ब्राह्मणमहाशालकुलं । ७ गृहपतिमहाशालकुलं । ८ उच्चकुलं । ९ अभिजातः । १० नीचकुलं । ११ चण्डालः । १२ मातङ्गः । १३ शबरः । १४ पुलिन्दः । १५ पुक्कसः । १६ डोम्बः । १७ म्लेच्छः । १८ प्रत्यन्तजनपदं । १९

---

1) D. U. L. — P. कांस° — 2) P. приписка. — 122. P. *a*) पत्त्र° — 3) P. такъ на верху, вм. °ञ्चिकः — 4) P. *a*) शौलिक — 5) P. на верху कौ° — 6) Поправка P. *b*); *a*) वरः — 7) D. U. कध्य° — 8) D. U. °चित्तः — P. *b*) काष्ठि° — 9) Такъ на верху. P. *a*) लहरि; *b*) लेहरि; L. लेहारि. S. लेहारिक — 10) P. на верху: °लि — 11) D. U. हनं — 12) Поправка въ P. *b*); *a*) नाचिक — 13) P. прибавлено: निर्हारकः зачеркнуто. Такъ D. U. — P. °माल° —

॥ १८८ ॥

पिता । १ माता । २ जनयित्री । ३ पितामहः । ४ प्रपितामहः । ५ पितामही । ६ प्रपितामही । ७ पुत्रः । ८ तनयः । ९ दुहिता । १० ज्येष्ठभ्राता । ११ कनीयाँ भ्राता । १२ भ्राता । १३ भगिनी । १४ नप्ता । १५ नप्ती । १६ श्वशुरः । १७ स्वसा । १८ मातुलः । १९ भार्या । २० पत्नी । २१ दारः[1] । २२ कलत्रं । २३ मातृष्वसा । २४ पितृष्वसा । २५ सपत्नी । २६ अन्तःपुरं । २७ बधूः । २८ जंपती । २९ दंपती । ३० दारकः । ३१ दारिका । ३२ यमलकः । ३३ ज्ञातिः । ३४ सुजनः । ३५ बन्धुः । ३६ सालोहितः । ३७ मित्रं । ३८ सखा । ३९ अन्तर्जनः । ४० तनयः । ४१ अग्रमहिषी । ४२ नवबधूः । ४३ नरः । ४४ नारी । ४५ मातृग्रामः । ४६ पुमान् । ४७ तातः । ४८ अम्बा । ४९ धात्री । ५० स्त्री गुर्विणी । ५१ ऋतुमती स्त्री । ५२

॥ १८९ ॥

कायः । १ शरीरं । २ गात्रं । ३ कडेवरं । ४ शिरः । ५ मस्तकः । ६ मस्तकलुङ्गं[2] । ७ मूर्धा । ८ केशः । ९ शिरोरुहः । १० मुखमण्डलं । ११ वक्त्रं । १२ ललाटं । १३ भ्रूः । १४ पक्ष्म । १५ तारकः । १६ मुखं । १७ सृक्क[3] । १८ चिबुकं । १९ ग्रीवः । २० कपोलं । २१ गण्डः । २२ हनुः । २३ शङ्खः । २४ *जम्भिः । २५ दन्तः । २६ तालुः । २७ ओष्ठः । २८ दंष्ट्रा । २९ श्मश्रु । ३० कण्ठः । ३१ कण्ठनालिका । ३२ कण्ठमणिः । ३३ हृदयं । ३४ कृकाटिका । ३५ हस्तः । ३६ अंशः । ३७ स्कन्धः । ३८ पृष्ठं । ३९ जत्रुः[4] । ४० बाहुशिखरं । ४१ कक्षः । ४२ बाहुः । ४३ कूर्परकं[5] । ४४ मणिबन्धः । ४५ हस्तपृष्ठं । ४६ अङ्गुलिः । ४७ अङ्गुष्ठं । ४८ तर्जनी । ४९ मध्याङ्गुलिः । ५० अनामिका । ५१ कनीनिका । ५२ मनिष्ठका । ५३ मुष्टिः । ५४ खटकः । ५५ चपेटः[6] । ५६ नखः । ५७ हस्ततलं । ५८ संधिः । ५९ नहरुः[7] । ६० स्नायुः । ६१ सिरा । ६२ उरः । ६३ स्तनः । ६४ पयोधरः । ६५ हृदयप्रदेशः । ६६ उदरं । ६७ नाभिः । ६८ नाभिमण्डलं । ६९ वस्तिः । ७० मातिः । ७१ जघनं । ७२

---

1) S. दाराः — 2) На верху, вм. P. *a*) и *b*) °ङ्गं — 3) L. P. *a*) सृफ्क्काः; *b*) सृक्काः. P. На верху: सृक्काणि — 4) P. *a*) जत्रु — 5) Такъ D. U. — P. कु° — 6) P. *a*) चपेद्य — 7) Поправка на верху, вм. महरुः въ P. *a*) и *b*) —

श्रोणिः । ७३ पेलः । ७४ *त्रिका । ७५ पृष्ठवंशः । ७६ *पार्श्विकः । ७७ पार्श्वः[1]) । ७८ कटिः । ७९ बुलिः । ८० स्फिक् । ८१ पादः । ८२ ऊरुः । ८३ जानुः । ८४ जानुमण्डलं । ८५ जङ्घा । ८६ गुल्फः[2]) । ८७ पार्ष्णी । ८८ पादतलं । ८९ क्लोमकः । ९० फुफुसः[3]) । ९१ यकृत् । ९२ *प्लीहः । ९३ *पित्तः । ९४ वृक्का । ९५ अन्त्रं । ९६ अन्त्रगुणः । ९७ आमाशयः[4]) । ९८ पक्वाशयः[5]) । ९९ *औदर्यकं[6]) । १०० मांसं । १०१ कुक्षिः । १०२ त्वक् । १०३ अस्थि । १०४ रुधिरं । १०५ मज्जा । १०६ दन्तमांसं । १०७ अङ्गं । १०८ प्रत्यङ्गं । १०९ गर्भः । ११० वसा । १११ मेदः । ११२ पूयं । ११३ शिङ्घाणकं[7]) । ११४ खेटः । ११५ श्लेष्मा । ११६ दन्तमलं । ११७ नासापुटः[8]) । ११८ ललोका । ११९ अश्रु । १२० चक्षुर्मलं । १२१ चमसः । १२२ रोम । १२३ रोमकूपः । १२४ कर्णमलं । १२५ उद्गारः । १२६ स्वेदः । १२७ मांसकीलः । १२८ चिक्कानुत् । १२९ हिक्का । १३० विजृम्भा[9]) । १३१ मलं । १३२ तिलकः । १३३ मूत्रं । १३४ गूथं[10]) । १३५ विट्[11]) । १३६

॥ १९० ॥

कललं । १ अर्बुदं । २ पेशी । ३ घनः । ४ प्रशाखा । ५

॥ १९१ ॥

वयः । १ गर्भरूपः । २ बालः । ३ लाडिकः । ४ कुमारः । ५ तरुणः । ६ यौवनं । ७ युवा । ८ दक्षः[12]) । ९ युवतिः । १० कुमारी । ११

॥ १९२ ॥

कुब्जः । १ जीर्णता । २ वलीप्रचुरता । ३ पालित्यं । ४ दण्ड अवष्टम्भनता । ५ खालित्यं । ६ कासः । ७ खरुखरावसक्तकण्ठः । ८ प्राग्भारेण कायेन दण्डमवष्टब्धः । ९

---

1) D. U. — P. *a*) पर्श्विः и *b*), L. पर्श्वः — 2) P. *a*) शुल्फः — — 3) P. *a*) ह्वव्फुः *b*) ह्वव्फुस; T. C. फुस्फुसः — D. U. — 4) На верху °सास; P. *a*) и *b*) °षाम — 5) На верху: पत्क्वा°; L. पत्का°; P. *a*) и *b*) पत्तपयः — 6) Такъ поправка на верху; P. *a*) и *b*) °पकं — 7) P. *b*) поправка: °णाकं; L. °निकं — 8) P. *a*) °टां; S. °टा; P. *a*) и *b*) नाम° — 9) P. *a*) विक्कम्भा, *b*); L. विद्य° — 10) P. *a*) शूथं; L. गु° — 11) P. приписка — 12) P. *a*) दद्रुः; L. ड्रक्षः —

धमनीसंततगात्रः[1]। १० जीर्णः। ११ वृद्धः। १२ मह्ल्लकः। १३ गतयौवनः। १४ वलीनिचितकायः। १५ विभुग्नः। १६ आतुरः। १७

॥ १९३ ॥

देवावतारः। १ वाराणसी। २ वैशाली। ३ परिनिर्वाणं। ४ राजगृहं। ५ वेणुवनं। ६ कौशाम्बी। ७ श्रावस्ती। ८ अनाथपिण्डदस्यारामः। ९ जेतवनं। १० पुण्ड्रवर्धनं। ११ बोधिमण्डं[2]। १२ गृध्रकूटपर्वतः। १३ गयाशीर्षः। १४ स्थूणोपस्थूणौ ग्रामौ। १५ कपिलवस्तुनगरं। १६ मथुरा। १७ श्रीनालन्दः। १८ मगधा। १९ शरावती। २० लुम्बिनी। २१ *इन्द्रशैलगुहा। २२ कुशनगरं[3]। २३ उशीरगिरिः। २४ उज्जयनी नगरी। २५ कलिङ्गः। २६ मृगदावः। २७ ऋषिपतनं। २८ ऋषिपत्तनं[4]। २९ कोसला। ३० साकेतं[5]। ३१ अवन्तिः। ३२ चम्पा। ३३ पञ्चालः। ३४ अटकवटी। ३५ कलन्दकनिवापः[6]। ३६

॥ १९४ ॥

निमिंधरः। १ अश्वकर्णः। २ सुदर्शनः। ३ खदिरकः। ४ *ईशाधरः[7]। ५ युगंधरः। ६ विनतकः। ७ मेरुः। ८ सुमेरुः। ९ पर्वतराजा। १० चक्रवाडः। ११ महाचक्रवाडः। १२ गन्धमादनः। १३ हिमवान्। १४ कैलासः। १५ पोतलकः। १६ मलयः। १७ विन्ध्यः। १८ विपुलपार्श्वः। १९ वैदेहकपर्वतः। २० सुमेरुपारिषण्डः। २१

॥ १९५ ॥

समुद्रः। १ सागरः। २ जलधिः। ३ महार्णवः। ४ जलनिधिः। ५ लवणोदकः। ६ ओघः। ७ नदी। ८ कुनदी। ९ सरः। १० तडागः[8]। ११ *विल्वं। १२ उत्सः। १३ ह्रदः। १४ कुल्यः। १५ उद्भिदः। १६ आलिः। १७ पुष्करिणी। १८ उष्मोदकं। १९ कूपः[9]। २०

---

1) S. धर्म° — 2) D. U. — P. °ण्डानं — 3) P. *a*) कुशी° — 4) S. °पदनं — 5) Такъ D. U. — P. संकेता — 6) P. *b*) поправка: °वासः; L. °वावः — 7) Такъ D. U. — P. L. इषाधारः — 8) P. поправка: °कः — 9) S. приписка उदपनं; L. прип. उदपानाम् —

ऊर्मिः । २१ मन्दाकिनी । २२ पारं वा । २३ अपारं वा । २४ निःसरधाराः । २५ उदकधाराः । २६ काञ्चनवालुकास्तीर्णाः । २७ तीरं । २८ पुलिनं । २९ नैरञ्जना नदी । ३० नदी वैतरणी । ३१

॥ १६६ ॥

नन्दनवनं । १ मिश्रकावनं । २ *पारुषकावनं[1]) । ३ चैत्ररथवनं । ४ पारियात्रः । ५ पुष्पवृक्षः । ६ फलवृक्षः । ७ गन्धवृक्षः । ८ गुल्मः । ९ पत्रकः । १० देवदारुः । ११ दारुहरिद्रा । १२ तालीशः । १३ पालेवतवृक्षः[2]) । १४ चन्दनं । १५ खदिरः । १६ दाडिमवृक्षः । १७ पिण्डखर्जूरवृक्षः । १८ वनस्पतिः । १९ वनखण्डः । २० वंशवेणुः । २१ पिण्डवेणुः । २२ वेत्रं । २३ न्यग्रोधः । २४ इक्षुवनं । २५ शालिवनं । २६ वेतसः । २७ नडवनं । २८ सालवृक्षः । २९ नागवृक्षः । ३० वृक्षः । ३१ चम्पः[3]) । ३२ जातिः । ३३ पाण्डुपलाशः[4]) । ३४ शीर्णपलाशः । ३५ कण्टकः । ३६ तालः । ३७ लतावल्ली । ३८ करीरः । ३९

॥ १६७ ॥

तन्त्रं । १ उत्तरतन्त्रं । २ मन्त्रः[5]) । ३ विद्या । ४ धारणी । ५ मण्डलं । ६ शान्तिकं[6]) । ७ पौष्टिकं । ८ *आभिचारुकं । ९ वशीकरणं । १० होमः । ११ उपचारः । १२ विधिः । १३ विधानं[7]) । १४ कल्पः । १५ जापः । १६ होमोपकरणं । १७ होता । १८ आहुतिद्रव्यं । १९ हवनं । २० जुहुयात् । २१ अभिषेकः । २२ अभिषिक्तः । २३ आवाहनं । २४ आकर्षणं । २५ विसर्जनं । २६ बन्धनं । २७ उच्चाटनं । २८ गर्वः । २९ अधिष्ठानं । ३० मन्त्रचर्या । ३१ आलीढं । ३२ प्रत्यालीढं । ३३ प्रसेनं । ३४ सिद्धिः । ३५ मन्त्री । ३६ विद्याधरः । ३७ साध्यं । ३८ साधकः । ३९ उत्तरसाधकः[8]) । ४० मामकी । ४१ मूर्धटकः[9]) । ४२ एकजटी । ४३ बुद्धलोचना । ४४ पाण्डरवासिनी । ४५ तारा । ४६ वज्रभृकुटी । ४७ आर्यभृकुटी । ४८ वज्राम्बुजा । ४९ वज्राङ्कुशी । ५० *ओजाप्रत्यहारिणी[10]) । ५१ हासवती । ५२ रत्नोल्का । ५३

---

1) L. पुरुष°; S. परु° — 2) P. b) поправка вм. पारा° — 3) D. U. — P. a) चंपधु; b) поправка: चंद्दप; на верху: चव्व्यः — 4) P. a) पाण्डपमलशः — 5) P. на верху °न्त्रं — 6) P. приписка: आकर्षणं — 7) P. приписка. — 8) P. приписка: एगजाटी — 9) P. на верху: मार्द्ध° — 10) Такъ, слѣдуя тиб. переводу. P. a) अंजा°, b) अंजाः° L. अज° — D. U. S. उज° —

ञ्चाधारणी । ५४ समन्तभद्रा । ५५ रतिरागा । ५६ वज्रधात्वीश्वरी । ५७ सर्वचक्रा । ५८
रत्नोत्तमा । ५९ सहस्रावर्ता । ६० साधुमती । ६१ सिद्धोत्तमा । ६२ धारणीमुद्रा । ६३ वज्रम-
त्वज्ञानमुद्रा । ६४ महातुष्टिज्ञानमुद्रा । ६५ महाप्रभामण्डलव्यूहज्ञानमुद्रा । ६६ सर्वधर्मसम-
ताज्ञानमुद्रा । ६७ सर्वतथागतानुरागणाज्ञानमुद्रा । ६८ महाप्रीतिवेगसंभवज्ञानमुद्रा । ६९
सर्वतथागताशापरिपूरणाज्ञानमुद्रा । ७० सर्वतथागतसमाज्ञाधिष्ठानज्ञानमुद्रा[1] । ७१ सर्वत-
थागतवज्राभिषेकज्ञानमुद्रा । ७२ सर्वतथागतप्रज्ञाज्ञानमुद्रा । ७३ सर्वतथागतधर्मवाग्निष्प्र-
पञ्चज्ञानमुद्रा[2] । ७४ महाचक्रप्रवेशज्ञानमुद्रा । ७५ सर्वतथागतविश्वकर्मज्ञानमुद्रा । ७६
दुर्योधनवीर्यज्ञानमुद्रा । ७७ सर्वमारमण्डलविध्वंसनज्ञानमुद्रा । ७८ सर्वतथागतबन्धनज्ञान-
मुद्रा । ७९ सर्वतथागतसुरतसुखाः । ८० सर्वतथागताकर्षणी । ८१ सर्वतथागतानुराग-
णी । ८२ सर्वतथागतसंतोषणी । ८३ महाधिपतिः । ८४ महाद्योता[3] । ८५ महारत्न-
वर्षा । ८६ महाप्रीतिहर्षा[4] । ८७ महाज्ञानगीता । ८८ महाघोषानुगा[5] । ८९ गन्धव-
ती । ९० महाबोध्यङ्गवती । ९१ चक्षुष्मती । ९२ सत्त्ववती । ९३ सुम्भः । ९४ निसुम्भः । ९५
अमृतकुण्डली । ९६ जम्भलः । ९७ उच्छुष्मः[6] । ९८ आर्ययमान्तकः । ९९ शंकरः । १०० पि-
नाकी । १०१ वैवस्वती । १०२ गुह्यकाधिपतिः । १०३ महायक्षसेनापतिः । १०४ यज्ञोप-
वीतं । १०५ कुशपवित्रधारकः । १०६ त्रिपुण्ड्रकचिह्नितं[7] । १०७ शृङ्गाटकचिह्नितं । १०८
जटावलम्बितं । १०९ समिधः । ११० इन्धनं[8] । १११ अग्निकुण्डः । ११२ पूर्णाहुतिः । ११३
*स्रुवकं[9] । ११४ *पाती[10] । ११५ चोदनं । ११६ विदर्भणां । ११७ अर्घः । ११८ नैवेद्यं । ११९
बलिः । १२० उपस्पृश्यः । १२१ आचमनं । १२२ प्रोक्षणं । १२३ वेदिका । १२४ *उपांशुः[11] । १२५
निर्यूहः । १२६ प्रदक्षिणपट्टिका । १२७ अभ्यन्तरपट्टिका[12] । १२८ बहिष्पट्टिका । १२९ आ-
प्यायनं[13] । १३० प्रत्यायनं । १३१ पाली । १३२ *पट्टिसं । १३३ स्तम्भनं । १३४ जम्भनं । १३५

---

1) P. *a*) и *b*). Надъ строкой: समाया. — M. T. L. ममया° — 2) P. *a*) °धर्मप-
ङ्कष्प्र° *b*) поправка: °धर्मवाग्निष्प्र° D. U. °धर्मभग. — Такъ M. T. — 3) Поправка
на верху. P. *a*) и *b*) महोद्यता — 4) S. °वर्ष — 5) Поправка надъ строкой; P. *a*) и
b) °षाना; L. °षन° — 6) На верху: ष्मं. P. *a*) S. L. उच्छुष्मः — 7) P. *a*) и *b*)
°पुण्डग°; S. पिण्डक° — 8) P. *a*) इत्वनं — 9) L. अवकं — 10) D. U. S. पात्रि — 11) L.
आपाशु — 12) P. *a*) и *b*) पयट्टिक. Зачеркнуто и приписка къ предъидущему:
पट्टिका — 13) S. साध्य° —

मोक्षनं । १३६ *ग्रोक्षनं [1]) । १३७ कृत्या । १३८ कर्म । १३९ किरणाः । १४० कारवोर्देः । १४१ वेताडः । १४२ *चिच्चः [2]) । १४३ प्रेषकः । १४४ डुश्छर्दितं । १४५ डुर्भुक्तं [3]) । १४६ डुर्लङ्घितं । १४७ डुर्लिखितं । १४८ डुष्प्रेक्षितं । १४९ डुश्छायः [4]) । १५० विकरालविकृतदंष्ट्रः [5]) । १५१ विकृतवदनः । १५२ कोलः । १५३

॥ १९८ ॥

निर्घातः । १ उल्कापातः । २ इन्द्रचापं [6]) । ३ सूर्यपरिवेशः । ४ शकुनं । ५ ज्योतिषं । ६ स्वप्नाध्यायः । ७ शकुनरुतं । ८ विष्टिः । ९ व्यतिपातः । १० उत्पातः [7]) । ११ ग्ररिष्टं [8]) । १२ लग्नः । १३ योगः १४ दण्डभासः [9]) । १५

॥ १९९ ॥

तत्प्रत्यक्षोपलब्धिलक्षणं । १ तदाश्रित्यप्रत्यक्षोपलब्धिलक्षणं । २ स्वजातीयदृष्टान्तोपसंहारलक्षणं । ३ परिनिष्पन्नलक्षणं । ४ सुविशुद्धागमोपदेशलक्षणं । ५ तदन्यसारूप्योपलब्धिलक्षणं । ६ तदन्यवैरूप्योपलब्धिलक्षणं । ७ सर्वसारूप्योपलब्धिलक्षणं । ८ सर्ववैरूप्योपलब्धिलक्षणं । ९ ग्रन्यजातीयदृष्टान्तोपसंहारलक्षणं । १० ग्रपरिनिष्पन्नलक्षणं । ११ ग्रविशुद्धागमोपदेशलक्षणं । १२ तर्कः । १३ तार्किकः । १४ प्रत्यक्षं । १५ ग्रनुमानं । १६ ग्रागमः । १७ उपपत्तिः । १८ हेतुः । १९ ग्रन्वयः । २० व्यतिरेकः । २१ ग्रसिद्धः । २२ विरुद्धः । २३ ग्रनैकान्तिकः । २४ दृष्टान्तः । २५ साधर्म्यवत् [10]) । २६ वैधर्म्यवत् [10]) । २७ हेत्वाभासः । २८ दृष्टान्ताभासः । २९ साधनं [11]) । ३० दूषणं । ३१ स्वपक्षः । ३२ परपक्षः । ३३ वादी । ३४ प्रतिवादी । ३५ त्रिरूपलिङ्गं । ३६ स्वलक्षणं । ३७ सामान्यं । ३८ पूर्वपक्षः । ३९ उत्तरपक्षः । ४० चोद्यं । ४१ परिहारः । ४२ समाधानं । ४३ ग्रनुमेये सत्त्वं । ४४ सपक्षे सत्त्वं । ४५ ग्रसपक्षे चा-

---

1) P. *a)* и *b)* ग्रक्षनं. D. U. S. ग्रोदनं — 2) P. *a)* и *b)* चिच्चः; на верху: °च्छः D. U. также. L. °च्छिः. Поправка въ *b)*. — 3) Такъ D. U. — P. °क्तं — 4) P. *a)* и *b)* डुच्चायः — Такъ на верху. — 5) P. на верху °रील° — 6) P. *a)* °रापं — 7) P. °दः. — Такъ D. U. — 8) Поправка P. *b)*; *a)* ग्रचिष्टं — 9) P. *a)* °नासः — 10) Такъ D. U. — P. °धर्मा° — 11) L. приписка साध्या —

सत्त्वं । ४६ संभवत्प्रमाणं । ४७ आधेयातिशयः । ४८ अनाधेयातिशयः । ४९ निगमनं । ५० उपनयः । ५१ उपसंहारः । ५२ स्वभावहेतुः । ५३ कार्यहेतुः । ५४ ज्ञापकहेतुः । ५५ अनुपलब्धिहेतुः [1]) । ५६ व्यञ्जकहेतुः । ५७ कारकहेतुः । ५८ प्रतिज्ञा । ५९ अर्थसामान्यं । ६० अभिलाप्यसामान्यं । ६१ कल्पनापोढलक्षणं [2]) । ६२ अभ्रान्तलक्षणं । ६३ सम्यग्ज्ञानं । ६४ मिथ्याज्ञानं । ६५ सविकल्पकं । ६६ निर्विकल्पकं । ६७ साकारं । ६८ निराकारं । ६९ अन्याकारं । ७० सत्ता [3]) । ७१ वाच्यं । ७२ वाचकः । ७३ अविनाभावसंबन्धः । ७४ स्वतः प्रमाणं । ७५ परतः प्रमाणं । ७६ तादात्म्यलक्षणसंबन्धः । ७७ तदुत्पत्तिलक्षणसंबन्धः । ७८ दृष्टो हि संबन्धः । ७९ पिपीलिकोत्सरणं [4]) । ८० मत्स्यविकारः । ८१ महानसं । ८२ नोहारः । ८३ वाष्पः । ८४ तुषारः । ८५ सहकारिप्रत्ययः [5]) । ८६ प्रयत्नानन्तरीयकः । ८७ अन्यतरासिद्धः । ८८ स्वतो ऽसिद्धः । ८९ परतो ऽसिद्धः । ९० उभयासिद्धः । ९१ आश्रयासिद्धः । ९२ स्वयंवाद्यसिद्धः । ९३ प्रतिवाद्यसिद्धः । ९४ उपादानकारणं । ९५ स्वजातीयः । ९६ विजातीयः । ९७ शब्दब्रह्म [6]) । ९८ व्यावृत्तिः । ९९ अपोहः । १०० अन्यापोहः । १०१ शब्दार्थः । १०२ संकेतः । १०३ प्रसज्यप्रतिषेधः । १०४ पर्युदासप्रतिषेधः । १०५ अलौकिकार्थोत्पत्तिः । १०६ स्वप्राप्तिकद्रूपं । १०७ विप्रकर्षः । १०८ स्वसंवेदनं । १०९ पक्षधर्मत्वं । ११० क्रमयौगपद्यं । १११ मातुलुङ्गं । ११२ कदली । ११३ कन्दः [7]) । ११४ असमञ्जसः । ११५ प्रसङ्गः [8]) । ११६ चित्रपतंगः । ११७ शालूकः । ११८

॥ २०० ॥

षोडश पदार्थाः । १ प्रमाणं । २ प्रमेयं । ३ संशयः । ४ प्रयोजनं । ५ दृष्टान्तः । ६ सिद्धान्तः । ७ अवयवः । ८ तर्कः । ९ निर्णयः । १० वादः । ११ जल्पः । १२ वितण्डा । १३ हेत्वाभासः । १४ छलः । १५ जातिः । १६ जात्युत्तरः । १७ निग्रहस्थानं । १८ इन्द्रियार्थसंनिकर्षोत्पन्नं ज्ञानं प्रत्यक्षं । १९ अव्यपदेश्यं । २० अव्यभिचारि । २१ व्यवसायात्मकं । २२

---

1) P. *a*); L. अनुपलब्धिः — 2) P. *b*) поправка: °पोट — 3) Такъ D. U. — P. सात्तः — 4) P. *a*) पिपीलो° — 5) L. приписка: उपादानकारणं — 6) Такъ D. U. — P. *b*) поправка: вм. ब्रह्मशब्दः — 7) D. U. S. स्कन्धः — 8) D. U. нѣтъ.

॥ २०१ ॥

चैतन्यं । १ प्रधानं । २ सत्त्वं । ३ रजः । ४ तमः । ५ महान् । ६ अहंकारः । ७ पञ्च बुद्धीन्द्रियाणि । ८ पञ्च तन्मात्राणि । ९ अणिमा । १० लघिमा । ११ महिमा । १२ ईशित्वं । १३ वशित्वं । १४ प्राप्तिः १५ प्राकाम्यं । १६ यत्रकामावसायित्वं । १७ अभिव्यक्तिः । १८ आविर्भावः । १९ तिरोभावः । २० परिणामः । २१ लयः । २२ वाक् । २३ पाणिः । २४ पादः । २५ पायुः । २६ उपस्थं । २७ संनिकृष्टः । २८ विप्रकृष्टः । २९ वीतः । ३० आवीतः । ३१ सहचरसंबन्धः । ३२ घात्यघातकसंबन्धः । ३३ स्वस्वामिलक्षणसंबन्धः । ३४ आधाराधेयलक्षणसंबन्धः । ३५ कार्यकारणलक्षणसंबन्धः । ३६ अवयवावयविलक्षणसंबन्धः । ३७

॥ २०२ ॥

सत्संप्रयोगे पुरुषस्येन्द्रियाणां बुद्धिजन्म प्रत्यक्षं । १ अर्थालोचनज्ञानं । २ प्रागभावः । ३ प्रध्वंसाभावः । ४ इतरेतराभावः । ५ अत्यन्ताभावः । ६ शब्दं । ७ उपमानं । ८ अर्थापत्तिः । ९ अभावः । १० स्मृतिः । ११ श्रुतिः । १२ अपौरुषेयः । १३ दुर्भणत्वं । १४

॥ २०३ ॥

द्रव्यं । १ गुणः । २ कर्म । ३ विशेषः । ४ सामान्यं । ५ समवायः । ६ परिमाणं । ७ संख्या । ८ संयोगः । ९ विभागः । १० पृथक्त्वं । ११ परत्वं । १२ अपरत्वं [1]) । १३ इच्छा । १४ द्रवत्वं । १५ स्नेहः । १६ अधर्मः । १७ संस्कारः । १८ प्रयत्नः । १९ उत्क्षेपणं । २० अवक्षेपणं । २१ आकुञ्चनं । २२ प्रसारणं । २३ गमनं । २४ द्वीन्द्रियग्राह्यं । २५ पार्थिवपरमाणुः [2]) । २६ महासत्ता [3]) । २७ अवान्तरसामान्यं । २८ महासामान्यं । २९ सत्कार्यं । ३० असत्कार्यं । ३१ आत्मेन्द्रियार्थाभ्युत्पन्नं ज्ञानं प्रत्यक्षं । ३२ लम्बाम्बुददर्शनाद्वर्षानुमानं । ३३ नदीपूरदर्शनादुपरिवृष्ट्यनुमानं । ३४ मेघोन्नतिदर्शनात् । ३५

॥ २०४ ॥

ऐतिह्यं । १ प्रातिभं । २

---

1) D. U. вм. °णं въ P. *a*) — 2) P. *a*) प्रार्थिवः — 3) Поправка надъ строкой вм. °त्वाः (такъ S.) —

॥ २०५ ॥

आत्मग्राहः। १ एकत्वग्राहः। २ कर्तृत्वग्राहः। ३ पिण्डग्राहः। ४ *दृष्टिप्रस्कान्तः। ५ दृष्टिगहनं। ६ दृष्टिकान्तारं। ७ विषमदृष्टिः। ८ कुदृष्टिः। ९ दृष्टिसंकटः। १० दृष्टिकृतं। ११ दृष्टिगतं। १२

॥ २०६ ॥

शाश्वतो लोकः। १ अशाश्वतो लोकः। २ शाश्वतश्चाशाश्वतश्च। ३ नैव शाश्वतो नाशाश्वतश्च। ४ अन्तवां लोकः। ५ अनन्तवां लोकः। ६ अन्तवांश्चानन्तवांश्च। ७ नैवान्तवां नानन्तवां। ८ भवति तथागतः परं मरणात्। ९ न भवति तथागतः परं मरणात्। १० भवति च न भवति च तथागतः परं मरणात्। ११ नैव भवति न न भवति तथागतः परं मरणात्। १२ स जीवस्तच्छरीरं। १३ अन्यो जीवो ऽन्यच्छरीरं। १४

॥ २०७ ॥

आत्मा। १ सत्त्वः। २ जीवः। ३ जन्तुः। ४ पोषः। ५ पुरुषः। ६ पुद्गलः। ७ मनुजः। ८ मानवः। ९ कारकः। १० कारापकः। ११ वेदकः। १२ जनकः[1]। १३ पश्यकः। १४ उत्थापकः। १५ समुत्थापकः। १६

॥ २०८ ॥

रूपमात्मा स्वामिवत्। १ रूपवानात्मा अलंकारवत्। २ आत्मीयं रूपं भृत्यवत्। ३ रूपे आत्मा भाजनवत्। ४ वेदनात्मा। ५ वेदनावानात्मा। ६ आत्मीया वेदना। ७ वेदनायामात्मा। ८ संज्ञात्मा। ९ संज्ञावानात्मा। १० आत्मीया संज्ञा। ११ संज्ञायामात्मा। १२ संस्कारा आत्मा। १३ संस्कारवानात्मा। १४ आत्मीयाः संस्काराः। १५ संस्कारेष्वात्मा। १६ विज्ञानमात्मा। १७ विज्ञानवानात्मा। १८ आत्मीयं विज्ञानं। १९ विज्ञाने आत्मा। २०

॥ २०९ ॥

सूत्रं। १ धातुः। २ निपातः। ३ अन्वाख्यानं। ४ उपसर्गः। ५ वाक्योपन्यासः[2]। ६ उपसंख्यानं। ७ समासः। ८ समस्तः[3]। ९ कर्म। १० भावः। ११ संस्कृतं। १२ प्राकृतं। १३

---

1) L. ज्ञानकः — 2) Такъ T. — D. U. वक्यो° — P. वाड्यो° — 3) P. *a*) °स्तुः —

अपभ्रंशः । १४ पैशाचिकः । १५ क्रियापदं । १६ अनवस्थाप्रसङ्गः । १७ अतिप्रसङ्गः । १८ प्रसङ्गः प्रसज्यते[1]) । १९ विग्रहः । २० द्वन्द्वः । २१ द्विगुः । २२ तत्पुरुषः । २३ बहुव्रीहिः । २४ अव्ययीभावः । २५ कर्मधारयः । २६ समानाधिकरणं । २७ कारकः । २८ प्रथमपुरुषः । २९ मध्यमपुरुषः । ३० उत्तमपुरुषः । ३१

॥ २१० ॥

वृक्षः वृक्षौ वृक्षाः
वृक्षं वृक्षौ वृक्षां
वृक्षेण वृक्षाभ्यां वृक्षैः
वृक्षाय वृक्षाभ्यां वृक्षेभ्यः
वृक्षात् वृक्षाभ्यां वृक्षेभ्यः
वृक्षस्य वृक्षयोः वृक्षाणां
वृक्षे वृक्षयोः वृक्षेषु

॥ २११ ॥

दुर्गतिः । १ अपायः । २ विनिपातः । ३ नरकः । ४ यमलोकः । ५ पितृविषयः । ६ तिर्यग्योनिगतः । ७

॥ २१२ ॥

प्रेतः । १ कुम्भाण्डः । २ पिशाचः । ३ भूतः । ४ पूतनः । ५ कटपूतनः । ६ उन्मदः[2]) । ७ स्कन्दः । ८ अपस्मारः । ९ छाया । १० राक्षसः । ११ रेवतीग्रहः । १२ शकुनिग्रहः । १३ ब्रह्मराक्षसः । १४

॥ २१३ ॥

सिंहाजानेयः । १ ऐरावणहस्ती । २ हस्त्याजानेयः । ३ कन्थकः । ४ अश्वाजानेयः । ५ बलाहकाश्वराजा । ६ श्वापदः । ७ सिंहः । ८ शार्दूलः । ९ व्याघ्रः । १० द्वीपी । ११

1) P. b) प्रसज्यते зачеркнуто и написано у 20. — 2) L. S. उन्मादः. —

ऋक्षः। १२ भल्लुकः। १३ तरन्तुः[1])। १४ वृकः। १५ सृगालः। १६ भेरुण्डकः[2])। १७ लोमा-शो[3])। १८ *क्रोष्टकः[4])। १९ बिडालः[5])। २० मार्जरः[6])। २१ नकुलः। २२ मृगः। २३ गण्डः। २४ वराहः। २५ आरण्यवराहः। २६ हरिणः। २७ गौरखरः। २८ घोटकमृगः। २९ शरभः। ३० शशः। ३१ पशुः। ३२ हस्ती। ३३ कुञ्जरः। ३४ करिणी। ३५ करेणुः। ३६ अश्वः। ३७ हयः। ३८ तुरंगः। ३९ वडवा। ४० उष्ट्रः। ४१ चमरः। ४२ गौः। ४३ बलीवर्दः। ४४ महिषः। ४५ वेगसरः। ४६ अश्वतरी। ४७ गर्दभः। ४८ करभः। ४९ किशोरः। ५० कलभः। ५१ गजपोतः[7])। ५२ सूकरः। ५३ एडकः। ५४ उरभ्रः। ५५ छगलः। ५६ अजः। ५७ प्राणाकः। ५८ वानरः। ५९ मर्कटः। ६० कपिः[8])। ६१ मूषः। ६२ शिशुमारः। ६३ मकरः। ६४ ग्राहः। ६५ कुम्भीरः। ६६ नक्रः। ६७ कूर्मः। ६८ उद्रः। ६९ मत्स्यः। ७० सर्पः। ७१ व्याडः। ७२ उरगः। ७३ पन्नगः। ७४ वृश्चिकः। ७५ कृकलासः। ७६ कृमिः। ७७ मशकः। ७८ सरी-सृपः[9])। ७९ दंशः। ८० कोशकारकीटः। ८१ कुन्तः। ८२ पिपीलिका। ८३ भ्रमरः। ८४ मण्डूकः। ८५ *जलूकः[10])। ८६ खद्योतकः। ८७ पतंगः। ८८ उत्पातकः[11])। ८९ त्रैला-टा[12])। ९० त्र्यम्बुकः। ९१ धाङ्क्षः[13])। ९२ कोकः। ९३ यूका। ९४ लिक्षा। ९५ इन्द्रगोपः। ९६ कलविङ्कः। ९७ पक्षी। ९८ विहगः। ९९ चटकः। १०० सुपर्णाः। १०१ बर्ही। १०२ शि-खी। १०३ मयूरः। १०४ जीवंजीवकः। १०५ गृध्रः। १०६ चाषः। १०७ शुकः। १०८ कुणालः। १०९ राजहंसः। ११० धार्तराष्ट्रः। १११ हंसः। ११२ क्रौञ्चः। ११३ चक्रवाकः। ११४ सारसः। ११५ शारिकः। ११६ कोकिलः। ११७ बकः। ११८ बलाका[14])। ११९ तित्तिरिः। १२० कपिञ्जलः। १२१ क्रकरः। १२२ *कट्टारः[15])। १२३ चकोरः। १२४ उलूकः। १२५ द्रोण-काकः। १२६ काकः। १२७ वायसः। १२८ कपोतः। १२९ पदेक[16])। १३० परापतः। १३१ श्येनः[17])। १३२ कुक्कुटः। १३३ चिल्लः। १३४ चातकः। १३५ पक्षगुप्तः। १३६ *प्राणाक-

---

1) P. *a*) °क्षः — 2) P. на верху: °णाकः — 3) P. *a*) и *b*). — D. U. °माशी — 4) P. *a*) и *b*) еще разъ सृगालः; зачеркнуто. — 5) P. *b*) поправка вм. *a*) बिजालः. 6) L. S. मार्जारः — 7) P. *a*) и *b*) जग° — 8) P. *b*) поправка: कपिर — 9) P. приписка. — 10) D. U. तलुक — 11) P. поправка: उत्पात; L. उत्पतकः — 12) P. *b*) поправка вм. °टाकः — 13) P. *b*) घङ्क — 14) P. *a*) कलाकाः — 15) P. *b*) поправка вм. कुट्टारः; L. कट्टरः; D. U. S. कंकर — 16) P. приписка. — 17) P. приписка: सैनः; L. सेनः —

ग्रातः । १३७ कुक्कुरः । १३८ श्वानः । १३९ *खञ्जान्ध्वः [1]) । १४० कारण्डवः । १४१ तितीलः । १४२ चर्मचटकः । १४३ चीरी । १४४ *सिलिः [2]) । १४५ प्राणिभूतः । १४६ *द्वीपिकः । १४७

॥ २१४ ॥

संजीवः । १ कालसूत्रः । २ संघातः । ३ रौरवः । ४ महारौरवः । ५ तपनः । ६ प्रतापनः । ७ अवीचिः । ८

॥ २१५ ॥

अर्बुदः । १ निरर्बुदः । २ अटटः । ३ हहवः । ४ हुहुवः । ५ उत्पलः । ६ पद्मः । ७ महापद्मः । ८ कुकूलं । ९ कुणपं । १० क्षुरधारः । ११ असिधारः । १२ अयःशल्मलीवनं । १३ असिपत्त्रवनं । १४ अयोगुडः । १५ प्रत्येकनरकः । १६ संछिद्यते । १७ भिन्दन्ति । १८ विशीर्यते । १९ *न्यङ्कुटा नाम प्राणी [3]) । २० अयस्तुण्डनामानो वायसाः [4]) । २१ मस्तकं निर्लिखन्ति । २२ आर्तस्वरं क्रन्दति । २३ धावति [5]) । २४

॥ २१६ ॥

गन्धर्वः । १ वैशिकं । २ वार्त्ता । ३ सांख्या । ४ शब्दः । ५ चिकित्सितं [6]) । ६ नीतिः । ७ शिल्पं । ८ धनुर्वेदः । ९ हेतुः । १० योगः । ११ श्रुतिः । १२ स्मृतिः । १३ ज्योतिषं । १४ गणितं । १५ माया । १६ पुराणं । १७ इतिहासकं । १८

॥ २१७ ॥

कला । १ लिपिः । २ मुद्राः । ३ संख्या । ४ गणना । ५ मुष्टिबन्धः । ६ शिखाबन्धः [7]) । ७ पादबन्धः । ८ अङ्कुशग्रहः । ९ *सारी [8]) । १० पाशग्रहः [9]) । ११ तोमरग्रहः । १२ इषस्त्रा-

---

1) P. на верху: °त्कः — 2) L. सिलोः — 3) P. a) न्यङ्का ना° D. U. S. न्यकुट — 4) P. a) и b) °से — 5) P. a) и b) °ती — 6) P. a) °ति — 7) D. U. — P. a) и b) सिखर्ब° — 8) D. U. S. शिरी M. असेरी. T. L. मरी — 9) Такъ D. U. — P. प्राश° —

चार्यः[1] । १३ निर्याणं । १४ अपयानं । १५ छेद्यं । १६ भेद्यं । १७ *वेत्यं[2] । १८ दूरवेधः । १९ शब्दवेधः । २० मर्मवेधः । २१ *अनूणवेधः[3] । २२ दृढप्रहारिता । २३ पञ्चसु स्थानेषु कृतावी संवृत्तः । २४ लङ्घितं । २५ सालम्भः । २६ ग्रावितं । २७ प्लवितं । २८ तरणं । २९ हस्तिग्रीवः । ३० अश्वपृष्ठः । ३१ रथः । ३२ धनुष्कलापकः[4] । ३३ बाहुव्यायामः[5] । ३४

॥ २१८ ॥

नर्तकः । १ नटः । २ भेरी । ३ मृदङ्गः । ४ दुन्दुभिः । ५ मुरजा । ६ पणवः । ७ *तुणवः । ८ कर्करी[6] । ९ कल्लरी[7] । १० शम्या । ११ वल्लरी । १२ मुकुन्दः । १३ तूर्यं । १४ संगीतिः । १५ *तालावचरः[8] । १६ वाद्यं । १७ वीणा[9] । १८ वंशः । १९

॥ २१९ ॥

मध्यमः । १ ऋषभः । २ गन्धारः । ३ षड्जः । ४ पञ्चमः । ५ धैवतः । ६ निषादः । ७

॥ २२० ॥

शृङ्गारः । १ वीरः । २ बीभत्सः । ३ रौद्रं । ४ हास्यं । ५ भयानकः । ६ करुणा । ७ अद्भुतः[10] । ८ शान्तः । ९ ताण्डवः । १०

॥ २२१ ॥

ऋग्वेदः । १ यजुर्वेदः । २ सामवेदः । ३ अथर्ववेदः । ४ निर्घण्टुः । ५ कैटभः । ६ आयुर्वेदः । ७ वस्तुविद्या । ८ *अङ्गमणिविद्या[11] । ९ शिल्पाध्यायः[12] । १० वायसविद्या । ११ शकुनविद्या । १२ ज्योतिर्विद्या । १३ सामुद्रलक्षणं । १४ अश्वमेधयज्ञः । १५ पुरुषमेधयज्ञः । १६ याज्ञा इष्टिः । १७

---

1) P. *a*) इष्टस्ता° — 2) L. S. वेध्यं — 3) D. U. अनुम°; S. °न°; M. T. L. अनुण° — 4) P. *a*) °ष्कालपकः — 5) P. *a*) °व्याम; *b*) व्यायम. Такъ D. U. — 6) Такъ на верху; P. *a*) सर्सरी; P. *b*) поправка: झर्झरी; S. झर्झरी — 7) Такъ на верху. P. *a*) शल्लरी; *b*) поправка झल्लरी; S. приписка झ° — 8) Такъ D. U. — P. तालव° — 9) S. वेणुः — 10) D U. — P. आद्भुतं — 11) P. *a*) लुङ्गमणि°. D. U. S. अङ्गा°; L. उङ्गम° — 12) Такъ P. *a*) D. U. L. S. पिल्या°; M. T. विल्या° —

॥ २२२ ॥

यजनं । १ याजनं । २ अध्ययनं । ३ *अध्यापनं । ४ दानं । ५ प्रतिग्रहः । ६

॥ २२३ ॥

अनेकं । १ वर्गः । २ निचयः । ३ सैन्यं । ४ सेना । ५ पूगः । ६ गणः । ७ संघः । ८ वृन्दः । ९ भूयिष्ठः । १० संख्यामपि । ११ कलामपि । १२ गणनामपि । १३ उपमामपि । १४ उपनिषदमपि । १५ नोपैति । १६ न क्षमते । १७ लक्ष्यं । १८ सेनाकथा[1] । १९ काण्डमूर्धमुखं क्षिप्तं । २० सूर्गोपगः । २१ गच्छति । २२ आगच्छति । २३ आगमनिर्गमौ । २४ प्रतिक्रमति । २५ अतिक्रमति[2] । २६ अप्रत्युदावर्तनीयः । २७ अपक्रमितव्यं । २८ संनिकृष्टः । २९ विप्रकृष्टः । ३० संचरति । ३१ उपसर्पति । ३२ अनुयात्रिकाः । ३३ प्रत्युदावृत्तः । ३४ पारायणं । ३५ आमयन्ति । ३६ आसन्नीभूतः । ३७ अप्रतिनिर्यात्ति । ३८ उपरतः । ३९ नातिदूरे । ४० नात्यासन्नं । ४१ परिभ्रमते । ४२ प्रत्यागमनं । ४३ अन्वाहिण्ड्य । ४४ प्रयाणं । ४५ अन्वेति । ४६ संकोचः । ४७ प्रसारः । ४८ उत्क्षेपः । ४९ प्रक्षेपः । ५० प्रस्थः । ५१ प्रपातः । ५२ गर्तः । ५३ परिखा । ५४ मार्गजिनः । ५५ मार्गदेशिकः । ५६ मार्गजीवी । ५७ मार्गदूषी । ५८ स्रोतआपत्तिप्रतिपन्नकः । ५९ स्रोतआपन्नः । ६० सकृदागामिप्रतिपन्नकः । ६१ सकृदागामी । ६२ अनागामिप्रतिपन्नकः । ६३ अनागामी । ६४ अर्हत्प्रतिपन्नकः । ६५ अर्हत् । ६६ आर्यसंघः । ६७ आर्यगणः । ६८ सूत्रधरः[3] । ६९ विनयधरः । ७० मातृकाधरः । ७१ माध्यमिकः । ७२ विज्ञानवादी । ७३ बाह्यार्थवादी[4] । ७४ सौत्रान्तिकः । ७५ वैभाषिकः । ७६ निकायान्तरीयाः । ७७ वैयाकरणाः । ७८ बलं । ७९ स्थाम[5] । ८० अनुभावः । ८१ प्रभावः । ८२ शक्तिः । ८३ कृपा । ८४ दया । ८५ अनुकम्पामुपादाय । ८६ गर्भः । ८७ सारः । ८८ मण्डः । ८९ प्रवणः[6] । ९० निम्नः । ९१ प्राग्भारः[7] । ९२ समवसरणं[8] । ९३ योग्यः । ९४ चित्रयोगः । ९५

---

1) P. *a*) सेनिककथा — 2) S. L. अभि° — 3) D. U. — P. °धारः — 4) D. U. वह्यर्थवादी — P. *a*) वाह्यर्था° — 5) P. *a*) स्थाय — 6) D. U. — P. प्रबधे зачеркнуто, 7) P. *a*) и *b*) प्राम्भारः — 8) P. поправка вм. °णः — D. U. S. °सारणा —

व्यवच्छेदः। ९६ व्यवस्थापयति। ९७ विद्यमानः। ९८ प्रभावितः। ९९ भेदः। १०० विचि-
नोति। १०१ विभजनं। १०२ व्यवस्थापनं। १०३ निक्षिपति। १०४ विस्तृण्वन्ति [1])। १०५
*प्रत्यास्तृतं [2])। १०६ छादयामास। १०७ विच्छितं। १०८ प्रतिच्छादयति। १०९ छिद्यते। ११०
भिद्यते। १११ दह्यते। ११२ हन्यते। ११३ पच्यते। ११४ रोधः। ११५ बन्धः। ११६
संसृष्टः [3])। ११७ संभेदः। ११८ असंभेदः। ११९ उद्घननं [4])। १२० समुद्घननं। १२१ विक्षिप-
ति। १२२ विक्षिप्तचित्तः। १२३ दुर्धर्षः। १२४ अकम्प्यचित्तः। १२५ अङ्गप्रत्यङ्गानि छिन्दे-
युरनवमर्दनीयाः [5])। १२६ जिह्मीकृतः। १२७ असंहार्यः। १२८ न लुभ्यते। १२९ कव-
चितः। १३० वर्मितः। १३१ *अविवार्यं। १३२ *चापोदरो। १३३ चारुदर्शनः। १३४ नवन-
लिनपत्त्रसुविशुद्धनयना। १३५ बिम्बोष्ठी। १३६ मायाकृतमिव बिम्बं। १३७ आज्ञते। १३८
आकृतिः। १३९ आलेख्यचित्रितेव दर्शनीयः। १४० बन्धुरं। १४१ प्रासादिकः। १४२ अभि-
रूपः। १४३ दर्शनीयः। १४४ परमया शुभवर्णपुष्कलतया समन्वागतः। १४५ महाभागः। १४६
भव्यं। १४७ योग्यं। १४८ दृष्टिविषः। १४९ आशीविषः। १५० श्वासविषः। १५१ *उच्छ्-
रघनं। १५२ उच्छापनं [6])। १५३ कलङ्कयति [7])। १५४ कलिकलहविग्रहविवादः। १५५ दो-
षमुत्पादयति। १५६ चित्तमाघातयति। १५७ *प्रतिनिम्नदति। १५८ अभ्याख्यानं। १५९
आलेख्यो विलेख्यो [8])। १६० विप्रतिसारः। १६१ कौकृत्यं। १६२ शैलाभिनिकुञ्जितं [9])। १६३
*प्रतिवानि। १६४ प्रतिकूलता। १६५ हन्यात्। १६६ बध्नीयात् [10])। १६७ प्रवासयेत् [11])। १६८
सदण्डः। १६९ अनुसरणं। १७० संवरः। १७१ अभिनिर्जितः। १७२ धूमायति। १७३ आदी-
प्तः। १७४ प्रदीप्तः। १७५ संप्रदीप्तः। १७६ संप्रज्वलितः। १७७ एकज्वालीभूतो ध्यायति। १७८
मषिरपि [12]) न प्रज्ञायते। १७९ छायिकमपि न प्रज्ञायते। १८० गिरिः। १८१ शैलो। १८२
पर्वतः। १८३ प्राग्भारः। १८४ दरी। १८५ श्वभ्रं। १८६ कुश्वभ्रं। १८७ महाश्वभ्रं। १८८

---

1) P. *a*) и *b*) विस्तृश्वत्ति. — Такъ D. U. — 2) P. पस्यास्त्रितं D. U. S. प्रणा-स्थितं — 3) P. приписка मिश्राष्ट D. U. S. मिश्रीभूतः. L. मिशाभूतः — 4) Такъ D. U. — P. उद्घा° — 5) D. U. — P. °यः, अनमद° — 6) P. *b*) поправка; *a*) अच्छ° — 7) D. U. — P. कलि° — 8) P. *b*) поправка вм. लेखो विलेखो — P. *b*) °सार — 9) P. *b*) °लभिनि; P. *a*) °विनिलज्ञितं. — D. U. °लभिनिकू° — M. T. °लाभिनिल्क° — 10) P. *b*) बन्धी° — 11) D. U. — P. प्रव° — 12) D. U. L. मशिरमपि —

प्रपातः । १८९ देशः । १९० अटवी । १९१ कान्तारं । १९२ प्रत्यन्तः । १९३ शिखरं । १९४ सानुः । १९५ पर्वतकन्दरः । १९६ द्रोणी । १९७ हिमवान्पर्वतः । १९८ दुर्गः । १९९ उन्नतं । २०० निम्नं । २०१ स्थाली । २०२ मरुः । २०३ शैलगुहा । २०४ गिरिगह्वरः । २०५ नितम्बः । २०६ उपत्यका [1]) । २०७ *कर्वडप्रदेशः [2]) । २०८ गिरिकुञ्जाः । २०९ उत्कटो नाम द्रोणामुखं । २१० पृथिवीरसः । २११ पृथिवीपर्यटकः [3]) । २१२ वनलता । २१३ पृथिवीमण्डः । २१४ पृथिवीश्रोजः । २१५ क्षेत्रं । २१६ सुक्षेत्रं । २१७ कुक्षेत्रं । २१८ नदीमातृका [4]) । २१९ अनूपः । २२० देवमातृका । २२१ अदेवमातृका । २२२ ऊषरः [5]) । २२३ जाङ्गला । २२४ प्रतिक्रुष्टा [6]) । २२५ पापभूमिः । २२६ पाषाणं । २२७ शर्करा । २२८ कठल्लः । २२९ लोष्टः । २३० शिलातलं । २३१ उपलं । २३२ मेदिनी । २३३ पाषी [7]) । २३४ अकृष्टोप्ता तण्डुलफलशालीः । २३५ सुवृष्टिः । २३६ दुर्वृष्टिः । २३७ सायं लूनकाल्यं विवर्धते । २३८ *अवलपश्च न प्रज्ञायते [8]) । २३९ क्षेत्राणि [9]) मापयन्ति । २४० मर्यादां व्यवस्थापयन्ति । २४१ सामुद्रिकनावः । २४२ समग्रः । २४३ व्यग्रः । २४४ वल्कलं । २४५ विवाहः । २४६ आवाहः । २४७ *पोतकं । २४८ अतिथिः । २४९ शिवकृतं [10]) । २५० मातङ्गः । २५१ सास्ना । २५२ ककुदं । २५३ खुरः [11]) । २५४ शृङ्गं । २५५ विषाणं । २५६ लाङ्गुलं । २५७ पन्था [12]) । २५८ अध्वा [13]) । २५९ पद्धतिः । २६० अनुगन्तव्यं । २६१ वर्तनिः । २६२ प्रोत्खतं [14]) । २६३ विलोलितः । २६४ अन्तर्धानं गतं । २६५ वर्तते । २६६ विधूतपापः । २६७ संकार्यं । २६८ मरणांशिकं । २६९ उपपत्त्यंशिकं । २७० धनुरारोपनं । २७१ इषुक्षेपः । २७२ उत्थापनं । २७३ चौरः [15]) । २७४ परिपन्थं तिष्ठति । २७५ स्तेये संख्यातः [16]) । २७६ हृतः । २७७ पीडयति । २७८ कुदण्डः । २७९ उपालम्भाभिप्रायः । २८० अवतारप्रेक्षिणः [17]) । २८१ निग्र-

---

1) P. на верху उत्त्यका (такъ S.) вм. उपत्य° — 2) S. पर्वड° — 3) D. U. — P. *a*) °पर्व°; *b*) °पर्प° — 4) P. *a*) नद्यो° — 5) P. на верху: ऊषारः. s. जाखरा — 6) На верху: °कुष्टा P. *a*) °क्रष्टा — 7) P. на верху вм. °षी — 8) M. T. — P. °अन °ती. — D अपलसूश्च. — U. अवलसूश्च — 9) P. *a*) и *b*) क्षेत्रणी — 10) P. *a*) °कृणां — 11) D. U. — P. °रं — 12) P. पन्थानि приписка: अर्वावहति и еще वर्तनि — 13) P. приписка: पद्याति — 14) M. T. — D. U. प्रोतखा°. P. प्रोडखा° — 15) P. *a*) चौरव — 16) P. на верху вм. संहृतः; *a*) °पंहृतः — 17) P. *a*) अवतारक्षिण —

हीतव्यः । २८२ समभिद्रुतः । २८३ विहेठना । २८४ संधिच्छेदकः । २८५ ग्रन्थिमोचकः । २८६ निर्लोपाहारकः[1] । २८७ परिपन्थकः । २८८ हरणं । २८९ निर्लोपं हरति[2] । २९० द्विष्टः[3] । २९१ विद्वेषः[4] । २९२

॥ २२४ ॥

दिवि । १ स्वर्गः । २ सुगतिः । ३ सद्गतिः । ४ देवलोकः । ५ भुवि । ६ मानुष्यलोकः । ७ अभ्युदयः । ८ पञ्च कामगुणाः । ९ बधकाः कामाः । १० आदीप्ताः कामा । ११ धिक्कामाः । १२ कामालयः । १३ कामनिर्यात्ति । १४ दुर्गन्धाः कामाः । १५ पूतिकामाः । १६ अग्निज्वालोपमः । १७ सर्पशीर्षोपमः । १८ असिधारोपमाः । १९ शूलोपमाः । २० तन्त्रजालजाताः[5] । २१ गुडागुञ्जिकभूताः[6] । २२ मुञ्जबल्बजजाताः । २३ आजावं जवसमापन्नः[7] । २४

॥ २२५ ॥

करणं । १ एवंरूपं । २ अत एतस्मात्कारणात् । ३ अत्र । ४ तत्र । ५ इह । ६ अस्मिन् । ७ तथा । ८ यथा । ९ वा । १० च । ११ एव । १२ यस्मात् । १३ किं तर्हि । १४ तत् । १५ यत् । १६ किं । १७ ननु । १८ किञ्च । १९ अन्यच्च[8] । २० अपि तु । २१ किन्तु । २२ तद्यथा । २३ अथ । २४ इमे । २५ अमी । २६ एवं । २७ भूयोऽपि । २८ भूयः । २९ तदा । ३० कदातु । ३१ यदा[9] । ३२ कथं । ३३ एवं हि । ३४ ततोऽपि । ३५ तथा हि । ३६ एवमेव । ३७ सचेत् । ३८ यदि । ३९ पेयालं । ४० पूर्ववत् । ४१ उताहो । ४२ अथ वा । ४३ आहो स्वित् । ४४ नाम । ४५ वत । ४६ अहो । ४७ हा । ४८ ध्रुवं । ४९ अवश्यं[10] । ५० नूनं । ५१ अपि । ५२ सहसा[11] । ५३ साकं । ५४ सार्धं । ५५ हन्त । ५६ अन्यत्र । ५७ तथापि । ५८ यदिदं । ५९ अथ वा । ६० अथ च । ६१ किल । ६२ स्थापयित्वा । ६३ हित्वा । ६४ किञ्चातः । ६५ येषां कृतशः । ६६ तत्र तावत् । ६७ यावत् । ६८ अपि च । ६९ काचित् । ७० यथापि नाम । ७१ केचित् । ७२

---

1) P. °होरकः. D. U. L. S. निलोपहरक. M. T. °हारकः — 2) P. a) हरितं — 3) P. a) दिष्टः — 4) P. a) विद्विष्टः — 5) P. поправка на верху: तन्त्रा° P. a) и b) तत्त° — 6) P. b) поправка вм. गुड° — 7) D. U. आजवञ्ज° — 8) P. a) °न्त्र — 9) L. приписка: कदा — 10) P. a) अपल्यं, b) अपश्यं. — 11) P. सहास. — D. U. सहस —

ये केचित्। ७३ यः कश्चित्। ७४ क्वचन। ७५ केचन। ७६ अयं। ७७ इदं। ७८ इयं। ७९ कस्य। ८० केनचित्। ८१ केन। ८२ येन। ८३ तया। ८४ अनेन। ८५ अनया। ८६ कति। ८७ येषां। ८८ तेषां। ८९ यस्य। ९० तस्य। ९१ अस्य। ९२ कस्यचित्। ९३ क्वचित्। ९४ कुत्र। ९५ कुतः। ९६ कथंचित्। ९७

॥ २२६ ॥

कोट्टः[1])। १ दुर्गः। २ पूर्वजिनाध्युषितं। ३ वैजयन्तः प्रासादः। ४ देवसभा। ५ असुरसभा। ६ सुधर्मा[2])। ७ लिपिशाला[3])। ८ कूटागारं। ९ आवसथः। १० ग्रामः। ११ ग्रामोपविचारः। १२ नगरं। १३ निगमः। १४ जनपदं। १५ राष्ट्रं। १६ राजधानी। १७ पुरं। १८ प्रासादः। १९ वेश्म। २० गृहं। २१ आगारं। २२ गेहं। २३ भवनं। २४ घरं। २५ लयनं। २६ हर्म्यं। २७ हर्म्यशिखरं। २८ *अटः। २९ अट्टालः[4])। ३० *ओविध्यनखा[5])। ३१ निर्यूहः। ३२ वातायनं। ३३ गवाक्षं। ३४ तोरणं। ३५ *खोटकः[6])। ३६ परिखा। ३७ पत्तनं। ३८ हट्टः। ३९ माल्यापणः। ४० पण्यापणः। ४१ गृहावासः। ४२ *मण्डलमडः। ४३ कोशः। ४४ कोष्ठागारं। ४५ भित्तिः। ४६ प्राकारः। ४७ प्रतिप्राकारः। ४८ खरगृहं। ४९ पटकुटी[7])। ५० यवनिका। ५१ तृणकुटी। ५२ कायमानं। ५३ रङ्गशाला। ५४ *माटाः[8])। ५५ *वातदत्तिका[9])। ५६ वाताग्रपेटिका[10])। ५७ दण्डच्छदनं। ५८ *फलकच्छदनं[11])। ५९ भूमिगुहा। ६० शैलगुहा। ६१ गिरिगुहा। ६२ पर्णकुटिका। ६३ कृतचङ्क्रमणं। ६४ कृतप्राग्भारः। ६५ कुतूहलशाला। ६६ सभामण्डपः। ६७ आस्थानमण्डपः। ६८ मण्डपः। ६९ संगीतिप्रासादः। ७० निलयः। ७१ उपस्थानशाला। ७२ द्वारं। ७३ द्वारकपाटं। ७४ कपाटपुटं। ७५ *द्वारशाखा। ७६ *अवषङ्गः। ७७ न्यासः[12])। ७८ स्थूणा। ७९ स्तम्भः। ८० कुम्भकः। ८१ कृकाटकं[13])। ८२ शीर्षकं। ८३ *गोसारकः[14])। ८४ धरणी। ८५ कूटः। ८६

1) P. *b*) (поправка) S. L. °ट: — 2) P. *b*) (поправка) S. L. सुधना — 3) P. *a*) लिषि° — 4) P. поправка на верху: अष्टल: — 5) P. *a*) अविध्यनखा D. U. S. औवि° — 6) P. *a*) खा° — S. खोठक — 7) P. *a*) षटकुटी — 8) P. *a*) मटा: — 9) D. U. वातदंतिका. P. L. वाड° — 10) D. U. — P. L. °पेतिका — 11) D. U. °छेदन — P. हलक° — 12) P. *a*) भास: — 13) P. *a*) и *b*) L. कृक° — 14) D. U. S. °शलक —

गोपानसी । ८७ अर्गडः । ८८ इन्द्रकीलः [1]) । ८९ वेदिकाजालं । ९० स्तम्भकः । ९१ संक्रमणकानि । ९२ वेदिका । ९३ सूचकः । ९४ शङ्कुः [2]) । ९५ आरम्बणाकं । ९६ सूचिका । ९७ अधिष्ठानं । ९८ सोपानं । ९९ वितर्दिः । १०० आरामः । १०१ *वाडी । १०२ शाखावाटिका [3]) । १०३ फलारामः । १०४ सुसिक्तं । १०५ सुशोधितं [4]) । १०६ सुशोभितं । १०७ चतुर्षु कोणेषु । १०८ सिंहासनं प्रज्ञप्तं । १०९ अर्धयोजनपरिसामन्तकः । ११० योजनमुच्चं । १११ समपाणितलजातः । ११२ रत्नमयः संस्थितोऽभूत् । ११३ *चलत्था [5]) । ११४ *लालापिण्डः [6]) । ११५ हस्तिशाला । ११६ अश्वशाला । ११७ खरशाला । ११८ गोशाला । ११९ अजशाला । १२० उद्यानं । १२१ अन्तरापणं । १२२ वीथी । १२३ रथ्या । १२४ वत्सशाला । १२५ पन्था [7]) । १२६ चत्वरः । १२७ शृङ्गाटकं । १२८ आस्पदं । १२९ निकेतं । १३० निश्रयः । १३१ ग्रैष्मिकवासः । १३२ वार्षिकवासः । १३३ शरत्कवासः । १३४ हैमन्तिकावासः । १३५

॥ २२७ ॥

रथः । १ शकटः । २ अक्षः । ३ चक्रं । ४ नाभिः । ५ अरः । ६ नेमिः । ७ ईषा [8]) । ८ रश्मिः । ९ युगः । १० हलः । ११ हलदण्डः । १२ हलवंशः । १३ स्फालः । १४ लाङ्गलं । १५ कृषति [9]) । १६

॥ २२८ ॥

राजमाषः । १ मुद्गः । २ मसूरः । ३ माषः । ४ मकुष्टः । ५ *कलावः । ६ *वर्तुलिः । ७ चणकः [10]) । ८ तिलः । ९ शालिः । १० अणुफलः । ११ सर्षपः । १२ यवः । १३ गोधूमः । १४ प्रियङ्गुः । १५ कङ्गुः । १६ तण्डुलः । १७ राजिका । १८ अतसी । १९ एरण्डः । २० श्यामाकं । २१ वल्लः । २२ कारण्डवः । २३ कोद्रवः । २४

---

1) P. поправка на верху: °वीलः — 2) P. सट्टुः M. T. शङ्कु D. U. शङ्क — 3) P. *a*) साक° *b*) साखा; на верху поправка какъ въ текстѣ. — 4) Поправка вм. P. *a*) и *b*) °चितं — 5) D. U. संचलन्था — 6) D. U. शालपिण्टः — 7) D. U. — P. पान्थां (поправка) и पाथं, पान्थ — 8) D. U. आंशा. P. इशा — 9) D. U. — P. कृशतिः — 10) P. *b*) поправка: चणाः; S. L. चणाः —

॥ २२९ ॥

मह्रामहः । १ ज्ञातिमहः । २ ज्ञटामहः । ३ चूडामहः । ४ पञ्चवार्षिकमहः । ५ षड्वा-र्षिकमहः । ६ कुट्टिमहः [1]) । ७ उत्सवः । ८ पर्व । ९

॥ २३० ॥

घृतं [2]) । १ सर्पिर्मण्डः । २ नवनीतं । ३ क्षीरं । ४ दधि । ५ घोलं । ६ अन्नं । ७ पानं । ८ *किलाडः [3]) । ९ पीयूषं [4]) । १० दधिमण्डः । ११ आर्द्रकं । १२ इक्षुः । १३ गुडः । १४ सक्तुः [5]) । १५ कणिकः । १६ लड्डुकं [6]) । १७ मण्डः । १८ पेयः । १९ पेज्ञाः । २० तेमनं । २१ व्यञ्जनं । २२ सूपः । २३ कृसरः । २४ परिव्ययः । २५ वेशवारः । २६ लवणं । २७ शुण्ठी [7]) । २८ अम्लः । २९ *शुलुकाः [8]) । ३० चुक्रं [9]) । ३१ दाडिमं । ३२ द्राक्षा । ३३ पक्करसः । ३४ द्राक्षापानकं । ३५ मृद्वीका [10]) । ३६ सुरा । ३७ मैरेयं । ३८ शीधुः । ३९ कञ्जिका । ४० *किण्ठं [11]) । ४१ स्निग्धः [12]) ४२ माक्षिकं । ४३ मधु । ४४ भ्रामरं । ४५ क्षौद्रं [13]) मधु । ४६ *अनेडकं [14]) । ४७ आलुः । ४८ लशुनः । ४९ लतार्कः । ५० गृञ्जनकं । ५१ पलाण्डुः । ५२ राज्ञिका [15]) । ५३ गुग्गुलः । ५४ *वक्करि । ५५ *चानाः [16]) । ५६ *लाज्ञाः [17]) । ५७ कणा । ५८ तुषः । ५९ बुसः । ६० किं-शारुः । ६१ शूकः । ६२ मञ्जरी । ६३ अपूपः । ६४ कुल्माषः । ६५ त्रपुसं । ६६ कर्कटिका । ६७ आलाबूः । ६८ ओदनः । ६९ भक्तं । ७० तर्पणं । ७१ यवागूः । ७२ मन्था । ७३ पायसं । ७४ पाञ्चमिकं । ७५ अष्टमिकं । ७६ चातुर्दशिकं । ७७ पाञ्चदशिकं । ७८ आटासवं [18]) । ७९ नैत्यकं । ८० निमन्त्रणकं । ८१ *औत्पतिकं [19]) । ८२ उत्पिण्डं । ८३ आलोपः । ८४ बा-लमूलं । ८५ महामूलं । ८६ पिण्डलुः । ८७ मण्डः [20]) । ८८

---

1) P. *a*) कुटी° — 2) S. приписка: मथितं — 3) D. U. S. किलाल — 4) P. *a*) विपूषं; *b*) वियूषं D. U. पीयूषि — 5) P. *b*) поправка: सतु — 6) D. U. लडुकं — P. लतुकं — 7) S. P. (поправка на верху) शुण्डी — 8) D. U. सुलुकः — 9) D. U. — P. चुक्कु и *b*) поправка: चक्रं (такъ L.) — 10) P. поправка на верху: मृद्वीका — 11) D. U. किञ्चं. M. T. किषं. — 12) P. *a*) и *b*) °ग्वः — Такъ поправка на верху. — 13) P. поправка на верху: °ड्रं — 14) D. U. अनेत° M. T. अन° — 15) P. *a*) राज्ञका — 16) D. U. S. L. धाला. M. T. °ला — 17) D. U. लाज्ञाः — 18) P. приписка. — D. U. нѣтъ. M. T. अटमव. — 19) D. U. औत्पेति°; S. औपे°, P. ओत्प° — 20) P. зачеркнуто. —

॥ २३१ ॥

ओषधिः । १ भैषज्यं । २ अमृतं 1) । ३ रसायनं । ४ सूक्ष्मैला 2) । ५ स्रोताञ्जनं 3) । ६ *गन्धमांसी 4) । ७ आम्लवेतसः । ८ अगस्तिः । ९ हरीतकी । १० गोक्षुरकः । ११ अपस्कान्तः 5) । १२ शैलाटकं 6) । १३ तैलं । १४ कटुकतैलं । १५ तालीशः । १६ शर्करा । १७ गोरोचना । १८ वंशरोचना । १९ तगरं । २० नागरं । २१ शुण्ठी । २२ पिप्पली । २३ मरिचं । २४ *वव्हेडः 7) । २५ विभीतकं 8) । २६ हारीतकी । २७ आमलकं । २८ अजाजी । २९ जीरकः । ३० यष्टीमधु । ३१ कुष्ठं । ३२ *पोप्फलं 9) । ३३ पूगफलं । ३४ त्वक् । ३५ त्वचः । ३६ नागरङ्गः । ३७ जम्बीरः । ३८ बदरफलं । ३९ मातुलुङ्गं । ४० जातिफलं । ४१ वचा । ४२ लवङ्गं 10) । ४३ *जडुवार 11) । ४४ हिङ्गुः । ४५ चिरतिक्तं 12) । ४६ मुस्तः । ४७ भद्रमुस्तः । ४८ विषं । ४९ निर्विषी 13) । ५० अतिविषं । ५१ प्रतिविषं । ५२ इन्द्रहस्तः 14) । ५३ *वलो मोट 15) । ५४ शिलाजतु । ५५ आरग्वधः । ५६ कर्णिकारः 16) । ५७ राजवृक्षः । ५८ पुष्पकासीसं । ५९ *कापुशं 17) । ६० रोहिणी । ६१ मृगमदः । ६२ कस्तुरिकाण्डं । ६३ कर्पूरं । ६४ सर्पिः । ६५ मधु । ६६ फाणितं । ६७ खण्डं । ६८ गण्डभैषज्यं । ६९

॥ २३२ ॥

खोलं 18) । १ शिरोवेष्टनं । २ चेलं । ३ चर्मचोलः । ४ चोलः । ५ वस्त्रं । ६ अर्धचोलः । ७ लम्बनं । ८ *सुन्थणा 19) । ९ कौपीनं । १० कच्छाटिका । ११ बद्धकक्ष्यः । १२ चलनिकः । १३ *कच्छाहार 20) । १४ कायबन्धनं । १५ उपानत् । १६ पादुका । १७ शयनासनं । १८

---

1) P. еще приписка: सुधा; такъ L. — 2) P. на верху: °पा; такъ D. U. M. T. — P. L. °क्ष्मा° — 3) P. b) поправка स्रो° — 4) P. (и S.) поправка на верху: °मासी — 5) P. a) अपस्तक्षः; на верху: °स्कूक्ष — 6) D. U. — P. L. शैलोद्° — 7) D. U. मव्हेड — 8) Поправка въ P. b); P. a) विजीतकं — 9) P. на верху: पिफलं. D. U. फफलं M. T. L. पोह्फलं S. फो° — 10) Такъ на верху. P. a) и b) पलङ्ग — 11) M. T. °पार — 12) P. a) चिरततिक्तं. D. U. M. T. S. L. चिरा° — 13) P. на верху °शी, (a) и b) षा) D. U. M. T. также — 14) P. a) °भा — 15) D. U. S. °मोठः; L. °टः — 16) P. °कर्णि° D. U. कलिकार M. T. कुर्णिकार — 17) D. U. कपू°. S. कापूसं — M. T. कपु° P. a) कापु° — 18) P. поправка: °ला D. U. S. L. тоже. — 19) D. U. S. सुन्थ्र° — 20) D. U. S. कचाहार T. M. कच्छो° —

कम्बलः। १९ स्थूलकम्बलः। २० *कोचव। २१ नमत। २२ *कषायिका[1])। २३ पटः। २४ नेत्रं। २५ *पृङ्ग[2])। २६ पट्टः। २७ चित्रपटः। २८ *स्तवर्। २९ कचः। ३० वक्कलि[3])। ३१ शाटकं। ३२ पटी। ३३ तूलपटिका[4])। ३४ वेष्टकं[5])। ३५ *डुष्यं। ३६ सूत्रं। ३७ वानं[6])। ३८ काचलिन्दिकं[7])। ३९ अवश्यायपट्टः। ४० पट्टांशु। ४१ भाङ्गकं। ४२ *कल्पडुष्यं। ४३ तुपिउ-चेलं। ४४ अतुल्यानि वासांसि। ४५

॥ २३३ ॥

परिष्कारः। १ उपकरणं। २ सुखोपधानं। ३ मुसलः[8])। ४ करण्डकः। ५ समुद्गः। ६ ग्लानप्रत्ययभैषज्यं। ७ *स्फरित्रं[9])। ८ शशवागुरः। ९ रत्नपेटकं। १० खट्वा। ११ पीठिका। १२ लेखनी। १३ कलामं। १४ सूत्रं। १५ कीलकं। १६ टङ्णदारः। १७ शलाका। १८ तालकं। १९ प्रतितालकं। २० निश्रेणिः। २१ आदर्शः। २२ आरा। २३ टङ्कः[10])। २४ चञ्चः[11])। २५ पिठरी। २६ पञ्जरा। २७

॥ २३४ ॥

रङ्गः। १ लाक्षा। २ मञ्जिष्ठः। ३ पत्तङ्गः। ४ कुसुम्भः[12])। ५ नीली। ६ राजपट्टं। ७ हरिद्रा। ८ हरितालं। ९ मनःशिला। १० तुत्थकं। ११ सिन्दूरं। १२ हिङ्गुलं। १३ रङ्ग-स्तम्भनं[13])। १४ गव्यदृढः। १५ सुवर्णद्रवः। १६ रसकर्म। १७ पारदं। १८ गैरिका। १९ मक्कोलं। २० मषी। २१ सर्जरसः। २२ *कपुषं[14])। २३ सुधा। २४ ककवटी[15])। २५ कपित्थः। २६

॥ २३५ ॥

वैडूर्यं[16])। १ इन्द्रनीलं। २ मरकतं। ३ पद्मरागः। ४ प्रवाडः। ५ विद्रुमः। ६ कर्केतनं। ७ क्षीरं। ८ वज्रं। ९ मुक्तिका। १० लोहितमुक्तिका। ११ मुक्तावली। १२ शिला। १३

---

1) D. U. — P. L. कषायिका надъ строкой: °पि° — M. T. °विका — 2) D. प्रिङ्गु U. प्रिङ्गा M. T. ऋङ्गः — 3) D. U. — P. पक्कले. M. T. °लि L. °लः — 4) D. U. — P. L. *a*) तुलवतिका; *b*) तूलवटिका — 5) D. U. — P. M. T. L. वेञ्जकं — 6) Поправка въ P. *b*; P. *a*) बालं; L. थानं — 7) P. *a*) °न्द्रिकं — 8) P. *b*) поправка вм. °षल — 9) D. U. S. स्पा°. M. T. स्परितां L. स्प° — 10) P. *b*) टङ्गः — 11) Еще въ P. *a*) и *b*) सुमुद्गः — 12) P. *a*) и *b*) °म्भा. Приписка लेवर्गणा — 13) M. T. — P. रङ्गु°. — D. U. रङ्गा — 14) P. *a*) कपुथ. D. U. S. कायूषं — 15) P. *a*) कर्कटी — 16) Такъ P. (*a*) и *b*) надъ строкой: तु°). —

मुसारगल्वः । १४ अश्मगर्भं । १५ अनर्घं मणिरत्नं । १६ हिरण्यं । १७ शक्राभिलग्नरत्नं । १८ श्रीगर्भरत्नं । १९ अग्निवर्णरत्नं । २० ज्योतिष्प्रभारत्नं । २१ ज्योतीरसमणिः । २२ मेचकं । २३ महानीलं । २४ अनन्तवर्णरत्नं । २५ जम्बूनदरत्नं । २६ मयूराङ्की[1] । २७ पुष्परागः[2] । २८ काचकः । २९ तृणकुन्चकं । ३० स्फटिकं । ३१ जाम्बूनदसुवर्णं । ३२ सुवर्णं । ३३ हेमं । ३४ कनकं । ३५ जातरूपं । ३६ रूप्यं । ३७ रजतं । ३८ कुरुविन्दः । ३९ वैराजः । ४० लोहः । ४१ ताम्रं । ४२ त्रपु । ४३ सीसं । ४४ रैत्यं[3] । ४५ कंसं[4] । ४६ रत्नसंमतं[5] । ४७

॥ २३६ ॥

दक्षिणावर्तशङ्खः[6] । १ शङ्ख । २ शुक्तिका[7] । ३ कपर्दिका । ४ *वोण्डः[8] । ५ अभ्रकं । ६ खटिका[9] । ७ प्रलेपकः । ८

॥ २३७ ॥

अलंकारः । १ आभरणं । २ व्यूहः । ३ विभूषणं । ४ मण्डनं । ५ हेमनिष्कः । ६ मणिः । ७ कटकं । ८ वलयं । ९ केयूरं । १० अङ्गदः । ११ हारः । १२ अर्धहारः[10] । १३ नूपुरं । १४ कुण्डलं । १५ मुकुटं । १६ किरीटि । १७ मौलिः । १८ पटः । १९ हर्षः । २० परिहाटकं । २१ तिलकं । २२ कर्णिकं । २३ चन्द्रकं । २४ नकुलकः । २५ मुद्रिका । २६ अङ्गुलीयकं । २७ *वलकं । २८ परिहारकं । २९ तालकं । ३० पार्श्वसूत्रकं । ३१ वलितकः । ३२ निष्कः । ३३ मेखला । ३४ रशना । ३५ काञ्ची । ३६ सुवर्णसूत्रं । ३७ *गोणासिकं[11] । ३८ सुवर्णदाम । ३९ हस्ताभरणं । ४० पादाभरणं । ४१ मूर्धाभरणं । ४२ कण्ठाभरणं । ४३ उरश्छदः । ४४ चितविस्तर । ४५ त्रैकुन्तकं । ४६ शेखरं । ४७ अवतंसकं । ४८ मुखफुल्लकं । ४९ मुखपुष्पकं । ५० हस्तोपगः । ५१ पादोपगः । ५२ व्योमकं । ५३ रत्नमयविषाणं । ५४ प्रत्युप्तं । ५५ खचितं । ५६ अर्चितं । ५७ रचितं । ५८ अवसक्तपट्टदामकलापः । ५९ पुष्पा-

---

1) P. приписка: °रमुकि — 2) Поправка на верху. P. *a*) и *b*) पुष्य° — 3) D. U. S. रेत्यं — 4) D. U. — P. L. कांसं — 5) P. *a*) °संघतं — 6) P. *a*) °र्तण° — 7) P. *a*) и *b*) °मुक्तिका — 8) D. U. वैण्ड — 9) D. U. T. M. — P. °खा — 10) P. *a*) S. अव° — 11) D. U. M. T. S. L. °सीकं —

भिकीर्णकल्पवृत्तैर्नानालंकारपुष्पफलावनताग्रविटपैरुपशोभितः । ६० *ग्रापीडकजा-तं[1]) । ६१ *ग्रष्टापदनिबद्धा[2]) । ६२ पङ्क्तिः । ६३ *समुच्छ्रितं[3]) । ६४ प्रकीर्णा । ६५ *संस्थितं । ६६ सुविभक्तं । ६७ समन्तात्परिक्षिप्तं । ६८ पुष्पाभ्यवकीर्णा । ६९ वैजयन्ती पताका । ७०

॥ २३८ ॥

कवचं । १ वर्मसंनाहः । २ वलिकासंनाहः । ३ पट्टिकसंनाहः । ४ शीर्षकः । ५ *कच्च-ति[4]) । ६ *कवचिका[5]) । ७ *कवाय । ८ फरं । ९ प्रासः । १० कुन्तः । ११ कणयः । १२ क्षुरप्रः । १३ खेटकः[6]) । १४ शूलं । १५ त्रिशूलं । १६ परशुः । १७ तोमरः । १८ शक्तिः । १९ खड्गः । २० क्षूरिकः । २१ करवालः । २२ *कडित्तल[7]) । २३ धनुः । २४ शरः । २५ ना-राचः । २६ ग्रर्धनाराचः । २७ वत्सदन्तकः । २८ *तिलकोचवकं । २९ भल्लः । ३० मूर्खलि-का । ३१ *डम्भा[8]) । ३२ *भिण्डिपालः । ३३ ग्रायुधं । ३४ प्रहरणं । ३५ शस्त्रं । ३६

॥ २३९ ॥

छत्रं । १ ध्वजः । २ पताका । ३ चूर्णाः । ४ पुष्पपुटं । ५ गन्धः । ६ विलेपनं । ७ उपले-पनं । ८ माल्यं । ९ दीपः । १० वितानं । ११ वितानविततं । १२ समुच्छ्रितछत्रध्वजपता-का । १३ किङ्किणीजालं । १४ *मुखरा । १५ हेमदाम । १६ मुक्तादाम । १७ मणिदाम । १८ हेमजालं । १९ पट्टदाम । २० प्रलम्बितं । २१ लम्बते । २२ प्रलम्बते । २३ ग्रभिप्रल-म्बते । २४ गन्धमाल्येन मह्यीयते । २५ ग्रभ्यर्च्छितं । २६ धूपनिर्धूपितं । २७ संपूजितं । २८ पूज्यपूजितं । २९ महितं । ३० ग्रभिप्रकिरन्ति स्म । ३१ जीविलोपकरणं । ३१ ग्लानप्रत्य-यभैषज्यं । ३३ सुखोपधानं । ३४

---

1) P. *a*) ग्रापीर° — 2) D. U. S. °निबद्ध M. T. निबन्धं — 3) D. U. °च्छतं — 4) D. U. कच्छति — 5) D. U. कावाचिका — 6) P. *a*) पेटकः — 7) D. U. कतत्तल — 8) P. *a*) S. ताभा D. U. ताम्भा. M. T. डाम्भाः —

॥ २४० ॥

जलजं । १ शतपत्त्रं । २ उत्पलं । ३ पद्मं । ४ कुमुदं । ५ पुण्डरीकं । ६ सौगन्धिकं । ७ मृदुगन्धिकं । ८ स्थलजं । ९ चम्पकः । १० कुरवकः । ११ वार्षिकी । १२ महावार्षिकी । १३ मल्लिका । १४ नवमालिका । १५ जातिकुसुमं । १६ सुमनाः । १७ यूथिका । १८ *धानुष्कारी । १९ कुन्दं । २० पारूषकं । २१ महापारूषकं । २२ मञ्जुषकं । २३ महामञ्जुषकं । २४ अशोकं । २५ मुचिलिन्दं । २६ महामुचिलिन्दं । २७ मुचुकुन्दं । २८ बकुलः । २९ असनः । ३० प्रियङ्गुः । ३१ पुंनागः । ३२ कदम्बः । ३३ *धनुष्केतकी । ३४ कर्णिकारपुष्पं । ३५ एडान्तिपुष्पं [1] । ३६ तगरं । ३७ केसरं । ३८ तमालपत्त्रं । ३९ लाङ्गलीपुष्पं । ४० स्तम्बकं । ४१ रोचः । ४२ महारोचः । ४३ स्थालं । ४४ महास्थालं । ४५ चक्रविमलं । ४६ चक्रशतपत्त्रं । ४७ सहस्रपत्त्रं । ४८ शतसहस्रपत्त्रं । ४९ समन्तप्रभः । ५० समन्तगन्धं । ५१ समन्तस्थूलावलोकननयनाभिराम । ५२ मुक्ताफलकं । ५३ ज्योतिष्प्रभः [2] । ५४ ज्योतिष्करः । ५५ अतिमुक्तकं । ५६ पाटलं । ५७ महापाटलं । ५८ चित्रपाटलं । ५९ महाचित्रपाटलं । ६० मन्दारवः । ६१ महामन्दारवः । ६२ कर्करवः । ६३ महाकर्करवः । ६४ देवसुमनाः । ६५ तरणिः । ६६ गोतरणिः । ६७ वलिः । ६८ तिन्दुकः । ६९ किंशुकः । ७० वल्लः । ७१ बकपुष्पं [3] । ७२ कदम्बकपुष्पं [4] । ७३ कुवलयपुष्पं [5] । ७४ अजाजीपुष्पं । ७५ अर्कपुष्पं । ७६

॥ २४१ ॥

बिसं । १ वृन्तं । २ मृणालं । ३ नालं । ४ दण्डः । ५ पत्त्रं । ६ विटपः । ७ जालकजातं । ८ तारकजातं । ९ कालिकाजातं । १० *तरिकजातं । ११ *मुङ्गीभूतं । १२ कुड्मलकजातं । १३ मुकुलजातं । १४ काकास्यकं । १५ सर्वपरिफुल्लं । १६ फुल्लितं । १७ विकासितं । १८ पुष्पं । १९ केसरं । २० किञ्जल्कं । २१ कर्णिका । २२ कर्कटिका । २३ परागः । २४

---

1) P. *a*) एडान्ति° — 2) P. надъ строкой вм. °ष्प्य: — 3) P. *a*) वुक° — 4) P. *a*) कुवलय; такъ *b*) поправка; S. °यं — 5) P. *b*) поправка; *a*) कुपलयं —

॥ २४२ ॥

शकटचक्रप्रमाणं । १ वैडूर्यदण्डः । २ इन्द्रनीलकर्कटिका । ३ अश्मगर्भकेसरं । ४ गुग्गुलः [1] । ५ शालूकं । ६

॥ २४३ ॥

वयनं । १ तगरं [2] । २ चन्दनं । ३ अगरुः । ४ तुरुष्कः । ५ कृष्णागरुः । ६ तमालपत्त्रं । ७ उरगसारचन्दनं [3] । ८ कालानुसारिचन्दनं [4] । ९ कर्पूरं । १० कुङ्कुमं । ११ कुन्दुरुः [5] । १२ सर्जरसः । १३

॥ २४४ ॥

धर्मपर्यायः । १ अर्धत्रयोदशशतानि । २ नानाबुद्धक्षेत्रसंनिपतिता । ३ महता च बोधिसत्वगणेन सार्धं । ४ संबहुलाः । ५ एवंप्रमुखाः । ६ गणप्रमुखः । ७ पूर्वंगमः । ८ सार्धं । ९ विविधसंमोदनकथामुपसंस्कृत्य [6] । १० परिवृतः । ११ पुरस्कृतः । १२ त्रिःप्रदक्षिणीकृत्य । १३ एकांशमुत्तरासङ्गं कृत्वा । १४ दक्षिणं जानुमण्डलं पृथिव्यां प्रतिष्ठाप्य । १५ येन भगवांस्तेनाञ्जलिं प्रणाम्य । १६ तस्मिन्पर्षत्संनिपाते संनिषण्णः । १७ न्यषीदत् । १८ तेन खलु पुनः समयेन । १९ सिंहासनं प्रज्ञापयन्ति । २० न्यसीदत्पर्यङ्कमाभुज्य । २१ अल्पाबाधता । २२ अल्पातङ्कता । २३ यात्रा । २४ लघूत्थानता । २५ बलं सुखस्पर्शविहारता च । २६ भासते । २७ तपति । २८ विरोचते । २९ पुनरेव स्मितमकरोत् । ३० उष्णीषविवरान्तराद्रश्मिं निश्चरति । ३१ स रश्मिं निश्चार्य । ३२ आभया परिस्फुटोऽभूत् । ३३ अवभासितः । ३४ तेन रश्म्यवभासेन स्पृष्टः । ३५ यत्र सूर्यचन्द्रमसां प्रभाया गतिर्नास्ति । ३६ को हेतुः कः प्रत्ययः । ३७ पुनरप्यागत्य । ३८ उष्णीषविवरेषु प्रविशति [7] । ३९ मुखद्वारेणानुप्रविशति स्म । ४० न च भगवतो मुखद्वारस्योन्मिञ्जितं वा निमिञ्जितं वा प्रज्ञायते स्म । ४१ अवभासः । ४२ समन्तावभासः । ४३ जिघत्सिताः [8] पूर्णगात्रा भवन्ति स्म । ४४ तृषिता [9] विग-

---

1) P. *a*) и *b*) गुगुग्गुल — 2) P. приписка. — 3) P. *b*) поправка: अगुरु° — 4) P. приписка: गुग्गुल S. тоже (послѣ 1) L. послѣ 12. — 5) P. *a*) и *b*) कुन्दरुः L. कुन्दरुः — 6) P. *a*) °संह्रत्य — 7) S. °विष्टः — 8) Надъ строкой P. *a*) и *b*) जिघन्सि° — 9) P. *b*) поправка вм. *a*) कृशि° —

तपिपासा भवन्ति स्म । ४५ रोगस्पृष्टा विगतरोगा भवन्ति स्म । ४६ विकलेन्द्रियाः परिपूर्णेन्द्रिया भवन्ति स्म । ४७ स चेत्पृष्टः प्रश्नव्याकरणाय ग्रवकाशं कुर्यात् । ४८ कश्चिदेव प्रदेशं । ४९ ग्रामन्त्रयते स्म । ५० साधुकारमदात् । ५१ साधु साधु । ५२ तेन हि शृणु साधु च सुष्ठु च मनसिकुरु । ५३ भाषिष्येऽहं ते । ५४ भगवतः[1]) प्रतिश्रुत्य । ५५ चित्तमाराधयिष्ये । ५६ तिष्ठति । ५७ ध्रियति । ५८ यापयति । ५९ धर्मञ्च देशयति । ६० यस्येदानीं कालं मन्यसे । ६१ यद्गुत । ६२ बुद्धनेत्री । ६३ तत्किं मन्यसे । ६४ नो हीदं । ६५ सर्वावन्तं पर्षन्मण्डलं । ६६ ग्रभेद्यपरिवारः । ६७ भगवतानुज्ञातः । ६८ ग्रन्ततशो हास्यप्रेक्षिणापि जीवितहेतोरपि । ६९ ग्रधिवचनं । ७० मनोरथाशापरिपूरि[2]) । ७१ विनयति निवेशयति । ७२ प्रतिष्ठापयति । ७३ प्रस्थापयति । ७४ ग्रौपयिकं । ७५ ग्रव्यतिक्रमणं । ७६ ग्रागतफलं । ७७ संगूहयन्[3]) । ७८ गुप्तः ।७९ प्रविवेकज्ञः । ८० जुषितुकामः । ८१ उष्णीषविवरमूर्ध्नः संधिप्रवेशः । ८२ ग्रवतारः । ८३. प्रगुणीकरणं । ८४ प्रगुणः । ८५ एकामपि चतुष्पदिकां गाथामुद्गृह्य । ८६ महायानपरिग्राहकः । ८७ सद्धर्मपरिग्राहकः । ८८ सद्धर्मवृष्टिः । ८९ सद्धर्मश्च चिरस्थितिको भवति । ९० ग्रनुत्तरायां सम्यक्संबोधावभिसंबुद्धः[4]) । ९१ चूडिकावबद्धः[5]) । ९२ ग्रनुत्क्षेपाप्रक्षेपः । ९३ नातिशीतं । ९४ नात्युष्णं । ९५ विभावना । ९६ सतां । ९७ उपलब्धिः । ९८ उपलम्भः । ९९ निष्ठागतः । १०० ग्रधिष्ठानं[6]) । १०१ ग्रस्रंसनं[7]) । १०२ ग्रग्रोऽरणाविहारिणां[8]) । १०३ रक्षावरणगुप्तिं[9]) संविधास्यामहे । १०४ महापृथिवीनिश्रायसामग्रीवशेन सर्वबीजानि विरोहन्ति । १०५ चौक्षसमुदाचारः । १०६ ग्रल्पकृच्छ्रेण । १०७ नागविलोकितेनालोक्य[10]) । १०८ भगवानिममेवार्थं भूयस्या मात्रया ग्रभिद्योतयमानो गाथाभिगीतेन संप्रकाशयति स्म । १०९ यथा श्रुतं । ११० यथा प्रत्यहं । १११ विस्तरेण संप्रकाशितं । ११२ विस्तरेण संप्रकाशयिष्यति । ११३ ग्रध्यापयामास । ११४ यदि भगवानाज्ञासीत्सदेवकं लोकं संनिपतितं । ११५ ग्रसमसमः । ११६ तस्यायमीदृशोऽनुभावः । ११७ प्रभाव्यते[11]) । ११८ प्रतिकाङ्क्षितव्यः । ११९ तृष्णा पौनर्भविकी । १२० नन्दी-

---

1) D. U. M. T. — P. °त्य — 2) P. *a*) °गापरि° — 3) P. *a*) संगृ° — 4) P. °बोधिमभि. D. U. °बोधावाभि°. M. T. °धाभि° — 5) P. *b*) поправка: °बुद्धः — 6) D. U. — P. L. ग्रवि° — 7) D. U. ग्रास्र° — 8) D. U. S. ग्राग्र P. L. ग्रग्रः ग्ररं° — 9) P. *a*) °प्तये — 10) S. L. नागावलो° — 11) P. на верху: °ष्यते —

रागसहगता । १२१ पुण्योपगः । १२२ अपुण्योपगः । १२३ आनिञ्ज्यं[1] । १२४ अभ्युद्गतः । १२५ समुद्गतः । १२६ षष्ट्यङ्गसहस्रोपेतस्वरः[2] । १२७ वत मार्षा[3] । १२८ वत । १२९ वत हा[4] । १३० हा कष्टं । १३१ अनुन्नतोऽनवनतः । १३२ उपसंहारः । १३३ मारधर्षणी । १३४ तस्यैवं भवति । १३५ महतो जनकायस्य । १३६ हितं । १३७ सुखं । १३८ योगक्षेमं । १३९ अन्तरीक्षप्रदेशः । १४० न प्रज्ञायते । १४१

॥ २४५ ॥

विक्रीडितं । १ सर्वेण सर्वं । २ सर्वथा सर्वं । ३ सर्वथा । ४ प्रस्थापनं । ५ ओजः । ६ महौजस्कमहौजस्कः । ७ महेशाख्यमहेशाख्यः । ८ अल्पेशाख्यः । ९ ऋद्धः । १० स्फीतः । ११ क्षेमः । १२ सुभिक्षः । १३ आकीर्णबहुजनमनुष्यः । १४ एकायानं[5] । १५ आज्ञाव्याकरणं । १६ उदाहरणयोगेन । १७ कविः । १८ काव्यं । १९ समारकं । २० सब्रह्मकं । २१ *सश्रमणब्राह्मणिकाः प्रजाः । २२ अभिभूय निर्यास्यति । २३ व्यवसायः । २४ आबद्धः परिकरः[6] । २५ धर्मधातुपरमः । २६ आकाशधातुपर्यवसानः । २७ अस्थानमेतत् । २८ *उत्थापनं[7] । २९ सभामध्यगतो वा । ३० राजकुलमध्यगतो वा । ३१ पर्षन्मध्यगतो वा । ३२ युक्तकुलमध्यगतो वा । ३३ ज्ञातिमध्यगतो वा । ३४ अतीतांशगता[8] । ३५ न केनचिद्विधीयते । ३६ अवकाशः । ३७ प्रस्तवः । ३८ अवसरः । ३९ वनाद्विर्वणमागतः[9] । ४० कामेषु नैष्क्रम्यं । ४१ शैलमुक्तिमिव काञ्चनं[10] । ४२ निषेवितं[11] । ४३ जिह्वेन्द्रियं निर्नामयामास[12] । ४४ अभयवशवर्तिता । ४५ सर्वसत्त्वानां किंकरणीयता[13] । ४६ बहुजन्यं[14] । ४७ परंपरया । ४८ तूष्णींभावेनाधिवासयति[15] । ४९ समुल्लोकितमुखः । ५० सम्यक्प्रत्यात्मं ज्ञानदर्शनं प्रवर्तते । ५१ आयुःसंस्कारानुत्सृजति । ५२ उष्महानिः । ५३ मनुष्याणां सभागताया

---

1) Такъ на верху. P. *a*) и *b*) °ञ्जं — 2) D. U. M. T. P. *b*) — P. *a*) °सहसो° — 3) P. *a*) वतासार्षा — 4) Только P. *b*) — 5) P. надъ строкой: °याम:. D. U. S. एकायं — 6) P. *a*) करिकरः — 7) P. на верху: °पुनं — D. U. उत्थपनं — 8) P. *a*) °शंगता — 9) M. T. L. P. *a*) धनाद्विधन° *b*) поправка: °द्विर्वन° D. U. S. पनाद्वि° — 10) D. U. °शेल° P. °वाका° — 11) P. निसे° — 12) D. U. — P. L. निनामयमासः — 13) D. U. °कारणियता — 14) D. U. °जान्यं — 15) P. поправка вм. °यता —

मुपपन्नः । ५४ विक्षोभणवातमण्डली । ५५ परमनुविधाय । ५६ न श्रवणपथमागमिष्यति । ५७ कायिकं बलं । ५८ कायिकं दौर्बल्यं । ५९ कायिकः क्लमः । ६० *अनूणाव्याकरणं । ६१ सुनिश्चितं । ६२ विवृतं । ६३ अपावृतं । ६४ स्यात् । ६५ संबाधः । ६६ विभवः । ६७ संचिन्त्य । ६८ अमुक्तः । ६९ तुलना । ७० मापयति । ७१ निर्माता । ७२ स्रष्टा[1] । ७३ रत्नं । ७४ रत्नमयः । ७५ सिंहविक्रमः । ७६ शुचिः । ७७ अनन्तापर्यन्तः । ७८ अन्यतमान्यतमः । ७९ समादानं । ८० नोपगच्छति । ८१ सहगतं । ८२ प्रतिपन्नः । ८३ लोकयात्रा । ८४ ज्ञातीयः । ८५ वालाग्रः[2] । ८६ वालाग्रकोटिः[2] । ८७ वालपथः[2] । ८८ स्फरणं । ८९ स्फुटं । ९० परिसमन्तः[3] । ९१ समन्ततः । ९२ प्रज्ञापनं । ९३ प्रज्ञाप्तिः । ९४ भूयस्या मात्रया । ९५ क्रमः । ९६ उपधिः । ९७ नियमः । ९८ नियामः । ९९ न्यामः । १०० न्यामावक्रान्तिः । १०१ प्रतिबद्धः । १०२ विबन्धः[4] । १०३ प्रतिबन्धः । १०४ प्रत्यवस्थानं । १०५ अंशः । १०६ प्रत्यंशः । १०७ भगः । १०८ निवारणं । १०९ आवरणं । ११० सेतुः । १११ कीलः । ११२ नौः[5] । ११३ नाव । ११४ गतिः[6] । ११५ अलं । ११६ निर्ज्वरः । ११७ *आरोगः । ११८ देहि । ११९ स्वापतेयं । १२० समुत्थानं । १२१ *पलिगोधः[7] । १२२ आचार्यमुष्टिः । १२३ धर्मान्तरायः । १२४ विच्छन्दयति । १२५ विचन्तुष्करणाय । १२६ प्रेषिता । १२७ प्रकीर्णाः । १२८ विप्रकीर्णाः । १२९ परिज्ञयः । १३० अभिमुखं । १३१ अववादः । १३२ संसर्गः । १३३ दाहो विगच्छति । १३४ भस्मितं कुर्यात् । १३५ राज्यं । १३६ राज्यैश्वर्याधिपत्यं कारयति । १३७ साम्राज्यं । १३८ सार्वभौमः[8] । १३९ चातुरन्तं विजितवां । १४० *अध्यावस्यति । १४१ परमार्थसत्यं । १४२ संवृतिसत्यं । १४३ व्यवहारः । १४४ सांकेतिकः । १४५ माहात्म्यं । १४६ पूर्विकाः । १४७ मध्यपदलोपं कृत्वा । १४८ एकत्र समेत्य संभूय । १४९ एकीभूत्वा । १५० तज्जातीयः । १५१ तद्विधेयत्वात्[9] । १५२ अन्वर्थः[10] । १५३ युगं । १५४ युगपत् । १५५ लोकसंज्ञा । १५६ आशुतरवृत्तिः[11] । १५७ इतरेतरान्तर्भावः । १५८ *कादाचित्क-

1) P. *b*) поправка: स्रष्टः вм. श्रेष्टः D. U. S. स्त्रिष्टः — 2) D. U. S. व° — 3) D. U. M. T. S. परिसामन्तः — P. पारिस° — 4) P. *b*). — D. U. P. *a*) नि°; на верху: वंवन्धः — 5) P. *a*) कौः — 6) P. *a*) एतिः — 7) L. °गोधः — 8) D. U. — P. सर्वभोमः — 9) P. *a*) तद्विख°; *b*) तद्धियत्वात् D. U. तद्विधयत्वार — M. T. तद्विधेयत्वः — 10) P. *a*) अन्ध° — 11) P. *a*) आश्र° —

त्वात्[1]) । १५९ प्रतिपाद्य । १६० संप्रवार्य[2]) । १६१ यथायोगं । १६२ अघः । १६३ अवधारणं । १६४ निर्धारणं । १६५ अविनिर्भागवर्त्ति । १६६ संकाशः[3]) । १६७ आनुलोमिकी क्षान्तिः । १६८ पृष्ठलब्धः । १६९ अवगाह्य[4]) । १७० दुष्प्रसहः । १७१ दुरासदः । १७२ इष्टः । १७३ अनिष्टः । १७४ आकारः । १७५ प्रकारः । १७६ नैकशः । १७७ भागिनो भवन्ति । १७८ कथं नीयते । १७९ अभिसंबुध्यते[5]) । १८० अभिष्यन्दितः । १८१ विसदृशपाको विपाकः । १८२ उदारविपाकः । १८३ अद्राक्षीत् । १८४ प्रेक्षते स्म । १८५ परिहारः । १८६ विसर्जयति । १८७ विसर्जनं । १८८ विसर्जितः । १८९ प्रतिविधानं । १९० वासना । १९१ परिवासितः । १९२ निर्गतः । १९३ सौरत्यं[6]) । १९४ नाबाधयति स्म । १९५ संचार्य । १९६ संचारयति स्म । १९७ निर्विकारः । १९८ उपगूढः । १९९ प्रतिवेदयम् । २०० शल्योद्धरणं । २०१ प्रमथनं । २०२ प्रतिहन्ति । २०३ प्रतिवहनं । २०४ निर्घातितः । २०५ कुगणप्रतापनः । २०६ ज्योतिर्गणः । २०७ चित्तमालिप्तं । २०८ आगमयम् । २०९ आगमयमानस्तिष्ठति । २१० प्रतीक्षमानस्तिष्ठति । २११ उपजगाम । २१२ अभिमुखमुपगतं । २१३ प्रतीक्षते । २१४ उपविवेश । २१५ प्रतिष्ठन् । २१६ समनुज्ञा । २१७ आश्लेषः । २१८ अग्निखदा[7]) । २१९ वेषः । २२० श्यामीकरणं । २२१ श्यामीकृतं । २२२ भवकान्तारः । २२३ भवचारकः । २२४ संसरित्वा । २२५ अघट्टिता । २२६ प्राकृता । २२७ धिक् । २२८ संख्यां गच्छति । २२९ आलोकितः । २३० विलोकितः । २३१ उल्लोकितः । २३२ उत्तरोत्तरं । २३३ अभीक्ष्णं । २३४ निरुद्धं । २३५ अपस्वापनं । २३६ स्वप्नान्तरगतं । २३७ उत्तिष्ठः[8]) । २३८ उत्तिष्ठति । २३९ उत्थास्यति । २४० उत्थितः । २४१ उत्थाय । २४२ एत यूयं । २४३ गच्छ । २४४ आगच्छ । २४५ आनीयतां । २४६ किलासः । २४७ तन्द्री । २४८ प्रस्थानं । २४९ उदीर्णः । २५० अनाभासः । २५१ निराभासः । २५२ अनिमिषः । २५३ उद्दिशति स्म । २५४ न च परिप्रापयति । २५५ अपूर्वाचरमः । २५६ असंमूढः । २५७ अत्वरः । २५८ संभ्रमः । २५९

---

1) Такъ P. — D. U. M. T. कदा° — 2) P. b) поправка: °भर्य. D. U. °धार्य M. T. S. L. °धार्यम — 3) D. U. — L. सङ्कशः; P. b) поправка: संगाशः вм. संकर्शः — 4) P. a) °ह्यं — 5) D. U. P. a) °सम्बब्यते b) °समव्यते M. T. °सम्बध्यते — 6) D. U. — P. सो° — 7) P. आग्नि°. D. U. अग्निखदी. M. T. L. °दा. S. °दां — 8) Такъ P. —

ऋषभनयन। २६० यथार्तुकं। २६१ आहरणं। २६२ सहसा। २६३ अकस्मात्। २६४ विकृतः। २६५ विसंस्थितः। २६६ बीभत्सः। २६७ लेपः। २६८ निरुपलेपः। २६९ एकतः पिण्डीकृत्य। २७० संक्षिप्य[1] पिण्डयित्वा। २७१ द्वयोश्चित्तयोः समवधानं नास्ति। २७२ निर्विशेषः। २७३ व्यसनं। २७४ दुष्करकारकः। २७५ दुष्करचर्या। २७६ कियच्चिरचरितं। २७७ न चिरायितकायः। २७८ अगारमध्यवासः। २७९ नामोपदेशेन। २८० नामधेयमनुवितर्कितं। २८१ इममर्थवशं[2] संपश्यमानः। २८२ अकिञ्चित्समर्थः। २८३ प्रज्ञापारमिताप्रतिवर्णकः। २८४ श्रमणप्रतिरूपकः। २८५ मार्गप्रतिरूपकः। २८६ रोमहर्षः। २८७ निरवयवः। २८८ चित्तान्तरं। २८९ अदेशस्थः। २९० अप्रदेशस्थः[3]। २९१ अपटुप्रचारः। २९२ कारणान्नोतः। २९३ निरन्तरं। २९४ कारित्रं। २९५ अविनाभावः। २९६ पुष्कलं। २९७ बिम्बं। २९८ शकलिकः। २९९ परोत्तशकलिकाग्निः। ३०० उत्प्लुत्य। ३०१ संज्ञागतः। ३०२ नाम्नायते। ३०३ आलिङ्गितः। ३०४ अवलम्बनं। ३०५ उत्कुटुकासनं। ३०६ मेध्यः। ३०७ पतति। ३०८ विशति। ३०९ मूढः। ३१० परिभावितः। ३११ तरुणान्नपाः। ३१२ त्रिकाण्डकः। ३१३ साहचर्यं। ३१४ आभिप्रायिकः। ३१५ आविलं। ३१६ शाब्दिकः। ३१७ भिन्नक्रमः। ३१८ कृतावधिः। ३१९ प्रपतितः। ३२० माभिष्ट। ३२१ अविकलः। ३२२ पारंपर्येण। ३२३ दमथः। ३२४ पर्यापन्नः। ३२५ पलमेकं। ३२६ अर्धपलं। ३२७ संक्लिष्यमाणः। ३२८ पादोनक्रोशः। ३२९ एकत्यः। ३३० सप्ताङ्गसुप्रतिष्ठितः। ३३१ अन्तर्मुखप्रवृत्तं। ३३२ प्रसारितं। ३३३ संकुञ्चनं[4]। ३३४ धातुशतं। ३३५ इदं तवेदं ममेति। ३३६ भो। ३३७ हे। ३३८ रे। ३३९ अरे। ३४० नमस्[5]। ३४१ मा[6] भूय एवं करिष्यथ। ३४२ एकध्यमभिसंक्षिप्य। ३४३ आकर्षयति। ३४४ पराकर्षयति। ३४५ सुतुष्टः। ३४६ अवेत्तवान्। ३४७ सहभव्यता[7]। ३४८ सामिषा। ३४९ निरामिषः। ३५० आमिषा। ३५१ उपयाति[8]। ३५२ नैष्क्रम्याश्रितः। ३५३ तीरं स्यन्दते। ३५४ उत्सङ्गः। ३५५ संग्रामः। ३५६ विग्राहः। ३५७

---

1) P. *a*) अक्तिभ्यः; *b*) поправка: संक्तिभ्यः; *a*) पिण्डपित्वा; *b*) पेण्डपित्वा — 2) P. на верху: इममर्त्त° — 3) P. *a*) अप्रदेस्थः; *b*) अप्रदेणस्थः — 4) D. U. M. T. — P. °कुञ्ज° — 5) P. приписка. — 6) P. *a*) या — 7) P. поправка вм. *a*) и *b*) महाभव्यतः — 8) P. *a*) L. °यात्ति —

परिषण्डः । ३५८ मर्कटजालं [1]) । ३५९ *रुचकः [2]) । ३६० उच्छुष्यते । ३६१ *अवदीर्यन्त । ३६२ संनिधिकारः । ३६३ कर्षः । ३६४ द्रोणः । ३६५ निक्षिप्ते पादेऽवनमति । ३६६ उत्क्षिप्ते पादे उन्नमति । ३६७ इष्टकः । ३६८ मन्दमन्त्र [3]) एवाभूत् । ३६९ परमः । ३७० गुरुकः । ३७१ *अत्यर्वत्यं [4]) । ३७२ भृशं । ३७३ बाढं [5]) । ३७४ द्युतिः । ३७५ धारि । ३७६ परिमर्दनसंवाहनं । ३७७ स्नापनं । ३७८ *उत्सदनं । ३७९ पदं । ३८० संवाहनं । ३८१ निरामगन्धः [6]) । ३८२ संमार्जनं । ३८३ प्रत्युद्गमनं । ३८४ प्रत्युद्गम्य द्विजः । ३८५ वर्गः । ३८६ गुह्यं । ३८७ रहस्यं । ३८८ समयोऽस्य निवेशनधर्मं [7]) कर्तुं [8]) । ३८९ वत्सलः । ३९० प्रतिरूपः । ३९१ गृहाङ्गणं । ३९२ वडवामुखः । ३९३ कुलशुल्कं [9]) । ३९४ रश्मिप्रग्रहः । ३९५ अवमूर्धकः । ३९६ पातकी । ३९७ वृषली । ३९८ लिपिफलकः । ३९९ निमित्तं । ४०० तपस्वी । ४०१ दुःसमतिक्रमः । ४०२ बडिशः । ४०३ उद्विग्नमानसः । ४०४ संवेगः । ४०५ निर्वित् । ४०६ उद्वेगः । ४०७ परिखेदः । ४०८ न *परितस्यति । ४०९ क्षेपणः । ४१० *प्रस्कन्धः । ४११ संस्तुतः । ४१२ लुब्धः । ४१३ लुडितः । ४१४ ऋतुपरिवर्तः । ४१५ *न विष्ठिरति [10]) । ४१६ अवरमात्रकप्रसादः । ४१७ *अवेत्यप्रसादः । ४१८ अभेद्यप्रसादः । ४१९ सीमाबन्धः । ४२० मनोनुकूलं । ४२१ मनआपः [11]) । ४२२ कल्याणमित्रारागण [12]) । ४२३ दक्षिणीयः । ४२४ मिथ्यात्वनियतः । ४२५ संप्रहर्षणं । ४२६ संतोषयति । ४२७ समादापयति । ४२८ समुत्तेजनं । ४२९ संचोदनं । ४३० रोमकूपः । ४३१ मञ्जरी । ४३२ विचितः । ४३३ निश्चितः । ४३४ प्रसारितः । ४३५ विघुष्टः । ४३६ विख्यातः । ४३७ समुदागमः । ४३८ समुदागतः । ४३९ लोकविभवः । ४४० लोकसंभवः । ४४१ हव्यं । ४४२ कव्यं । ४४३ *संकुटृका [13]) । ४४४ क्षिप्रतरं । ४४५ वेगः । ४४६ तरसा [14]) । ४४७ आशु । ४४८ शीघ्रं । ४४९ जव [15]) । ४५० आक्षेपः । ४५१ आवेधः । ४५२ प्रसभः । ४५३ *आम्नात [16]) । ४५४ गोष्ठी । ४५५ परिचयः । ४५६ ग्रन्थः । ४५७ ललामः [17]) । ४५८ आक्षि-

---

1) P. *a*) и *b*) °ज्ञालं — 2) D. U. — P. *a*) — P. *b*) अोचकः — 3) D. U. — P. *a*) и *b*) सन्द° — 4) P. *a*) अर्थत्यं — 5) Такъ S. — 6) P. *a*) निरासम° — 7) D. U. S. परिवे° — 8) D. U. — P. °र्तुः — 9) P. *a*) и *b*) °अल्कं — 10) P. *b*) поправка: °हति D. U. विप्रष्टि भवति S. °ष्टीभवति M. T. L. विष्ठिरणाति — 11) P. *a*) °आर्यः — 12) Такъ P. *a*) и *b*) — 13) P. *a*) संक° — D. U. संकुरक — 14) P. *a*) तरासा; *b*) तराम — 15) P. *a*) еще: भव — 16) P. *a*) आसन्नता — 17) P. *a*) ललोम; L. ललीमः —

समानग्रामभावः। ४५९ आणिप्रत्याणीनिर्ह्रारयोगेन। ४६० शूरः। ४६१ परिस्फुटाः। ४६२ आवर्तनं। ४६३ परिवर्तनं। ४६४ विचरणं। ४६५ भूम्याक्रमणं। ४६६ भूमेर्भूम्यन्तरसंक्रमणं। ४६७ वासं कल्पयति। ४६८ असंभिन्नः। ४६९ संभिन्नः। ४७० तलं। ४७१ समाधिमण्डलं। ४७२ करतलं। ४७३ वृन्ततलं। ४७४ क्रमतलं। ४७५ भूमितलं। ४७६ आकाशतलं। ४७७ समन्ततलं। ४७८ उत्सर्गः। ४७९ अपवादः[1]। ४८० समुदायार्थः। ४८१ चातुष्कोटिकः। ४८२ प्रश्ननिर्णयः। ४८३ निवृताव्याकृताः। ४८४ अनिवृताव्याकृताः। ४८५ अभिसमयान्तिकः। ४८६ किं नानाकरणं। ४८७ असंप्रज्ञानं। ४८८ निरास्वादः। ४८९ कामावचरः। ४९० रूपावचरः। ४९१ ओमित्याह। ४९२ दीपः। ४९३ उल्का। ४९४ उल्कामुखं। ४९५ प्रदीपः। ४९६ समुदितः। ४९७ श्लेषोक्तिः। ४९८ प्रवृद्धः। ४९९ अभिसंभोत्स्यते। ५०० बोधिमभिसंबुद्धः। ५०१ अभिसंबुध्यति। ५०२ बुद्धत्वमवाप्नोति। ५०३ विद्योतितः। ५०४ परिज्ञा[2]। ५०५ संभवति। ५०६ असंभवः। ५०७ आक्रमणं। ५०८ आक्रमयति। ५०९ अवक्रमति। ५१० आयतः। ५११ प्रभावना। ५१२ व्यवस्थानं। ५१३ वीप्सा[3]। ५१४ क्षणिकः। ५१५ आलम्बते। ५१६ अव्यालम्बते[4]। ५१७ अभिप्रलम्बते। ५१८ कृत्रिमं। ५१९ सुप्तः। ५२० प्ररोदनं। ५२१ अधरः। ५२२ शय्या। ५२३ आसन्दी। ५२४ अपाश्रयः। ५२५ खट्वाङ्गः। ५२६ मुद्गरः[5]। ५२७ प्रतोदः[6]। ५२८ प्रत्यग्रः[7]। ५२९ पूतिबीजं। ५३० आगन्तुकः। ५३१ लुञ्चते। ५३२ कृशः। ५३३ समवधानं। ५३४ विश्वकर्मा। ५३५ अन्वाहिण्डयित्वा[8]। ५३६ अकर्मारकृत्। ५३७ पाटनं। ५३८ कुट्टयति[9]। ५३९ विततवल्लिका। ५४० *प्रतिकुब्जितः[10]। ५४१ अभिरूढः। ५४२ परिष्यन्दः। ५४३ प्रमादस्थानं। ५४४ क्षिप्तचित्ता। ५४५ उन्मुखजातः। ५४६ उन्मादः। ५४७ विह्वलीभूतः। ५४८ संकरः। ५४९ धर्मव्यसनसंवर्तनीयः। ५५० विषमापरिहारः। ५५१ अवमाननं। ५५२ अतिमाननं[11]। ५५३ जिज्ञासा। ५५४ विडम्बना। ५५५ व्याडः। ५५६

---

1) P. *a*) अय°; S. अव°. — 2) P. *a*) प्ररि° — 3) P. *a*) वीन्सा — 4) P. *a*) अव्या° — 5) P. *b*) поправка: °लः — 6) D. U. प्रदोद् — P. *a*) प्रतोरः *b*) °डः — 7) P. *a*) प्रत्यर्प — 8) P. *a*) अन्धादिण्डपित्वा; *b*) °पित्वा. — D. U. अवन्वाहिण्डयत्व; S. अत्वण्वा° — 9) P. *a*) कुत्त° — 10) P. *a*) и *b*) °वुज्जि°; на верху: °ब्जि° — D. U. °कुब्जिरः — 11) P. (на верху) L. वि° —

अविद्याण्डकोषपटलं । ५५७ दुःखां तीव्रां खरां कटुकां । ५५८ नदति[1] । ५५९ मीढः[2] । ५६० *प्रग्घरति । ५६१ कियन्तः । ५६२ लूनः । ५६३ स्थाणुः । ५६४ जम्बूसाह्वयः[3] । ५६५ उद्दापादः[4] । ५६६ धर्मालोकमुखं[5] । ५६७ ब्रह्मपथकोविदः । ५६८ लक्ष्यं । ५६९ लक्षणं । ५७० कारणे कार्योपचारः । ५७१ कार्ये कारणोपचारः । ५७२ उपपत्तिप्रातिलम्भिकः । ५७३ धर्मताप्रतिलम्भः । ५७४ धर्मताप्रतिलब्धः । ५७५ धर्मताप्रतिलाभिकं । ५७६ विधानं । ५७७ *साखिल्यं । ५७८ प्रत्ययितः । ५७९ अप्रव्याहारः । ५८० स्थलं । ५८१ धन्वनि[6] । ५८२ रणशोण्डः । ५८३ दिनकरः । ५८४ अध्यालम्बनं । ५८५ *साक्षिव्यपदिष्टा । ५८६ *साक्षि पृष्टमानं[7] । ५८७ अजिनं । ५८८ अनाश्वस्तां सत्त्वानाश्वासयेम[8] । ५८९ पृथिव्यामपतनाय । ५९० आगाढीकरिष्यति । ५९१ नवयानसंप्रस्थितः । ५९२ स्तूपः । ५९३ चैत्यं । ५९४ चैत्याङ्गणः । ५९५ वसु । ५९६ चरमभविकः । ५९७ निकायसभागस्यावेधः । ५९८ उपवासः । ५९९ आहारे प्रतिकूलसंज्ञा । ६०० सर्वलोकेऽनभिरतिसंज्ञा । ६०१ शिक्षापदं । ६०२ शीलं । ६०३ संवरः । ६०४ धूतगुणाः । ६०५ संलेखः । ६०६ संयमः । ६०७ अयस्प्रपाटीका[9] । ६०८ श्यामिका । ६०९ युक्तैः[10] पदव्यञ्जनैः । ६१० सहितैः । ६११ आनुलोमिकैः[11] । ६१२ आनुच्छविकैः[11] । ६१३ औपयिकैः[12] । ६१४ प्रतिरूपैः । ६१५ प्रदक्षिणैः । ६१६ निपकस्याङ्गसंभारैः । ६१७ नातिजल्पेत् । ६१८ नातिसरेत् । ६१९ एवमार्याणां मन्त्रणा । ६२० लभ्या मिथ्यादृष्टिः प्रहातुं । ६२१ मा पुद्गलः पुद्गलं प्रमिणोतु । ६२२ पुद्गले वा मा प्रमाणमुद्गृह्णातु । ६२३ क्षणुते । ६२४ परामृष्टः । ६२५ अपरामृष्टः । ६२६ अभ्यवहारः । ६२७ कवलः । ६२८ अताप्सीच्चक्षुः समुद्रं । ६२९ सोर्मिकं । ६३० सावर्तं । ६३१ सग्राहं । ६३२ समयापाचन्या ग्रहण्या समन्वागतः । ६३३ अशितपीतखादितास्वादितानि सम्यक्सुखेन परिपाकं गच्छन्ति । ६३४ नाधिवासयति । ६३५ व्यक्तीभवति । ६३६ अव्यक्तीकृतः । ६३७ न व्यक्तीकरोति । ६३८ न देशयति । ६३९ काय-

---

1) D. U. — P. L. ना° — 2) P. приписка: विटः — 3) P. *a*) °त्कप — D. U. जाम्बु° — 4) P. *a*) उद्दामादः D. U. S. ओदायादः — 5) D. U. — P. धार्मा° — 6) D. U. M. T. — P. *b*) поправка: धन्वानि, *a*) धन्धनि — 7) P. *a*) повторяется 586, *b*) पृष्टास्मान्; L पृष्ट° — D. U. S. प्रिष्ठमनं — 8) P. *a*) °सत्वां ना° — 9) P. *a*) и *b*) °प्रप्रा°: наверху: कृपा D. U. S. अयप्रपटिक — 10) P. *a*) मुक्तैः; *b*) युक्तैः. На верху: क्तै — 11) Такъ L. — 12) D. U. उप°. P. ओप° —

स्य भेदात्। ६४० वन्ध्यः [1]। ६४१ इषिका मापिता भवन्ति। ६४२ सुनिखाता। ६४३ आरात्। ६४४ दवीयां। ६४५ सुखस्याधारः। ६४६ अत्ययः। ६४७ स्वबाहुबलोपार्जितं। ६४८ स्वेदमलावलिप्तः। ६४९ धृतिः। ६५० भट्टारकः। ६५१ धर्मपट्टावबद्धः। ६५३ समुत्कर्षिकः [2]। ६५४ कामधेनुः। ६५५ रुचिरः। ६५६ बङ्ककरः। ६५७ कल्पता। ६५८ यष्टिः। ६५९ यूपः। ६६० उपादानहेतुः। ६६१ प्रधानहेतुः। ६६२ सहकारिप्रत्ययः। ६६३ *अपत्रालः [3]। ६६४ दौष्प्रज्ञाः। ६६५ दौःशील्यं। ६६६ *मुमुत्तिका। ६६७ सारूप्यं। ६६८ अन्यत्र। ६६९ चारित्रं। ६७० आचरः। ६७१ सपत्नीः [4]। ६७२ चित्तचरितं। ६७३ तृप्तः। ६७४ चिरतृषार्तः। ६७५ पराक्रमः। ६७६ मन्यना। ६७७ शल्यं। ६७८ पठन्ति। ६७९ विधुरः [5]। ६८० मुख्यः। ६८१ गौणः। ६८२ औपचारिकः। ६८३ औपचायिकः। ६८४ परिभाषा। ६८५ प्रतिकृतिः। ६८६ पुत्तलिः। ६८७ वल्मीकः। ६८८ समावर्तनं। ६८९ धर्मशास्त्रं। ६९० अप्येकत्यः। ६९१ आविद्धः। ६९२ आलिप्तः। ६९३ बालजातीयः। ६९४ मन्युः। ६९५ गन्धयुक्तिः। ६९६ कृषिकर्मान्तः। ६९७ सूचीकर्म। ६९८ मृतगृहं। ६९९ कटसी। ७०० गर्तः। ७०१ छिद्रं। ७०२ हरितशाद्वलं [6]। ७०३ पुलिनं। ७०४ उच्छिष्टः। ७०५ स्थावरः। ७०६ जङ्गमः। ७०७ यथाक्रमं। ७०८ मधूच्छिष्टं। ७०९ सिक्थकं [7]। ७१० अध्याशयः। ७११ आशयः। ७१२ आशा। ७१३ आशयतः। ७१४ अभिप्रेतं [8]। ७१५ आर्षभं [9] स्थानं प्रतिजानीते। ७१६ मङ्कुभूतः [10]। ७१७ स्रस्तस्कन्धः। ७१८ निष्प्रतिभानं। ७१९ अधोमुखः। ७२० प्रध्यानपरः [11]। ७२१ पाण्डुकम्बलशिलातलं। ७२२ आख्यानं। ७२३ पुराणं। ७२४ इतिहासः। ७२५ हास्यं। ७२६ लास्यं। ७२७ विकत्थनं [12]। ७२८ वार्णवाशी [13]। ७२९ मण्डनं। ७३० लाडितं। ७३१ उपोषधं। ७३२ निकूजयति। ७३३ धातुपतितः। ७३४ *सुपरिभुर्जिता [14]। ७३५ उद्धृतं। ७३६ परिहाणिः। ७३७ संवृतं। ७३८ बीजं वापयति। ७३९ विषं। ७४० हालाहलं। ७४१ प्रत्यायनार्थः [15]। ७४२ गणनासमतिक्रान्तः [16]। ७४३ समुद्र-

---

1) P. *a*) वध्यः; L. वल्यः — 2) P. *b*) °द्गर्षिकः — 3) D. U. S. अवत्तय — 4) P. °त्नीः; L. °त्नी D. U. सवन्नी — 5) P. *a*) विपुरः — 6) P. *a*) हरितमशाद्वलं; *b*) L. °शाद्धलं; на верху °ह्व° — 7) P. *a*) °कार्यम् *b*) सिकथकाम्; S. सिक्तकं — 8) P. *a*) अति° — 9) P. *a*) и *b*) आर्थभं — 10) P. S. L. मङ्गु° — 11) D. U. S. °धर — 12) P. °कन्थ°; L. °कन्था°. D. U. °कट्ठ°; S. °कठ° — 13) D. रणावासी U. °पासी — 14) M. T. °भूर्जि°. — P. *a*) °भुजिता — 15) P. на верху: °वरार्थः — 16) P. на верху: हनो° —

तीरीयकानां। ७४४ उपलं। ७४५ अल्पमात्राभिर्धाराभिः [1]। ७४६ पृथग्जनः। ७४७ गर्भाव-क्रान्तिः। ७४८ सुखसंस्पर्शः। ७४९ नानाव्याधिपरिगतः। ७५० नाकछोलो [2] भवति। ७५१ दण्डः। ७५२ मक्षिकानीहारः। ७५३ जलं [3] विगाह्य। ७५४ क्वथितं [4]। ७५५ क्वाथयि-त्वा। ७५६ अतिविस्मयः [5]। ७५७ अद्भुतं। ७५८ आश्चर्यं। ७५९ व्यपकृष्टः। ७६० अनवकृष्टः। ७६१ कल्यमेव [6]। ७६२ अरणिः। ७६३ मथनं। ७६४ आत्मोपक्रमः [7]। ७६५ *प्रस्कन्धः [8]। ७६६ सुखल्लिका। ७६७ उद्योजितः। ७६८ कटाक्षः। ७६९ निकृन्तन्ति [9]। ७७० भैरवं। ७७१ भोगः। ७७२ फणा। ७७३ कोटरा। ७७४ यवसः। ७७५ पथ्योदनं। ७७६ निर्भार्त्सितं [10]। ७७७ विजृम्भणः [11]। ७७८ काण्डेन [12] मन्दों [13] विलिखति। ७७९ दुर्दिनं। ७८० पण्यं। ७८१ दोहनं। ७८२ विहायसा। ७८३ अर्वाक्। ७८४ आविलं। ७८५ आधिपतेयः [14]। ७८६ सभ्यः। ७८७ असभ्यः। ७८८ समासतः। ७८९ संक्षेपतः। ७९० पर्यनुयोगः। ७९१ कार्यं। ७९२ कारणं। ७९३ हेयोपादेयं। ७९४ उन्मेषः। ७९५ निमेषः। ७९६ कितवः [15]। ७९७ कैतवं। ७९८ करणीयं। ७९९ अकरणीयं। ८०० वर्धते। ८०१ वैमात्रं। ८०२ नि-स्तारः [16]। ८०३ दुरभिसंभवः [17]। ८०४ समुदानयनं। ८०५ अर्जनं। ८०६ धुरः। ८०७ अनिकेतः। ८०८ उपरोधवासः। ८०९ *आब्रीढशल्यं [18]। ८१० संधुक्षणं। ८११ इञ्जितं। ८१२ स्यन्दितं। ८१३ समुच्छ्रयः। ८१४ समुच्छ्रितः। ८१५ निक्षेपः। ८१६ लुप्तः। ८१७ प्राप्तः। ८१८ वेदमध्यापयति [19]। ८१९ संनिश्रितं। ८२० प्रह्लादः [20]। ८२१ बला-धानं। ८२२ आकाङ्क्षमाणं। ८२३ उच्चलितः [21]। ८२४ व्ययः। ८२५ विनिबद्धः। ८२६ विठपनप्रत्युपस्थानलक्षणं। ८२७ स्नानं। ८२८ शीर्णं। ८२९ अव्यवकीर्णः। ८३० सा-वद्यं। ८३१ अनवद्यं। ८३२ निर्गतः। ८३३ प्रभ्रष्टः। ८३४ प्रध्यापन्नः। ८३५ दक्षो माया-

---

1) P. *a*) °पारभि; *b*) °धारभि — 2) D. U. — P. *a*) и *b*) L. °लक्षो — 3) D. U. — P. ज्ञा° — 4) P. на верху: क° — 5) P. *b*), L. अभि° — 6) P. *a*) °सेव — 7) P. *a*) आ-सपक्रम् — 8) P. на верху: स्कन्नः D. U. S. प्रस्कन्द — 9) P. *a*) и *b*) °कृत° на верху: क्त. D. U. निकित्तति — 10) P. *a*) निर्भासितं — 11) P. *a*) विजुंरुणः, *b*) विजुं°, надъ строкой जां. D. U. विजिम्भ° — 12) P. *a*) и *b*) कण्डेन; на верху काण्ट — 13) P. на верху: न्धि — 14) D. U. अधि° — 15) D. U. — P. के° — 16) D. U. — P. L. नि-स्तरः — 17) P. *b*). D. U. — P. *a*) दुरति° — 18) L. आवृट° — 19) Всѣ рук. वेदना° — 20) P. *a*) प्रह्लादयः на верху: °ह्ला° — 21) L. P. (на верху): चक्र —

कारो मायाकारान्तेवासो वा। ८३६ प्रवर्तकं। ८३७ अनुवर्तकं। ८३८ संरोधः। ८३९ विकत्थितं[1])। ८४० लिङ्गं। ८४१ प्रतिक्षेपणासावद्यः। ८४२ निराकरणं। ८४३ कारित्रं। ८४४ चेष्टितं। ८४५ दुर्घेयं। ८४६ भावनाक्षेयं। ८४७ अस्यां। ८४८ आस्यं। ८४९ पटुः। ८५० प्राप्त्यनुषङ्गः। ८५१ पुण्याभिष्यन्दः[2])। ८५२ आज्ञाचित्तेन। ८५३ सर्वचेतसा समन्वाहृत्य[3])। ८५४ पतिव्रता। ८५५ सततसमितं। ८५६ क्लेशबहुलः। ८५७ तीव्ररागः। ८५८ तीव्रद्वेषः। ८५९ तीव्रमोहः। ८६० दीनः। ८६१ हीनः। ८६२ लीनः। ८६३ विषादः। ८६४ अवसादमापद्यते। ८६५ विषण्णमानसः। ८६६ चित्तं नावलीयते न संलीयते। ८६७ न विपिष्ठीभवति[4]) अस्य मानसं। ८६८ एषणा। ८६९ पर्येषणा। ८७० अन्वेषणा। ८७१ समन्वेषणा। ८७२ मृगयते। ८७३ प्रत्यनुभवति। ८७४ वेदयते। ८७५ संवेदयति। ८७६ प्रतिसंवेदयति। ८७७ नित्यः[5])। ८७८ ध्रुवः। ८७९ शाश्वतः। ८८० अविपरिणामधर्मा। ८८१ कूटस्थः। ८८२ अवकल्पना। ८८३ संभावना। ८८४ चेतसः प्रसादः। ८८५ अच्छः। ८८६ विप्रसन्नः। ८८७ स्वच्छः। ८८८ प्रसन्नः। ८८९ अनाविलः। ८९० अनारताः। ८९१ अविरताः। ८९२ अप्रतिविरताः। ८९३ अनुपरताः। ८९४ कुत्तं। ८९५ प्रत्यायः। ८९६ आकरः। ८९७ निधानं। ८९८ घनं। ८९९ द्रव्यं। ९०० धार्मिकीक्षितमनुप्रदास्याम। ९०१ निघः। ९०२ आदीनवः। ९०३ किल्बिषं। ९०४ अपराधः। ९०५ बालोह्लापनं[6])। ९०६ मृषा। ९०७ मोषधर्मिणः। ९०८ विपरिणतं। ९०९ रिक्तः। ९१० तुच्छः। ९११ वशिकः। ९१२ असारः। ९१३ निरीहः। ९१४ निश्चेष्टः[7])। ९१५ वङ्कः। ९१६ वक्रः[8])। ९१७ जिह्मः। ९१८ कुटिलः। ९१९ *चाक्रिका[9])। ९२० कुसृतिः। ९२१ जिघांसितः[10])। ९२२ पिपासितः। ९२३ कुप्रावरणः। ९२४ कुचेलः। ९२५ कृपणः[11])। ९२६ वनीपकः। ९२७ आर्तः। ९२८ धनिकभयभीतयः। ९२९ क्लमथः। ९३० क्लमः। ९३१ गर्वितः। ९३२ स्तम्भः[12])। ९३३ विस्पर्धा[13])। ९३४ विक्रीडमानः। ९३५ सलीलं। ९३६

1) P. надъ строкой вм. नि°; L. S. °न्थि° — 2) D. U. — P. °वि° — 3) Такъ S. L. — 4) D. U. विप्रिष्ठी. P. L. °पृष्ठी° — 5) P. *a*) и *b*) °त्यं — 6) P. बह्लाह्ला°. — D. U. S. L. बाह्लोपनं M. T. बालोह्लोपनं — 7) Поправка на верху. P. *a*) и *b*) निसृष्टः — 8) Поправка; P. *a*) वक्त — 9) D. U. — L. P. (на верху): क्कि; P. *a*) वक्तका *b*) °क्त° — 10) Такъ на верху. P. *a*) तिघङ्कितः; *b*) L. जिघङ्कितः. D. U. S. जिघात्सि° — 11) P. *a*) कुपणः — 12) P. *a*) स्तच्चः, *b*) स्तब्ध. Въ текстѣ поправка на верху. — 13) P. *a*) °र्धः —

दर्पितः । ९३७ मत्तः । ९३८ अलंक्रीडः । ९३९ *रिरंसः[1]) । ९४० क्रीडति । ९४१ रमति । ९४२ परिचारयति । ९४३ कन्डुः । ९४४ प्रह्लेलिका । ९४५ गहनं । ९४६ घनं । ९४७ अनुपहतं । ९४८ अलतं । ९४९ अतृप्तं । ९५० उद्दुरः । ९५१ सत्पुरुषः । ९५२ पुरुषवृषभः । ९५३ पुरुषपुंगवः । ९५४ महापुरुषः । ९५५ सार्थवाहः । ९५६ न कुण्डो भवति । ९५७ न लङ्गो भवति । ९५८ न पलहतो भवति । ९५९ न विकलेन्द्रियो भवति । ९६० भोगः । ९६१ उपभोगः । ९६२ परिभोगः । ९६३ आढ्यः । ९६४ महाधनः । ९६५ प्रभूतधनः । ९६६ पञ्चभिः कामगुणैः समर्पितः[2]) समन्वङ्गीभूतः । ९६७ सर्वसुखसमर्पितः । ९६८ समर्पितः । ९६९ युक्तः । ९७० समन्वागतः । ९७१ उपेतः । ९७२ दुःखस्यान्तकरः । ९७३ पर्यवरोधः । ९७४ ईर्यापथः । ९७५ गोचरः । ९७६ मारचमूः । ९७७ कृष्णबन्धुः । ९७८ अनुपरिपालयति । ९७९ सास्रवज्ञानं । ९८० अनास्रवज्ञानं । ९८१ विपत्तिः । ९८२ प्रदलितः । ९८३ विकिरणं । ९८४ विगतः । ९८५ विध्वंसनधर्मा । ९८६ भेदनं । ९८७ मारुतः । ९८८ तिथिः । ९८९ हुताशनः[3]) । ९९० हुतभुक् । ९९१ आकाशं । ९९२ गगनं । ९९३ खं । ९९४ अनलः । ९९५ भूतधात्री । ९९६ अनिलः । ९९७ सुज्ञातः । ९९८ सुपरिज्ञातः । ९९९ अनुज्ञातः । १००० प्रसूतः । १००१ आनुषङ्गिकः । १००२ सुसंस्थितः । १००३ हेतुकः । १००४ प्रयोगिकः । १००५ सूरसनिरोध । १००६ न निवर्तयति । १००७ निर्हारः[4]) । १००८ अभिनिर्वर्तकः । १००९ अवरोपितकुशलमूलः । १०१० प्रतिपत्तिसंपत् । १०११ कटसी वर्धिता । १०१२ संज्ञननं । १०१३ *समुदानयं[5]) । १०१४ भावी । १०१५ परिकल्पसमुत्थितः[6]) । १०१६ वर्तते । १०१७ आसदनं । १०१८ आसाद्य । १०१९ प्राप्तः । १०२० अर्पणा । १०२१ व्यर्पणा[7]) । १०२२ प्रभावयति । १०२३ समुदाचारः । १०२४ प्रतिपादयति । १०२५ प्रतिलब्धः । १०२६ उपनामयति । १०२७ वृद्धिं विरूढिविपुलतामापद्यते । १०२८ आचयः । १०२९ उपचयः । १०३० आचितः । १०३१ पूर्णत्वं । १०३२ अनुशेरते । १०३३ उत्कर्षः । १०३४ उपबृंहयति । १०३५ विवर्धनं । १०३६ संचितं । १०३७ वृद्धिप्रसर्पणं । १०३८ विसर्पणं । १०३९ उपचिततरं । १०४० चयः । १०४१ अपचयः । १०४२ निरूपणा । १०४३ निर्विकल्पं । १०४४ अविकल्पं । १०४५

---

1) S. रिरङ्गा; L. रिरंपा — 2) P. *a*) समंषितः. — 3) Такъ L. Ост. рук. °नं — 4) P. *a*) निह्वारः; L. निधारः — 5) D. U. S. °नायं — P. L. °ननाय M. T. °मायः — 6) P. *a*) °समुस्थितः — 7) S. तर्पणा —

सविकल्पं। १०४६ योनिश उपपरीक्षितव्यं। १०४७ प्ररूपणा। १०४८ उपपरीक्षणं। १०४९ अभिनिरूपणा। १०५० व्यवचारयितव्यः। १०५१ उपनिध्यातव्यः। १०५२ *निध्यप्तिः। १०५३ प्रत्यवेक्षयितव्यं। १०५४ निध्यायति। १०५५ अनुगन्तव्यं। १०५६ आज्ञापयेत्। १०५७ संज्ञापयेत्। १०५८ निध्यापयेत्। १०५९ *ऊहाना। १०६० ऊहापोहसमर्थः। १०६१ उपलक्षणं। १०६२ प्रेक्षते। १०६३ नितीरणं। १०६४ विचारणं। १०६५ *समोदहनः 1)। १०६६ *अन्वोदहनं 2)। १०६७ पञ्चस्कन्धकप्रकरणं। १०६८ आभिसंक्षेपिकं 3)। १०६९ आभ्यवकाशिकं। १०७० समादानिकं। १०७१ परिकल्पितं। १०७२ वैभूतिकं 4)। १०७३ सांव्यवहारिकं। १०७४ शास्त्रीयः। १०७५ सार्द्धं। १०७६ साध्यं। १०७७ अनुभूतिः। १०७८ अनुभवति। १०७९ विधानं। १०८० आद्रियते। १०८१ खरः। १०८२ क्रूरः। १०८३ खलः। १०८४ परुषं। १०८५ रूक्षं। १०८६ व्यापृतः। १०८७ व्युत्पन्नं। १०८८ व्युत्पत्तिः। १०८९ प्रकृतिः। १०९० स्वभावः। १०९१ स्वरूपं। १०९२ अनुविधानं। १०९३ पुरःसरः। १०९४ *विनस्वरं। १०९५ स्वतन्त्रः। १०९६ अनुस्यूतिः 5)। १०९७ अस्मिं सतीदं भवति। १०९८ अस्योत्पादादिदमुत्पद्यते। १०९९ जयकरः। ११०० मधुकरः। ११०१ सर्वार्थसाधकः। ११०२ परिगणः। ११०३ अध्यासितः। ११०४ आचामः। ११०५ मण्डः। ११०६ निशादाशिला। ११०७ निशादापुत्रः। ११०८ शिलापुत्रः। ११०९ घरट्टः। १११० आतानं। ११११ वितानं। १११२ नालिः। १११३ वेम। १११४ तुरिः। १११५ स्याद्वादः 6)। १११६ समारूढं। १११७ अकुथितं। १११८ आकस्मिकं। १११९ रणः। ११२० अकृताभ्यागमः। ११२१ कृतविप्रणाशः। ११२२ अनन्तरजन्म। ११२३ कृष्णशुक्लं। ११२४ गुरुतरं भवति। ११२५ वमनः। ११२६ आवेधः। ११२७ परज्ञाप्तिसंचेतनीयता। ११२८ परसंज्ञाप्तिसंचेतनीयता। ११२९ फलविपाकसंमोहः। ११३० तत्त्वार्थसंमोहः। ११३१ *व्यासेकः। ११३२ विधिः। ११३३ दैवं। ११३४ विमलना 7)। ११३५ व्यवकिरणा 8)। ११३६ स्पर्शरूपणा। ११३७ कृत्याधिपत्तिः। ११३८ देशनिरूपणा 9)। ११३९ चक्षुःसंस्पर्शजा वेदना सुखापि दुःखाप्यदुः-

---

1) P. *a)* समोप° — D. U. S. समोदाह्वानं — 2) P. *a)* अन्वेदनंह — D. U. S. अन्धे° — 3) Такъ L. Ост. рук. अभि° — 4) M. T. L. P. *a)* भैतुविकं *b)* वैभु° D. U. S. विभुविकं — 5) P. *a)* и *b)* °स्पू° — На верху: स्यु — 6) D. U. — P. *a)* ष्पाद्वारः, *b)* स्याद्वारः; на верху: र्दा — M. T. स्यार्द्वाड — 7) P. *a)* °नना. *b)* S. L. विमाल° — 8) Такъ L.; D. U. S. व्यवकीर्णः — 9) P. *a)* °निरापणारूपणं —

खासुखापि। ११४० श्रोत्रघ्राणजिह्वाकायमनःसंस्पर्शजा वेदना सुखापि दुःखाप्यदुःखासुखापि। ११४१ सुखापि कायिकी दुःखाप्यदुःखासुखापि कायिकी। ११४२ सुखापि चैतसिकी दुःखाप्यदुःखासुखापि चैतसिकी। ११४३ सुखापि सामिषा दुःखाप्यदुःखासुखापि सामिषा। ११४४ सुखापि ग्रेधाश्रिता दुःखाप्यदुःखासुखापि ग्रेधाश्रिता। ११४५ सुखापि नैष्क्रम्याश्रिता दुःखाप्यदुःखासुखापि नैष्क्रम्याश्रिता। ११४६ वाक्यशेषः। ११४७ वीप्सा। ११४८ उपनिबन्धनं। ११४९ विवक्षा। ११५० *वल्गना[1]। ११५१ अवस्फोटनं। ११५२ जूपणात्[2]। ११५३ जूप्यते। ११५४ चित्रीकारः। ११५५ विज्ञाननालक्षणं[3]। ११५६ संज्ञाननालक्षणं[3]। ११५७ धर्मायतनिकं। ११५८ वर्णनिभं। ११५९ विभाषा[4]। ११६० उपदेशः। ११६१ आम्नायः। ११६२ सिद्धोपनीतः। ११६३ पारिणामिकः[5]। ११६४ सांयोगिकः। ११६५ *ग्लथक्लथः। ११६६ ऊर्जा। ११६७ श्रमः। ११६८ विश्रामः। ११६९ मूर्च्छा। ११७० तृप्तिः। ११७१ बलं। ११७२ दौर्बल्यं। ११७३ आवस्थिकः। ११७४ उचितं। ११७५ अनुचितं। ११७६ प्रयुक्तः। ११७७ आत्यन्तिकः[6]। ११७८ ऐकान्तिकः। ११७९ अवस्था। ११८० वादः। ११८१ वादाधिकरणं। ११८२ वादाधिष्ठानं। ११८३ वादालंकारः। ११८४ वादनिग्रहः। ११८५ वादनिःसरणं। ११८६ वादे बहुकराः धर्माः। ११८७ प्रवादः। ११८८ विवादः। ११८९ अपवादः। ११९० अनुवादः। ११९१ अववादः। ११९२ व्यपकर्षितं। ११९३ आज्ञामारागयति। ११९४ समवसर्गः। ११९५ प्रातिक्षेपिकं। ११९६ *विहान्या। ११९७ संकलनप्रहाणं। ११९८ प्रामाणिका सहायकाः। ११९९ वादविधिज्ञानभवितव्यं। १२०० आत्मकामः। १२०१ नो[7] तु विगृह्य वादः। १२०२ राजकुलं। १२०३ युक्तकुलं। १२०४ सभा। १२०५ दृष्टान्तेन अदृष्टस्यान्तसमीकरणसमाख्यानं। १२०६ एकावचारकः। १२०७ पूर्वपादकः। १२०८ पश्चात्पादकः। १२०९ उत्कारिकः। १२१० कापदेशः। १२११ यापदेशः। १२१२ सुसत्प्रकाशाभ्यान्तो[8] ऽर्थः। १२१३ मुष्टियोगः। १२१४ *दिष्ठो। १२१५ हेतुः। १२१६ कारणं। १२१७ निमित्तं। १२१८ कंसवधः। १२१९ रत्नाहरणं। १२२० सीताहरणं। १२२१ जनपदकल्याणं। १२२२ रुक्मिणीहरणं। १२२३ *उप-

---

1) L. वल्गीना — 2) P. a) °णय — 3) P. на верху: °ज्ञा° вм. °जा° — 4) P. a विषाभागता — 5) Такъ S. L. — 6) M. T. P. b) — a) आव्य°; S. अप्य° — 7) P. a) मा — 8) P. на верху вм. सु°; такъ L. —

घनोपरागः। १२२४ अधिकारः। १२२५ *प्रत्यासत्तिः [1])। १२२६ निष्फलं [2])। १२२७ अपगतफल्गुः। १२२८ *किट्टाः। १२२९ *कषट्टाः। १२३० प्रगम्यते [3])। १२३१ व्यतिरेचयत। १२३२ क्षेपः। १२३३ व्याकृतं। १२३४ *व्यवसीयन्ते। १२३५ वेद्यं। १२३६ वेदकं। १२३७ वित्तिः। १२३८ अभिद्रुग्धं। १२३९ अपलापं। १२४० अप्रतिवाणि। १२४१ काञ्चनगर्भा मृत्तिका। १२४२ असंमतं [4])। १२४३ आनयति। १२४४ अभिज्ञाज्ञानं। १२४५ प्रतिभु। १२४६ श्लाघमानेन। १२४७ जीर्णवृद्धो। १२४८ मह्रछ्लाः। १२४९ अध्वगतः। १२५० वयोऽनुप्राप्तः। १२५१ लोभयत् [5])। १२५२ उभयतो लोहितकृतोपधानं। १२५३ आस्फालनं। १२५४ सौर्योदयिका [6])। १२५५ प्रत्यनुपुक्तः। १२५६ अनुपुक्तः। १२५७ प्रतिनिसर्गः। १२५८ व्यन्तीभावः। १२५९ व्युपशमः। १२६० बाह्लीकः [7])। १२६१ प्रणीतधातुकं। १२६२ मध्यधातुकं। १२६३ हीनधातुकं। १२६४ मूलग्रन्थ। १२६५ कथावस्तु। १२६६ संकलनं। १२६७ संकथ्यविनिश्चयः। १२६८ उपोद्घलं [8])। १२६९ स्थितिः। १२७० मरणभवः। १२७१ अन्तराभवः। १२७२ उपपत्तिभवः। १२७३ पूर्वकालभवः। १२७४ *उत्सूढिः। १२७५ एडमूकः। १२७६ *हस्तसंवाचकः [9])। १२७७ *डुतरामा [10])। १२७८ रसिकः। १२७९ पदस्थानः। १२८० अवदीर्णाः। १२८१ अभिधेयः। १२८२ *पुटर्थाथः [11])। १२८३ परतो घोषान्वयः [12])। १२८४ *उत्यवः [13])। १२८५ वयस्यः। १२८६ प्रतिसंधिबन्ध। १२८७ *अनुप [14])। १२८८

॥ २४६ ॥

शतं। १ सहस्रं। २ कोटिः। ३ अयुतं। ४ नियुतं। ५ बिम्बरं। ६ कंकरं [15])। ७ अगारं। ८ प्रवरः। ९ मवरः [16])। १० अवरः। ११ तवरः। १२ सीमा। १३ डूमं [17])। १४ नेमं। १५ अवगं। १६ मीवगं। १७ विरगं। १८ विगवं। १९ संक्रमः। २० विसरः। २१ विजम्भः। २२ विजागः। २३ विसोतः। २४ विवाहः। २५ विभक्तिः। २६ विख्यातः। २७ तुलनं। २८

---

1) P. на верху *a*) и *b*) °त्तिः D. U. S. °धि — 2) S. P. *b*) поправка: निष्पुलं; L. निष्पु — 3) P. *b*) поправка: प्रपद्यते; на верху: प्रत्यते — 4) P. *a*) असानः; *b*) असांसनं на верху °म्न — 5) P. *a*) लाभायम *b*) लोभायत् — D. U. S. °भयं — 6) P. *a*) и *b*) सोयो° — 7) S. बह्लीकः; въ S. и L. здѣсь оканчивается глава. — 8) P. *a*). — *b*) °ह्व° — 9) P. *a*) °सत्वचकः — *b*) поправка: °सम्वास्वच° — 10) P. *a*) डुरामे — 11) P. *a*) प्रटथः — 12) P. *b*) घोषान्भयोः — 13) P. *b*) उत्य (वः зачеркнуто, прибавлено: लव) — 14) P. *a*) अतुत्रप — 15) L. P. (на верху): ककरः; S. अंकारं — 16) S. सवरं — 17) P. *a*) हमं —

BIBLIOTHECA BUDDHICA.

СОБРАНІЕ БУДДІЙСКИХЪ ТЕКСТОВЪ,

ИЗДАВАЕМЫХЪ ИМПЕРАТОРСКОЙ АКАДЕМІЕЮ НАУКЪ

ПОДЪ РЕДАКЦІЕЮ АКАДЕМИКА С. Ѳ. ОЛЬДЕНБУРГА.

Изданы: Publiés:

I. Çikṣāsamuccaya. Ed. C. Bendall. I—IV Fsc.
II. Rāṣṭrapālaparipṛcchā. Publ. par L. Finot. I Fsc.
III. Avadānaçataka. Ed. J. S. Speyer. Vol. I (I—IV Fsc.). Vol. II (Fsc. I—IV).
IV. Madhyamakavṛtti. Publ. par L. de la Vallée Poussin. Fsc. I—V.
V. Сборникъ 300 Бурхановъ. Изд. С. Ѳ. Ольденбургъ. Ч. I.
VI. А. Грюнведель. Описаніе буддійскаго собранія кн. Э. Э. Ухтомскаго. I—II Fsc.
VIII. Nyāyabindu и Nyāyabinduṭīkā (тибетскій переводъ). Изд. Ѳ. И. Щербатской. Fsc. I—II.
IX. Madhyamakāvatāra par Candrakīrti (traduction tibétaine). Publ. par L. de la Vallée Poussin. Fsc. I—III.
X. Saddharmapuṇḍarīka. Ed. by Prof. H. Kern and Prof. Bunyiu Nanjio. Fsc. I—III.
XI. Nyāyabinduṭīkāṭippaṇī (толкованіе на сочиненіе Дармоттары Nyāyabinduṭīkā). Санскритскій текстъ съ примѣчаніями издалъ Ѳ. И. Щербатской. 1 Fsc.
XII. Tišastvustik, ein in türkischer Sprache bearbeitetes Buddhistisches Sūtra. I. Transscription und Übersetzung von W. Radloff. II. Bemerkungen zu den Brāhmīglossen des Tišastvustik-Manuscripts (Mus. As. Kr. VII) von Baron A. von Staël-Holstein.
XIII. Mahāvyutpatti. Издалъ И. П. Минаевъ. Второе изданіе, съ указателемъ. Приготовилъ къ печати Н. Д. Мироновъ. Fsc. I.

Печатаются: Sous presse:

IV. Madhyamakavṛtti. Publ. par L. de la Vallée Poussin. Fsc. VI.
VII. Nyāyabindu и Nyāyabinduṭīkā (санскритскій текстъ). Изд. Ѳ. И. Щербатской. Fsc. I.
VIII. Nyāyabindu и Nyāyabinduṭīkā (тибетскій переводъ). Изд. Ѳ. И. Щербатской. Fsc. III.
IX. Madhyamakāvatāra (traduction tibétaine). Publ. par L. de la Vallée Poussin. Fsc. IV.
X. Saddharmapuṇḍarīka. Ed. by Prof. H. Kern and Prof. Bunyiu Nanjio. Fsc. IV.
XIII. Mahāvyutpatti издалъ И. П. Минаевъ. Второе изданіе, съ указателемъ. Приготовилъ къ печати Н. Д. Мироновъ. Fsc. II.
Kuan-ši-im Pusar. Eine türkische Übersetzung des XXV Kapitels der chinesischen Ausgabe des Saddharmapuṇḍarīka. Herausgegeben und übersetzt von W. Radloff.
Abhisamayālaṃkāraprajñāpāramitopadeçaçāstra (санскритскій и тибетскій тексты). Изд. Ѳ. И. Щербатской. Fsc. I.

Приготовляются къ печати: En préparation:

Karuṇāpuṇḍarīka. Ed. by C. M. Ridding.
Pañcaviṃçatisāhasrikāprājñāpāramitāsūtra. Изд. Ѳ. И. Щербатской и Б. Б. Барадинъ.
Amarakoça (тибетскій переводъ). Изд. Ѳ. И. Щербатской и Н. Д. Мироновъ.
Kālacakratantra. Ed. Prof. A. Grünwedel.
Sādhanamālā. Изд. С. Ѳ. Ольденбургъ.
Saddharmalaṅkāvatāra. Изд. Ѳ. И. Щербатской.
Pañcarakṣā. Изд. С. Ѳ. Ольденбургъ.
Çālistambasūtra (санскритскій и тибетскій тексты). Изд. L. de la Vallée Poussin.

घरणं । २९ विपथः । ३० विपर्यः । ३१ समर्य । ३२ वितुर्णं । ३३ हेवरः । ३४ विचारः । ३५ विचस्तः । ३६ अत्युद्गतः । ३७ विशिष्टः । ३८ नेवलः । ३९ हरिवः । ४० विक्षोभः । ४१ हलिभुः । ४२ हरिस । ४३ हेलुगः । ४४ द्रबुद्धः[1] । ४५ ह्रुणः । ४६ मलुदः । ४७ क्षमुदः । ४८ एह्लदः[2] । ४९ मलुमः । ५० सदमः । ५१ विमुदः । ५२ वैमात्रः[3] । ५३ प्रमात्रः । ५४ सुमात्रः । ५५ अमात्रः । ५६ गमात्रः । ५७ नमात्रः । ५८ हेमात्रः । ५९ घेमात्रः । ६० परमात्रः । ६१ शिवमात्रः । ६२ एलः । ६३ वेलः । ६४ तेलः । ६५ गेलः । ६६ स्वोलः । ६७ नेलः । ६८ केलः । ६९ सेलः । ७० फेलः[4] । ७१ मेलः । ७२ सरतः[5] । ७३ मेलुदः[6] । ७४ खेलुदः । ७५ मातुलः । ७६ समुलः । ७७ अयवः । ७८ कमलं । ७९ मगधः[7] । ८० अतरः । ८१ हेलुपः । ८२ वेलुवः । ८३ कलापः । ८४ हवचः[8] । ८५ विवरः । ८६ नवरः । ८७ मलरः । ८८ सवरः । ८९ मेह्रुटुः । ९० चमरः । ९१ घमरः । ९२ प्रमादः । ९३ विगमः । ९४ उपवर्तः । ९५ निर्देशः । ९६ अक्षयः[9] । ९७ संभूतः[10] । ९८ अममः । ९९ अवान्तः । १०० उत्पलः । १०१ पद्मः । १०२ संख्या । १०३ गतिः । १०४ उपगमः । १०५ असंख्येयं । १०६ असंख्येयपरिवर्तः । १०७ अपरिमाणः । १०८ अपरिमाणपरिवर्तः । १०९ अपर्यन्तः । ११० अपर्यन्तपरिवर्तः । १११ असमन्तः । ११२ असमन्तपरिवर्तः । ११३ अगणेयं । ११४ अगणेयपरिवर्तः । ११५ अतुल्यं । ११६ अतुल्यपरिवर्तः । ११७ अचित्यं । ११८ अचित्यपरिवर्तः । ११९ अमेयं । १२० अमेयपरिवर्तः । १२१ अनभिलाप्यं । १२२ अनभिलाप्यपरिवर्तः । १२३ अनभिलाप्यानभिलाप्यपरिवर्तनिर्देशः । १२४

॥ २४७ ॥

एकं । १ दश । २ शतं । ३ सहस्रं । ४ कोटिः । ५ अयुतं । ६ नियुतं । ७ बिम्बरः । ८ कंकारः । ९ आगारः । १० प्रवरं । ११ सवरं[11] । १२ अवरं । १३ तवरं । १४ सीमं । १५ पोमं । १६ नेमं । १७ अरावं[13] । १८ मृगवं । १९ विनागं । २० विगवं । २१ संक्रमं । २२ विसरं । २३ विभजं । २४ विजघं । २५ विसोदं । २६ विवाहं[13] । २७ विभक्तं । २८ विखतं[14] । २९ तुलनं । ३०

---

1) P. на верху: बुद — 2) S. L. P. *b*) एलदः — 3) P. *a*) चै° — 4) P. *a*) हेलः — 5) S. °डः; L. P. (на верху) °व — 6) P. *a*) मेलुहः — 7) P. *b*) S. L. °वः — 8) L. P. (на верху) °व — 9) P. *a*) पक्षयः, надъ строкой: क्ष; S. अक्षय — 10) P. на верху: °म्भा° — 11) L. स°; S. सद° — 12) L. अगवं; S. अरवं — 13) P. *a*) विवदं; L. विभक्त — 14) P. *a*) विख्यतं —

वरणं । ३१ विवरं । ३२ अवनं । ३३ थवनं । ३४ विवर्यं । ३५ समर्यं । ३६ वितुर्णं । ३७ क्केवरं । ३८ विचारं । ३९ व्यत्यस्तं । ४० अत्युद्गतं[1] । ४१ विशिष्टं । ४२ निवलं । ४३ क्हरिभं । ४४ विलोभं । ४५ क्लिभं । ४६ क्हरिः । ४७ अलोकः । ४८ दृष्टान्तः । ४९ क्हतुनं । ५० एलं । ५१ डुमेलं । ५२ क्षेपु । ५३ एलदं । ५४ मालुदं । ५५ समता । ५६ विमदं । ५७ प्रमात्रं । ५८ अमन्त्रं । ५९ भ्रमन्त्रं । ६० गमन्त्रं । ६१ नमन्त्रं । ६२ नह्निमन्त्रं । ६३ विमन्त्रं । ६४ परमन्त्रं । ६५ शिमन्त्रं । ६६ एलुः । ६७ वेलुः । ६८ गेलुः । ६९ श्वेलुः । ७० नेलुः । ७१ भेलुः । ७२ केलुः । ७३ सेलुः । ७४ पेलुः । ७५ मेलुः । ७६ सरलं । ७७ मेरुडुः । ७८ खेलुडुः । ७९ मालुडुः । ८० सम्बलं । ८१ अपवः । ८२ कमलं । ८३ मगवं । ८४ अतरुः । ८५ क्हेलुवुः । ८६ कषवं । ८७ क्ववः । ८८ क्वलं । ८९ विवरं । ९० बिम्बं । ९१ मिरफः[2] । ९२ चरणं । ९३ चरमं । ९४ धवरं । ९५ धमनं । ९६ प्रमादः । ९७ निगमं । ९८ उपवर्तं । ९९ निर्देशः । १०० अक्षयं । १०१ संभूतं । १०२ अममं । १०३ अवदं[3] । १०४ उत्पलं । १०५ पद्मं । १०६ संख्यं । १०७ उपगमं । १०८ गतिः । १०९ उपम्य । ११० असंख्येयं । १११ असंख्येयपरिवर्तः । ११२ अप्रमाणं । ११३ अप्रमाणपरिवर्तः । ११४ अपरिमाणं । ११५ अपरिमाणपरिवर्तः । ११६ अपर्यन्तः । ११७ अपर्यन्तपरिवर्तः । ११८ असमन्तः । ११९ असमन्तपरिवर्तः । १२० अगणेयं । १२१ अगणेयपरिवर्तः । १२२ अतुल्यं । १२३ अतुल्यपरिवर्तः । १२४ अचिन्त्यं । १२५ अचिन्त्यपरिवर्तः । १२६ अमाप्यं । १२७ अमाप्यपरिवर्तः । १२८ अनभिलाप्य । १२९ अनभिलाप्यपरिवर्तः । १३० अनभिलाप्यानभिलाप्यं । १३१ अनभिलाप्यानभिलाप्यपरिवर्तः । १३२

॥ २४८ ॥

शतं कोटीनामयुतं नामोच्यते । १ शतमयुतानां नयुतं नामोच्यते । २ शतं नयुतानां कंकरं नामोच्यते । ३ शतं कंकराणां बिम्बरं नामोच्यते । ४ शतं बिम्बराणामक्षोभ्यं नामोच्यते । ५ शतमक्षोभ्याणां विवाह्नो नामोच्यते । ६ शतं विवाह्नानामुच्छङ्गं नामोच्यते । ७ शतमुच्छङ्गानां बकुलं[4] नामोच्यते । ८ शतं बकुलानां नागबलं नामोच्यते । ९ शतं ना-

---

1) P. a) अत्युन्नतं — 2) S. L. P. (на верху) °व — 3) P. a) अवंदं; S. उवदं — 4) P. a) बकालं —

गबलानां टिटिलं नामोच्यते। १० शतं टिटिलानां व्यवस्थानप्रज्ञाप्तिर्नामोच्यते। ११ शतं व्यवस्थानप्रज्ञाप्तीनां हेतुहिलं नामोच्यते। १२ शतं हेतुहिलानां करफुर्नामोच्यते। १३ शतं करफूणां हेविन्द्रियं नामोच्यते[1])। १४ शतं हेविन्द्रियाणां समाप्तलम्भो नामोच्यते। १५ शतं समाप्तलम्भानां गणनागतिर्नामोच्यते। १६ शतं गणनागतीनां नीवरणं नामोच्यते। १७ शतं नीवरणानां मुद्राबलं नामोच्यते। १८ शतं मुद्राबलानां सर्वबलं नामोच्यते। १९ शतं सर्वबलानां विसंज्ञावतिर्नामोच्यते। २० शतं विसंज्ञावतीनां सर्वसंज्ञा नामोच्यते। २१ शतं सर्वसंज्ञानां विभूतिगमं नामोच्यते। २२ शतं विभूतिगमानां तल्लक्षणं नामोच्यते। २३ इति हि तल्लक्षणगणनया सुमेरूपर्वतराजो लक्षनिक्षेपक्रियया परिक्षयं गच्छेत्। २४ अतो ऽप्युत्तरिध्वजाग्रमणिर्नाम गणना। २५ ध्वजाग्रनिशामणी नाम गणना। २६ वाहनप्रज्ञाप्तिः। २७ इङ्गा। २८ कुरुटा। २९ कुरुटाविता। ३० सर्वनिक्षेपता। ३१ अग्रसारा। ३२ ततो-ऽप्युत्तरिपरमाणुरजःप्रवेशो नाम गणना[2])। ३३

॥ २४९ ॥

एकं। १ दश। २ शतं। ३ महस्रं। ४ प्रभेदः[3])। ५ लक्षं। ६ अतिलक्षः। ७ कोटिः। ८ मध्यः। ९ अयुतः। १० महायुतः। ११ नयुतः। १२ महानयुतः। १३ प्रयुतः। १४ महाप्रयुतः। १५ कंकरः। १६ महाकंकरः। १७ बिम्बरः। १८ महाबिम्बरः। १९ अक्षोभ्यः। २० महाक्षोभ्यः। २१ विवाहः। २२ महाविवाहः। २३ उत्सङ्गः। २४ महोत्सङ्गः। २५ वाहनः। २६ महावाहनः। २७ तिटिभः। २८ महातिटिभः। २९ हेतुः। ३० महाहेतुः। ३१ करभः। ३२ महाकरभः। ३३ इन्द्रः। ३४ महेन्द्रः। ३५ समाप्तः। ३६ महासमाप्तः। ३७ गतिः। ३८ महागतिः। ३९ निम्बरजः। ४० महानिम्बरजः। ४१ मुद्रा। ४२ महामुद्रा। ४३ बलं। ४४ महाबलं। ४५ संज्ञा। ४६ महासंज्ञा। ४७ विभूतः। ४८ महाविभूतः[4])। ४९ बलाक्षं। ५० महाबलाक्षं। ५१ असंख्यं। ५२ अप्रमाणं। ५३ अप्रमेयं। ५४ अपरिमितं। ५५ अपरिमाणं। ५६ अतुल्यं। ५७ अमाप्यं। ५८ अचिन्त्यं। ५९ अनभिलाप्यं[5])। ६०

---

1) D. U. — P. a) и b) °क्षी° — 2) P. a) и b) еще: महानयुतः въ b) зачеркнуто — 3) P. a) प्रसदः — 4) S. °विकृतः — 5) S. нѣтъ —

॥ २५० ॥

एकं । १ दश । २ शतं । ३ सहस्रं । ४ अयुतं । ५ लक्षं । ६ नियुतं । ७ कोटी । ८ अर्बुदं । ९ न्यर्बुदं । १० पद्मं । ११ खर्वं । १२ निखर्वं । १३ महापद्मं । १४ शङ्कु । १५ समुद्रं । १६ मध्यं[1]) । १७ *अन्तः । १८ परार्धः । १९ एक । २० द्वि[2]) । २१ त्रीणि । २२ चत्वारि । २३ पञ्च । २४ षट् । २५ सप्त । २६ अष्टौ । २७ नव । २८ दश । २९ एकादश । ३० द्वादश । ३१ त्रयोदश । ३२ चतुर्दश । ३३ पञ्चदश । ३४ षोडश । ३५ सप्तदश । ३६ अष्टादश । ३७ एकोनविंशति । ३८ विंशति । ३९ एकविंशति । ४० द्वाविंशति । ४१ त्रयोविंशति । ४२ चतुर्विंशति । ४३ पञ्चविंशति । ४४ षड्विंशति । ४५ सप्तविंशति । ४६ अष्टाविंशति । ४७ एकोनत्रिंशत् । ४८ त्रिंशत् । ४९ एकत्रिंशत् । ५० द्वात्रिंशत् । ५१ त्रयस्त्रिंशत् । ५२ चतुस्त्रिंशत् । ५३ पञ्चत्रिंशत् । ५४ षट्त्रिंशत् । ५५ सप्तत्रिंशत् । ५६ अष्टात्रिंशत् । ५७ एकोनचत्वारिंशत् । ५८ चत्वारिंशत् । ५९ एकचत्वारिंशत् । ६० द्वाचत्वारिंशत् । ६१ त्रयश्चत्वारिंशत् । ६२ चतुश्चत्वारिंशत् । ६३ पञ्चचत्वारिंशत् । ६४ षट्चत्वारिंशत् । ६५ सप्तचत्वारिंशत् । ६६ अष्टाचत्वारिंशत् । ६७ एकोनपञ्चाशत् । ६८ पञ्चाशत् । ६९ एकपञ्चाशत् । ७० द्वापञ्चाशत् । ७१ त्रिपञ्चाशत् । ७२ चतुःपञ्चाशत् । ७३ पञ्चपञ्चाशत् । ७४ षट्पञ्चाशत् । ७५ सप्तपञ्चाशत् । ७६ अष्टापञ्चाशत् । ७७ एकोनषष्टिः । ७८ षष्टिः । ७९ एकषष्टिः । ८० द्वाषष्टिः । ८१ त्रिषष्टिः । ८२ चतुःषष्टिः । ८३ पञ्चषष्टिः । ८४ षट्षष्टिः । ८५ सप्तषष्टिः । ८६ अष्टाषष्टिः । ८७ एकोनसप्ततिः । ८८ सप्ततिः । ८९ एकसप्ततिः । ९० द्वासप्ततिः । ९१ त्रिसप्ततिः । ९२ चतुःसप्ततिः । ९३ पञ्चसप्ततिः । ९४ षट्सप्ततिः । ९५ सप्तसप्ततिः । ९६ अष्टासप्ततिः । ९७ एकोनाशीतिः । ९८ अशीतिः । ९९ एकाशीतिः । १०० द्व्यशीतिः । १०१ त्र्यशीतिः । १०२ चतुरशीतिः । १०३ पञ्चाशीतिः । १०४ षडशीतिः । १०५ सप्ताशीतिः । १०६ अष्टाशीतिः । १०७ एकोननवतिः । १०८ नवतिः । १०९ एकनवतिः । ११० द्विनवतिः । १११ त्रिनवतिः । ११२ चतुर्नवतिः । ११३ पञ्चनवतिः । ११४ षण्णवतिः । ११५ सप्तनवतिः । ११६ अष्टानवतिः । ११७ एकोनशतं । ११८ शतं । ११९ अर्धं । १२० अध्यर्धं । १२१ अर्धतृतीयं । १२२ अर्धुष्ट । १२३

---

1) Такъ L. S. मध्यं — 2) P. на верху: द्वौ —

तृतीयभाग । १२४ तृतीयांश । १२५ चतुर्थभाग । १२६ चतुर्थांश । १२७ पञ्चमभाग । १२८ पञ्चमांश । १२९ प्रथमं । १३० द्वितीयं । १३१ तृतीयं । १३२ चतुर्थं । १३३ पञ्चमं । १३४ षष्ठं । १३५ सप्तमं । १३६ अष्टमं । १३७ नवमं । १३८ दशमं । १३९

॥ २५१ ॥

परमाणुः । १ अणुः । २ लोहरजः । ३ अब्रजः । ४ शशरजः । ५ अविरजः । ६ गोरजः । ७ वातायनच्छिद्ररजः । ८ लिक्षा[1] । ९ यूकः[2] । १० यवः । ११ अङ्गुलिपर्व । १२ चतुर्विंशतिगुणाः । १३ हस्तः । १४ धनुःपञ्चशतानि । १५ क्रोशः । १६ योजनं । १७

॥ २५२ ॥

प्राकृतहस्तिबलं । १ गन्धहस्तिबलं । २ महानग्नबलं । ३ वराङ्गबलं । ४ प्रस्कन्दिबलं । ५ चाणूरबलं[3] । ६ नारायणबलं । ७

॥ २५३ ॥

कालः । १ वेला । २ समयः । ३ क्षणं । ४ लवः । ५ मुहूर्तः । ६ झगिति । ७ झटिति[4] । ८ समनन्तरं । ९ अच्छटासंघातमात्रे[5] । १० रजनी[6] । ११ प्रशान्तारात्रिः । १२ पूर्वरात्रः[7] । १३ अपररात्रः । १४ प्रथमे यामे । १५ मध्यमे यामे । १६ पश्चिमे यामे । १७ प्रहरः[8] । १८ तस्या एव रात्र्या अत्ययेन । १९ चन्द्र उदागच्छत् । २० अरुणोद्गतं । २१ घटिका । २२ नाडी[9] । २३ प्रथमप्रहरः । २४ द्वितीयप्रहरः । २५ तृतीयः प्रहरः । २६ चतुर्थः प्रहरः । २७ पञ्चमप्रहरः । २८ सूर्योदयः । २९ दिवसः । ३० पूर्वाह्णः । ३१ मध्याह्णः । ३२ अपराह्णः । ३३ सायाह्नः । ३४ अहोरात्रं । ३५ वसन्तः । ३६ ग्रीष्मः । ३७ वर्षा । ३८ शरत् । ३९ हेमन्तः । ४० शिशिरः । ४१ निदाघः । ४२ ग्रीष्माणां पश्चिमे मासे । ४३ फाल्गुनः । ४४ चैत्रः । ४५ वैशाखः । ४६ ज्येष्ठः । ४७ आषाढः । ४८ श्रावणः । ४९ भाद्रपदः । ५० अश्विनिः[10] । ५१

---

1) Надъ строкой P. *a*) и *b*) लिखा — 2) P. надъ строкой вм. यु°; L. युका — 3) L. P. *a*) चणु° — 4) P. на верху: कि — 5) P. *a*) и *b*) °संगा° — 6) P. на верху: ज्ञा — 7) P. *a*) и *b*) पुर्वा. Такъ на верху. — 8) P. на верху: °हा — 9) P. *a*) नाति; L. नद्री — 10) D. U. S. °नी — P. на верху: °शीन —

कार्त्तिकः । ५२ मृगशीर्षः[1]) । ५३ पौषः । ५४ माघः । ५५ मासः । ५६ एकपक्षः । ५७ शुक्लपक्षः । ५८ कृष्णपक्षः । ५९ वर्षं । ६० संवत्सरः । ६१ संवर्तकल्पः । ६२ विवर्तकल्पः । ६३ अन्तरकल्पः । ६४ शस्त्रान्तरकल्पः । ६५ रोगान्तरकल्पः । ६६ दुर्भिक्षान्तरकल्पः । ६७ तेजःसंवर्तनी । ६८ अप्संवर्तनी । ६९ वायुसंवर्तनी । ७० उत्कर्षः । ७१ अपकर्षः । ७२ कल्पः । ७३ महाकल्पः । ७४ भद्रकल्पः । ७५ कृतयुगं । ७६ त्रेतायुगं । ७७ द्वापरयुगं । ७८ कलियुगं । ७९ अधुना । ८० सांप्रतं । ८१ इदानीं । ८२ एतर्हि । ८३ सद्यः । ८४ भूतपूर्वं । ८५ अतिक्रान्तः । ८६ अतीतः । ८७ पूर्वान्तः । ८८ पूर्वकोटिः । ८९ अपरान्तः । ९० पूर्वकालः । ९१ अभूत् । ९२ आसीत् । ९३ तेन कालेन । ९४ तेन समयेन । ९५ वर्तमानः । ९६ प्रत्युत्पन्नः । ९७ अनागतकालः । ९८ पश्चिमकालः । ९९ आगामी । १०० भविष्यत् । १०१ दीर्घरात्रं । १०२ चिरकालं । १०३ न्यद्य । १०४ *त्रिष्कालः । १०५ संध्याकालः । १०६ त्रिसंधिः । १०७ पर्व । १०८

॥ २५४ ॥

दिक् । १ पूर्वा । २ दक्षिणा । ३ पश्चिमः । ४ उत्तरः । ५ पूर्वदक्षिणा । ६ दक्षिणपश्चिमा । ७ पश्चिमोत्तरा । ८ उत्तरपूर्वा । ९ अधः । १० ऊर्ध्वं । ११ ऐशानी । १२ आग्नेयी । १३ नैऋती । १४ वायवी । १५ ऐन्द्री । १६ याम्या[2]) । १७ वारुणी । १८ कौबेरी । १९

॥ २५५ ॥

संघसंग्रहाय । १ संघसुष्ठुतायै । २ संघस्य स्पर्शविहाराय । ३ दुर्मङ्कूनां[3]) पुद्गलानां निग्रहाय । ४ लज्जिनां स्पर्शविहाराय । ५ अनभिप्रसन्नानामभिप्रसादाय । ६ अभिप्रसन्नानां भूयोभावाय । ७ दृष्टधार्मिकाणामास्रवाणां संवराय । ८ सांपरायिकाणां सेतुसमुद्घाताय । ९ ब्रह्मचर्यञ्च मे चिरस्थितिकं भविष्यति । १०

---

1) P. на верху: मा° — 2) P. *a*) и *b*) °न्या — 3) S. L. °मङ्कु° —

॥ २५६ ॥

चत्वारः पाराजिका धर्माः । १ त्रयोदश संघावशेषाः । २ *पायत्तिकाः 1) । ३ चत्वारः प्रतिदेशनीयाः । ४ संबहुलाः शैक्षधर्माः । ५

॥ २५७ ॥

अब्रह्मचर्यं । १ अदत्तादानं । २ बधः । ३ उत्तरमनुष्यधर्मप्रलापः । ४

॥ २५८ ॥

शुक्रविसृष्टिः । १ कायसंसर्गः । २ मैथुनाभाषणं । ३ परिचर्यासंवर्णनं । ४ संचरित्रं । ५ कुटिका । ६ महल्लकः । ७ अमूलकं । ८ लैशिकं । ९ संघभेदः । १० तदनुवर्तकः । ११ कुलदूषकः । १२ दौर्वचस्यं 2) । १३

॥ २५९ ॥

द्वावनियतौ । १

॥ २६० ॥

नैसर्गिकाः *पायत्तिकाः 3) । १ प्रथमं दशकं । २ धारणं । ३ विप्रवासः । ४ निक्षेपः । ५ धावनं । ६ प्रतिग्रहः । ७ याच्ञा । ८ सान्तरोत्तरं । ९ चैतनकानि । १० प्रत्येकं । ११ प्रेषणं । १२ द्वितीयं दशकं । १३ कौशेयं । १४ शुद्धकालकानां । १५ द्विभगः । १६ षड्वर्षाणि । १७ वितस्तिः । १८ अध्वोर्णाढिः 4) । १९ ऊर्णापरिकर्मणः । २० जातरूपरजतस्पर्शनं । २१ रूपिकव्यवहारः । २२ क्रयविक्रयः । २३

तृतीयं दशकं । २४ पात्रधारणं । २५ पात्रपरीष्टिः । २६ वयनं 5) । २७ उपमानवर्धनं । २८ दत्वादानं । २९ कार्त्तिकात्ययिकं 6) । ३० सप्तरात्रविप्रवासः । ३१ वर्षाशाट्यकालपरीष्टिधारणं । ३२ परिणामनं । ३३ संनिधिकारः 7) । ३४

---

1) Такъ P. *a*); *b*) поправка पायत्तिका; L. पापत्तिका — 2) D. U. — P. *a*) и *b*) °भ्यं; поправка: स्यं — 3) D. S. पादयत्तिकः; L. पापत्तिका — 4) На верху: घोर्षाटि; P. *a*) и *b*) अवोह्लोढिः S. अवौर्षाडि; L. अध्वोर्पाटि — 5) P. на верху: धा° D. U. S. वायन — 6) P. *b*) поправка: °कात्पयिकं вм. °काव्य° — 7) P. *b*) поправка: °धीककारः —

॥ २६१ ॥

शुद्धप्रायश्चित्तिकाः। १ मृषा। २ ऊनवादः। ३ भिक्षुपैशुन्यं। ४ खोटनं। ५ दुष्ठुल्लारोचनं। ६ उत्तरमनुष्यधर्मारोचनं। ७ षट्पञ्चिकया वाचा धर्मदेशनायाः। ८ समपदोद्देशदानं। ९ संस्तुतिः। १० वितण्डनं। ११

द्वितीयं दशकं। १२ बीजग्रामभूतग्रामविनाशनं। १३ अवध्यानं। १४ आज्ञाविहेठनं। १५ मञ्चः। १६ संस्तरः। १७ निष्कर्षणं। १८ अनुप्रस्कन्ध्यपातः[1])। १९ आहार्यपादकारोही[2])। २० सप्राणिकोपभोगः। २१ *द्वौ वा त्रयो वा छदनपर्यायदातव्याः। २२

तृतीयं दशकं। २३ असंमतावबादः। २४ अस्तमितावबादः। २५ आमिषकिञ्चित्कावबादः। २६ चीवरदानं। २७ चीवरकरणं। २८ भिक्षुणीसार्धेन सह गमनं। २९ सभिक्षुणीज्ञालयानोढिः। ३० रहसिनिषद्या। ३१ रहसि स्थानं। ३२ भिक्षुणीपरिपाचितपिण्डपातोपभोगः। ३३

चतुर्थं दशकं। ३४ परंपरभोजनं। ३५ एकावसथावासः। ३६ द्वित्रिपात्रपूरातिरिक्तग्रहणं। ३७ अकृतनिरिक्तखादनं। ३८ कृतनिरिक्तप्रवारणं। ३९ गणभोजनं। ४० अकालभोजनं। ४१ संनिहितवर्जनं। ४२ अप्रतिग्राहितभुक्तिः। ४३ प्रणीतविज्ञापनं। ४४ सप्राणिजलोपभोगः। ४५ सभोजनकुलनिषद्या। ४६ सभोजनकुलस्थानं। ४७ अचेलदानं। ४८ सेनादर्शनं। ४९ सेनावासः। ५० उद्यूथिकागमनं। ५१ प्रहारदानं। ५२ उद्गूरणं[3])। ५३ दुष्ठुल्लाप्रतिच्छादनं। ५४

भक्तच्छेदकारणं। ५५ अग्निवृत्तं। ५६ छन्दप्रत्युद्धारः। ५७ अनुपसंपन्नसहस्वप्नः। ५८ दृष्टिगतानुत्सर्गः। ५९ उत्क्षिप्तानुवृत्तिः। ६० नाशितसंग्रहः। ६१ अरक्तवस्त्रोपभोगः। ६२ रत्नसंस्पर्शः। ६३ स्नानप्रायश्चित्तिकं। ६४

तिर्यग्वधः। ६५ कौकृत्योपसंहारः। ६६ अङ्गुलिप्रतोदनं[4])। ६७ उदकाहर्षणं। ६८ मातृग्रामेण सह स्वप्नः। ६९ भीषणं। ७० गोपनं। ७१ अप्रत्युद्धार्यपरिभोगः। ७२ अमूलकाभ्याख्यानं। ७३ अपुरुषया[5]) स्त्रिया मार्गगमनं। ७४

---

1) D. U. °यानं; S. °ध्यपान — P. *b*) °न्धो पातः — 2) D. U. अहा° — P. *a*) и *b*) आदार्य, °हीः — 3) P. *a*) उर्गूरणं; *b*) поправка: उद्गुरणं M. T. L. उद्गु° — D. U. S. दुद्गु° — 4) L. P. *b*) (поправка) °भोदनं — 5) P. *a*) и *b*) °षाय —

स्तेयसार्थगमनं । ७५ ऊनविंशवर्षोपसंपादनं । ७६ खननं । ७७ प्रवारितार्थातिसेवा [1] । ७८ उपश्रवगतं [2] । ७९ शिक्षोपसंहारप्रतिक्षेपः । ८० तूष्णींविप्रक्रमणं । ८१ अनादरवृत्तं । ८२ सुरामैरेयमद्यपानं । ८३ अकालचर्या । ८४
कुलचर्या । ८५ राजकुलरात्रिचर्या । ८६ शिक्षापदव्यताव्यवचारः [3] । ८७ सूचिगृहकसंपादनं । ८८ पादकसंपादनं । ८९ अवनद्धः । ९० निषदनगतं । ९१ वर्षाशाटीगतं । ९२ कण्डुप्रतिच्छादनगतं । ९३ सुगतचीवरगतं । ९४

॥ २६२ ॥

प्रतिदेशनीयानि । १ भिक्षुणीपिण्डकग्रहणं । २ पङ्क्तिवैषम्यवादानिवारितभुक्तिः [4] । ३ कुलशिक्षाभङ्गप्रवृत्तिः । ४ वनविचयगतं । ५

॥ २६३ ॥

निवासनेन सप्त । १ परिमण्डलनिवासनं । २ नात्युत्कृष्टं । ३ नात्यपकृष्टं । ४ न हस्तितुण्डावलम्बितं [5] । ५ *तालवृन्दकं । ६ न कुल्माषपिण्डकं । ७ न नागशीर्षकं निवासनं निवासयिष्यामीति शिक्षा करणीया । ८ नात्युत्कृष्टं चीवरं । ९ नात्यपकृष्टं चीवरं । १० परिमण्डलचीवरसुसंवृतः । ११ सुप्रतिछन्नाः । १२ सुसंवृताः । १३ अल्पशब्दाः । १४ अनुत्क्षिप्तचक्षुषः । १५ युगमात्रदर्शिनः । १६ नोद्गुण्ठिकया । १७ नोत्कृष्टिकया । १८ नोत्सक्तिकया । १९ नोद्यस्तिकया । २० न पर्यस्तिकया । २१ नोद्धङ्किकया । २२ नोऽसङ्किकया । २३ नोछङ्गिकया । २४ नोत्कुटुकिकया । २५ न स्कम्भाकृताः । २६ न कायप्रचालकं । २७ न बाहुप्रचालकं । २८ न शीर्षप्रचालकं । २९ न सोठौकिकया । ३० न हस्तसंलग्निकया । ३१ नाननुज्ञाता । ३२ नाप्रत्यवेक्षासनं । ३३ न सर्वकायं समवधाय । ३४ न पादे पादमाधाय । ३५ न सक्थनि सक्थ्याधाय । ३६ न गुल्फे गुल्फमाधाय । ३७ न संक्षिप्य पादौ । ३८ न विक्षिप्य पादौ । ३९ न विडङ्गिकया । ४० सत्कृत्य पिण्डपातं प्रतिग्रहीष्यामः । ४१ न समतित्तिकं [6] । ४२ न समसूपिकं । ४३ सावदानं । ४४ पात्रसंज्ञिनः [7] । ४५ नानागते खादनीये

1) S. प्रभाविता° — 2) P. a) उपस्रवनातम् — 3) P. b) поправка: °ध्याव°; S. °ध्यचारः — 4) P. b) поправка: निवारित्वे — 5) D. U. — P. a) и b) °शुण्डालम्बितं; L. शुण्डा° — 6) P. b) °तिकं; D. U. °र्त्ति°. L. °त्तिकं — 7) P. b) °ज्ञोनः —

भोजनीये पात्रमुपनामयिष्यामः। ४६ नोदनेन सूपिकं प्रतिच्छादयिष्यामः सूपिकेन वा ओदनं। ४७ सत्कृत्य पिण्डपातं परिभोक्ष्यामः। ४८ नातिलुण्डकैरालोपैः[1]। ४९ नातिमहन्तं। ५० परिमण्डलमालोपं। ५१ नानागते आलोपे मुखद्वारं विवरिष्यामः। ५२ न सालोपेन मुखेन वाचं प्रव्याहरिष्यामः। ५३ न चुच्चुकारकं। ५४ न शुशुकारकं। ५५ न थुत्थुकारकं। ५६ न फुत्फुकारकं[2]। ५७ न जिह्वानिश्चारकपिण्डपातं भोक्ष्यामः। ५८ न सित्थपृथक्कारकं। ५९ नावर्णकारकं। ६० न गल्लापहारकं। ६१ न कवडच्छेदकं[3]। ६२ न जिह्वास्फोटकं। ६३ न हस्तावलेहकं। ६४ न पात्रावलेहकं। ६५ न हस्तसंधुनकं। ६६ न पात्रसंधुनकं। ६७ न स्तूपाकृतिमवमृद्य पिण्डपातं परिभोक्ष्यामः। ६८ न सामिषेण पाणिना उदकस्थालकं ग्रहीष्यामः। ६९ न सामिषेणोदकेनान्तरिकं भिक्षुं स्प्रक्ष्यामः[4]। ७० नावध्यानप्रेक्षिणान्तरिकस्य[5] भिक्षोः पात्रमवलोकयिष्यामः। ७१ न सामिषमुदकमन्तर्गृहे छोरयिष्यामस्सन्तं गृहिणामनवलोक्य। ७२ न पात्रेण विघसं छोरयिष्यामः। ७३ नानास्तीर्णपृथिवीप्रदेशे पात्रं स्थापयिष्यामः। ७४ नोत्थिताः पात्रं निर्मादयिष्यामः। ७५ न तटे न प्रपाते न प्राग्भारे पात्रं स्थापयिष्यामः। ७६ न नद्यावहार्यावहारिण्यां[6] प्रतिस्रोतपात्रेणोदकं ग्रहीष्यामः। ७७ नोत्थितो निषण्णायाग्लानाय धर्मं देशयिष्यामः। ७८ न निषण्णो निपन्नायाग्लानाय धर्मं देशयिष्यामः। ७९ न नीचतरके आसने निषण्णा[7] उच्चतरके आसने निषण्णायाग्लानाय धर्मं देशयिष्यामः। ८० न पृष्ठतो गच्छन्तः पुरतो गच्छते अग्लानाय[8] धर्मं देशयिष्यामः। ८१ नोत्पथेन गच्छन्तः पथेन गच्छत अग्लानाय धर्मं देशयिष्यामः। ८२ नोद्गुण्ठिकाकृतायाग्लानाय धर्मं देशयिष्यामः। ८३ नोत्कृष्टिकाकृतायाग्लानाय धर्मं देशयिष्यामः। ८४ नोत्सक्तिकाकृतायाग्लानाय धर्मं देशयिष्यामः। ८५ न व्यस्तिकाकृतायाग्लानाय धर्मं देशयिष्यामः। ८६ न पर्यस्तिकाकृतायाग्लानाय धर्मं देशयिष्यामः। ८७ नोष्णीषशिरसे धर्मं देशयिष्यामः। ८८ न खोलशिरसे धर्मं देशयिष्यामः। ८९ न मौलीशिरसे धर्मं देशयिष्यामः। ९० न वेष्टितशिरसे धर्मं देशयिष्यामः। ९१ न हस्त्यारूढाय धर्मं देशयि-

1) Такъ L. Поправка въ P. *b*) खुत्ता° — 2) P. на верху: बुब्बु° — 3) P. *a*) °डच्छादकं *b*) उच्छेदकं; L. °च्छद्न°. P. на верху: ड; *b*) कव — 4) P. приписка красными чернилами: स्प्रेक्षमः — D. U. s. स्प्रक्षोमः M. T. स्यक्ष्यामः; L. स्युत्क्षुमः — 5) P. *b*) °कास्फ (поправка) — 6) P. *a*) नद्यदाहा° — 7) L. °निषण्णा° — 8) P. *a*) и *b*) आग्ला° —

ष्यामः। ९२ नाश्वारूढाय धर्मं देशयिष्यामः। ९३ न शिबिकारूढाय धर्मं देशयिष्यामः। ९४ न यानारूढाय धर्मं देशयिष्यामः। ९५ न पादुकारूढाय धर्मं देशयिष्यामः। ९६ न दण्डपाणये धर्मं देशयिष्यामः। ९७ न छत्रपाणये धर्मं देशयिष्यामः। ९८ न शस्त्रपाणये धर्मं देशयिष्यामः। ९९ न खड्गपाणये धर्मं देशयिष्यामः। १०० नायुधपाणये धर्मं देशयिष्यामः। १०१ न संनद्धाय धर्मं देशयिष्यामः। १०२ नाग्लाना उत्थिता उच्चारप्रस्रावं करिष्यामः। १०३ नाग्लाना उदक उच्चारप्रस्रावं खेटं सिङ्घाणकं वान्तं विरिक्तं छोरयिष्यामः। १०४ नाग्लानाः सहरितप्रदेशे उच्चारप्रस्रावं खेटं सिङ्घाणकं वान्तं विरिक्तं छोरयिष्यामः। १०५ नासाधिकं पौरुष्यं वृक्षमधिरोहयाम[1]) अन्यत्रापद इति शिक्षा करणीया। १०६

॥ २६४ ॥

संमुखविनयः। १ स्मृतिविनयः। २ अमूढविनयः। ३ यद्भूयसिकीयः। ४ तत्स्वभवैषीयः[2])। ५ तृणास्तारकः[3])। ६ प्रतिज्ञाकारकः। ७

॥ २६५ ॥

विनयातिसारिणी। १ देशना करणीया। २ संवरकरणीया। ३ तर्जनीयं। ४ निगर्हणीयं। ५ प्रवासनीयं। ६ प्रतिसंहरणीयं। ७ उत्क्षेपणीयं। ८ नाशनीयं। ९ आपत्तिव्युत्थानं। १० परिवासः। ११ मूलपरिवासः। १२ मूलापकर्षपरिवासः। १३ मानाप्यं। १४ मूलमानाप्यं। १५ मूलापकर्षमानाप्यं। १६ चीर्णमानाप्यं। १७ आबर्हणं। १८ छन्दपरिशुद्धिः। १९

॥ २६६ ॥

मुक्तिकाज्ञाप्तिः। १ ज्ञाप्तिकर्म। २ ज्ञाप्तिद्वितीयं। ३ ज्ञाप्तिचतुर्थं। ४ कर्मवाचना। ५ प्रथमा कर्मवाचना। ६ द्वितीया कर्मवाचना। ७ तृतीया कर्मवाचना। ८ छाया। ९ पञ्च समयाः। १० चत्वारो निश्रयाः। ११ वृक्षमूलं। १२ पिण्डपातः। १३ पांसुकूलं। १४ पूतिमुक्तभैषज्यं। १५ पतनीया धर्माः। १६ श्रमणकारकाः। १७ पोषधः। १८ मङ्गलपोषधं। १९ आ-

---

1) P. *a*) °मधिरोहयान D. U. °भिरुह्य — 2) P. *a*) तत्सुभवै — 3) S. L. °प्रस्ता° —

पत्पोषधं । २० शलाका । २१ उपगतिः । २२ वर्षोपनायिका । २३ प्रवारणं । २४ प्रवारिकः । २५ प्रवारितं । २६ कठिनास्तरणं । २७ कठिनं [1] । २८ कठिनास्तारकः । २९

॥ २६७ ॥

बुद्धं शरणं गच्छामि द्विपादानामग्र्यं । १ धर्मं शरणं गच्छामि विरागाणामग्र्यं । २ संघं शरणं गच्छामि गणानामग्र्यं । ३

॥ २६८ ॥

प्राणातिपातविरतिः [2] । १ अदत्तादानविरतिः । २ अब्रह्मचर्यविरतिः । ३ मृषावादविरतिः । ४ मद्यपानविरतिः । ५ गन्धमाल्यविलेपनवर्णकधारणविरतिः । ६ उच्चशयनमहाशयनविरतिः । ७ विकालभोजनविरतिः । ८ समन्वाहर [3] आचार्य । ९ शृणोतु भदन्ता संघः । १० यावज्जीवं । ११ उद्धुम्पतु [4] मां । १२ अनुशिक्षे । १३ अनुविधीये । १४ अनुकरोमि । १५

॥ २६९ ॥

आक्रुष्टेन न प्रत्याक्रोष्टव्यं । १ रोषितेन न प्रतिरोषितव्यं [5] । २ भण्डितेन न प्रतिभण्डितव्यं । ३ ताडितेन न प्रतिताडितव्यं । ४

॥ २७० ॥

प्रव्रजितः । १ उपसंपन्नः । २ श्रमणः । ३ भिक्षुः । ४ भिक्षुणी । ५ श्रामणेरः । ६ श्रामणेरिका । ७ शिक्षमाणाः । ८ मल्लकः । ९ शिक्षादत्तकः । १० उपासकः । ११ उपासिका । १२ पोषधिकः । १३ उपाध्यायः । १४ आचार्यः । १५ कर्मकारः । १६ रहोऽनुशासकः । १७ निश्रयदायकः । १८ पाठाचार्यः । १९ स्थविरः । २० दहरः [6] । २१ नवकर्मिकः । २२ वैयावृत्यकरः । २३ शिष्यः । २४ प्रशिष्यः । २५ अन्तेवासी । २६ पश्चाच्छ्रमणः । २७ मध्यः । २८ नवकः । २९ वृद्धान्तः । ३० नवान्तः । ३१ नैवासिकः । ३२ आगन्तुकः । ३३ गमिकः । ३४ आ-

---

1) P. *a*) и *b*) कठनं — 2) L. P. на верху: °घात° — 3) P. *a*) и *b*) सन्धा°. Такъ поправка на верху. — 4) P. на верху вм.: °म्प्य° — 5) P. *a*) и *b*) нѣтъ. Повторяется 2. — 6) P. *a*) и *b*) दह्राः — D. U. ड्हर —

गमिकः। ३५ कालपात्रिकः। ३६ संज्ञाभिक्षुः। ३७ प्रतिज्ञाभिक्षुः। ३८ भिक्षुत इति भिक्षुः। ३९ भिन्नक्लेशत्वाद्भिक्षुः। ४० ज्ञप्तिचतुर्थकर्मणोपसंपन्नो भिक्षुः। ४१

॥ २७१ ॥

स्तेयसंवासिकः। १ नानासंवासिकः। २ असंवासिकः। ३ तीर्थिकावक्रान्तकः। ४ मातृघातकः। ५ पितृघातकः। ६ अर्हद्घातकः। ७ संघभेदकः। ८ तथागतस्यान्तिके दुष्टचित्तरुधिरोत्पादकः। ९ भिक्षुणीदूषकः। १० पुरुषः। ११ स्त्री। १२ पण्डकः। १३ जातिपण्डकः। १४ पक्षपण्डकः। १५ *आसक्तप्रादुर्भावी पण्डकः। १६ ईर्ष्यापण्डकः। १७ आपत्पण्डकः। १८ षण्ढः। १९ उभयव्यञ्जनकः। २० अङ्गुलीफणहस्तकः। २१ अनोष्ठकः। २२ चित्राङ्गः[1]। २३ अतिवृद्धः। २४ अतिबालकः। २५ खञ्जः। २६ खेलः। २७ काण्डरिकः। २८ काणः। २९ कुणिः। ३० कुब्जः। ३१ वामनः। ३२ गलगण्डः। ३३ मूकः। ३४ बधिरः। ३५ पीठसर्पिः। ३६ श्लीपदी[2]। ३७ स्त्रीच्छिन्नः। ३८ भारच्छिन्नः। ३९ मार्गच्छिन्नः। ४० तालमुक्तः। ४१ कन्दलीच्छिन्नः। ४२ राजभटः। ४३ चौरो ध्वजबधकः[3]। ४४ हरिद्रकेशः। ४५ हरितकेशः। ४६ अवदातकेशः। ४७ नागकेशः। ४८ हारकेशः। ४९ कपिलकेशः। ५० अकेशकः। ५१ *वत्तुशिरः। ५२ *वन्दुशिराः[4]। ५३ अतिस्थूलः। ५४ अतिह्रस्वः। ५५ अतिदीर्घः। ५६ कृशलकः। ५७ विकटकः। ५८ नीलचक्षुर्विवर्णः। ५९ पीतचक्षुर्विवर्णः। ६० लोहितचक्षुर्विवर्णः। ६१ अवदातचक्षुर्विवर्णः। ६२ विपाटकः। ६३ खरशीर्षः। ६४ सूकरशीर्षः। ६५ अश्वशीर्षः। ६६ द्विशीर्षः। ६७ अशीर्षकः। ६८ हस्तिकर्णः। ६९ अश्वकर्णः। ७० गोकर्णः[5]। ७१ मर्कटकर्णः। ७२ खरकर्णः। ७३ सूकरकर्णः। ७४ एककर्णः। ७५ अकर्णः। ७६ लोहिताक्षः। ७७ *अतिवक्राक्षः। ७८ चुल्लाक्षः। ७९ अतिपिङ्गलाक्षः। ८० काचाक्षः। ८१ स्कन्धाक्षः। ८२ बुद्बुदाक्षः। ८३ एकाक्षः। ८४ अनक्षकः। ८५ अश्वनासः। ८६ हस्तिनासः। ८७ गोणनासः[6]। ८८ मर्कटनासः। ८९ खरनासः। ९० सूकरनासः। ९१ एकनासः। ९२ अनासः। ९३ हस्तिन्नोडः। ९४ अश्वन्नोडः। ९५ गोणन्नोडः[7]। ९६ मर्कटन्नोडः। ९७ खरन्नोडः। ९८ सूकरन्नोडः। ९९ लिङ्गन्नोडः[8]। १०० एकन्नोडः। १०१ अन्नोडः। १०२ हस्ति-

---

1) P. надъ строкой, *a*) и *b*) चित्रेङ्गः — 2) P. *a*) и *b*) स्नीपदी — 3) D. U. — P. *b*) поправка: बधकः *a*) °ह्रकः — 4) S. घलु° — 5) P. *a*) и *b*) ककर्णः — 6) S. गोनासः 7) S. गोन्नोडः — 8) P. приписка —

दन्तः । १०३ गोपादन्तः । १०४ अश्वदन्तः । १०५ खरदन्तः । १०६ मर्कटदन्तः । १०७ सूकरदन्तः । १०८ एकदन्तः । १०९ अदन्तः । ११० अतिग्रीवः । १११ अग्रीवः । ११२ लाङ्गुलछिन्नः[1] । ११३ वाताण्डः । ११४ एकाण्डः । ११५ अनण्डकः । ११६ अतिकिलासी[2] । ११७ अन्धलः । ११८ जात्यन्धः । ११९ कुण्डः । १२० फक्कः । १२१ पङ्गुः । १२२ चिपिटनासः[3] । १२३ विरलदन्तः । १२४ दन्तुरः । १२५ केकरः । १२६ *टोरन्तः[4] । १२७ *पिच्चडः । १२८ वक्रनितम्बः । १२९ तुन्दिलः । १३० संकुचितः । १३१ खक्खलः[5] । १३२ जडः । १३३ *गिच्छापेटः । १३४ लम्बोदरः । १३५ पुरुषानुकृतिस्त्री । १३६ स्त्र्यनुकृतिपुरुषः । १३७ पापलक्षणः । १३८ श्वमुखः । १३९ भिन्नकल्पद्धोपान्तरज्ञः । १४० कर्णप्रावरणः । १४१ एकनखः । १४२ समुद्गकलेखः । १४३ पलन्हृतः । १४४ *लिङ्गशिरा[6] । १४५ गुल्मकेशः[7] । १४६ अन्तःकुब्जः । १४७ बाह्यकुब्जः । १४८ द्विकुब्जः । १४९ सह्निताङ्गुलिः[8] । १५० अनङ्गुलिः । १५१ षडङ्गुलिः । १५२ पद्माक्षः । १५३ नकुलाक्षः । १५४ *किम्पिलाक्षः । १५५ विपरीताक्षः[9] । १५६ मिलिताक्षः । १५७ *शिताक्षः । १५८ *अलाक्षः । १५९ *अक्षिशालाः[10] । १६० *अक्षिशल्लः । १६१ अक्षिविचर्चिकः । १६२ *अक्षिदर्दुः[11] । १६३ *राज्ञीकर्णः[12] । १६४ अण्डलाङ्गुलप्रतिच्छन्नः । १६५ मूढः । १६६ एकपादः । १६७ एकहस्तः । १६८ अहस्तः । १६९ अपादः । १७० *कष्मीलिताक्षः । १७१ संभिन्नव्यञ्जना । १७२ *सदाप्रस्रवणी[13] । १७३ अलोहिनी । १७४ नैमित्तिकी । १७५ व्यञ्जनं परिवर्तते । १७६

॥ २७२ ॥

संघाटी । १ उत्तरासङ्गः । २ अन्तर्वासः । ३ संकक्षिका । ४ प्रतिसंकक्षिका । ५ निवासनं । ६ प्रतिनिवासनं । ७ केशप्रतिग्रहणं । ८ *स्नात्रशाटकं । ९ निषदनं[14] । १० कण्डूप्रतिच्छादनं । ११ वर्षाशाटीचीवरं । १२ परिष्कारचीवरं । १३

---

1) D. U. — P. *a*) и *b*) लाङ्ग्र° — 2) D. U. °शी — P. °सीः — 3) D. U. — P. *a*) चिप्य°; *b*) चिप्यि°; надъ строкой: चिप्पित° — 4) P. *a*) и *b*) L. °न्तेः — D. U. तोरन्तः — 5) D. U. — P. *b*) поправка: *a*) खल्कलः — 6) D. U. °शिरी; L. °रः — 7) D. U. — P. *a*) и *b*) ग्रल्म° — 8) Поправка на верху: P. *a*) и *b*) ह्सिता — 9) P. *a*) и *b*) °चरी°; надъ строкой: विव° — M. T. такъ — D. U. विपरि° P. *a*) и *b*) विचरीताक्षः — 10) D. U. °शालुः — 11) D. U. अक्षिदडुः — P. रात्तिकर्णः — Такъ M. T. — 12) D. U. — P. *a*) गाडीकर्णः M. T. रडि°; L. राड्गि° — 13) Такъ L. — 14) S. प्रत्यपारणं; L. приписка प्रत्यास्तारः —

॥ २७३ ॥

पात्रं । १ कुपात्रं । २ शिक्यं । ३ पात्रपोणिकः । ४ पात्रकाटकं । ५ चकोरकं । ६ त्रपुमण्डलकं[1] । ७ खक्खरं[2] । ८ सरकं । ९ *भैषज्यसरावकं । १० कंलाचिका । ११ *पात्रवश्यापकं[3] । १२ *मुखपोञ्छनं । १३ कुण्डिका । १४ वर्धनिका[4] । १५ प्रतिग्रहः । १६ *तम्पणां । १७ मेलन्डुक । १८ पूला । १९ मण्डपूलः । २० उपानत् । २१ पादवेष्टनिका । २२ सूची । २३ सूचीगृहकं । २४ मुद्रा । २५ जिह्वानिर्लेखनिका । २६ शस्त्रकं । २७ काकचञ्चुकं । २८ कुक्कुटपत्तकं । २९ छत्त्रं । ३० सूर्यकान्तः । ३१ चन्द्रकान्तः । ३२ नमतं । ३३ कोचवकं । ३४ प्रवारकं । ३५ चिलिमिनिका । ३६ विरल्लिका । ३७ विधमनं । ३८ मशकवरणं । ३९ बिम्बोपधानं[5] । ४० तूलिका । ४१ चतुरश्रकं[6] । ४२ कायबन्धनं । ४३ पट्टिका । ४४ लोठका । ४५ *अष्टुच्चकं । ४६ *मुरुचिका । ४७ वेणिः । ४८ *लम्पकं[7] । ४९ *कुसुलकं । ५० *कायोद्धर्षणं । ५१ मशककुटी । ५२ खोल । ५३ कोलाहलस्थविकः । ५४ चीवरबृसिका । ५५ करकं । ५६ कुण्डलकं । ५७ कटाहकं । ५८ अयोद्रोणिकः । ५९ अङ्गारस्थापनशकटिका[8] । ६० पचनिका । ६१ *कफलिका । ६२ कटच्छुः । ६३ भैषज्याञ्जननालिका । ६४ शुक्तिः । ६५ कुतुपं । ६६ कच्छपुटं । ६७ लवणपातलिका । ६८ श्लेष्मकटाहकं[9] । ६९ परिस्रावणं । ७० खल्लकं । ७१ कुण्डिका । ७२ *पर्मकनकं । ७३ रवणकं । ७४ मोचनपट्टकं । ७५ दण्डपोणं । ७६ धारणपात्रं । ७७ सरकं । ७८ पानीयस्थालकं । ७९ *अनुपारपट्टकं[10] । ८० अपस्पिण्डं । ८१ *शृङ्गलिक । ८२ नेत्रिकं[11] । ८३ नस्तकरणं । ८४ कठिनं । ८५ कत्तारिकः । ८६ चर्पटकं । ८७ कुठारिका । ८८ अञ्जनशलाका । ८९ चीवरवंशः । ९० खट्वा[12] । ९१ पीठिका । ९२ प्रतिपादकं । ९३ अन्नपदकदण्डः । ९४ नागदन्तकं । ९५ दर्विका । ९६ स्फिग्नं । ९७ कर्मारभण्डिका । ९८ नापितभाण्डं । ९९ घटभेदनकं । १०० कर्परः । १०१ उदकभाण्डः[13] । १०२ पादाधिष्ठानं । १०३

---

1) P. поправка на верху: *a*) и *b*) त्रपु° — 2) P. *a*) и *b*) खक्खरं — 3) S. приписка: पिण्डोपादानं; L. °धानं — 4) P. на верху: र्व — 5) Такъ поправка на верху. P. *a*) и *b*) विवो°; S. वधो°. Приписка S. и L.: सिरोपधानं — 6) S. L. приписка послѣ 41: वृसिका; послѣ 42: कलण्डकं (L.) и °न्दकं (S.) — 7) P. *a*) и *b*) लम्प्य°. Такъ на верху. S. °व्यक — 8) D. U. M. T. — P. °स्थापरं — 9) P. *a*) и *b*) कपहकं; на верху °ट° — 10) D. U. — P. अत्तु° — 11) Такъ D. U. — P. *a*) и *b*) नेत्रिंकं — 12) S. L. खट्वा[ड्वा]मञ्च — 13) S. L. °ण्डाधिष्ठानं —

॥ २७४ ॥

विहारोद्देशकः । १ भक्तोद्देशकः । २ यवागूचारकः । ३ खाद्यकचारकः । ४ फलचारकः । ५ यत्किंचिच्चारकः । ६ भाण्डगोपकः । ७ भाण्डभाजकः । ८ वर्षाशाटीगोपकः । ९ चीवरगोपकः । १० चीवरभाजकः । ११ उपधिवारिकः । १२ प्रेषक[1]) । १३ भाजनवारिकः । १४ पानीयवारिकः । १५ प्रासादिवारिकः । १६ परिषण्डावारिकः । १७ शयनासनवारिकः । १८ मुण्डशयनासनवारिकः । १९ कुण्डिकावारिकः । २०

॥ २७५ ॥

आर्यसर्वास्तिवादाः । १ मूलसर्वास्तिवादाः । २ काश्यपीयाः । ३ महीशासकाः । ४ धर्मगुप्ताः । ५ बाहुश्रुतीयाः । ६ ताम्रशाटीयाः । ७ विभज्यवादिनः । ८ आर्यसंमतीयाः । ९ कौरुकुल्लकाः । १० आवन्तकाः । ११ वात्सीपुत्रीयाः । १२ महासंघिकाः । १३ पूर्वशैलाः । १४ अपरशैलाः । १५ हैमवताः । १६ लोकोत्तरवादिनः । १७ प्रज्ञाप्तिवादिनः । १८ आर्यस्थाविराः । १९ महाविहारवासिनः । २० जेतवनीयाः । २१ अभयगिरिवासिनः । २२

॥ २७६ ॥

प्रव्रज्यावस्तु । १ पोषधवस्तु । २ वर्षावस्तु । ३ प्रवारणावस्तु । ४ कठिनवस्तु । ५ चीवरवस्तु । ६ चर्मवस्तु । ७ भैषज्यवस्तु । ८ कर्मवस्तु । ९ प्रतिजयावस्तु[2]) । १० कालाकालसंपद्वस्तु । ११ भूम्यन्तरस्थचरणावस्तु । १२ परिकर्मणावस्तु । १३ कर्मभेदवस्तु । १४ चक्रभेदवस्तु । १५ अधिकरणावस्तु । १६ शयनासनवस्तु । १७

॥ २७७ ॥

संघकल्पः । १ पुद्गलकल्पः । २ परिस्रावकल्पः[3]) । ३ अहोरात्रकल्पः । ४ उदपानकल्पः । ५

॥ २७८ ॥

अभिक्षुः । १ अश्रमणः । २ अशाक्यपुत्रीयः । ३ ध्वस्यते भिक्षुभावात् । ४ हतमस्य भवति श्रामण्यं । ५ ध्वस्तं । ६ मथितं । ७ पतितं । ८ पराजितं । ९ अप्रत्युद्धार्यमस्य भवति श्रा-

---

1) P. *a)* и *b)* प्रेर्षक — 2) L. प्रतिकृपा°; S. °क्रिय° — 3) M. T. — P. D. U. °स्रा° —

मण्यं । १० तद्यथा तालो मस्तकच्छिन्नः । ११ *अभव्यो हरितत्वाय[1]) । १२ दुःशीलः । १३ पापधर्मः । १४ *अन्तपूति अवस्रुतः । १५ *कशंबकजातः । १६ शङ्खस्वरसमाचारः । १७ अश्रमणः श्रमणप्रतिज्ञः । १८ अब्रह्मचारी ब्रह्मचारीप्रतिज्ञः । १९ शीलविपन्नः । २० दृष्टिविपन्नः । २१ आचारविपन्नः । २२ आजीवविपन्नः । २३ शिक्षाभ्रष्टः । २४

॥ २७९ ॥

गन्धकुटी । १ विहारः । २ लयनं । ३ वर्षकः । ४ गण्डी । ५ गण्डीकोटनकं । ६ वेलाचक्रं । ७

॥ २८० ॥

और्णकवासः । १ शाणकं । २ क्षौमकं । ३ दौकूलकं । ४ कोटम्बकं । ५ कार्पासकं । ६ कौशेयकं । ७ अंशुकं । ८ पट्टकं । ९ पटः । १० पटकः । ११ शाटकं । १२ प्रवरः । १३ *घमिलः । १४ कृमिलिकः । १५ कृमिवर्णा । १६ मौमिलिका । १७ काशिकसूक्ष्म । १८ समवर्णाः । १९ दुर्वर्णाः । २० अपरान्तकः । २१ एरकं । २२ मेरकं । २३ *स्यन्दरकः[2]) । २४ मन्दुरकं । २५ मृतपरिष्कारः । २६ *शमसामन्तकं[3]) । २७ युग्म[4]) । २८ द्विपुटसंघाटी । २९ त्रिपुटसंघाटी । ३० वटिक[5]) । ३१ चीवरश्रेणी । ३२ आनन्दपट्टिकः । ३३ फलकः[6]) । ३४ *कण्डूसिक[7]) । ३५ उपनिश्रयः । ३६ आश्रयणीयं । ३७ कल्पिकं । ३८ उत्कचः । ३९ प्रकचः । ४० रोमपादः । ४१

॥ २८१ ॥

जानन्तं पृच्छति । १ जानन्तोऽपि न पृच्छन्ति[8]) । २ काले पृच्छति । ३ कुलपर्यायेण शलाकाचर्या[9]) ते । ४ कालातिक्रान्ते[10]) न पृच्छति । ५ अर्थोपसंहितं पृच्छति । ६ अनर्थोपसंहितं न पृच्छति । ७ शिक्षापदप्रज्ञाप्तिः । ८ घस्यामुत्पत्तौ । ९ अस्मिन्निदाने । १० अस्मिं प्रकरणे । ११ अस्मिं वस्तुनि । १२ प्रज्ञाप्तिः । १३ अनुप्रज्ञाप्तिः । १४ प्रतिक्षेपः । १५ अभ्यनुज्ञा । १६ प्रातिमोक्षः । १७ दक्षिणीयः । १८ सब्रह्मचारी । १९ भदन्तः । २० आयुष्मान् । २१

1) D. U. — P. a) कृरि° — a) и b) °त्वयः — 2) P. a), D. U. स्यन्दु°; L स्यन्त° — 3) M. T. — P. शामन्तन्मकं — D. U. शमसान्तकं — 4) P. b) यगाम — a) गुस्म — 5) P. b) घट्टिक; L. घणिकः — 6) P. a) हलकः — 7) D. U. — P. L. कण्डूः и приписка: शिक — 8) Такъ L. — 9) P. a) चर्य — 10) P. a) и b) °क्रान्तिन; L. °न्तान्तन —

आपत्तिः । २२ *पायत्तिका[1]) । २३ स्थूलात्ययः । २४ दुष्कृतं । २५ प्रविष्टः स्पर्शस्रीकृतौ । २६ प्रस्रावकरणे प्रस्रावकारणस्य मुखे वर्चोमार्गे वा । २७ अदत्तस्य[2]) । २८ पञ्चमाषकादेः । २९ स्तेयचित्तेन । ३० मनुष्यगतिपरिगृह्वीतस्य । ३१ तत्तत्संज्ञा[3]) यः । ३२ ह्रणाह्रारणायोद्भूतेनापि[4]) । ३३ जीवितोपरोधे तच्चित्तेन । ३४ मनुष्यगतेः । ३५ मानुष्यविग्रह्ः । ३६ विनिधायसंज्ञा । ३७ तत्संज्ञायाः । ३८ *उत्तरमनुष्यधर्मयुक्ततोक्तवर्तमानः[5]) । ३९ परावगमे । ४० अनापत्तिः । ४१ आदिकर्मिकः । ४२ उन्मत्तकः । ४३ विक्षिप्तचित्तः । ४४ वेदनाभिन्नः । ४५ प्रयोगिकः । ४६ गुर्वी । ४७ लघ्वी । ४८ सावशेषा । ४९ निरवशेषः । ५० आसप्तमं युगमुपादाय । ५१ पात्रनिकुब्जनं । ५२ साशङ्कं । ५३ सप्रतिभयभैरवसंमतं । ५४ षड्वार्गिकाः । ५५ विचटनं[6]) । ५६ आक्रोटनं[7]) । ५७ धावयेत् । ५८ रञ्जयेत् । ५९ आकोटयेत् । ६० गृह्व्याकुलिका । ६१ पूरणाद्वितीया । ६२ घण्टावघोषणं । ६३ कार्षापणं । ६४ माषकं । ६५ संप्रज्ञानमृषावादः । ६६ आगमकः । ६७ आज्ञापकः । ६८ समग्रः । ६९ व्यग्रः । ७० पूर्वचरमः । ७१ मृतवैभवाद्भुक् । ७२ सार्धविह्वारी । ७३ प्रतिबन्धः । ७४ उत्कुटुकस्थः । ७५ *अन्तःसीम । ७६ *कृतेर्देवेषं । ७७ पञ्चमण्डलकेन वन्दनं कृत्वा । ७८ प्रगृह्वीताञ्जलिः । ७९ संघाधीनः । ८० पुराकल्पः[8]) । ८१ हैमन्तिकः । ८२ ग्रीष्मः । ८३ वार्षिकः । ८४ मितवार्षिकः । ८५ दीर्घवार्षिकः । ८६ पोषधस्थापनं । ८७ चूर्णी । ८८ *ज्ञोत्तकः[9]) । ८९ उद्कभ्रमः[10]) । ९० कुरुविन्दः । ९१ लयनपरिह्वारः । ९२ उत्थकारकः । ९३ दन्तकाष्ठं । ९४ आरोचनं । ९५ अरुणाः । ९६ नीलारुणाः । ९७ पीतारुणाः । ९८ ताम्रारुणाः । ९९ *नेपद्ध्यं । १०० तीर्थिकावसथः । १०१ अर्वाक् । १०२ निमित्तविपर्यायः । १०३ प्रणिधिकर्म । १०४ कलह्कारः । १०५ अवसारणं । १०६ प्रायश्चित्तिकः[11]) । १०७ *शुद्धपायत्तिकः[12]) । १०८ *नैःसर्गिकापत्तिः[13]) । १०९ काकोत्तारसमर्थः । ११० चतुष्कुम्भिकया[14]) सर्पति । १११ परिभावितं । ११२ संकारः । ११३ संमार्जनी । ११४ सेचनं । ११५ भृकुटिः । ११६ विलोमप्रति-

---

1) P. पाप°; S. पाटायत्तिका — 2) P. *b*) поправка: अदत्तस्य — 3) P. *b*) поправка: तत्संज्ञा यः; L. तत्संज्ञया — 4) P. *b*) दृतेनापि — 5) P. *b*), L. поправка वत्मन вм. °वत्सलः; D. U. वात्तमनः — 6) P. *a*) °ठनं — 7) L. अगो°; P. अको° *a*) °ठनं — 8) P. *a*) पुभो° — 9) P. *b*) поправка вм. ज्ञातत्तकः M. T. также. D. U. S. ज्ञेन्ह्वाकः — 10) P. *a*) उपक° — 11) D. U. °का — P. प्रम° — 12) D. U. °पातयत्तिक; S. पातयधिक — 13) P. *a*) नैसज्ञिकापत्ति, поправка: *b*) नैसर्गिकायपत्ति — L. °कापायत्तिका; D. U. S. °पातयत्तिक — 14) P. *a*) °कापसर्पति; *b*) चतुस्कु° —

लोम । ११७ परिव्रनः । ११८ षड् धर्माः । ११९ षडनुधर्माः । १२० प्रतिग्रहः । १२१ अनुषङ्गः । १२२ अन्तरापिकधर्माः । १२३ उत्थानं । १२४ अविगोपितः । १२५ प्रकृतिस्थः । १२६ रथकारः । १२७ संबाधप्रदेशः । १२८ व्रणासामन्तकः । १२९ न *गोलोमकं केशश्छेदयेत्[1] । १३० मुण्डना[2] । १३१ द्व्यङ्गुलवर्तः । १३२ प्रतिबलो भवति । १३३ आ त्रयात् । १३४ सातिसारो भवति । १३५ शौटीरः । १३६ *उच्चर्करः[3] । १३७ करण्डकः । १३८ बहिःसंवृतः । १३९ अन्तर्विशालः । १४० जालवातायनं । १४१ चक्रिका । १४२ कपोतमला[4] । १४३ कटुकतैलं । १४४ आयसदर्विका । १४५ पादधावनिका । १४६ कूर्माकृतिखरः । १४७ कुन्तपलका । १४८ तलकोपरि । १४९ ज्येष्ठः । १५० मध्यः । १५१ कनीयान् । १५२ जनपदचारिका । १५३ कर्वटका । १५४ उपनिमन्त्रणा । १५५ अवध्यायति । १५६ क्षिपति । १५७ विपाचयति । १५८ शुल्कः । १५९ कर्मदानं । १६० संवरत्रूठः[5] । १६१ *अोशटुकं । १६२ मौनल । १६३ एहि स्वागतः । १६४ बलादुपक्रान्तः । १६५ आमृशति । १६६ परामृशति । १६७ आलम्भनं । १६८ तरपुटः । १६९ प्रतिस्रोतः । १७० आलिङ्गनं । १७१ कपर्दक । १७२ काकणि । १७३ माषकः । १७४ कार्षापणः । १७५ चीवरभण्डकः । १७६ चीवरकारण्डकं । १७७ गर्भपातनं । १७८ अधिवासनं । १७९ मञ्चः । १८० पीठः । १८१ घटः । १८२ घटिका । १८३ करकिणी । १८४ कुण्डिका । १८५ कल्पिकः । १८६ परिष्वजनं[6] । १८७ घट्टनं । १८८ भार्या । १८९ प्रणायः । १९० प्रकटः । १९१ परिपाटिः । १९२ हरति प्रत्याहरति । १९३ आकर्षणं । १९४ पाटपाटिकः । १९५ व्यामः । १९६ हस्तः । १९७ वितस्तिः । १९८ अङ्गुलिः । १९९ अन्यथाभागीयः । २०० छन्दपोषधमारोचयति आरोचितं च प्रवेदयते । २०१ अनुध्वंसनं । २०२ प्रतिवस्तु । २०३ उद्धृतकठिनं । २०४ कठिनास्तारः । २०५ संकल्पितमार्गणं । २०६ छन्ददायकः । २०७ अधिकरणं । २०८ संनिहितं । २०९ अप्ररोहणधर्मक । २१० कुलप्रतिसंवेदकः[7] । २११ *अोशिरिकः । २१२ गोलः । २१३ *टिव्यकः । २१४ *पणितकं बध्नन्ति[8] । २१५ अङ्क्रासः[9] । २१६ सांयमनिकः । २१७ क्रियाकारः[10] । २१८ परिमा-

---

1) D. U. — P. a) нѣтъ, b) च्छपेत — 2) P. a) च्छपेत — 3) P. a) उत्थर्कर — 4) P. a) कतमला — D. U. M. T. कपोतमाला — 5) P. b) поправка: °रूट — 6) P. на верху: °श्वजनं a) °ष्वा° — 7) P. a) °संभे° — 8) D. U. — L. °बबन्ति: P. b) поправка: वधनन्ति вм. a) बधुङ्ग — 9) D. U. — P. на верху: °ङ्कस — a) и b) °पः; L. अद्द्हसः — 10) P. a) и b) कृ° —

र्जनं। २१९ प्रस्फोटनं। २२० कोटकः। २२१ अन्तर्वर्षा। २२२ छिन्नवार्षिकः। २२३ अवार्षिकः। २२४ *खण्डफुल्लाः[1])। २२५ लीलायितत्वं। २२६ संतानव्याकुल्यं। २२७ धर्मपाणं। २२८ विप्रवादनं। २२९ पुटकं[2])। २३० उपनिमन्त्रणं। २३१ पूतिमुक्तः। २३२ कालिकः। २३३ यामिकः। २३४ सप्ताह्निकं[3])। २३५ यावज्जीविकं। २३६ खेटकाटाह्निकं[4])। २३७ कुञ्चिका। २३८ शूर्पकः। २३९ कुण्डलकं। २४० *वरत्रं। २४१ *पैलोत्तिकं। २४२ फुप्फुसः[5])। २४३ बलेन अनुप्रस्कन्द्य। २४४ उदकदत्तः। २४५ धनक्रीतं। २४६ ध्वजाहृता। २४७ छन्दवासिनी। २४८ पटवासिनी। २४९ समजीविकः। २५० पितृरक्षिता। २५१ मातृरक्षिता। २५२ भ्रातृरक्षिता। २५३ भगिनीरक्षिता। २५४ श्वशुररक्षिता। २५५ श्वश्रूरक्षिता। २५६ ज्ञातिरक्षिता। २५७ गोत्ररक्षिता। २५८ मालगुणपरिक्षिप्तः। २५९ तत्क्षणिका। २६० आवाहः। २६१ विवाहः। २६२ कायसंसर्गः। २६३ परिष्वङ्गमात्रं। २६४ द्वयद्वयसमापत्तिः[6])। २६५

॥ २८२ ॥

नन्दः। १ उपनन्दः। २ पुनर्वसुः। ३ छन्दः। ४ अश्वकः। ५ उदायी। ६

॥ २८३ ॥

अङ्कधात्री। १ क्षीरधात्री। २ मलधात्री। ३ क्रीडनिकधात्री। ४

॥ २८४ ॥

व्याधिरोगः। १ परिदाहः। २ व्रणं। ३ गण्डः। ४ आविका। ५ कुष्ठं। ६ विस्फोटः। ७ किटिभः। ८ दद्रुः। ९ किलासं। १० विचर्चिका। ११ कण्डूः। १२ पामा[7])। १३ कच्छुः। १४ विषूचिका। १५ आध्मानः[8])। १६ हिक्का। १७ राजयक्ष्मा[9])। १८ क्षयव्याधिः। १९ भ्रमः। २० कासः। २१ श्वासः। २२ शोषः। २३ लोहलिङ्गः। २४ अपस्मारः। २५ वैसर्पः। २६ अङ्गभेदः। २७ गुल्मः। २८ पाण्डुरोगः। २९ क्षतः। ३० संभिन्नव्यञ्जनं। ३१ *अटक्करः। ३२ भगंदरः। ३३

---

1) D. U. — L. °पूर्णाः; P. на верху: °चु° — *a*) и *b*) °फुल्लाः — 2) P. *a*) प्र° — 3) P. *a*) शपथाह्निकं *b*) सप्ताह्निकं — 4) P. *a*) खेटकं — 5) D. U. — P. फु° — 6) P. на верху поправка. P. *a*) и *b*) °द्वय° — 7) P. *a*) पाम — 8) P. *b*) поправка आंवानः — 9) P. поправка на верху: P. *a*) и *b*) °माद्य; L. °यद्य —

*भस्मकः[1]) । ३४ 'अर्शा[2]) । ३५ छर्दिः । ३६ मूत्ररोधः । ३७ श्लीपदः । ३८ ल्लामः । ३९ अङ्ग-दाहः । ४० पार्श्वदाहः । ४१ अस्थिभेदः । ४२ संचारव्याधिः । ४३ ज्वरः । ४४ पित्तं । ४५ रुधिरं । ४६ प्रज्वरः । ४७ एकाह्निकः । ४८ द्वैतीयकः । ४९ त्रैतीयकः । ५० चातुर्थकः । ५१ नित्यज्वरः । ५२ विषमज्वरः । ५३ संनिपातः । ५४ अतिसारः । ५५ प्रमेहः । ५६ रक्तं । ५७ *उत्पिका[3]) । ५८ 'उव्यधः । ५९ सिध्म । ६० सितपुष्पिकं । ६१ श्वित्रं । ६२ कम्पः । ६३ वह्निरायाम[4]) । ६४ वातप्रतोदः । ६५ *मन्दस्तम्भः[5]) । ६६ कामला[6]) । ६७ काचपटलं । ६८ संन्यास । ६९ ईतिः । ७० उपसर्गः । ७१ पिटकः । ७२ मूत्रकृच्छ्रं । ७३ दुक्कोदरः । ७४ जलो-दरः । ७५ *आसिक्यपण्डकः[7]) । ७६ मन्थानं । ७७ नेत्रं । ७८ कुतपं[8]) । ७९ गोणी[9]) । ८० विशदं[10]) । ८१

॥ महाव्युत्पत्तिसमाप्तेति ॥

---

1) D. U. — P. приписка: °स्नंक — 2) P. на верху: °शा°, P. *a*) и *b*), L. अर्शा-द्रि; S. अशादिः — D. U. अशार्दिः कुष्ठं — 3) P. надъ строкой °त्पि. D. U. L. उत्पिकः उप्यास — 4) P. поправка вм. *a*) и *b*) वह्नित्रा° — 5) D. U. मन्दस्तम्वा — P. L. मन्या° — 6) P. *a*) कानला — 7) P. *b*) °शी° — M. T. — P. *a*), D. U. S. °शि°; L. आशी — 8) D. U. P. *a*) ऊतव; на верху: °भ° *b*) °वं — 9) D. U. — P. *a*) शोणाः; *b*) गोणाः — 10) Только въ P. еще: लक्ष्मीधरः, но безъ перевода и тибетской транскрипціи. См. предисловіе стр. IV.

Указатель.

आ

ऊ

ऐ

घ

थ

द

न

BIBLIOTHECA BUDDHICA.

СОБРАНІЕ БУДДІЙСКИХЪ ТЕКСТОВЪ,

ИЗДАВАЕМЫХЪ ИМПЕРАТОРСКОЙ АКАДЕМІЕЮ НАУКЪ

ПОДЪ РЕДАКЦІЕЮ АКАДЕМИКА С. Ѳ. ОЛЬДЕНБУРГА.

Изданы: Publiés:

I. Çikşāsamuccaya. Ed. C. Bendall. I—IV Fsc.
II. Rāştrapālaparipṛcchā. Publ. par L. Finot. I Fsc.
III. Avadānaçataka. Ed. J. S. Speyer. Vol. I (I—IV Fsc.). Vol. II (Fsc. I—IV).
IV. Madhyamakavṛtti. Publ. par L. de la Vallée Poussin. Fsc. I—V.
V. Сборникъ 300 Бурхановъ. Изд. С. Ѳ. Ольденбургъ. Ч. I.
VI. А. Грюнведель. Описаніе буддійскаго собранія кн. Э. Э. Ухтомскаго. I—II Fsc.
VIII. Nyāyabindu и Nyāyabinduṭīkā (тибетскій переводъ). Изд. Ѳ. И. Щербатской. Fsc. I—II.
IX. Madhyamakāvatāra par Candrakīrti (traduction tibétaine). Publ. par L. de la Vallée Poussin. Fsc. I—III.
X. Saddharmapuṇḍarīka. Ed. by Prof. H. Kern and Prof. Bunyiu Nanjio. Fsc. I—IV.
XI. Nyāyabinduṭīkāṭippaṇī (толкованіе на сочиненіе Дармоттары Nyāyabinduṭīkā). Санскритскій текстъ съ примѣчаніями издалъ Ѳ. И. Щербатской. I Fsc.
XII. Tišastvustik, ein in türkischer Sprache bearbeitetes Buddhistisches Sūtra. I. Transscription und Übersetzung von W. Radloff. II. Bemerkungen zu den Brāhmīglossen des Tišastvustik-Manuscripts (Mus. As. Kr. VII) von Baron A. von Staël-Holstein. I Fsc.
XIII. Mahāvyutpatti. Издалъ И. П. Минаевъ. Второе изданіе, съ указателемъ. Приготовилъ къ печати Н. Д. Мироновъ. Fsc. I—II.

Печатаются: Sous presse:

IV. Madhyamakavṛtti. Publ. par L. de la Vallée Poussin. Fsc. VI.
VII. Nyāyabindu и Nyāyabinduṭīkā (санскритскій текстъ). Изд. Ѳ. И. Щербатской. Fsc. I.
VIII. Nyāyabindu и Nyāyabinduṭīkā (тибетскій переводъ). Изд. Ѳ. И. Щербатской. Fsc. III.
IX. Madhyamakāvatāra (traduction tibétaine). Publ. par L. de la Vallée Poussin. Fsc. IV.
X. Saddharmapuṇḍarīka. Ed. by Prof. H. Kern and Prof. Bunyiu Nanjio. Fsc. V.
XIII. Mahāvyutpatti издалъ И. П. Минаевъ. Второе изданіе, съ указателемъ. Приготовилъ къ печати Н. Д. Мироновъ. Fsc. III.
Abhisamayālaṃkāraprajñāpāramitopadeçaçāstra (санскритскій и тибетскій тексты). Изд. Ѳ. И. Щербатской. Fsc. I.

Приготовляются къ печати: En préparation:

Karuṇāpuṇḍarīka. Ed. by C. M. Ridding.
Pañcaviṃçatisahasrikāprajñāpāramitāsūtra. Изд. Ѳ. И. Щербатской и Б. Б. Барадинъ.
Amarakoça (тибетскій переводъ). Изд. Ѳ. И. Щербатской и Н. Д. Мироновъ.
Kālacakratantra. Ed. Prof. A. Grünwedel.
Sādhanamālā. Изд. С. Ѳ. Ольденбургъ.
Saddharmalaṅkāvatāra. Изд. Ѳ. И. Щербатской.
Pañcarakşā. Изд. С. Ѳ. Ольденбургъ.
Çālistambasūtra (санскритскій и тибетскій тексты). Изд. L. de la Vallée Poussin.

प

म

य

व

श

ष

स

ह



Замѣченныя опечатки.

				Напечатано:	Слѣдуетъ читать:
Стр.	1	§	१.	गौतमः । ७४	गौ° । ७९
»	2	»	५.४.	प्रत्यवेक्षणाज्ञानं	प्रत्यवेक्षणाज्ञानं
»	6	»	१८.१.	अतम्रनखः	अताम्र°
»	16	»	४०.४.	मीमंसा°	मीमांसा°
»	17	»	४७.२३.	बाष्प	वा°
»	21	»	६३.१.	ब्रह्मचार्य	°चर्य
»	29	»	९३.५.	पण्यक्रियावस्तु	पुण्य°
»	31	»	१००.३.	संज्ञास्कन्:ध	°स्कन्धः
»	32	»	१०१.७३.	बुभूक्षा	बुभुक्षा
»	44	»	१४४.१०.	अतकावचरः	अतर्का°
»	44	»	१४४.११.	अनिदशनः	अनिदर्शनः
»	50	»	१६९.६.	बभ्रदृढनेत्रः	वभ्र°
»	55	»	१८६.१२५.	चमकारः	चर्म°
»	61	»	१९७.१४१.	काखोर्दः	काखोर्दः
»	71	»	२२३.२७१.	धनुरारोपनं	धनुरारोपणं
»	79	»	२३९.	जीवितोपकरणं । ३१	जी° । ३२
»	81	»	२४४.१४.	एकांशमुत्तरा°	एकांस°
»	90	»	२४५.६५२	пропущенъ.	
»	94	»	२४५.१०५४.	प्रत्यवेक्षापितव्यः	प्रत्यवेक्ष°
»	113	»	२७८.१९.	°ब्रह्मचारीप्रतिज्ञा	°चारि°
»	117	»	прим. 10	стр. IV	стр. I
»	121	»	(указатель)	अतिक्षुण	°णक